

भारतीय रिज़र्व बैंक
बुलेटिन



मई 2024

खंड 78 अंक 5

अध्यक्ष
माइकल देवब्रत पात्र

संपादक समिति
मनीष कपूर
अजीत आर जोशी
रेखा मिश्र
प्रज्ञा दास
सुनिल कुमार
स्नेहल हेरवाडकर
पंकज कुमार
वी. धन्या
श्वेता कुमारी
अनिर्बन संन्याल
सुजाता कुंडू

संपादक
जी. वी. नथनएल

भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन संपादकीय समिति के निर्देशन में आर्थिक और नीति अनुसंधान विभाग द्वारा मासिक आधार पर प्रकाशित किया जाता है। इसमें व्यक्त व्याख्याओं और विचारों के लिए बैंक का केंद्रीय निदेशक मंडल उत्तरदायी नहीं है। हस्ताक्षरित आलेखों में व्यक्त विचारों के लिए लेखक स्वयं उत्तरदायी हैं।

© भारतीय रिज़र्व बैंक 2024

सर्वाधिकार सुरक्षित।
सामग्री के पुनः उत्पादन की अनुमति है,
बशर्ते स्रोत का उल्लेख किया जाए।

बुलेटिन की सदस्यता के लिए कृपया हाल के “प्रकाशन” खंड देखें।

भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन को
<https://bulletin.rbi.org.in> पर भी देखा जा सकता है।

विषय-वस्तु

भाषण

शहरी सहकारी बैंकों में आश्वासन कार्यों की महत्वपूर्ण भूमिका* स्वामीनाथन जे.	1
एनबीएफसी क्षेत्र की सतत संवृद्धि के लिए सार्थक आश्वासन कार्य अपनाना* स्वामीनाथन जे.	5
संवृद्धि के मार्ग का निर्धारण: वित्तीय साक्षरता का महत्व* स्वामीनाथन जे	9

आलेख

अर्थव्यवस्था की स्थिति*	13
विकेन्द्रीकृत वित्त और वित्तीय प्रणाली पर इसका प्रभाव	57
भारतीय रिज़र्व बैंक का मुद्रा स्वैप: जीएफएसएन में भूमिका और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सहयोग को बढ़ावा देना	73
भारत में उपभोक्ता विश्वास: एक क्षेत्रीय परिप्रेक्ष्य	83

वर्तमान सांख्यिकी	103
--------------------------	------------

हाल के प्रकाशन	157
-----------------------	------------

भाषण

शहरी सहकारी बैंकों में आश्वासन कार्यों की महत्वपूर्ण भूमिका*
स्वामीनाथन जे.

एनबीएफसी क्षेत्र की सतत संवृद्धि के लिए सार्थक आश्वासन कार्य अपनाना*
स्वामीनाथन जे.

समृद्धि के मार्ग का निर्धारण: वित्तीय साक्षरता का महत्व*
स्वामीनाथन जे

शहरी सहकारी बैंकों में आश्वासन कार्यों की महत्वपूर्ण भूमिका*

स्वामीनाथन जे.

उप गवर्नर श्री राव, शहरी सहकारी बैंकों के आश्वासन कार्यों के प्रमुख, और भारतीय रिज़र्व बैंक के मेरे सहयोगी। आप सभी को सुप्रभाता।

भारतीय रिज़र्व बैंक अभिशासन और आश्वासन कार्यों की प्रभावशीलता के मामलों पर अपनी पर्यवेक्षित संस्थाओं के साथ नियमित रूप से बातचीत करता आ रहा है। हमने वाणिज्यिक और सहकारी दोनों बैंकों के निदेशक मंडलों के साथ सिलसिलेवार बातचीत की है और वित्तीय क्षेत्र की निरंतर स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए मजबूत कॉर्पोरेट अभिशासन और सतर्क रहने के महत्व को बताया है। हम बैंकों की सुरक्षा और सुदृढ़ता सुनिश्चित करने और विनियामकीय अनुपालन को बढ़ावा देने में इन कार्यों की महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानते हुए, आश्वासन कार्यों के प्रमुखों से भी मिलते रहे हैं। आज का सम्मेलन आश्वासन पदाधिकारियों के साथ जुड़ने के हमारे प्रयासों की आगे की कड़ी है।

आवश्यक कार्यकलाप, अर्थात् जोखिम प्रबंधन, आंतरिक लेखापरीक्षा और अनुपालन कार्य बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, क्योंकि अभिभावक यह सुनिश्चित करते हैं कि बैंक सुरक्षित, नैतिक रूप से और विनियामक और कानूनी सीमाओं के भीतर संचालित हो। आश्वासन पदाधिकारी, प्रभावी द्वारपाल बनकर, सभी हितधारकों को आवश्यक सुनिश्चितता प्रदान कर सकते हैं कि बैंक सही रास्ते पर है, इसकी प्रणालियाँ मजबूत हैं, इसके संचालन विश्वसनीय हैं, और इसके जोखिमों को प्रभावी ढंग से प्रबंधित किया जाता है। बैंक के सद्-विवेक के रक्षक रूप में, उनका उद्देश्य किसी भी विचलन या किसी संभावित जोखिम के निर्माण का पता लगाना और उसे रोकना, बैंक की प्रतिष्ठा की रक्षा करना और अपने ग्राहकों और अन्य हितधारकों के विश्वास को बनाए रखने में मदद करना है।

* श्री स्वामीनाथन जे, उप गवर्नर, भारतीय रिज़र्व बैंक का 16 मई, 2024 को मुंबई में आयोजित शहरी सहकारी बैंकों के आश्वासन प्रमुखों के सम्मेलन में भाषण।

बैंकिंग के लगातार बदलते परिदृश्य में, नए जोखिम लगातार सामने आते रहते हैं। जबकि क्रेडिट, बाजार और चलनिधि जोखिम जैसे पारंपरिक जोखिम महत्वपूर्ण बने हुए हैं, अब हम साइबर सुरक्षा खतरों और परिचालन संबंधी व्यवधानों जैसी नई चुनौतियों का सामना कर रहे हैं।

डिजिटल प्रौद्योगिकियों के प्रसार और वित्तीय प्रणालियों की परस्पर जुड़ी प्रकृति ने बैंकों को डेटा चोरी से लेकर दुर्भावनापूर्ण रैंसमवेयर हमलों तक असंख्य साइबर खतरों से अवगत कराया है। किसी बैंक के संचालन, प्रतिष्ठा और वित्तीय स्थिरता पर एक सफल साइबर हमले के संभावित प्रभाव को बढ़ा-चढ़ाकर नहीं बताया जा सकता है, जो मजबूत साइबर सुरक्षा उपायों और सक्रिय जोखिम को कम करने की रणनीतियों के गंभीर महत्व को रेखांकित करता है।

तकनीकी प्रगति, आउटसोर्सिंग व्यवस्था और संबंधित निर्भरता सहित विभिन्न कारकों के कारण परिचालन जोखिम भी तेजी से जटिल और व्यापक हो गई है। महत्वपूर्ण प्रणालियों और प्रक्रियाओं में व्यवधान, चाहे वह साइबर घटनाओं, प्राकृतिक आपदाओं, धोखाधड़ी या मानवीय त्रुटि के कारण हो, बैंकों के लिए इसके दूरगामी परिणाम हो सकते हैं, जो उन्नत परिचालनगत लचीलापन, बैकअप और पुनर्प्राप्ति परीक्षण के साथ-साथ आकस्मिक योजना की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हैं।

पारंपरिक जोखिमों का स्वरूप भी बदल गया है। उदाहरण के लिए, सोशल मीडिया को व्यापक रूप से अपनाए जाने के साथ-साथ युग्मित डिजिटल क्रांति का एक उल्लेखनीय परिणाम चलनिधि प्रवाह में तेजी आना है। जो बात सामने आने में कई दिन लग जाते थे, वह अब महज कुछ घंटों में हो सकती है, यह सब इंटरनेट और सोशल मीडिया के व्यापक प्रभाव की बदौलत है। संयुक्त राज्य अमेरिका में मार्च 2023 की घटनाएं इस वास्तविकता की याद दिलाती हैं। जैसा कि आपको याद होगा, सोशल मीडिया पर गलत सूचना के कारण भारत में एक प्रमुख यूसीबी के साथ अमेरिकी बैंक के नाम में गड़बड़ी के कारण अफवाहों को दबाने के लिए यूसीबी से एक प्रेस स्पष्टीकरण की आवश्यकता पड़ी।

इस गतिशील वातावरण के साथ, विनियमन और पर्यवेक्षण का ध्यान गतिविधि आधारित जोखिम की ओर बढ़ रहा है। समान जोखिम वाली समान गतिविधियों के लिए समान स्तर की विनियामक और पर्यवेक्षी निगरानी की आवश्यकता होती है,

भले ही संचालन के पैमाने और जटिलता को ध्यान में रखते हुए, उसमें आनुपातिकता का तत्व हो। इसलिए, सहकारी बैंकों के नियम जहां भी आवश्यक हो, कुछ अंशांकन के साथ वाणिज्यिक बैंकों के नियमों के अनुरूप हो रहे हैं। अब यूसीबी से विशेष रूप से, कॉर्पोरेट अभिशासन और आश्वासन कार्यों की प्रभावशीलता के लिए बहुत अधिक उम्मीदें हैं। जैसा कि हमारी हाल की कुछ प्रवर्तन कार्रवाइयों से पता चला है, निदेशकों या उनके रिश्तेदारों को ऋण जैसी खराब कॉर्पोरेट अभिशासन प्रथाओं के प्रति अब बिल्कुल सहिष्णुता नहीं है।

आश्वासन प्रमुखों से अपेक्षाएँ

साइबर खतरों से लेकर विनियामक परिवर्तनों तक, और आर्थिक अनिश्चितताओं से लेकर तकनीकी प्रगति तक, यूसीबी को अनुकूलन करना होगा और सतर्क रहना होगा, अगर वे इस तेजी से बदलती दुनिया में अपनी प्रासंगिकता बनाए रखने के इच्छुक हैं। यहीं पर जोखिम प्रबंधन, अनुपालन और आंतरिक लेखापरीक्षा काम आती है। उन्हें इन जोखिमों की पहचान करने, उनका आकलन करने और उन्हें कम करने के लिए एक साथ काम करने की ज़रूरत है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि उनका बैंक आगे आने वाली किसी भी चुनौती के लिए लचीला और तैयार रहे। इसलिए, आश्वासन के प्रमुखों के रूप में, आपको यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आप और आपकी टीम सभी नवीनतम घटनाक्रमों से अवगत रहें। इसका उपयोग आपके प्रणाली और प्रथाओं को सक्रिय रूप से नवीनीकृत करने के लिए किया जाना चाहिए ताकि आप सबसे आगे रहें।

जोखिम प्रबंधन

जोखिम प्रबंधन बैंकिंग के केंद्र में है। वित्त की सभी जटिलताओं और प्रगति के बीच, हमें जोखिमों के विविधीकरण और विवेकपूर्ण चलनिधि प्रबंधन जैसे बैंकिंग के बुनियादी सिद्धांतों के कालातीत ज्ञान को नहीं भूलना चाहिए। संकेन्द्रण जोखिम, चाहे वह अग्रिम में हो या धन स्रोतों में, एक ऐसी चीज है जिसके प्रति हमें सावधान रहना चाहिए। किसी एकल प्रतिपक्षकार या प्रतिपक्षकारों के समूह के प्रति बड़े जोखिम के खराब होने के हानिकारक परिणाम हो सकते हैं। इसलिए, कुछ यूसीबी को बड़े कॉर्पोरेट जोखिम हासिल करने की हड़बड़ी से बचना चाहिए, जो उनके दायरे से परे है और मौजूदा जोखिम पर बारीकी से नजर रखने की ज़रूरत है।

यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि लक्ष्यित खंडों और व्यावसायिक क्षेत्रों की पहचान, स्वीकार्य संकेंद्रित स्तर, उत्पाद विशिष्ट दिशानिर्देश जैसे उधारकर्ता ऋण पात्रता मानदंड आदि जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं के लिए बोर्ड द्वारा अनुमोदित अच्छी तरह से प्रलेखित नीतियां उपलब्ध हैं। जोखिम प्रबंधकों को यह देखने का प्रयास करना चाहिए कि ये नीतियाँ उस जोखिम यानी उसकी जोखिम सहनशीलता के अनुरूप हैं जिसे बैंक वहन कर सकता है। उदाहरण के लिए, उच्च एनपीए वाले घाटे में चल रहे बैंक को उच्च जोखिम वाले ऋण नहीं देना चाहिए और इसके बजाय वसूली प्रयासों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

दूसरा पहलू जिस पर मैं प्रकाश डालना चाहूंगा वह है जोखिम सीमाओं की सावधानीपूर्वक निगरानी। जोखिम सीमाओं में बार-बार उल्लंघन, उनके गैर-अनुसमर्थन या उनके नियमित अनुसमर्थन साथ मिलकर, वित्तीय संस्थानों की स्थिरता और अखंडता के लिए महत्वपूर्ण खतरे पैदा करते हैं जो तत्काल वित्तीय निहितार्थों से परे हैं। यदि उल्लंघनों को सामान्यीकृत कर दिया जाता है या नजरअंदाज कर दिया जाता है, तो कर्मचारी जोखिम सीमाओं को गैर-परक्राम्य सीमाओं के बजाय महज दिशानिर्देश के रूप में देख सकते हैं, जिससे संस्थान की समग्र जोखिम जागरूकता से समझौता हो सकता है। इसलिए, गोपनीयता भंग को व्यवस्थित रूप से ठीक करना, पूरी तरह से जांच करना, कर्मचारियों को जवाबदेह बनाना और जोखिम प्रबंधन प्रथाओं को मजबूत करने के लिए सुधारात्मक उपायों को लागू करना अनिवार्य है।

अनुपालन

अगली कड़ी में अनुपालन की भूमिका है। अनुपालन को गैर-अनुपालन गतिविधियों का अनुमान लगाने और रोकने के लिए दूरदर्शी दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। विवादों के उत्पन्न होने के बाद उन पर प्रतिक्रिया करने के बजाय, उनके बढ़ने से पहले संभावित अनुपालन जोखिमों की पहचान करने और उनका समाधान करने का प्रयास करना चाहिए। अनुपालन कार्य को विनियामक आवश्यकताओं के पत्र के अनुपालन से परे जाकर 'विनियमन-प्लस' दृष्टिकोण अपनाना चाहिए और उसके बजाय यह सुनिश्चित करना चाहिए कि विनियमन की भावना और उद्देश्य को भी संबोधित किया जाए।

आंतरिक लेखा परीक्षा

एक बार उचित नीतियां और मजबूत आंतरिक नियंत्रण लागू हो जाने के बाद, उसके अनुपालन को स्वतंत्र रूप से सत्यापित

करना आंतरिक लेखापरीक्षा का काम है। अक्सर हम कार्यक्षेत्र, कवरेज और आवधिकता में कमियों के साथ-साथ आंतरिक लेखापरीक्षा कार्य की स्वतंत्रता में समस्याओं का सामना करते हैं। उचित कार्यक्षेत्र से यह सुनिश्चित होना चाहिए कि जोखिम व्यापक रूप से शामिल किए गए हैं। इसके अलावा, उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में लगातार लेखा परीक्षा की आवश्यकता हो सकती है, जबकि कम जोखिम वाले क्षेत्रों में कम बार लेकिन नियमित मूल्यांकन की आवश्यकता हो सकती है।

अच्छी गुणवत्ता वाली आंतरिक लेखा परीक्षा रिपोर्ट बैंकिंग परिचालन के विभिन्न क्षेत्रों में प्रचलित जोखिम प्रबंधन प्रणालियों और नियंत्रण प्रक्रियाओं का मूल्यांकन करके वर्तमान जोखिमों को कम करने और संभावित जोखिमों के क्षेत्रों का पूर्वानुमान लगाने में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान कर सकती है। यह धोखाधड़ी को रोकने और उसका पता लगाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

आरबीआई की भूमिका

आरबीआई द्वारा ऑनसाइट परीक्षाओं का उद्देश्य गलती ढूंढना नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य बैंक की समग्र स्थिति के बारे में जानकारी प्रदान करना है। वे अक्सर आंतरिक आश्वासन कार्यों और बाहरी लेखा परीक्षा से छूट गए मुद्दों को उठाते हैं। हम यह भी चाहेंगे कि आप आरबीआई द्वारा जारी जोखिम मूल्यांकन रिपोर्ट (आरएआर) टिप्पणियों और जोखिम शमन योजनाओं (आरएमपी) पर भी उचित ध्यान दें। निरंतर अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए, टिप्पणियों के मूल कारण को संबोधित करना महत्वपूर्ण है। इसके अलावा, आरएमपी के लिए सहमत समय-सीमा पर कोई समझौता नहीं होना चाहिए और बैंक को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अगले निरीक्षण चक्र की शुरुआत से पहले सभी आरएमपी मर्दों

और आरएआर टिप्पणियों को व्यापक रूप से संबोधित किया जाए। लंबित अनुपालन पैराग्राफ एक वांछनीय स्थिति नहीं है और यह प्रबंधन के साथ-साथ बोर्ड द्वारा उचित ध्यान की कमी को दर्शाती है। ऐसे उदाहरण कड़ी पर्यवेक्षी कार्रवाई को भी आमंत्रित कर सकते हैं।

निष्कर्ष

प्रभावी आश्वासन कार्यों के सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं में से एक पहलु स्वतंत्रता है। ऐसे विनियम पहले से ही मौजूद हैं जो पर्याप्त ऊँचाई, सीधी रिपोर्टिंग और आश्वासन पदाधिकारियों की दोहरी भूमिकाओं (हैटिंग) को रोकने का प्रावधान करते हैं। मेरा आपसे यह आग्रह है कि इन नियमों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए और आप ऐसी किसी भी भूमिका में शामिल न हों जो आपकी स्वतंत्रता से समझौता करती हो।

कुल मिलाकर, मेरा मानना है कि आश्वासन कार्य, यदि वे प्रभावी ढंग से काम करते हैं, तो बैंक में एक ऐसा वातावरण बना सकते हैं जहां कानूनों, विनियमों, नैतिक मानकों और आंतरिक नीतियों का पालन सर्वोपरि है, और जहां हर कोई सही काम करने के लिए प्रतिबद्ध है। बैंकिंग क्षेत्र के भीतर विश्वास, अखंडता और अनुपालन को बढ़ावा देने के लिए प्रभावी आश्वासन कार्य अपरिहार्य हैं। सहयोगात्मक और सक्रिय रूप से काम करके, हम आगे आने वाली चुनौतियों का सामना कर सकते हैं और अपने संस्थानों की दीर्घकालिक सफलता सुनिश्चित कर सकते हैं।

मैं पुनः उपस्थित सभी लोगों का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं और कामना करता हूं कि भविष्य में आगे बढ़ते हुए हम यहां चर्चा किए गए प्रमुख विचारों से सामूहिक रूप से वित्तीय समुत्थानशीलता की यात्रा शुरू करें। मैं आपसे भी सुनने के लिए उत्सुक हूं।

एनबीएफसी क्षेत्र की सतत संवृद्धि के लिए सार्थक आश्वासन कार्य अपनाना*

स्वामीनाथन जे.

उप गवर्नर श्री राव, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के आश्वासन कार्यों के प्रमुख, और भारतीय रिज़र्व बैंक के मेरे सहकर्मिगणा आप सभी को सुप्रभात।

भारतीय रिज़र्व बैंक नियमित रूप से अपने पर्यवेक्षित निकायों के साथ अभिशासन और आश्वासन कार्यों के मामलों पर संवाद करता रहा है, जिससे मजबूत संगठनात्मक अभिशासन के महत्व और वित्तीय क्षेत्र की निरंतर स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए सतर्क रहने की आवश्यकता पर बल दिया जाता रहा है। जोखिम प्रबंधन, अनुपालन और आंतरिक लेखा परीक्षा जैसे आश्वासन कार्य, संरक्षक के रूप में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जो यह सुनिश्चित करते हैं कि विनियमित निकाय सुदृढ़, सुरक्षित, विनियामक और कानूनी सीमाओं के भीतर और नैतिक रूप से संचालित हो। आश्वासन कार्यों के प्रमुखों के लिए आज का सम्मेलन हमारे प्रयासों का एक विस्तार है, जो वित्तीय इकाई के साथ-साथ समग्र वित्तीय प्रणाली की मजबूती और लचीलापन सुनिश्चित करने में इन कार्यों की महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानता है।

भारतीय वित्तीय क्षेत्र में एनबीएफसी की भूमिका तेजी से बढ़ रही है और ऋण पोर्टफोलियो में उनकी हिस्सेदारी पिछले तीन वर्षों में काफी बढ़ गई है। सिर्फ एक दशक पहले, 2013 में, एनबीएफसी द्वारा दिया गया कुल ऋण बैंक ऋण के परिमाण का लगभग छठा हिस्सा था। हालाँकि, यह अनुपात बढ़कर एक-चौथाई हो गया है¹, जो बैंकों की तुलना में एनबीएफसी द्वारा ऋण वितरण में उल्लेखनीय तेजी को दर्शाता है। वास्तव में, एनबीएफसी कई वंचित क्षेत्रों, विशेष रूप से छोटे व्यवसायों और परिवारों के लिए एक पसंदीदा विकल्प के रूप में उभरे

* श्री स्वामीनाथन जे., उप गवर्नर, भारतीय रिज़र्व बैंक, का भाषण - 15 मई 2024 को मुम्बई में आयोजित गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के बीमा प्रमुखों के सम्मेलन में।

¹ 31 मार्च 2023 तक।

हैं, क्योंकि वे संपर्क और ग्राहक-अनुकूल ऋण-समाधान प्रदान करने की क्षमता रखते हैं। इसके अलावा, एनबीएफसी ने अपनी पहुँच और ऋण वितरण प्रक्रिया को और तेज़ और सुव्यवस्थित करने के लिए बड़े पैमाने पर प्रौद्योगिकी को अपनाया है। लेकिन इसने कुछ प्रणालीगत जोखिम, जटिलता और अंतर्संबंध भी लाए हैं। यही कारण है कि रिज़र्व बैंक हाल ही से इस क्षेत्र के प्रति पहले की तुलना में अधिक सतर्क है।

इसलिए, आज मेरे भाषण का विषय सतत संवृद्धि के लिए आश्वासन कार्यों की प्रभावशीलता सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर केंद्रित होगा। जैसे-जैसे एनबीएफसी आकार और जटिलता दोनों में विस्तार कर रहे हैं, उन्हें संभावित जोखिमों और कमजोरियों पर निरंतर निगरानी बनाए रखने के लिए अभिशासन और आश्वासन कार्यों को मजबूत करना होगा। यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि मजबूत जोखिम प्रबंधन प्रथाओं के महत्व को दरकिनार करके तेजी से संवृद्धि और प्रौद्योगिकी को अपनाया न जाए।

मैं यहाँ यह भी बताना चाहूँगा कि एनबीएफसी एक गतिशील और चुनौतीपूर्ण माहौल में काम करते हैं, जहाँ उन्हें कई तरह के जोखिमों का सामना करना पड़ता है जो उनकी स्थिरता और परिचालन सुदृढ़ता को प्रभावित कर सकते हैं। मैं इनमें से सिर्फ़ तीन पर प्रकाश डालना चाहूँगा, जो मुझे लगता है कि विशेष ध्यान देने योग्य हैं।

साइबर सुरक्षा और परिचालन जोखिम

आज के डिजिटल युग में, साइबर सुरक्षा खतरा एक महत्वपूर्ण परिचालन जोखिम है। कठोर वास्तविकता यह है कि साइबर अपराधी को केवल एक बार सफल होने की आवश्यकता होती है, जबकि संगठनों को हमेशा सतर्क और लचीला रहना होता है। एनबीएफसी द्वारा सामना किए जाने वाले प्राथमिक साइबर सुरक्षा जोखिमों में से एक डेटा लीक और संवेदनशील जानकारी तक अनधिकृत पहुँच का खतरा है। मैलवेयर संक्रमण, फ़िशिंग घोटाले और रैनसमवेयर हमलों सहित साइबर हमलों के अन्य रूप भी हैं। ये हमले संचालन को बाधित कर सकते हैं, सिस्टम और डेटा गोपनीयता भंग कर सकते हैं और जबरन वित्तीय वसूली या महत्वपूर्ण जानकारी के नुकसान का कारण बन सकते हैं। साइबर सुरक्षा जोखिमों को कम करने के लिए,

एनबीएफसी को साइबर सुरक्षा के लिए एक सक्रिय और व्यापक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। इसमें मजबूत साइबर सुरक्षा नीतियों और प्रक्रियाओं को लागू करना, नियमित जोखिम आकलन और भेद्यता स्कैन करना शामिल है। फ़ायरवॉल, एन्क्रिप्शन और घुसपैठ का पता लगाने वाले सिस्टम, जैसे उन्नत सुरक्षा प्रौद्योगिकी उपकरणों का उपयोग करना अपरिहार्य है। इसके अलावा, कर्मचारियों के लिए निरंतर आधार पर साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाना चाहिए। जोखिम प्रबंधन और आंतरिक लेखा परीक्षा कार्यों में तत्काल अपनी कुशलता विकसित करनी होगी ताकि वे समय-समय पर अपनी संस्थाओं के आईटी और साइबर सुरक्षा नीति और तैयारियों का आकलन करने में सक्षम हो सकें।

रूल-आधारित ऋण मॉडलों से ऋण जोखिम

कई एनबीएफसी अपने ऋण पोर्टफोलियो के विकास में तेजी लाने के लिए रूल-आधारित क्रेडिट इंजन की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। जहाँ स्वचालन, दक्षता और मापनीयता को बढ़ा सकता है, एनबीएफसी को इन मॉडलों से खुद को अनभिज्ञ नहीं रखना चाहिए। यह पहचानना महत्वपूर्ण है कि रूल-आधारित क्रेडिट इंजन केवल डेटा और मानदंडों के अनुसार ही प्रभावी होते हैं, जिनपर वे बनाए गए हैं। परंपरागत डेटा या एल्गोरिदम पर अत्यधिक निर्भरता क्रेडिट मूल्यांकन में चूक या अशुद्धि का कारण बन सकती है, विशेष रूप से गतिशील या विकसित बाजार स्थितियों में। इसलिए, एनबीएफसी को अपनी क्षमताओं और सीमाओं पर स्पष्ट दृष्टिकोण अपनाना चाहिए, साथ ही क्रेडिट स्कोरिंग मॉडल की निरंतर निगरानी और सत्यापन भी करना चाहिए। पर्यवेक्षित संस्थाओं पर यह दायित्व है कि वे वास्तविक समय की सीख और उभरते परिदृश्यों को ध्यान में रखते हुए रूल इंजन और मॉडल को समय-समय पर सुनिर्धारित करते रहें। यह सुनिश्चित करने के लिए कि मॉडल हर समय प्रासंगिक बने रहें, इन मॉडलों को समय-समय पर आंतरिक या बाहरी रूप से वैलिडेट करना भी अनिवार्य है। मैं यहाँ जोखिम और आंतरिक लेखा परीक्षा के प्रमुखों से इस आवश्यकता पर विशेष ध्यान देने का आह्वान करना चाहूँगा।

मैं यह भी चाहूँगा कि जोखिम कार्य के प्रमुख अपने व्यवसाय मॉडल पर ध्यान दें जो उनके द्वारा निरंतर उपयोग लाया जा

रहा है और साथ ही समय-समय पर पोर्टफोलियो मिश्रण को स्कैन करें ताकि किसी भी संभावित जोखिम - जैसे कि संकेंद्रण जोखिम - को रोका जा सके। ऐसा प्रतीत होता है कि अधिकांश एनबीएफसी में एक ही तरह के काम को और अधिक करने की चाहत है, जैसे कि खुदरा असुरक्षित ऋण, टॉप अप लोन या पूंजी बाजार फंडिंग। ऐसे उत्पादों पर अत्यधिक निर्भरता बाद में किसी समय संकट ला सकती है। यह भी देखा गया है कि कुछ संस्थाओं में कुछ निश्चित श्रेणी के उत्पादों या खंडों, जैसे कि असुरक्षित ऋण, के लिए जो जोखिम सीमाएँ तय की गई हैं, वे लंबे समय तक धारणीय नहीं हैं। मुझे उम्मीद है कि जोखिम प्रबंधक ऐसे जोखिमों का पेशेवर मूल्यांकन करेंगे जो उनके खातों में बन रहे हैं।

जोखिम कार्यों की प्रभावशीलता पर आगे बढ़ते हुए, मैं यह दोहराना चाहूँगा कि बोर्ड के समक्ष आपके आंतरिक प्रस्तुतीकरण में जोखिम प्रबंधन में दूरदर्शी विचारों को शामिल करना अनिवार्य है। संस्थाओं को आरंभिक चेतावनी प्रणाली, दबाव परीक्षण क्षमताओं, भेद्यता आकलन, साइबर प्रमुख जोखिम संकेतकों की निगरानी, केवाईसी/एएमएल मानदंडों के अनुपालन के लक्षित मूल्यांकन और लेनदेन निगरानी क्षमताओं में भी निवेश करने की आवश्यकता है।

चलनिधि जोखिम

प्रमुख जोखिमों में से एक है फंडिंग स्रोतों की संकेंद्रता और परिपक्वता बेमेल से उत्पन्न होने वाले चलनिधि जोखिम। सीमित संख्या में फंडिंग स्रोतों पर निर्भरता चलनिधि की कमजोरियों को बढ़ा सकती है, खासकर बाजार में दबाव या फंडिंग चैनलों में व्यवधान की अवधि के दौरान। इसके अलावा, आस्तियों और देयताओं के बीच परिपक्वता बेमेल चलनिधि जोखिम को बढ़ा सकता है, जिससे एनबीएफसी को फंडिंग की कमी या रोलओवर कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। फंडिंग स्रोतों के विविधीकरण, पर्याप्त चलनिधि बफर बनाए रखने, परिपक्वता प्रोफाइल की निगरानी और आकस्मिक निधि सहित विवेकपूर्ण चलनिधि प्रबंधन अभ्यास चलनिधि जोखिमों को कम करने और निर्बाध संचालन सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक हैं। इसके अतिरिक्त, दबाव परीक्षण और परिदृश्य विश्लेषण एनबीएफसी को प्रतिकूल चलनिधि आघातों के प्रति

अपनी सुदृढ़ता का आकलन करने और सक्रिय रूप से चलनिधि जोखिमों का प्रबंधन करने में मदद कर सकता है।

यह एक ऐसा क्षेत्र है, जहाँ हम देखते हैं कि अधिकांश संस्थाओं में आंतरिक लेखा परीक्षा कार्य, चलनिधि जोखिम प्रबंधन से संबंधित विभिन्न सांविधिक अनुपातों की गणना में जाने वाली मान्यताओं और इनपुट की समय-समय पर लेखा परीक्षा करने की आवश्यकता को पूरा नहीं करते हैं। हम यह भी देखते हैं कि कुछ बड़ी एनबीएफसी में भी, उनके मिड-ऑफिस और बैंक-ऑफिस कार्यों में क्षमता निर्माण की कमी है, जो एएलएम और चलनिधि जोखिम के आकलन और निगरानी को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकती है।

आश्वासन कार्यों पर अपर्याप्त ध्यान और स्वायत्तता

जोखिमों की बढ़ती जटिलता के बीच, यह देखना निराशाजनक है कि एनबीएफसी में वाणिज्यिक और सहकारी बैंकों जैसे अन्य क्षेत्रों की तुलना में उनके आकार के सापेक्ष अनुपालन कर्मचारियों की औसत संख्या सबसे कम है। इन कार्यों की स्वायत्तता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विनियामक उपायों के बावजूद, ऐसे उदाहरणों का सामना करना निराशाजनक है, जहां आश्वासन कार्यों के प्रमुखों को पदानुक्रम के भीतर कनिष्ठ पद दिए जाते हैं या बोर्ड तक सीधी पहुंच की कमी होती है। इसके अलावा, अन्य भूमिकाओं के साथ दोहरी भूमिका निभाने के उदाहरण भी देखे गए हैं। इस तरह की प्रथाएं आश्वासन कार्यों की प्रभावशीलता और स्वतंत्रता को कमजोर करती हैं और संभावित रूप से एनबीएफसी को जोखिमों के प्रति कमजोर बनाती हैं, जिससे विनियामकीय जांच बढ़ जाती है।

इसलिए, आश्वासन कार्यों की स्वायत्तता पवित्र है और इस मोर्चे पर कोई समझौता नहीं होना चाहिए। जिम्मेदारियों का स्पष्ट चित्रण और स्वायत्तता के लिए एक मजबूत ढांचा आपकी भूमिकाओं की विश्वसनीयता को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है। यह जरूरी है कि एनबीएफसी अपने अभिशासन ढांचे को मजबूत बनाने को प्राथमिकता दें, यह सुनिश्चित करते हुए कि आश्वासन कार्यों के प्रमुखों को संगठनात्मक पदानुक्रम के भीतर उचित रूप से लागू किया जाए और उन्हें बोर्ड तक सीधी पहुंच प्रदान की जाए। इससे न केवल आश्वासन कार्यों की विश्वसनीयता

और प्रभावशीलता बढ़ेगी बल्कि एनबीएफसी के समग्र जोखिम प्रबंधन ढांचे को भी मजबूती मिलेगी।

यद्यपि हमने बैंकों और एनबीएफसी के निदेशक मंडल के साथ बातचीत की है और इन अपेक्षाओं को साझा किया है, तथापि यह भी आवश्यक है कि आश्वासन कार्यों के प्रमुख के रूप में आप में से प्रत्येक व्यक्ति इस तरह से आचरण करें, कि स्वायत्तता में कमी या उससे समझौता न हो।

ग्राहकों के प्रति निष्पक्ष एवं पारदर्शी आचरण

ग्राहक सुरक्षा आरबीआई में नीति निर्माण के मुख्य तत्वों में से एक है। वित्तीय सेवा उद्योग की सेवा-उन्मुख प्रकृति को देखते हुए, ग्राहकों के हितों की सुरक्षा हमारी विनियमित संस्थाओं की प्राथमिकताओं में सबसे ऊपर होनी चाहिए।

ग्राहकों के बीच भरोसा और आत्मविश्वास बनाने के लिए मूल्य निर्धारण में पारदर्शिता आवश्यक है। सिद्धांत-आधारित विनियमनों के लिए हमारी निरंतर प्रतिबद्धता के प्रति, आरबीआई ने एनबीएफसी के बोर्ड को ऋणों के बेंचमार्किंग और मूल्य निर्धारण की स्वतंत्रता दी है, लेकिन इस संबंध में मास्टर निर्देश स्पष्ट रूप से बताते हैं कि एक निश्चित स्तर से परे दरें अत्यधिक मानी जा सकती हैं जिन्हें न तो बरकरार रखा जा सकता है और न ही उन्हें सामान्य वित्तीय अभ्यास के अनुरूप माना जा सकता है। इसलिए, अत्यधिक दरें पर्यवेक्षी जांच को आमंत्रित करेंगी।

पिछले साल हमारी ऑनसाइट जांच के दौरान, हमने कई संस्थाओं द्वारा ब्याज वसूलने में अनुचित व्यवहार के मामलों की पहचान की। इनमें ऋण के वास्तविक वितरण के बजाय ऋण स्वीकृति या करार के निष्पादन की तारीख से ब्याज वसूलना, चेक के माध्यम से वितरित ऋणों के लिए चेक की तारीख से ब्याज वसूलना, जबकि चेक ग्राहकों को बहुत बाद में सौंपे गए थे और जिस अवधि के लिए ऋण वास्तव में बकाया था, उसके बजाय पूरे महीने के लिए ब्याज वसूलना शामिल है। इसके अतिरिक्त, कुछ एनबीएफसी ने अग्रिम किस्तें एकत्र कीं, लेकिन ब्याज की गणना पूरी ऋण राशि के आधार पर की।

जहाँ भी ऐसी प्रथाएँ प्रकाश में आईं, आरबीआई ने इन पर्यवेक्षित संस्थाओं को ऐसे अतिरिक्त शुल्क वापस करने का

निर्देश देने सहित कार्रवाई शुरू की है। हालाँकि, आश्वासन कार्यों के प्रमुख के रूप में, आप में से प्रत्येक का यह दायित्व है कि आप अपने-अपने संगठनों में विवेक के संरक्षक के रूप में कार्य करें और सुनिश्चित करें कि आपकी संस्थाओं में ऐसी कोई अनुचित प्रथाएँ प्रचलित न हों जो आपके ग्राहकों के लिए हानिकारक हो सकती हैं।

सार्थक आश्वासन कार्य का महत्व

आश्वासन प्रयासों, विशेष रूप से आंतरिक लेखा परीक्षा और अनुपालन को केवल बॉक्स-टिकिंग अभ्यासों से आगे बढ़कर समस्या के मूल कारणों का समाधान करना चाहिए। सतही स्तर की जाँच से आगे जाकर, आश्वासन कार्य समस्याओं के मूलभूत कारणों को उजागर कर सकते हैं, जिससे अधिक प्रभावी और टिकाऊ समाधान लागू किए जा सकते हैं। यह सक्रिय दृष्टिकोण न केवल जोखिमों को कम करने में मदद करता है बल्कि संगठनात्मक लचीलापन भी बढ़ाता है और निरंतर सुधार की संस्कृति को बढ़ावा देता है।

हमने यह भी देखा है कि विनियमों को दरकिनार करने के लिए बाजार में कुछ गुमराह करने वाली व्याख्याएँ हैं, जो वित्तीय प्रणाली की सुदृढ़ता के प्रति गंभीर खतरा पैदा करती हैं। जब व्यक्ति या विनियमित संस्थाएँ अपने लाभ के लिए विनियमनों की व्याख्या करना शुरू करती हैं, तो इससे विनियामकीय ढाँचों का प्रभाव कमजोर हो जाता है और बाजार की स्थिरता और निष्पक्षता प्रभावित होते हैं। इस तरह की प्रथाएँ वित्तीय क्षेत्र में विश्वास और भरोसे को खत्म करती हैं, जिससे उपभोक्ता, निवेशक और समष्टि-अर्थव्यवस्था, संभावित रूप से, जोखिम और कमजोरियों का शिकार हो सकते हैं। आरबीआई का पर्यवेक्षण ऐसे लेन-देन की विधिक रूप से समीक्षा करेगा। अगर हमें विनियमों को दरकिनार करने के ऐसे मामलों का सामना करना पड़ता है, तो हम उचित पर्यवेक्षी कार्रवाई शुरू करने में संकोच नहीं करेंगे, जैसा कि हमारे कुछ हालिया कार्यों से परिलक्षित भी हुआ है।

निष्कर्ष

अपनी बात समाप्त करने से पहले, मैं आश्वासन कर्मियों के लिए सभी नवीनतम घटनाक्रमों से स्वयं को अवगत रखने के महत्व पर प्रकाश डालना चाहूँगा। वित्त और विनियमन के तेजी से विकसित हो रहे परिदृश्य में, नई चुनौतियाँ, जोखिम और अवसर अविश्वसनीय आवृत्ति के साथ उभर रहे हैं, इसलिए कौशल समूह के निरंतर उन्नयन के साथ-साथ लगातार सतर्कता की आवश्यकता है।

निष्कर्षतः जोखिम प्रबंधन, आंतरिक लेखा परीक्षा और अनुपालन वित्तीय संस्थान के विकास की स्थिरता सुनिश्चित करने और हितधारकों के हितों की रक्षा के लिए आवश्यक हैं। यदि हम वित्तीय पतन के वैश्विक इतिहास को देखें, तो यह स्पष्ट है कि वित्त की दुनिया में विश्वास सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। "शब्द और भावना" में कार्यान्वित किए जाने वाले मेहनती आश्वासन कार्यों की अनुपस्थिति में, हितधारकों के विश्वास के टूटने का खतरा लाजिमी है और अंततः वित्तीय संस्थान के पतन का कारण बन सकता है।

आज के संबोधन में, मैंने साइबर सुरक्षा खतरों से लेकर चलनिधि चुनौतियों और विनियामकीय अनुपालन के मामलों तक एनबीएफसी के सामने आने वाले जोखिमों की बहुआयामी प्रकृति को शामिल करने का प्रयास किया है। इन जटिलताओं का सामना करते हुए, एनबीएफसी के लिए आश्वासन हेतु एक समग्र दृष्टिकोण अपनाना अनिवार्य है - एक ऐसा दृष्टिकोण जो केवल बॉक्स-टिकिंग अभ्यासों से परे हो और मूल कारणों से निपटने में गहराई से जाए। सार्थक आश्वासन प्रथाओं को अपनाने से, एनबीएफसी दुर्बलताओं की पहचान कर सकते हैं और आंतरिक नियंत्रण को मजबूत कर सकते हैं, साथ ही जोखिमों को प्रभावी ढंग से कम कर सकते हैं। इस प्रकार वे अपनी परिचालन सुदृढ़ता भी बढ़ा सकते हैं और सभी हितधारकों के हितों की रक्षा कर सकते हैं।

धन्यवाद !

समृद्धि के मार्ग का निर्धारण: वित्तीय साक्षरता का महत्व*

स्वामीनाथन जे

श्रीमती दिव्यदर्शिनी आईएएस, प्रबंध निदेशक, तमिलनाडु महिला विकास निगम; श्री शंकर नारायण, सीजीएम, नाबार्ड, चेन्नई; श्री वसीमलाई, कार्यकारी निदेशक, धन फाउंडेशन; एसएलबीसी, तमिलनाडु और पुडुचेरी के संयोजक; श्रीमती उमा शंकर, क्षेत्रीय निदेशक, आरबीआई, चेन्नई; वरिष्ठ बैंकर; वित्तीय साक्षरता परामर्शदाता; वित्तीय साक्षरता केंद्र के सहभागी और समन्वयक; वित्तीय साक्षरता सामुदायिक संसाधन से जुड़े सभी व्यक्तियों; देवियो और सज्जनो, मुझे आज मदुरै में वित्तीय साक्षरता पर सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए प्रसन्नता हो रही है।

मदुरै तमिलनाडु के इतिहास में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। यह शहर अपनी समृद्ध विरासत के लिए प्रसिद्ध है, और "संगम" के माध्यम से तमिल भाषा को बढ़ावा देता है, जिससे शहर को प्यार से "संगम वलार्थ नगरम" कहा जाता है।

यह शहर 2,000 वर्ष से भी पहले संत तिरुवल्लुवर की उपस्थिति से भी सुशोभित था। आज के सम्मेलन के संदर्भ में, मैं उनके प्रसिद्ध दोहों में से एक को याद करना चाहूंगा जिसमें राजाओं और लोगों के लिए वित्तीय नियोजन के महत्व को संक्षेप में समझाया गया था।

**“ஆகாறு அளவிட்டி தாயினுங்
கேடில்லை போகாறு அகலாக்
கடை”, (तिरुकुरल सं. 478)**

संत अपने कुरल के माध्यम से बताते हैं कि भले ही एक राजा की आय कम हो, लेकिन अगर उसका बहिर्वाह उसकी आय से ज्यादा नहीं है तो यह उसकी बर्बादी का कारण नहीं बनेगा।

वास्तव में, यह ऋषि की सलाह आज की उपभोक्तावादी अर्थव्यवस्था में और भी अधिक प्रासंगिक है। मिंट अखबार¹ के

* वित्तीय साक्षरता पर संगोष्ठी, मदुरै में श्री स्वामीनाथन जे, उप गवर्नर, भारतीय रिजर्व बैंक का भाषण - 8 अप्रैल 2024

एक हालिया सर्वेक्षण से पता चलता है कि 50 प्रतिशत भारतीय खरीदार दीर्घकालिक वित्तीय नियोजन पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय अब उपभोग करना पसंद कर रहे हैं। इसलिए, कम उम्र से ही वित्तीय अनुशासन सुनिश्चित करने के लिए लोगों, विशेष रूप से युवाओं के बीच वित्तीय नियोजन, बजट और बचत के विचार को स्थापित करने की आवश्यकता है।

वित्तीय साक्षरता² विभिन्न वित्तीय अवधारणाओं को जानने और समझने के साथ लोगों को सशक्त बनाती है ताकि वे अपने पैसे के बारे में सही विकल्प चुन सकें और वित्तीय सेवाओं का उचित उपयोग कर सकें।

वास्तव में, समावेशी विकास के विकासात्मक उद्देश्यों को समर्थन देने के लिए वित्तीय साक्षरता प्रमुख है। वित्तीय समावेशन के मांग पक्ष को संबोधित करके, वित्तीय साक्षरता लोगों को औपचारिक वित्तीय उत्पादों और विनियमित वित्तीय प्रदाताओं के लाभों को समझने के साथ-साथ बचत, क्रेडिट, बीमा, पेंशन और प्रेषण में उपयुक्त विकल्प चुनने में सक्षम बनाती है।

सौभाग्यवश, आज भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से विकास कर रही है। हालांकि, इस विकास के समावेशी होने के लिए, यह जरूरी है कि हमारे पास एक वित्तीय प्रणाली हो जो सभी के लिए काम करे। यह उद्देश्य वित्तीय समावेशन की दिशा में आरबीआई द्वारा किए जा रहे सभी प्रयासों के केंद्र में है।

भारत में वित्तीय साक्षरता बढ़ाने के लिए सरकार, वित्तीय संस्थानों, गैर-लाभकारी संगठनों और निजी क्षेत्र के बीच सहयोग को शामिल करते हुए एक बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है। इसके लिए लक्षित शैक्षिक कार्यक्रमों, जागरूकता अभियानों और अभिनव समाधानों की आवश्यकता होती है जो विभिन्न जनसांख्यिकीय समूहों की विविध आवश्यकताओं और प्राथमिकताओं को पूरा करते हैं।

¹ <https://www.livemint.com/industry/retail/young-indian-consumers-want-to-live-in-the-moment-says-survey-11700737755534.html>

² आर्थिक सहयोग और विकास संगठन ने वित्तीय साक्षरता को 'वित्तीय जागरूकता, ज्ञान, कौशल, दृष्टिकोण और व्यवहार के संयोजन के रूप में परिभाषित किया है जो मजबूत वित्तीय निर्णय लेने और अंततः व्यक्तिगत वित्तीय कल्याण प्राप्त करने के लिए आवश्यक है'।

इसे स्वीकार करते हुए, 2020-2025 की अवधि के लिए वित्तीय शिक्षा के लिए भारत की राष्ट्रीय कार्यनीति (एनएसएफई) को इन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किए गए एक भविष्योन्मुखी फ्रेमवर्क के रूप में तैयार किया गया है। कार्यनीति का '5 सी' दृष्टिकोण निम्नलिखित पर जोर देता है:

- स्कूलों, कॉलेजों और प्रशिक्षण प्रतिष्ठानों में पाठ्यक्रम में प्रासंगिक सामग्री का विकास,
- वित्तीय सेवाएं प्रदान करने में शामिल मध्यस्थों के बीच क्षमता विकसित करना,
- वित्तीय साक्षरता के लिए समुदाय-आधारित मॉडल के सकारात्मक प्रभाव का लाभ उठाना,
- वित्तीय साक्षरता के लिए उपयुक्त संचार कार्यनीति, और,
- विभिन्न हितधारकों के बीच सहयोग बढ़ाना।

कार्यनीति का उद्देश्य जीवन के सभी क्षेत्रों के लोगों को वित्तीय परिदृश्य की जटिलताओं से निपटने के लिए आवश्यक ज्ञान और उपकरणों से लैस करना है।

अपनी ओर से, भारतीय रिज़र्व बैंक ने वित्तीय साक्षरता के प्रसार के माध्यमों में वृद्धि करने के लिए अनेक उपाय अपनाए हैं। इसने आरबीआई कहता है जैसे विभिन्न जन जागरूकता अभियानों को बढ़ावा दिया है और अपनी वेबसाइट पर वित्तीय साक्षरता सामग्री बनाना और अपडेट करना जारी रखा है। आज, आरबीआई की वेबसाइट पर अंग्रेजी और हिंदी सहित 13 भाषाओं में पर्याप्त मात्रा में साहित्य उपलब्ध है, जो हितधारकों द्वारा वित्तीय शिक्षा के बारे में जागरूकता के लिए डाउनलोड और उपयोग किया जा सकता है।

वित्तीय शिक्षा के लिए राष्ट्रीय कार्यनीति युवा पीढ़ी को आवश्यक धन प्रबंधन कौशल के साथ सशक्त बनाने के महत्व पर भी जोर देती है। इसे ध्यान में रखते हुए, भारतीय रिज़र्व बैंक राष्ट्रीय वित्तीय शिक्षा केन्द्र³ के माध्यम से कक्षा VI से X के लिए स्कूली पाठ्यक्रम में वित्तीय शिक्षा को एकीकृत करने जैसी

विभिन्न पहलों और कार्यक्रमों के माध्यम से छात्रों के बीच वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा दे रहा है। एनसीएफई की राष्ट्रीय वित्तीय साक्षरता आकलन परीक्षा विश्व स्तर पर स्कूली छात्रों के लिए सबसे बड़ी मुफ्त वार्षिक वित्तीय साक्षरता परीक्षाओं में से एक है⁴।

पिछले वर्ष हमने सरकारी/नगरपालिका स्कूलों के कक्षा VIII, IX और X के छात्रों के लिए वित्तीय साक्षरता पर अखिल भारतीय प्रश्नोत्तरी आयोजित की थी, जिसमें लगभग 52,000 स्कूलों के एक लाख से अधिक छात्रों ने भाग लिया था। हम आरबीआई के 90 साल पूरे होने के जश्न के हिस्से के रूप में इस वर्ष के अंत में कॉलेज के छात्रों के लिए एक अखिल भारतीय प्रश्नोत्तरी की भी योजना बना रहे हैं।

आरबीआई 2016 से हर वर्ष वित्तीय साक्षरता सप्ताह मना रहा है ताकि जनता को विभिन्न महत्वपूर्ण और प्रासंगिक विषयों पर वित्तीय शिक्षा संदेश प्रसारित किया जा सके। इस वर्ष, वित्तीय साक्षरता सप्ताह 26 फरवरी से 1 मार्च के बीच मनाया गया, जिसमें एक सही शुरुआत करें, वित्तीय रूप से स्मार्ट बनें, यह छात्रों और युवा वयस्कों को लक्षित करके यह संदेश देता है कि युवा पीढ़ी को प्रारंभिक चरण में वित्तीय साक्षरता और वित्तीय नियोजन कौशल से लैस करने की आवश्यकता है।

एक दशक से भी अधिक समय पहले, जून 2012 में, आरबीआई ने जिलों में अग्रणी बैंकों को वित्तीय साक्षरता केंद्र स्थापित करने की सलाह दी। इन वित्तीय साक्षरता केंद्रों को वित्तीय साक्षरता कार्यक्रमों, कार्यशालाओं और जागरूकता अभियानों का संचालन करने की आवश्यकता होती है ताकि लोगों को बुनियादी वित्तीय अवधारणाओं, जैसे बचत, बजट, उधार और बीमा, साथ ही निवेश कार्यनीतियों और सेवानिवृत्ति योजना जैसे अधिक जटिल विषयों के बारे में शिक्षित किया जा सके। मुझे यह

³ राष्ट्रीय वित्तीय शिक्षा केंद्र (एनसीएफई) एक 'गैर-लाभकारी' कंपनी है जिसे भारतीय रिज़र्व बैंक, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड, भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण तथा पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण संयुक्त रूप से प्रवर्तित करते हैं।

⁴ स्रोत: <https://old.ncfe.org.in/NFLAT> (अंतिम बार 6 अप्रैल 2024 को एक्सेस किया गया)।

जानकर खुशी हो रही है कि 31 दिसंबर 2023 तक अग्रणी बैंकों ने जिला मुख्यालयों में 1,500 से अधिक वित्तीय साक्षरता केंद्र स्थापित कर लिए। उनके द्वारा आयोजित शिविरों में 30 लाख से अधिक प्रतिभागियों को शामिल किया गया। तमिलनाडु और पुडुचेरी में, 77 वित्तीय साक्षरता केंद्रों ने 1.45 लाख से अधिक प्रतिभागियों को कवर किया।

जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए प्रत्यक्ष पहल के अलावा, रिजर्व बैंक वित्तीय साक्षरता बढ़ाने के लिए अन्य हितधारकों के साथ भी सहयोग करता है। 2017 में बैंकों और गैर-सरकारी संगठनों द्वारा शुरू की गई वित्तीय साक्षरता केंद्र (सीएफएल) परियोजना, इस सहयोगी दृष्टिकोण का एक ज्वलंत उदाहरण है, इसे नाबार्ड और आरबीआई द्वारा प्रशासित निधियों से वित्त पोषण सहायता मिलती है। 31 मार्च 2024 तक, देश के सभी ओर के ब्लॉकों को कवर करते हुए 2,406 सीएफएल परिचालित किए गए, जिनमें से 129 तमिलनाडु और पुडुचेरी में हैं।

इन क्षेत्रों में अच्छी प्रगति होने के बावजूद, अभी भी महत्वपूर्ण चुनौतियां और अंतराल हैं जिन्हें संबोधित करने की आवश्यकता है। इस संदर्भ में, मैं पांच प्रमुख क्षेत्रों का उल्लेख करना चाहूंगा।

डिजिटल अंतर को पाटना

जैसे-जैसे वित्तीय सेवाएं तेजी से ऑनलाइन होती जा रही हैं, उन लोगों के वंचित रहने का जोखिम है जिनके पास डिजिटल तकनीक तक पहुंच की कमी है या जो इसका उपयोग करने के तरीके से परिचित नहीं हैं। डिजिटल अंतर को पाटना यह सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है कि हर कोई आधुनिक वित्तीय प्रणाली में भाग ले सके।

प्रौद्योगिकी का बेहतर उपयोग करके, हम वित्तीय समावेशन को आगे बढ़ाने के लिए इसकी परिवर्तनकारी क्षमता को खोल सकते हैं। यह स्वीकार करते हुए कि कई व्यक्तियों के पास पारंपरिक बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच की कमी है, लेकिन मोबाइल फोन या अन्य डिजिटल उपकरणों तक उनकी पहुँच है, इसलिए यह अभिनव डिजिटल समाधान के लिए एक साधन प्रस्तुत करता है।

डिजिटल विभाजन को पाटने के लिए, हमें डिजिटल साक्षरता कार्यक्रमों को अनुकूलित करने की आवश्यकता है जो विभिन्न जनसांख्यिकीय समूहों की विशिष्ट आवश्यकताओं और क्षमताओं को पूरा करते हैं। ये कार्यक्रम डिजिटल वित्तीय सेवाओं का उपयोग करने, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म नेविगेट करने और साइबर जोखिमों से बचाने के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान कर सकते हैं, जिससे व्यक्तियों को डिजिटल अर्थव्यवस्था में पूरी तरह से भाग लेने के लिए सशक्त बनाया जा सकता है।

क्षमता निर्माण

दूसरे, वित्तीय साक्षरता अभियानों में लगे सलाहकारों की निरंतर क्षमता निर्माण पर पर्याप्त ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है ताकि उन्हें वित्तीय उत्पादों और ग्राहक संरक्षण पर नवीनतम और प्रासंगिक जानकारी से रूबरू रखा जा सके।

वित्तीय परिदृश्य लगातार विकसित हो रहा है, इसलिए सलाहकारों के लिए सटीक और समय पर मार्गदर्शन प्रदान करने में सक्षम होने के लिए अपडेट रहना महत्वपूर्ण है। नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रमों और कार्यशालाओं का आयोजन सलाहकारों को उनके ज्ञान और कौशल को बढ़ाने के अवसर प्रदान कर सकता है। प्रौद्योगिकी का लाभ उठाते हुए, हम सलाहकारों को ऑनलाइन प्रशिक्षण मॉड्यूल, वेबिनार और डिजिटल संसाधनों तक पहुंच प्रदान कर सकते हैं।

अधिक सहयोग

तीसरा पहलू जिस पर मैं प्रकाश डालना चाहता हूँ वह है अधिक सहयोग की आवश्यकता। विभिन्न हितधारकों जैसे अग्रणी जिला प्रबंधक, जिला विकास प्रबंधक, ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों, गैर सरकारी संगठनों, स्वयं सहायता समूहों, बीसी, किसान क्लबों, पंचायतों, ग्राम स्तरीय पदाधिकारियों आदि के बीच जमीनी स्तर पर तालमेल होना चाहिए। एफएलसी चलाने वाले बैंकों तथा सीएफएल का संचालन करने वाले गैर-सरकारी संगठनों को यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि जहां तक संभव हो एफएलसी या सीएफएल में सलाहकारों की उपलब्धता में कोई अंतर न रहे ताकि उनके कार्यकलाप सुचारु रूप से संचालित किए जा सकें।

उत्पादन और परिणाम उन्मुख होना

चौथे, मैं इस बात पर जोर देना चाहूंगा कि सीएफएल और एफएलसी केवल जागरूकता केन्द्र नहीं होने चाहिए बल्कि ठोस और स्थायी परिवर्तन के लिए वास्तविक परिवर्तन को प्रेरक बनाने वाले उत्प्रेरक होने चाहिए। हमें अपने वित्तीय जागरूकता शिविरों और कार्यक्रमों में भाग लेने के प्रत्यक्ष परिणाम के रूप में औपचारिक वित्तीय प्रणालियों में सफलतापूर्वक एकीकृत लाभार्थियों की संख्या जैसे परिणामों की मात्रा निर्धारित करके अपने प्रयासों की प्रभावकारिता का आकलन करने का प्रयास करना चाहिए।

महिलाओं की भूमिका को पहचानना

अंत में और सबसे महत्वपूर्ण बात, मैं वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देने में महिलाओं की भूमिका को मान्यता देना चाहूंगा।

महिलाएं घरों के भीतर बजट बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, क्योंकि वे अक्सर दिन-प्रतिदिन के वित्त का प्रबंधन करती हैं, खरीदारी के निर्णय लेती हैं और अपने परिवारों की वित्तीय भलाई सुनिश्चित करती हैं। वे अपने परिवारों की विविध आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए संसाधनों को प्रभावी ढंग से आवंटित करने में माहिर हैं। वे अक्सर परिवार के बजट को अनुकूलित करने और बचत को अधिकतम करने के लिए विक्रेताओं और सेवा प्रदाताओं के साथ बेहतर मोल-भाव करती हैं।

यह कहा जाता है कि 'एक आदमी को शिक्षित करो, तो तुमने केवल एक व्यक्ति को शिक्षित किया। यदि आप एक महिला को शिक्षित करते हैं, तो आप एक पीढ़ी को शिक्षित करते हैं।' जब महिलाएं शिक्षित और वित्तीय रूप से साक्षर होती हैं, तो वे अक्सर अपने परिवारों के भीतर प्राथमिक शिक्षकों के रूप में काम करती हैं। इसलिए, कृपया सुनिश्चित करें कि आपके पास महिलाओं की

वित्तीय साक्षरता आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तैयार किए गए कार्यक्रम हैं।

निष्कर्ष

अंत में, यह स्पष्ट है कि वित्तीय साक्षरता केवल व्यक्तिगत सशक्तिकरण का मामला नहीं है बल्कि समावेशी वृद्धि और सामाजिक विकास का एक महत्वपूर्ण घटक है। इसलिए, यह जरूरी है कि हम वित्तीय साक्षरता बढ़ाने और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के प्रयासों को प्राथमिकता देना जारी रखें।

वित्तीय शिक्षा के लिए भारत की राष्ट्रीय रणनीति में उल्लिखित बहुआयामी दृष्टिकोण हमारे उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए एक व्यापक ढांचा प्रदान करता है। लक्षित पहलों और साझेदारियों के माध्यम से, हम जीवन के सभी क्षेत्रों के लोगों को सोच समझ के वित्तीय निर्णय लेने और अधिक वित्तीय कल्याण प्राप्त करने के लिए आवश्यक ज्ञान और उपकरणों से लैस कर सकते हैं।

जैसा कि हम अपनी उपलब्धियों का जश्न मनाते हैं, डिजिटल विभाजन को पाटना, सलाहकारों के लिए चल रहे क्षमता निर्माण को सुनिश्चित करना, हितधारकों के बीच अधिक सहयोग को बढ़ावा देना और वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देने में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानना ऐसे क्षेत्र हैं जिन पर निरंतर ध्यान और निवेश की आवश्यकता है।

नवाचार और सहयोग के अवसरों के रूप में इन चुनौतियों को अपनाकर, हम एक अधिक समावेशी और आघातसहनीय समाज बनाने के लिए वित्तीय साक्षरता की परिवर्तनकारी क्षमता का दोहन कर सकते हैं। आइए हम एक साथ मिलकर एक ऐसे भविष्य की दिशा में काम करें जहां हर किसी के पास अपने वित्तीय लक्ष्यों और आकांक्षाओं को प्राप्त करने के लिए ज्ञान, कौशल और अवसर हों। धन्यवाद।

आलेख

अर्थव्यवस्था की स्थिति*

विकेन्द्रीकृत वित्त और वित्तीय प्रणाली पर इसका प्रभाव

रतीय रिज़र्व बैंक का मुद्रा स्वैप: जीएफएसएन में भूमिका और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सहयोग को बढ़ावा देना

भारत में उपभोक्ता विश्वास: एक क्षेत्रीय परिप्रेक्ष्य

अर्थव्यवस्था की स्थिति*

वैश्विक अर्थव्यवस्था के प्रति दृष्टिकोण कमजोर होता जा रहा है क्योंकि मुद्रास्फीति में गिरावट रुक रही है, जिससे वैश्विक वित्तीय स्थिरता के लिए जोखिम फिर से बढ़ रहा है। पूंजी प्रवाह अस्थिर हो गया है क्योंकि घबराए हुए निवेशक जोखिम से बचने लगे हैं। इस बात को लेकर आशावाद बढ़ रहा है कि भारत लंबे समय से प्रतीक्षित आर्थिक उड़ान के मुहाने पर है। हाल के संकेतक सकल मांग की गति में तेजी की ओर इशारा कर रहे हैं। ग्रामीण व्यय में सुधार के संकेत से खाद्येतर व्यय को बढ़ावा मिल रहा है। अप्रैल 2024 के लिए हेडलाइन मुद्रास्फीति में मामूली कमी इस उम्मीद की पुष्टि करती है कि लक्ष्य के साथ संरेखण की एक असमान और धीमी पड़ी हुई गति चल रही है।

I. प्रस्तावना

वैश्विक स्तर पर, आशंकाएं उठ रही हैं। वैश्विक संवृद्धि में सहजता के बावजूद, मुद्रास्फीति में गिरावट रुक रही है, जिससे वैश्विक वित्तीय स्थिरता और संवृद्धि के लिए जोखिम फिर से बढ़ रहे हैं। आधारणीय (नॉन-सस्टेनेबल) लोक ऋण और वैश्विक व्यापार के विखंडन के मंडराते खतरे के साथ-साथ, वैश्विक अर्थव्यवस्था का दृष्टिकोण भी कमजोर होता जा रहा है। वास्तव में, दुनिया अधिक संतुलित संवृद्धि के लिए तैयार हो रही है – क्रय प्रबंधकों के सर्वेक्षणों से पता चलता है कि दूसरी तिमाही में संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएस) में गतिविधि में कमी आई है, जबकि यूरोजोन गति पकड़ रहा है और यूनाइटेड किंगडम (यूके) मंदी से बाहर निकल गया है। प्रमुख उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं (ईएमई) ने भी उत्पादन विस्तार का अनुभव किया। संवृद्धि विचलन का कम होना मुख्य रूप से सेवाओं द्वारा संचालित किया जा रहा है,

* यह आलेख माइकल देवब्रत पात्र, जी. वी. नथनएल, शशि कांत, रजनी दहिया, शिवम, कुणाल प्रियदर्शी, सौम्यश्री तिवारी, हर्षिता केशन, रमेश कुमार गुप्ता, पंकज कुमार, हरेंद्र बेहरा, सत्यार्थ सिंह, लव कुमार शांडिल्य, प्रशांत कुमार, खुशी सिन्हा, हर्षिता यादव, प्रतिभा केडिया, शैलजा भाटिया, अंजलि मारिया जोस, सुक्ति खांडेकर, सुवेंदु सरकार, श्रेया गुप्ता, सुप्रियो मंडल, युवराज कश्यप, अभिनंदन बोर्ड, हिमानी शेखर, आशीष थॉमस जॉर्ज, समीर रंजन बेहरा, विनीत कुमार श्रीवास्तव, और रेखा मिश्रा द्वारा तैयार किया गया है। इस आलेख में व्यक्त विचार लेखकों के हैं और भारतीय रिजर्व बैंक के विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं।

जबकि निर्यात ऑर्डर और आपूर्तिकर्ताओं के डिलीवरी समय में सुधार हुआ है, लेकिन विनिर्माण में लगातार कमजोरी चिंता का विषय बनी हुई है।

2023 तक मुद्रास्फीति में तेजी से गिरावट, जिसने 2024 की पहली तिमाही तक दुनिया भर की लगभग एक तिहाई अर्थव्यवस्थाओं में लक्ष्य के बराबर या उससे नीचे की हेडलाइन को ले लिया, उन्नत अर्थव्यवस्थाओं (ईई) और ईएमई में महीने-दर-महीने (एमओएम) परिवर्तनों के संदर्भ में धीमी हो गई है। सेवाओं की मुद्रास्फीति ने महामारी-पूर्व स्तरों पर स्थिरता प्रदर्शित की है, हालांकि मुख्य वस्तुओं की मुद्रास्फीति में लगातार गिरावट आई है। आगे देखते हुए, चल रही मुद्रास्फीति अपेक्षा से अधिक धीमी गति से आगे बढ़ सकती है। अंतिम मील का सामना अंतिम अंतराल से होता है। चिंता यह है कि जो शोर जैसा दिखता है वह प्रवृत्ति बन सकता है, जिससे मुद्रास्फीति ईई के 2 प्रतिशत के लक्ष्य के बजाय 3 प्रतिशत के करीब रह सकती है: “मुद्रास्फीति अभी भी बहुत अधिक है, इसे नीचे लाने में आगे की प्रगति सुनिश्चित नहीं है, और आगे का रास्ता अनिश्चित है।”¹

हाल के उच्च आवृत्ति संकेतक यह संकेत दे रहे हैं कि 2024 की शुरुआत से विश्व व्यापार की मात्रा में मामूली सुधार हो रहा है, जिसमें सीमा पार यात्रा और हवाई माल यातायात के साथ-साथ सेवा निर्यात ऑर्डर बढ़ रहे हैं। ई-कॉमर्स में भी जोरदार वृद्धि हुई है। लाल सागर में शिपिंग पर हमलों के परिणामस्वरूप व्यापार प्रवाह को फिर से रूट किया जा रहा है, जनवरी और अप्रैल के बीच औसत दैनिक कंटेनर जहाजों की संख्या 2023 की अंतिम तिमाही की तुलना में 51 प्रतिशत कम है। आर्थिक सहयोग और संवृद्धि संगठन (ओईसीडी) का अनुमान है कि रूटिंग ने विश्व समुद्री व्यापार के 9 प्रतिशत और लंबी दूरी के समुद्री वॉल्यूम के 18 प्रतिशत को प्रभावित किया है, जिसके परिणामस्वरूप यूरोप और एशिया के बीच प्रभावित कार्गो के लिए यात्रा का समय लगभग 30 प्रतिशत बढ़ गया है। पनामा नहर में सूखे के कारण यात्रा का समय भी प्रभावित हुआ है, शिपिंग लागत 2023 के स्तर से 60 प्रतिशत

¹ जेरोम पॉवेल, अध्यक्ष, अमेरिकी फेडरल रिजर्व, प्रेस 1 मई 2024।

अधिक बढ़ गई है। समग्र शिपिंग और लॉजिस्टिक्स वातावरण चुनौतीपूर्ण बना हुआ है, जिसमें शिपिंग प्रमुख लागत कम करने के लिए दक्षता और सुव्यवस्थित संरचनाओं पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। आपूर्ति शृंखला दबाव के संकेतक अब तक केवल मामूली रूप से ही खराब हुए हैं; तथापि, उच्च शिपिंग लागत वैश्विक स्तर पर अपस्फीति की गति को धीमा कर देगी।

संभावित ऋण संकट वैश्विक आर्थिक परिदृश्य पर एक अशुभ छाया डालता है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के वैश्विक ऋण मॉनिटर ने बताया कि कुल वैश्विक ऋण (निजी और सार्वजनिक) बढ़कर 235 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया है, जो वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का 238 प्रतिशत है। इस बात की गंभीर चिंता है कि 2024 में राजकोषीय विवेक पीछे छूट सकता है, क्योंकि दुनिया की आधी से ज्यादा आबादी चुनाव में जाएगी। जड़ मुद्रास्फीति से लड़ने के लिए ब्याज दरें ऊँची बनी हुई हैं, इसलिए ऋण सेवा लागत बढ़ रही है। यह सरकारी वित्त और घरेलू बजट पर दबाव डालकर, ऋण और निवेश को रोककर वित्तीय अस्थिरता के दुष्चक्र को बढ़ावा दे सकता है। अस्थिर ऋण स्तर सॉवरेन रेटिंग को खराब कर सकते हैं और उत्पादकता बढ़ाने वाले सार्वजनिक निवेश के लिए संसाधन जुटाने की सरकारों की क्षमता को बाधित कर सकते हैं। ओवरलेवरेज्ड कॉरपोरेशन को दिवालियापन के जोखिम का सामना करना पड़ सकता है। घरेलू स्तर पर, अनिश्चित वित्त नौकरी छूटने और उच्च उधार लागत के बीच उपभोक्ता व्यय में भारी कटौती का संकेत दे सकता है, जिससे कुल मांग में कमी आ सकती है। ऋण संकट ने पहले ही संवृद्धिशील देशों को सबसे अधिक प्रभावित किया है, जिससे उनकी कमजोरियाँ और भी बढ़ गई हैं। एक पूर्ण विकसित ऋण संकट गरीबी उन्मूलन, बीमारी से लड़ने और संवृद्धि को आगे बढ़ाने की दिशा में दशकों की प्रगति को उलट सकता है। बढ़ते तूफान के खिलाफ कार्रवाई करने का समय अब आ गया है, जिसकी शुरुआत अंतरराष्ट्रीय वित्तीय ढांचे में सुधार, वित्त का लोकतंत्रीकरण, सीमा पार दिवालियापन व्यवस्थाओं में सामंजस्य स्थापित करने और बहुपक्षीय सुरक्षा जाल को पर्याप्त रूप से वित्तपोषित करने से हो सकती है।

उभरते हुए विश्व में, पूंजी प्रवाह फिर से अस्थिर हो गया है क्योंकि घबराए हुए निवेशक जोखिम से बचने लगे हैं। फिर भी, कई उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं में आत्मविश्वास बेहतर बना हुआ है, जहाँ संवृद्धि लचीला बना हुआ है, जैसे कि भारत, इंडोनेशिया और मैक्सिको। उपभोक्ता व्यय के उच्च आवृत्ति संकेतक हाल ही में थोड़े नरम पड़े हैं और चीन को छोड़कर औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि नरम बनी हुई है। ओईसीडी के अनुसार एशियाई उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं, विशेष रूप से भारत और इंडोनेशिया, में मोटे तौर पर स्थिर और तेज़ संवृद्धि जारी रहने की उम्मीद है, जबकि मुद्रास्फीति में और कमी आनी चाहिए, बशर्ते खाद्य कीमतें चरम मौसम की घटनाओं से सुरक्षित रहें। लैटिन अमेरिका में, विशेष रूप से ब्राजील और मैक्सिको में, संवृद्धि अच्छी तरह से बना हुआ है, जिसे लचीले श्रम बाजारों, बुनियादी ढांचे के निवेश और विनिर्माण के नीयर-शोरिंग द्वारा समर्थित किया गया है। अगले वर्ष मुद्रास्फीति के लक्ष्य की ओर कम होने की संभावना है। अप्रैल के मध्य में आईएमएफ-विश्व बैंक की वसंतीय बैठकों के दौरान आयोजित हाल ही में वैश्विक सॉवरेन ऋण गोलमेज बैठक ने ऋण के बोझ से दबे निम्न और मध्यम आय वाले देशों के लिए आशा की किरण दिखाई। पिछले तीन वर्षों में, इन देशों में सॉवरेन ऋण में चूक की संख्या बढ़कर 18 हो गई है, जो पिछले दो दशकों की कुल संख्या से अधिक है। ऋण सेवा पर व्यय एक दशक पहले की तुलना में पाँच गुना अधिक है। अप्रैल 2024 के अंकटाड के अपडेट के अनुसार, नौ निम्न और मध्यम आय वाले देश ऋण संकट में पड़ गए, जबकि 25 अन्य देश ऋण संकट के कगार पर हैं। इस संदर्भ में, गोलमेज सम्मेलन ने ऋण उपचार के लिए जी20 सामान्य ढांचे के तहत भविष्य के ऋण पुनर्गठन मामलों के लिए 2-3 महीनों के भीतर कार्यक्रम अनुमोदन का लक्ष्य निर्धारित करने का प्रस्ताव रखा। सूचना प्रवाह को बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया गया और इस संबंध में बहुपक्षीय संस्थानों को सक्रिय भूमिका निभाने की आवश्यकता है।

वैश्विक वित्तीय स्थितियों में मामूली सुधार हुआ है। बाजार की उम्मीदों और केंद्रीय बैंक के मार्गदर्शन के अनुरूप होने के

कारण, अस्थिरता में कमी के बीच इक्विटी की कीमतों में मजबूती आई है, खासकर तकनीक से जुड़े शेयरों के लिए। वर्ष 2024 के आरम्भ से ही बांड प्रतिफल में वृद्धि हो रही है, क्योंकि ब्याज दरों में शीघ्र कटौती की उम्मीदें कम हो रही हैं, तथा साथ ही मात्रात्मक सख्ती के कारण बढ़ते राजकोषीय जोखिमों और चलनिधि की तंगी के प्रति संवेदनशीलता के कारण भी ब्याज दरों में भविष्य में वृद्धि की उम्मीदें बढ़ रही हैं। इसके विपरीत, दुनिया के कुछ हिस्सों में कॉर्पोरेट दिवालियापन की संख्या में वृद्धि के बावजूद, रेटिंग श्रेणियों में कॉर्पोरेट बॉन्ड स्प्रेड में नरमी आई है। अमेरिकी डॉलर में नॉमिनल प्रभावी दृष्टिकोण से वृद्धि हुई है, हालांकि इस मजबूती का कुछ हिस्सा येन में लगातार कमजोरी को दर्शाता है। नतीजतन, बड़े पैमाने पर मूल्यहास ने उभरते बाजार की मुद्राओं को नीचे खींच लिया है।

भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने से प्रमुख कमोडिटी कीमतों पर काफी दबाव बढ़ रहा है, जिसमें कच्चे तेल और सोने की कीमतों में सबसे ज्यादा उछाल देखने को मिल रहा है। 2023 में कीमतों में गिरावट के बाद बेस मेटल की कीमतों में 2024 में जोरदार उछाल देखने को मिला है। इससे मौजूदा स्तरों से मुद्रास्फीति में गिरावट में बाधा आ सकती है और इसलिए मौद्रिक नीति में ढील की शुरुआती संभावनाएं कम हो सकती हैं। वैश्विक संवृद्धि की धीमी गति के संदर्भ में कमोडिटी की कीमतों में हाल ही में हुई तेजी भू-राजनीतिक घटनाक्रमों के अलावा कई अन्य कारकों को दर्शाती है – आपूर्ति की स्थिति में सख्ती; जलवायु परिवर्तन; चीन में बुनियादी ढांचे पर व्यय में तेजी; और औद्योगिक गतिविधि और व्यापार के कारण मांग में मजबूती। जबकि विश्व बैंक के कमोडिटी की कीमतों में 2024 और 2025 में धीमी वैश्विक वृद्धि के कारण गिरावट का अनुमान है, जोखिम बढ़ोतरी की ओर है – मुख्य रूप से ऊर्जा आपूर्ति को बाधित करने वाले संघर्ष और मौसम की घटनाओं के कारण।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस बात को लेकर आशावाद बढ़ रहा है कि भारत लंबे समय से प्रतीक्षित आर्थिक उड़ान के मुहाने पर है। 2023-24 के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि को करीब 2 प्रतिशत

अंकों से संशोधित करते हुए, आईएमएफ के अप्रैल 2024 के विश्व आर्थिक आउटलुक (डब्ल्यूओ) में 2024 और 2025 में अपेक्षित संवृद्धि की मजबूती का संकेत दिया गया है और इसे "घरेलू मांग में निरंतर मजबूती और कामकाजी आयु वर्ग की बढ़ती आबादी को दर्शाया गया है"² ओईसीडी का मई 2024 का आर्थिक आउटलुक हाल के मासिक संकेतकों में भारत में मजबूत गति की ओर इशारा करता है और उम्मीद करता है कि "भारत में मजबूत निवेश और कारोबारी आत्मविश्वास में सुधार ... वास्तविक जीडीपी वृद्धि को बनाए रखेगा"³ गरीबी में कमी आई है। विश्व बैंक का अनुमान⁴ है कि हाल के अनुमानों से पता चलता है कि अत्यधिक गरीबी जिसे कभी भारत का पर्याय माना जाता था, अब विलुप्त होने वाला है।

राजमार्गों, बंदरगाहों और हवाई अड्डों सहित भौतिक अवसंरचना के परिवर्तन पर दुनिया भर में ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। भारत के बिजली क्षेत्र ने 100 प्रतिशत विद्युतीकरण प्राप्त कर लिया है और इसे पूरे देश में एक ही ग्रिड में एकीकृत कर दिया गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में दैनिक बिजली की उपलब्धता बढ़कर 20 घंटे और शहरी क्षेत्रों में 23.5 घंटे हो गई है। कुल तकनीकी और वाणिज्यिक नुकसान काफी कम हो गए हैं। अक्षय ऊर्जा क्षमता निर्माण में उछाल आया है, भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा अक्षय ऊर्जा उत्पादक बन गया है। इसने भुगतान दक्षता, वित्तीय समावेशन और प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के लिए डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना का लाभ उठाने में विश्व नेतृत्व प्राप्त किया है। वर्तमान में, भारत में सबसे अधिक डिजिटल वित्तीय लेन-देन होते हैं, जो एक विशाल इंटरनेट उपयोगकर्ता आधार द्वारा समर्थित है। ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी में भी उल्लेखनीय उछाल आया है, जो हमारे 93 प्रतिशत से अधिक गांवों तक पहुंच गया है। भारत नेट परियोजना सभी गांवों को हाई-स्पीड इंटरनेट से जोड़ेगी। ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म एक बड़ा बाजार प्रदान करके छोटे व्यवसायों को सशक्त बना रहे हैं। भारत का डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी

² विश्व आर्थिक परिदृश्य, आईएमएफ, अप्रैल 2024।

³ ओईसीडी आर्थिक परिदृश्य, मई 2024।

⁴ <https://data.worldbank.org/country/india>.

ढांचा – इंडिया स्टैक – उत्पादकता, दक्षता को बढ़ावा दे रहा है और रोजगार सृजन कर रहा है, साथ ही राजकोषीय हस्तांतरण को बेहतर ढंग से लक्षित करने में भी सक्षम बना रहा है।

हाल के संकेतक समग्र मांग की गति में तेजी की ओर इशारा कर रहे हैं। व्यक्तिगत उपभोग के क्षेत्र में, नीलसन आईक्यू डेटा संकेत देता है कि एक स्वागत योग्य मोड़ आ रहा है जो व्यय की इस श्रेणी को बढ़ावा देगा। कम से कम दो वर्षों में पहली बार, फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स की ग्रामीण मांग ने शहरी बाजारों को पीछे छोड़ दिया है – बीती तिमाही में, एफएमसीजी की मात्रा में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि, घरेलू और व्यक्तिगत देखभाल उत्पादों की मजबूत मांग के दम पर 5.7 प्रतिशत की शहरी वृद्धि के मुकाबले ग्रामीण संवृद्धि की 7.6 प्रतिशत की वृद्धि के कारण हुई थी। शहरी उपभोग वृद्धि में क्रमिक कमी राशन (चावल, नमक, आटा) की मात्रा वृद्धि में मंदी के कारण है, जो इन श्रेणियों में उच्च मुद्रास्फीति को दर्शाता है। दूसरी ओर, कार और दोपहिया वाहनों की बिक्री सहित खाद्येतर व्यय को ग्रामीण मांग में शुरुआत से बढ़ावा मिल रहा है।

निजी निवेश की बात करें तो, सूचीबद्ध निजी विनिर्माण कंपनियों के लिए, 2023-24 की दूसरी छमाही के दौरान प्रतिधारित आय निधि का प्रमुख स्रोत बनी रही। इनका उपयोग मुख्य रूप से अचल संपत्तियों और गैर-वर्तमान निवेशों के निर्माण के लिए किया गया, जो वर्ष की पहली छमाही के सापेक्ष नई क्षमता निर्माण में तेजी का संकेत देता है। सूचीबद्ध कॉरपोरेट्स द्वारा अब तक घोषित किए गए परिणामों से संकेत मिलता है कि उन्होंने जनवरी-मार्च 2024 में दर्ज तिमाही राजस्व में वर्ष-दर-वर्ष और क्रमिक रूप से उच्चतम वृद्धि के साथ वित्तीय वर्ष 2023-24 को बंद कर दिया। दूसरी ओर, परिचालन लाभ वृद्धि धीमी हो गई क्योंकि बढ़ते व्यय ने – विशेष रूप से विनिर्माण फर्मों के लिए इनपुट लागत और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनियों के लिए कर्मचारियों की लागत – आय में लाभ को कम कर दिया। अन्य आय, लाभांश और राजकोषीय गतिविधियों से आय को दर्शाती है, वार्षिक आधार पर घटी, आंशिक रूप से प्रतिकूल आधार

प्रभाव के कारण। कुल मिलाकर, लगातार चार तिमाहियों में मजबूत वृद्धि के बाद पहली बार सूचीबद्ध गैर-वित्तीय कंपनियों के लिए निवल लाभ में वर्ष-दर-वर्ष गिरावट आई। इससे पता चलता है कि विनिर्माण द्वारा सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) 2023-24 की चौथी तिमाही में पिछली तिमाहियों की तुलना में कम रहा होगा, जिसका अर्थव्यवस्था के समग्र जीवीए/जीडीपी संवृद्धि पर असर पड़ा होगा। दूसरी ओर, सूचीबद्ध बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र की कंपनियों ने प्रावधान लागत और ब्याज व्यय में वृद्धि के बावजूद, टॉप-लाइन और बॉटम-लाइन वृद्धि दोनों के संदर्भ में एक मजबूत तिमाही प्रदर्शन दर्ज किया। मजबूत ऋण वितरण के कारण निवल लाभ में दोहरे अंकों में वृद्धि के साथ, वित्तीय क्षेत्र के जीवीए में जनवरी-मार्च 2024 में जोरदार वृद्धि होने की संभावना है। इन घटनाक्रमों पर खंड IV में अधिक विस्तार से चर्चा की गई है।

वैश्विक चुनौतियों के बीच विलय और अधिग्रहण (एम एंड ए) की अनुकूलनशीलता और लचीलेपन से भारत में निजी निवेश गतिविधि को बढ़ावा मिल रहा है। वित्तीय सेवाओं, प्रौद्योगिकी, मीडिया और दूरसंचार जैसे पारंपरिक रूप से प्रमुख क्षेत्रों में गिरावट देखी जा रही है, लेकिन बड़े पैमाने पर समेकन और पुनर्गठन एम एंड ए गतिविधि को बढ़ावा दे रहा है।⁵ नवीकरणीय ऊर्जा में लेन-देन के कारण ऊर्जा स्पष्ट रूप से एम एंड ए के लिए उभरता हुआ क्षेत्र है। सीमा पार निवेश इंजन बल है, जिसमें इनबाउंड रणनीतिक निजी इक्विटी सौदे बढ़ रहे हैं जबकि आउटबाउंड सौदों में काफी गिरावट आई है।

निवल निर्यात में अलग-अलग पैटर्न देखने को मिलते हैं। पेट्रोलियम उत्पादों की हिस्सेदारी स्थिर रही है, साथ ही रसायनों और समुद्री उत्पादों की हिस्सेदारी भी स्थिर रही है, जबकि रत्न और आभूषणों की हिस्सेदारी आधी रह गई है और रेडीमेड कपड़ों की हिस्सेदारी में गिरावट आई है। इंजीनियरिंग निर्यात और सूत और कपड़ों सहित कपास की सफलता की कहानियाँ हैं। सेवाओं के निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। अंकटाड के अनुसार,

⁵ हिंदू बिजनेस लाइन, 22 अप्रैल 2024.

भारत 2023 में सेवाओं के निर्यात में विश्व औसत से आगे निकल जाएगा। सबसे बड़ी बढ़त डिजिटल रूप से कारोबार की जाने वाली सेवाओं में हुई, उसके बाद यात्रा में। वर्तमान में, भारत दुनिया में सेवाओं का सातवाँ सबसे बड़ा निर्यातक है और संवृद्धिशील देशों में दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक है। वैश्विक क्षमता केंद्रों की बढ़ती व्यावसायिक सेवाओं में तेजी देखी गई है। हालाँकि कुल में सॉफ्टवेयर निर्यात की हिस्सेदारी घटकर लगभग 46 प्रतिशत रह गई है, लेकिन 2024 में वैश्विक आईटी व्यय में 8 प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है और भारत से आईटी निर्यात वैश्विक आईटी व्यय से आगे निकल सकता है, जिसका नेतृत्व कंसल्टिंग खंड करेगा⁶

अप्रैल 2024 के लिए हेडलाइन मुद्रास्फीति में मामूली कमी ने हमारी इस उम्मीद की पुष्टि की कि लक्ष्य के साथ संरेखण की असमान गति चल रही है। खाद्य श्रेणी में सब्जियों, अनाज, दालों, मांस और मछली की कीमतें अप्रैल एमपीसी संकल्प में निर्धारित अनुमानों के अनुरूप निकट अवधि में हेडलाइन को ऊंचा और 5 प्रतिशत के करीब रख सकती हैं, ईंधन की कीमतों में गिरावट और कोर मुद्रास्फीति के नए ऐतिहासिक निचले स्तर पर नरम होने के बावजूद। जबकि सांख्यिकीय आधार प्रभाव जुलाई और अगस्त में हेडलाइन मुद्रास्फीति को नीचे खींचने में मदद कर सकते हैं, उम्मीद है कि सितंबर में इसमें उलटफेर देखने को मिल सकता है। यह केवल वर्ष की दूसरी छमाही में है कि लक्ष्य के साथ एक टिकाऊ संरेखण फिर से शुरू हो सकता है और 2025-26 के दौरान लक्ष्य के करीब संख्या दिखाई देने तक बना रह सकता है।











इस पृष्ठभूमि में, आलेख का शेष भाग चार खंडों में संरचित है। खंड II में वैश्विक अर्थव्यवस्था में तेजी से विकसित हो रहे घटनाक्रमों को शामिल किया गया है। खंड III में घरेलू समष्टि-आर्थिक स्थितियों का आकलन किया गया है। खंड IV में भारत की वित्तीय स्थितियों का सार प्रस्तुत किया गया है, जबकि अंतिम खंड में समापन टिप्पणियाँ दी गई हैं।

⁶ गार्टनर ने अनुमान लगाया है कि 2024 में दुनिया भर में आईटी खर्च 8 प्रतिशत बढ़ेगा (गार्टनर, 17 अप्रैल 2024)।

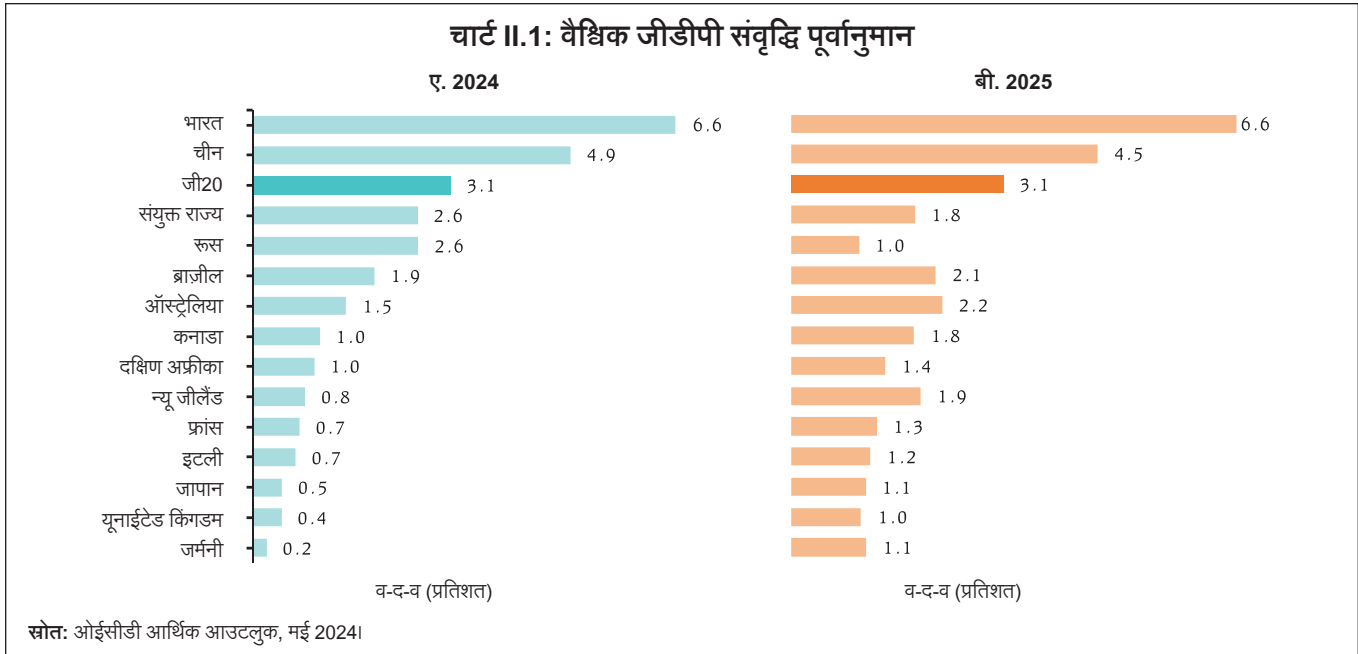
II. वैश्विक परिदृश्य

श्रम बाजार की स्थितियों में कुछ ढील के बीच वैश्विक गतिविधि में नरमी आ रही है। मध्यम ढील के बावजूद, वित्तीय स्थितियाँ तंग बनी हुई हैं, खासकर आवास और ऋण बाजारों में। मई 2024 के अपने आर्थिक दृष्टिकोण में, ओईसीडी ने 2024 में वैश्विक वृद्धि 3.1 प्रतिशत (2023 के समान) रहने का अनुमान लगाया है, जो मजबूत वास्तविक आय वृद्धि और कम नीतिगत ब्याज दरों के समर्थन से 2025 में 3.2 प्रतिशत तक बढ़ जाएगी। ये अनुमान वैश्विक वृद्धि को महामारी-पूर्व औसत (2013-2019) 3.4 प्रतिशत (सारणी II.1) से कम बताते हैं।

सारणी II.1: सकल घरेलू उत्पाद संवृद्धि पूर्वानुमान – चुनिंदा आई और ईएमई (प्रतिशत)

पूर्वानुमान माह → क्षेत्र / देश ↓	2024		2025	
	मई 2024	फरवरी 2024	मई 2024	फरवरी 2024
 विश्व	3.1	2.9	3.2	3.0
उन्नत अर्थव्यवस्थाएं (आई)				
 यूएस	2.6	2.1	1.8	1.7
 यूके	0.4	0.7	1.0	1.2
 यूरो क्षेत्र	0.7	0.6	1.5	1.3
 जापान	0.5	1.0	1.1	1.0
उदीयमान बाजार अर्थव्यवस्थाएं (ईएमई)				
 ब्राजील	1.9	1.8	2.1	2.0
 रूस	2.6	1.8	1.0	1.0
 भारत#	6.6	6.2	6.6	6.5
 चीन	4.9	4.7	4.5	4.2
 दक्षिण अफ्रीका	1.0	1.0	1.4	1.2

नोट: * पीपीपी भारिता #. डेटा वित्तीय वर्ष के आधार पर है।
स्रोत: ओईसीडी।

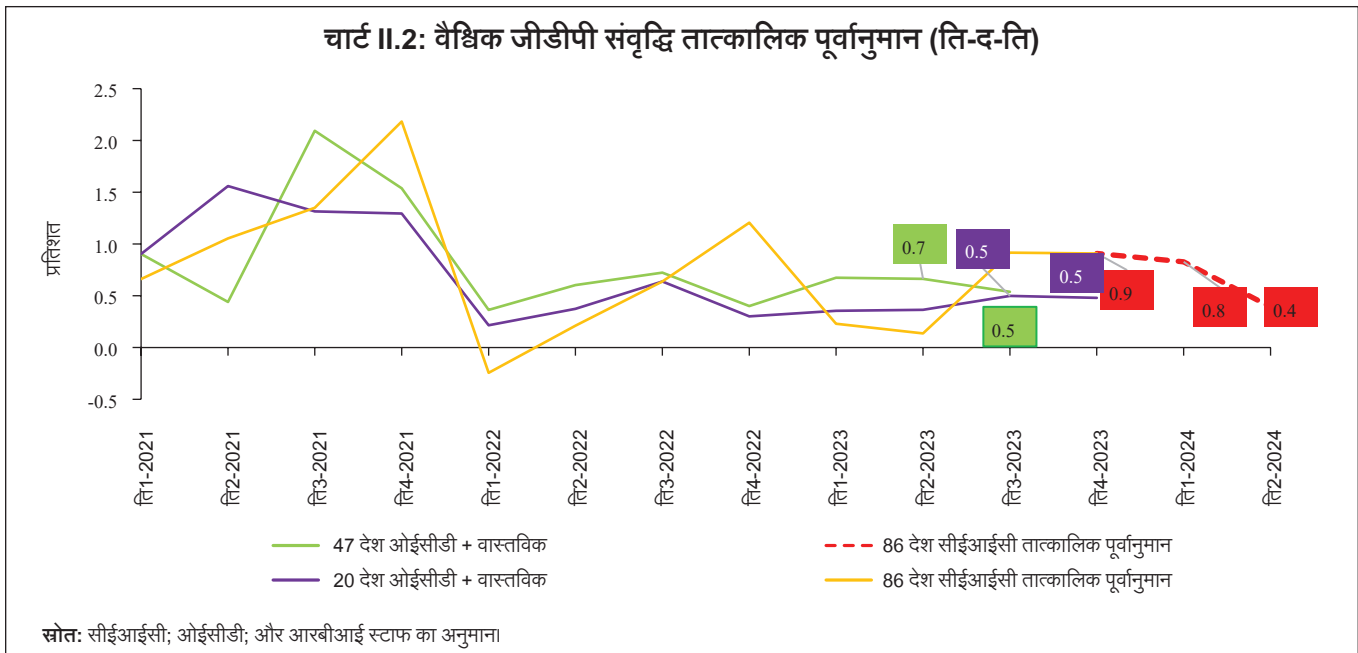


यूरोप और अधिकांश निम्न आय वाली अर्थव्यवस्थाओं में हाल ही में तेजी आई है, जबकि अमेरिकी अर्थव्यवस्था में नरमी आ रही है और कई बड़ी ईएमई मजबूत प्रदर्शन के लिए तैयार हैं। भारत के सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बने रहने का अनुमान है (चार्ट II.1)।

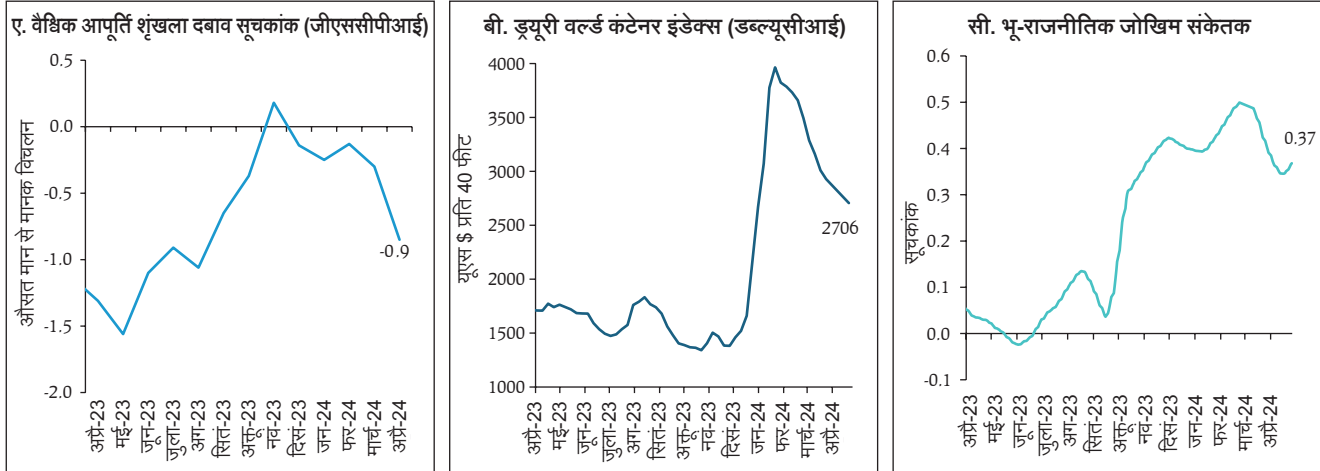
वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद के लिए हमारा पूर्वानुमान 2024 की पहली तिमाही के दौरान निरंतर संवृद्धि गति की ओर इशारा करता है, लेकिन 2024 की दूसरी तिमाही में कुछ मंदी की ओर

इशारा करता है (चार्ट II.2)।

वैश्विक आपूर्ति शृंखला दबाव सूचकांक (जीएससीपीआई) और कंटेनर शिपिंग लागत फरवरी 2024 से कम हो गई है (चार्ट II.3ए और II.3बी)। हालाँकि, ईरान और इजराइल के बीच तनाव फिर से बढ़ने के कारण भू-राजनीतिक जोखिम (जीपीआर) सूचकांक अप्रैल 2024 के मध्य से बढ़ गया है (चार्ट II.3सी)। भू-राजनीतिक जोखिम वैश्विक संवृद्धि के लिए एक बड़ा जोखिम बना हुआ है (बॉक्स 1)।



चार्ट II.3: आपूर्ति शृंखला दबाव और भू-राजनीतिक जोखिमों में प्रवृत्तियाँ



टिप्पणियाँ: 1. जीएससीपीआई परिवहन लागत और विनिर्माण संकेतकों से संबंधित डेटा दर्शाता है।
 2. डब्ल्यूसीआई प्रमुख पूर्व-पश्चिम व्यापार मार्गों के लिए वास्तविक स्पॉट कंटेनर माल ढुलाई दरों को इंगित करता है। समग्र डाटा मात्रा के हिसाब से 8 शिपिंग मार्गों के भारत औसत का प्रतिनिधित्व करता है और प्रति 40-फुट कंटेनर यूएसडी में सूचित करता है।
स्रोत: फेडरल रिजर्व बैंक ऑफ न्यूयॉर्क; ब्लैकरॉक इन्वेस्टमेंट इंस्टीट्यूट, अप्रैल 2024; और ब्लूमबर्ग।

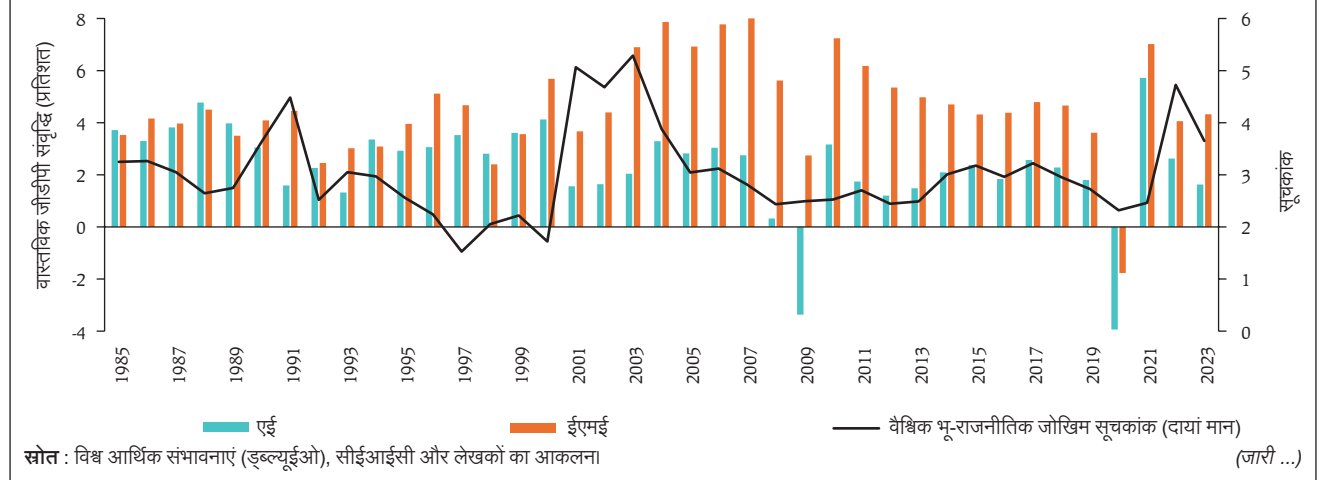
बॉक्स 1: आर्थिक संवृद्धि पर भू-राजनीतिक जोखिमों का प्रभाव: एक अंतर-देशीय विश्लेषण

महामारी के बाद के युग में भू-राजनीतिक तनाव और आपूर्ति शृंखला व्यवधान वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए नई चुनौतियों के रूप में उभरे हैं (दास, 2024)। बढ़े हुए तनाव व्यापार प्रवाह को प्रभावित कर रहे हैं और आस-पास के देशों में भी आपूर्ति शृंखलाओं को बाधित कर रहे हैं। प्रतिबंधों और शुल्कों के कारण तेल और गैस जैसे प्रमुख संसाधनों की कमी हो रही है, जिसका असर कमोडिटी की कीमतों और अंततः आर्थिक उत्पादन पर पड़ रहा है। इन कारकों के परिणामस्वरूप उच्च मुद्रास्फीति, कम संवृद्धि और जन-कल्याण की बड़ी हानि हो सकती है

(गोएस और बेकर्स, 2022)। जीपीआर, इसके अतिरिक्त, वित्तीय चैनल, बढ़ी हुई अनिश्चितता, उच्च जोखिम प्रीमियम और आस्तित्व मूल्य वृद्धि (जीएफएसआर, 2023) के माध्यम से आर्थिक संवृद्धि को प्रभावित कर सकता है।

प्रमुख अंतरराष्ट्रीय समाचार⁷ पत्रों में भू-राजनीतिक तनाव से संबंधित शब्दों की गणना करने वाला जीपीआर का मासिक सूचकांक पिछले तीन दशकों में जीपीआर में वृद्धि के कई प्रकरणों को दर्शाता है (कैल्डारा और इकोविएलो, 2022) [चार्ट बी1]।

चार्ट बी 1 : जीडीपी संवृद्धि बनाम वैश्विक भू-राजनीतिक जोखिम



⁷ यह प्रमुख समाचार पत्रों में भू-राजनीतिक तनावों पर चर्चा करने वाले आलेखों की आवृत्ति को मापता है।

पैनल रिग्रेशन परिणाम (स्थिर प्रभाव)					
चर	(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
	वास्तविक जीडीपी वृद्धि	वास्तविक जीडीपी वृद्धि	वास्तविक जीडीपी वृद्धि	वास्तविक जीडीपी वृद्धि	वास्तविक जीडीपी वृद्धि
जीपीआर सूचकांक	-0.736** (0.341)	-0.746* (0.440)	-0.593 (0.362)	-0.794** (0.368)	-0.782** (0.373)
ईएमई * जीपीआर सूचकांक	-4.164* (2.142)	-4.269** (2.077)	-2.935** (1.412)	-2.650** (1.232)	-2.616** (1.245)
नियंत्रण चर					
निजी खपत (जीडीपी का प्रतिशत)		Y	Y	Y	Y
सरकारी खपत (जीडीपी का प्रतिशत)			Y	Y	Y
निवेश (जीडीपी का प्रतिशत)				Y	Y
वस्तुओं और सेवाओं का व्यापार (जीडीपी का प्रतिशत)					Y
स्थिरांक	4.187*** (0.454)	3.893*** (0.610)	19.13*** (3.555)	25.09*** (3.719)	16.06*** (3.542)
प्रेक्षण	1,113	1,113	1,113	1,113	1,113
आर-स्क्वायर	0.424	0.490	0.512	0.538	0.538
क्षेत्रों की संख्या	42	42	42	42	42
टिप्पणी : 1. ईएमई एक छद्म चर है जिसे ईएमई के लिए 1 और एई के लिए 0 के रूप में कोडित किया गया है। 2. परिणामों में समय-निर्धारित प्रभाव शामिल हैं। 3. कोष्ठक में बड़ी मानक त्रुटियाँ शामिल हैं। 4. *, **, और *** क्रमशः 10 प्रतिशत, 5 प्रतिशत और 1 प्रतिशत के स्तर पर सांख्यिकीय महत्व को दर्शाते हैं। स्रोत : सीईआईसी; और लेखकों की गणना।					

1996 से 2023 के दौरान 42 देशों के डेटा का उपयोग करके एक पैनल डेटा रिग्रेशन प्रेमवर्क से पता चलता है कि वास्तविक जीडीपी संवृद्धि पर जीपीआर का महत्वपूर्ण ऋणात्मक प्रभाव पड़ता है। परिणामों में ईएमई के लिए जीपीआर और एक छद्म चर के बीच महत्वपूर्ण व्युत्क्रम संबंध का तात्पर्य है कि जीपीआर में वृद्धि से ईएमई की संवृद्धि पर बड़ा प्रभाव पड़ता है।

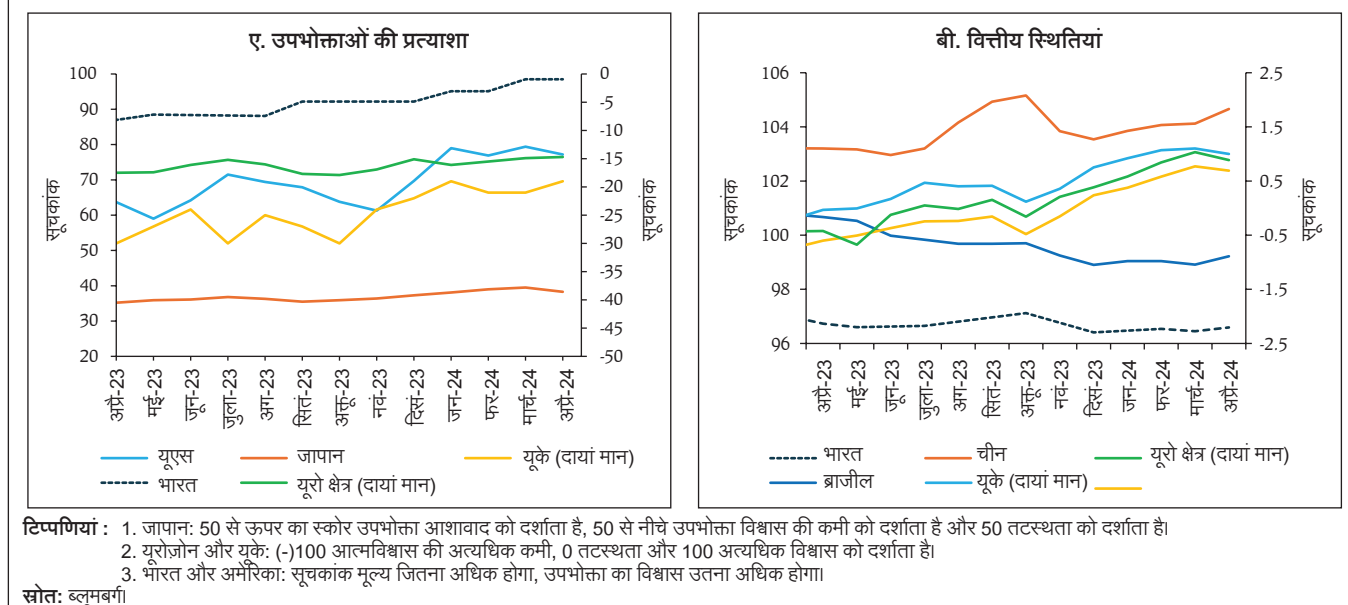
संदर्भ:

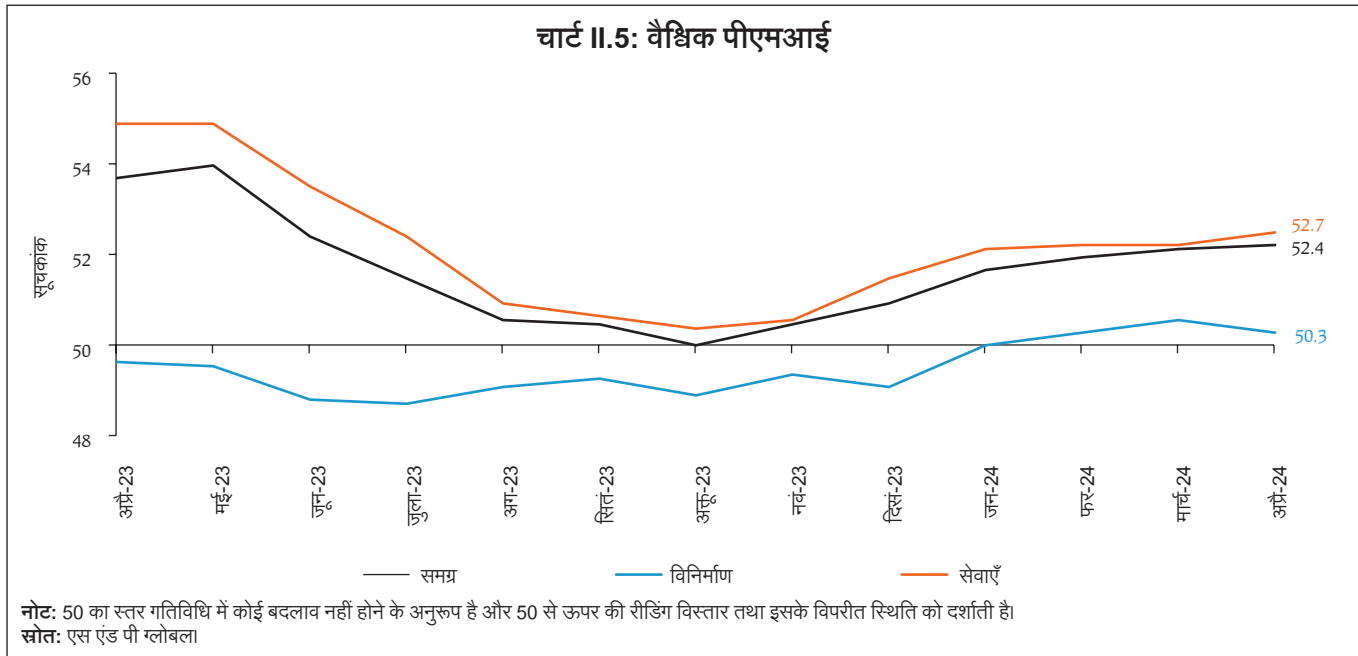
- कैलडारा, डी., और इकोविएलो, एम. (2022)। भू-राजनीतिक जोखिम को मापना। अमेरिकी आर्थिक समीक्षा, 112 (4): 1194-1225।
- दास, एस., (2024)। वैश्विक अर्थव्यवस्था में मौलिक बदलाव: नई जटिलताएँ, चुनौतियाँ और नीति विकल्प (मुख्य भाषण)। 59वाँ सीईईसीईएन गवर्नर सम्मेलन, मुंबई।
- गोज़, सी., और बेकर्स, ई. (2022)। व्यापार, संवृद्धि और नवाचार पर भू-राजनीतिक संघर्षों का प्रभाव। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) स्टाफ वर्किंग पेपर।
- अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (2023)। भूराजनीति और वित्तीय विखंडन: मैक्रो-वित्तीय स्थिरता के लिए निहितार्थ। वैश्विक वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट (जीएफएसआर) [अध्याय 3]।

अप्रैल 2024 में प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में उपभोक्ता प्रत्याशाएँ कम हो गईं, जो आर्थिक अनिश्चितता में वृद्धि को दर्शाती हैं (चार्ट II.4ए)। सरकारी बॉन्ड प्रतिफल में वृद्धि और

इक्विटी बाजारों में अस्थिरता के कारण कुछ क्षेत्रों में वित्तीय स्थिति मामूली रूप से सहज हुई (चार्ट II.4बी)।

चार्ट II.4: उपभोक्ता प्रत्याशा और वित्तीय स्थितियाँ

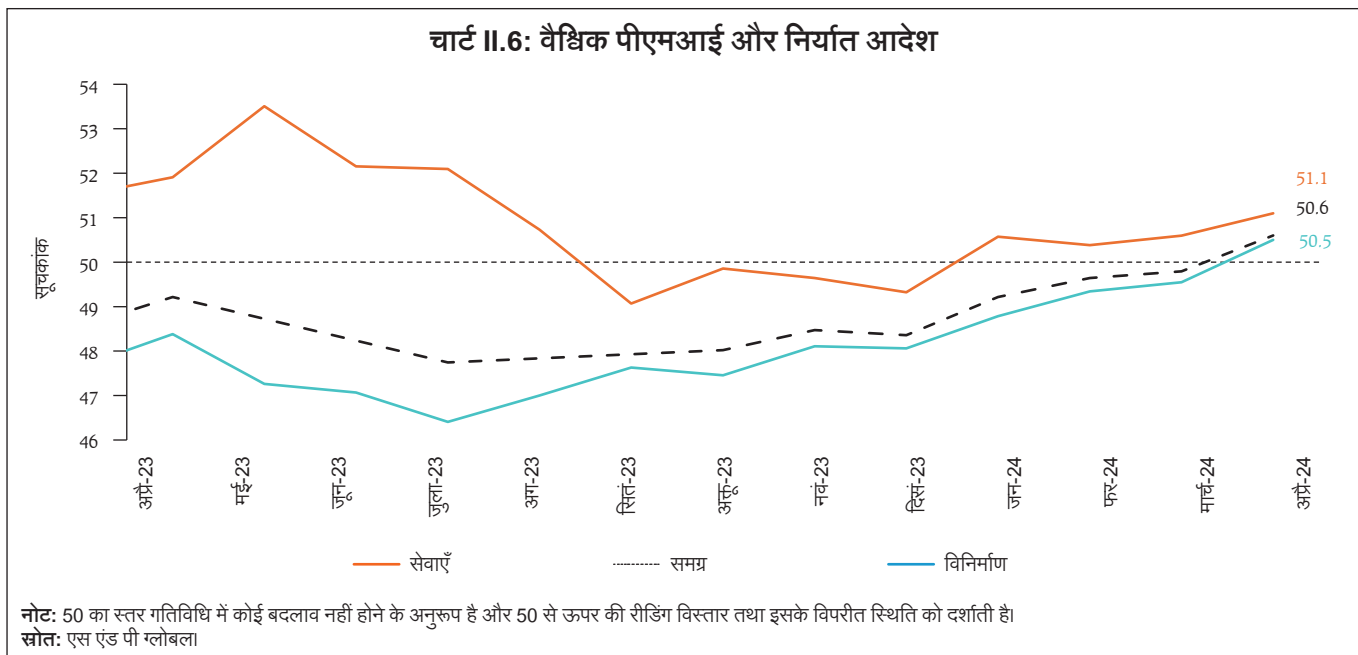




वैश्विक समग्र क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) ने अप्रैल 2024 में क्रमिक वृद्धि दर्ज की, क्योंकि सेवा क्षेत्र के उत्पादन में तेज़ वृद्धि ने विनिर्माण उत्पादन में मामूली मंदी की भरपाई की। नए व्यवसाय की बढ़ती हुई आमद, काम के बैकलॉग में कमी और नए निर्यात ऑर्डर के कारण सेवा पीएमआई दस महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। अप्रैल 2024 में वैश्विक विनिर्माण

में मामूली गिरावट आई; हालाँकि, यह लगातार तीसरे महीने विस्तार क्षेत्र में रहा क्योंकि उत्पादन और नए ऑर्डर में वृद्धि जारी रही (चार्ट II.5)।

वैश्विक व्यापार परिदृश्य में सुधार जारी रहा और निर्यात आदेशों के लिए समग्र पीएमआई ने अप्रैल 2024 में अपनी बढ़त बनाए रखी (चार्ट II.6)। उल्लेखनीय रूप से, विनिर्माण निर्यात



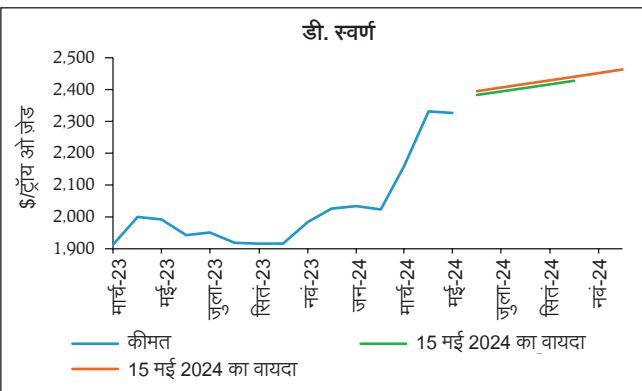
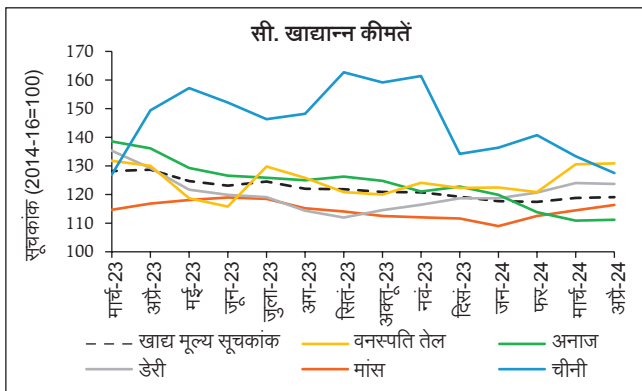
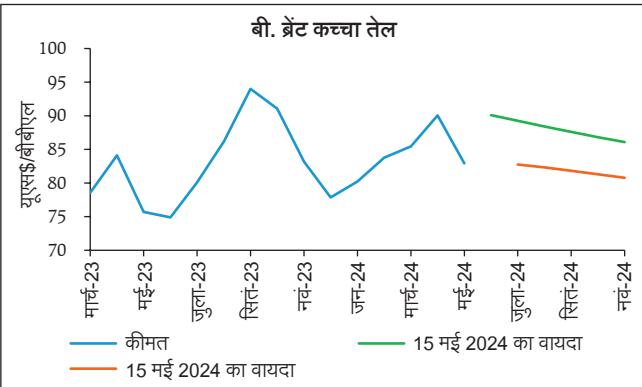
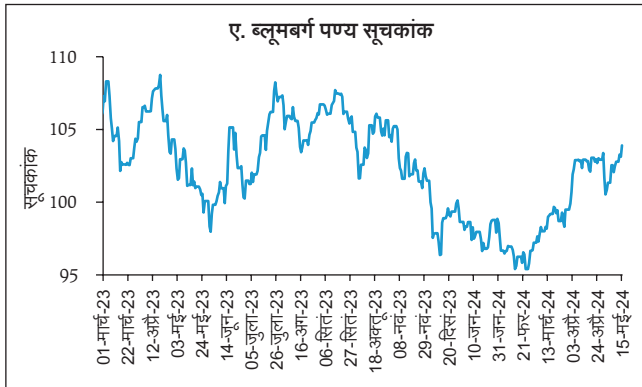
आदेश सूचकांक फरवरी 2022 के बाद पहली बार विस्तार पर लौटा, जो अप्रैल में 26 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। सेवा निर्यात आदेश सूचकांक जनवरी 2024 से विस्तार में बना हुआ है।

कच्चे तेल और धातुओं की ऊंची कीमतों के कारण अप्रैल में वैश्विक कमोडिटी की कीमतों में और बढ़ोतरी हुई। ब्लूमबर्ग कमोडिटी इंडेक्स में 2.2 प्रतिशत (मासिक) की वृद्धि हुई [चार्ट 11.7ए]। ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतों में अप्रैल में 5.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो अप्रैल के मध्य तक 90 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर मँडरा रही थी, लेकिन उसके बाद रुझान उलट गया (15 मई को 81.3 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुँच गई) क्योंकि मध्य पूर्व में संभावित युद्धविराम को लेकर आशावाद से जोखिम प्रीमियम कम हो गया (चार्ट 11.7बी)। अमेरिका में कच्चे तेल के भंडार में तेज बढ़ोतरी ने भी कीमतों में हाल की गिरावट में योगदान दिया। खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) का खाद्य मूल्य सूचकांक अप्रैल 2024 में 0.3 प्रतिशत (मासिक) बढ़ा, हालांकि, सूचकांक

में 7.4 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) की गिरावट दर्ज की गई, जिसका मुख्य कारण अनाज की कीमतों में 18.3 प्रतिशत की गिरावट (वर्ष-दर-वर्ष) थी (चार्ट 11.7सी)। मध्य पूर्व क्षेत्र में संभावित वृद्धि से सुरक्षित आश्रय मांग को बढ़ावा मिलने की चिंताओं के कारण अप्रैल में सोने की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गईं, जो मार्च के मुकाबले 8.3 प्रतिशत अधिक रहीं (चार्ट 11.7डी)। हालांकि, भू-राजनीतिक तनाव कम होने से मई 2024 की शुरुआत में सोने की कीमतों में नरमी आई।

हेडलाइन मुद्रास्फीति ने अवस्फीति को पार करने में पीछे रहा और अधिकांश अर्थव्यवस्थाओं में यह लक्ष्य से ऊपर रही। अमेरिका में, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) मुद्रास्फीति मार्च में 3.5 प्रतिशत से अप्रैल में 3.4 प्रतिशत कम हो गई, जबकि हेडलाइन व्यक्तिगत उपभोग व्यय (पीसीई) मुद्रास्फीति फरवरी में 2.5 प्रतिशत से मार्च में 2.7 प्रतिशत हो गई। फ्लेश अनुमानों के अनुसार, यूरो क्षेत्र की मुद्रास्फीति अप्रैल में 2.4 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रही। जापान की सीपीआई मुद्रास्फीति (ताजा भोजन

चार्ट 11.7: पण्य वस्तु और खाद्य कीमतें



स्रोत : ब्लूमबर्ग; विश्व बैंक पिक शीट; और एफएओ

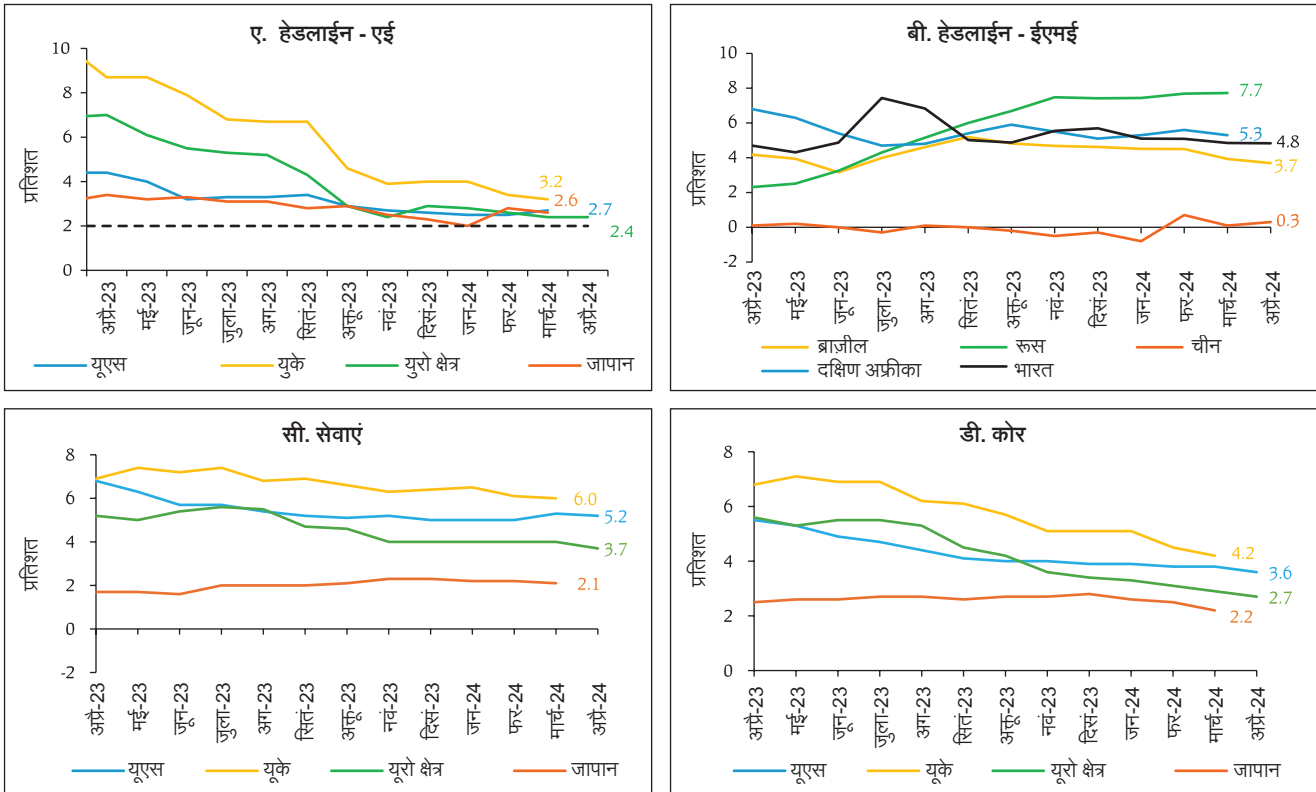
को छोड़कर) मार्च में मामूली रूप से कम होकर 2.6 प्रतिशत हो गई, जबकि यूके में सीपीआई मुद्रास्फीति नरम होकर 3.2 प्रतिशत हो गई (चार्ट 11.8ए)। ईएमई में, ब्राजील में मुद्रास्फीति कम हुई, जबकि अप्रैल में चीन में यह बढ़ी (चार्ट 11.8बी)।

अप्रैल 2024 में, वैश्विक इक्विटी बाजार मार्च में दर्ज किए गए उच्च स्तर से पीछे हट गए। मॉर्गन स्टेनली कैपिटल इंटरनेशनल (एमएससीआई) विश्व इक्विटी सूचकांक में 3.4 प्रतिशत की गिरावट आई क्योंकि अमेरिका में मजबूत उपभोक्ता मांग और उच्च पीसीई मुद्रास्फीति के आंकड़ों ने ब्याज दरों के लंबे समय तक उच्च रहने की चिंताओं को फिर से जगा दिया (चार्ट 11.9ए)। निराशाजनक सेमीकंडक्टर आय और बढ़ते जीपीआर ने भी गिरावट में योगदान दिया। हालांकि, मई के पहले पखवाड़े में इक्विटी बाजारों में सुधार हुआ क्योंकि मध्य पूर्व में भू-राजनीतिक तनाव कम हो गया और अमेरिका में श्रम बाजार और मुद्रास्फीति में कमी के संकेत मिले। अमेरिकी सरकार की प्रतिभूतियों (जी-सेक) का प्रतिफल - 10 वर्ष और 2 वर्ष दोनों - अप्रैल में 40 आधार अंकों (बीपीएस) से

अधिक बढ़ गई क्योंकि वित्तीय बाजारों ने 2024 में यूएस फेड द्वारा कम दर कटौती की कीमत लगाई। हालांकि, मई की शुरुआत में इसने प्रवृत्ति को उलट दिया, प्रत्येक में 30 बीपीएस से अधिक की नरमी आई (चार्ट 11.9बी)। मुद्रा बाजारों में, प्रतिबंधात्मक अमेरिकी मौद्रिक नीति और फेड द्वारा दरों में कटौती की कम संभावना के कारण अमेरिकी डॉलर सूचकांक मजबूत हुआ, लेकिन नरम अमेरिकी मुद्रास्फीति प्रिंट और उपभोक्ता व्यय डेटा जारी होने के बाद मई के पहले पखवाड़े में इसमें नरमी दर्ज की गई। ईएमई के लिए एमएससीआई मुद्रा सूचकांक ने अप्रैल में ग्रीनबैंक की चाल को प्रतिबिंबित किया, जो पूंजी बहिर्वाह, विशेष रूप से इक्विटी सेगमेंट में (चार्ट 11.9सी और 11.9डी) द्वारा बढ़ा दिया गया था।

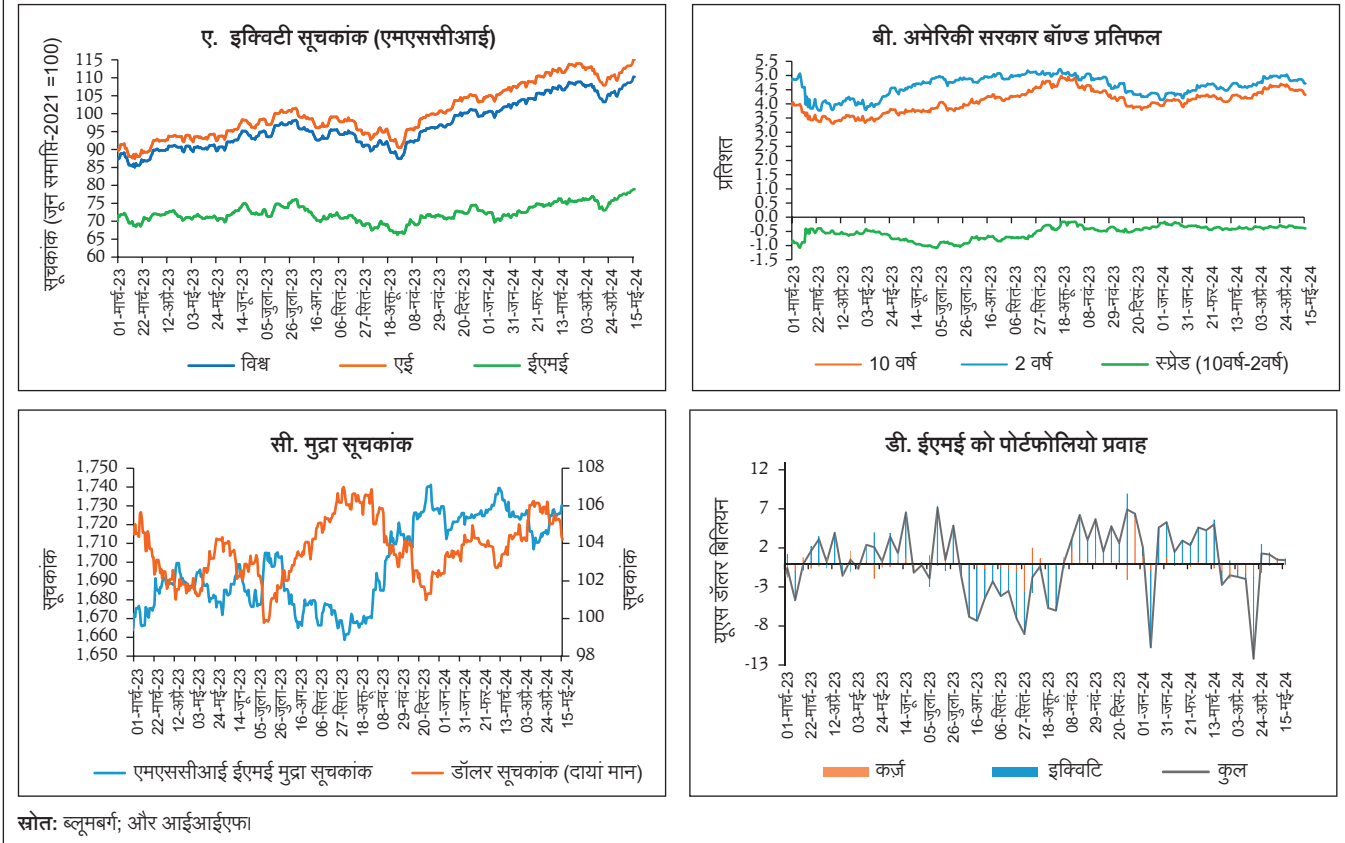
प्रमुख केंद्रीय बैंकों, विशेष रूप से उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में, ने अपनी प्रतिबंधात्मक नीतिगत स्थिति को बरकरार रखा, तथा अपनी नवीनतम बैठकों में अपनी नीतिगत दरों को स्थिर रखा। दूसरी ओर, चेक गणराज्य और स्वीडन ने अपनी मई बैठकों में अपनी नीतिगत दरों में क्रमशः 50 आधार अंकों और 25 आधार

चार्ट 11.8 : मुद्रास्फीति - ई और ईएमई



स्रोत: ब्लूमबर्ग; और ओईसीडी।

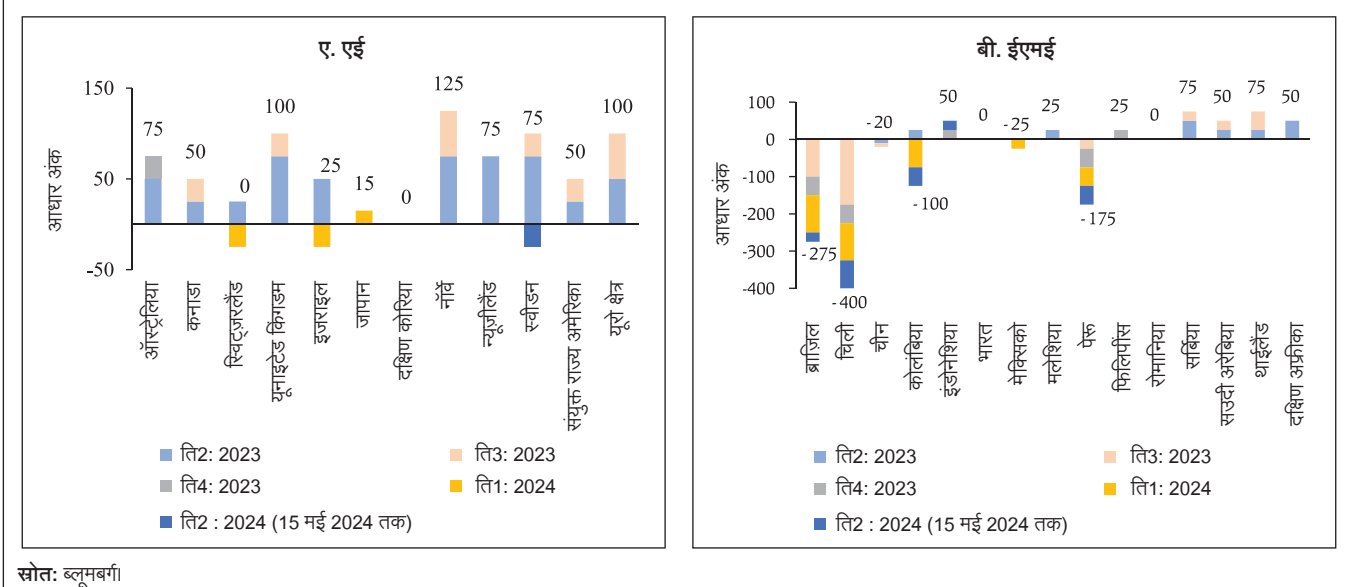
चार्ट II.9 वैश्विक वित्तीय बाजार



अंकों की कमी की (चार्ट II.10ए)। उदीयमान बाज़ार अर्थव्यवस्था के केंद्रीय बैंकों में, ब्राजील और पेरू ने अपनी मई बैठकों में अपनी नीतिगत दरों में 25 आधार अंकों की कमी की, जबकि

हंगरी और कोलंबिया ने अपनी अप्रैल बैठकों में अपनी बेंचमार्क दरों में 50 आधार अंकों की कटौती की। हालांकि, इंडोनेशिया ने पिछली पांच बैठकों में दर को स्थिर रखने के बाद अपनी अप्रैल

चार्ट II.10: नीति दरों में परिवर्तन



बैठक में अपनी नीतिगत दर में 25 आधार अंकों की वृद्धि की (चार्ट II.10बी)।

III. घरेलू घटनाक्रम

भारतीय अर्थव्यवस्था ने आपूर्ति शृंखला पर दबाव डालने वाली भू-राजनीतिक प्रतिकूल परिस्थितियों के सामने उल्लेखनीय लचीलापन प्रदर्शित किया है (चार्ट III.1ए)। आर्थिक गतिविधि सूचकांक (ईएआई) के अनुसार, अप्रैल में गतिविधि में उछाल आया और शुरुआती अनुमान बताते हैं कि 2024-25 की पहली तिमाही के लिए जीडीपी वृद्धि 7.5 प्रतिशत के करीब रहने की संभावना है (चार्ट III.1बी और III.1सी)।

सकल मांग

उच्च आवृत्ति संकेतक अप्रैल 2024 में घरेलू मांग की स्थिति में निरंतर गति की ओर इशारा करते हैं। मार्च 2024 में 10.4 करोड़ के रिकॉर्ड उच्च स्तर से क्रमिक मॉडरेशन के बावजूद, अप्रैल 2024 में ई-वे बिल में 14.5 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) की वृद्धि हुई (चार्ट III.2ए)। अप्रैल 2024 में टोल संग्रह में 8.6 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) की वृद्धि हुई (चार्ट III.2बी)।

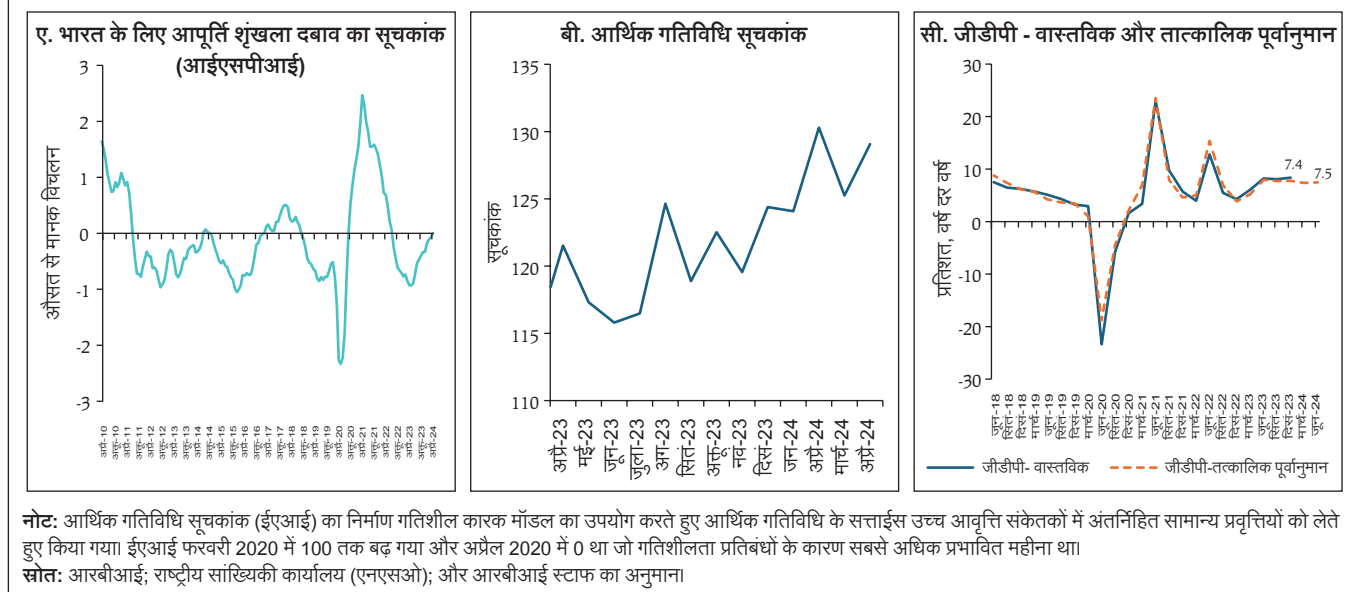
अप्रैल 2024 में ऑटोमोबाइल की बिक्री में 25.4 प्रतिशत

(वर्ष दर वर्ष) की वृद्धि हुई, जिसकी अगुवाई दोपहिया और तिपहिया खंड में मजबूत वृद्धि ने की, जबकि यात्री वाहनों ने अब तक की सबसे अधिक मासिक बिक्री दर्ज की।⁸ घरेलू ट्रैक्टर की बिक्री में अप्रैल 2024 में सुधार के संकेत मिले (चार्ट III.3ए और III.3बी)। वाहन पंजीकरण में अप्रैल 2024 में क्रमिक वृद्धि दर्ज की गई, जो गैर-परिवहन वाहन खंड के कारण हुई (चार्ट III.3सी)। अप्रैल 2024 में औसत दैनिक पेट्रोलियम खपत में 6.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिसकी अगुवाई मोटर स्पिरिट (पेट्रोल) और विमानन टरबाइन ईंधन (एटीएफ) ने की [चार्ट III.3डी]।

रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा किए गए व्यापार सर्वेक्षण के अनुसार, खेल के सामान, खाद्य और किराना, परिधान और कपड़े, जूते और त्वरित सेवा रेस्तरां की बिक्री वृद्धि में तेजी के कारण खुदरा बिक्री वृद्धि (वर्ष दर वर्ष) में पिछली तिमाही की तुलना में ति4: 2023-24 में गति मिली (चार्ट III.4)।

अक्षय ऊर्जा क्षेत्र को इस वित्तीय वर्ष और अगले वित्तीय वर्ष में बड़ी संख्या में परियोजनाओं के पूरा होने की उम्मीद है। इस वर्ष लगभग ₹700 बिलियन मूल्य की⁹ हरित ऊर्जा परियोजनाएँ चालू होने वाली हैं, जो किसी भी एक वर्ष में अब तक की सबसे अधिक निवेश पूर्णता को दर्शाती हैं। इसके अलावा, पर्यावरण के

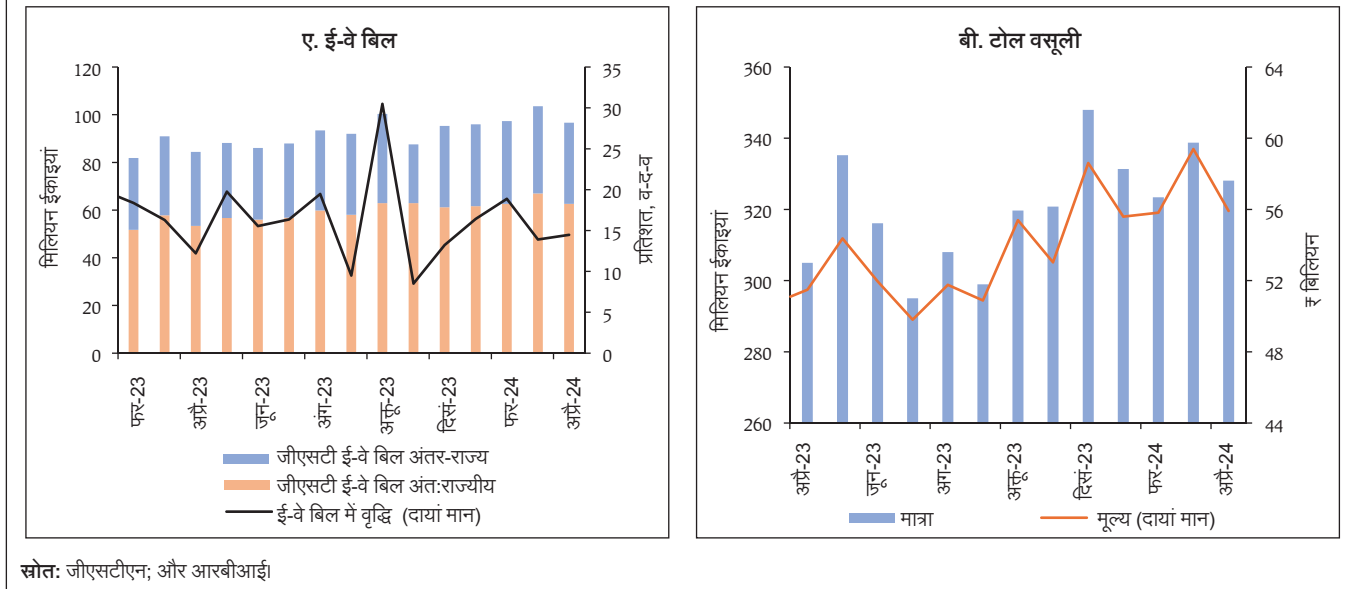
चार्ट III.1: आर्थिक गतिविधि और जीडीपी संवृद्धि तात्कालिक पूर्वानुमान



⁸ <https://www.carandbike.com/news/auto-sales-april-2024-india-saw-25-growth-in-volume-driven-by-strong-two-wheeler-sales-3213133>

⁹ <https://industryoutlook.cmie.com/kommon/bin/sr.php?kall=wshreport&nvdrt=20240429162158756&nvpc=055000000000&nvtpe=ANALYSIS+%26+OUTLOOK&icode=0101030110000000&ver=pf> (Centre for Monitoring Indian Economy)

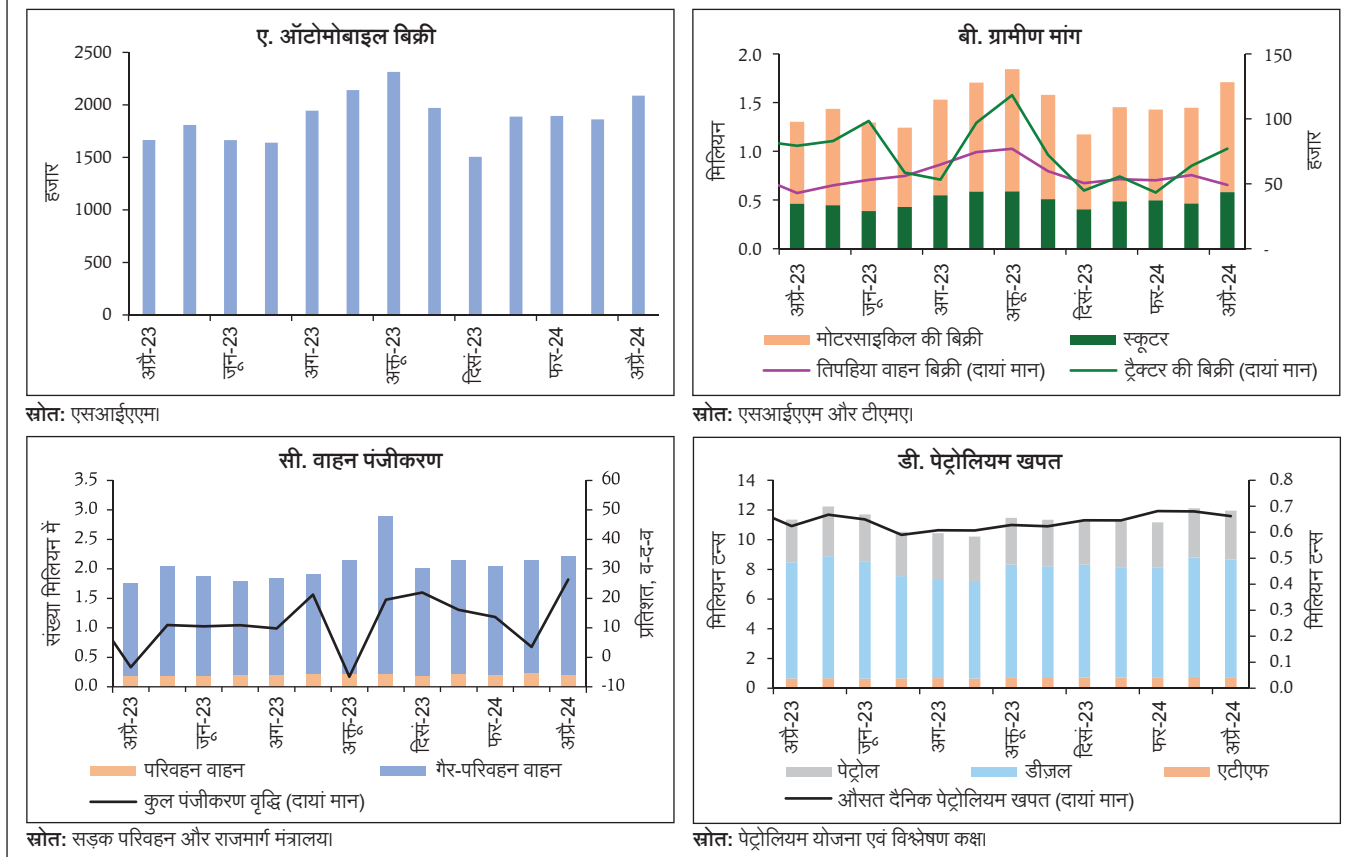
चार्ट III.2: ई-वे बिल और टोल वसूली

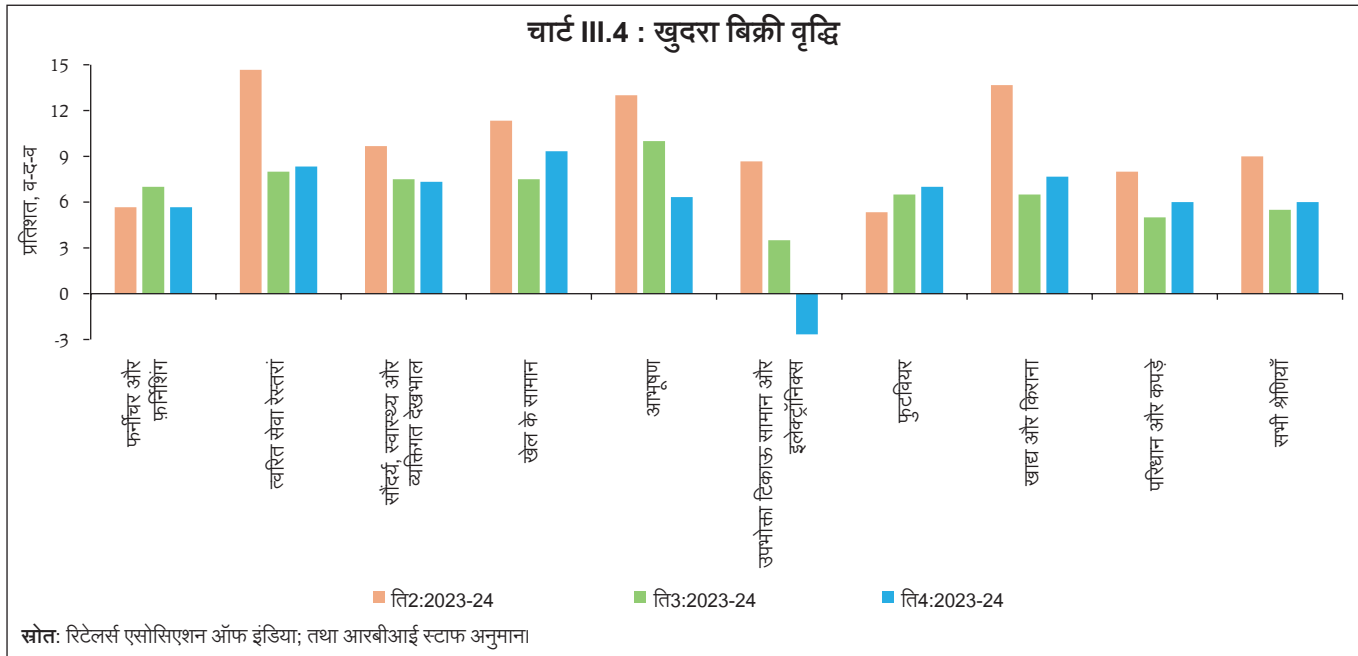


अनुकूल ऊर्जा स्रोतों पर भारत की निर्भरता बढ़ाने पर नीतिगत ध्यान केंद्रित करने से प्रेरित होकर, 2025-26 तक वृद्धिशील

परियोजना निवेश बढ़कर ₹765.2 बिलियन हो जाने का अनुमान है।

चार्ट III.3 ऑटोमोबाइल क्षेत्र के संकेतक

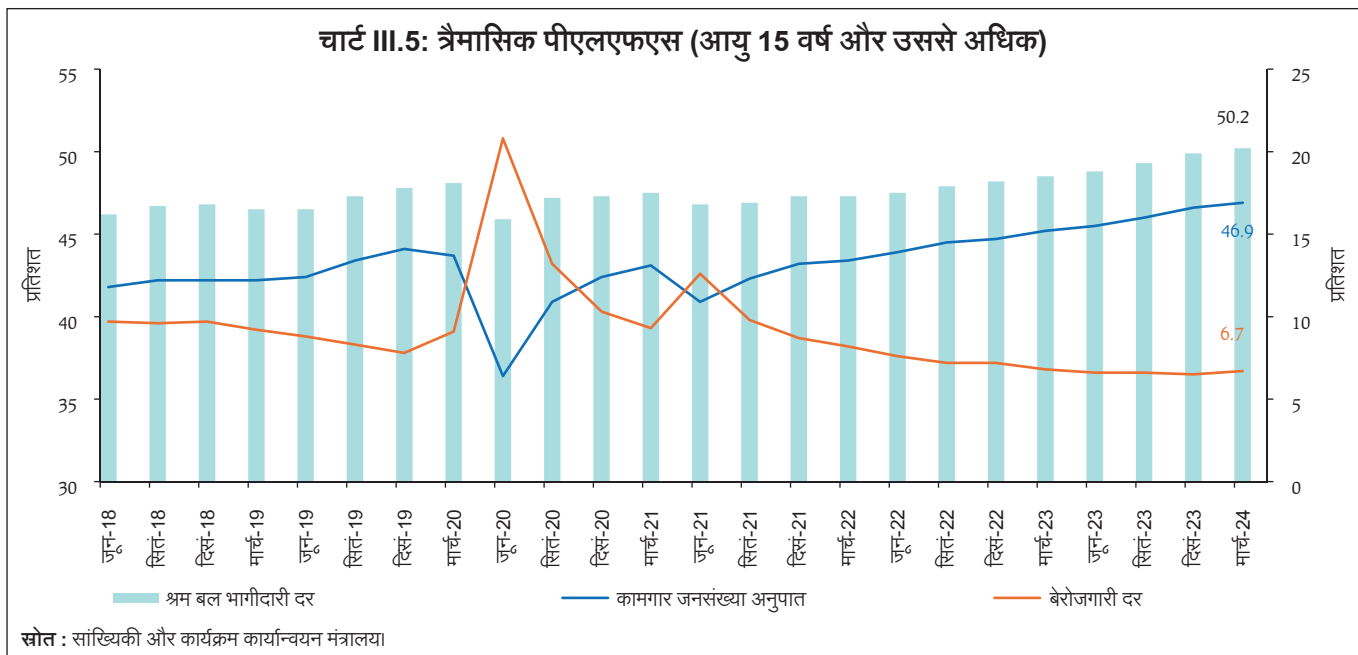




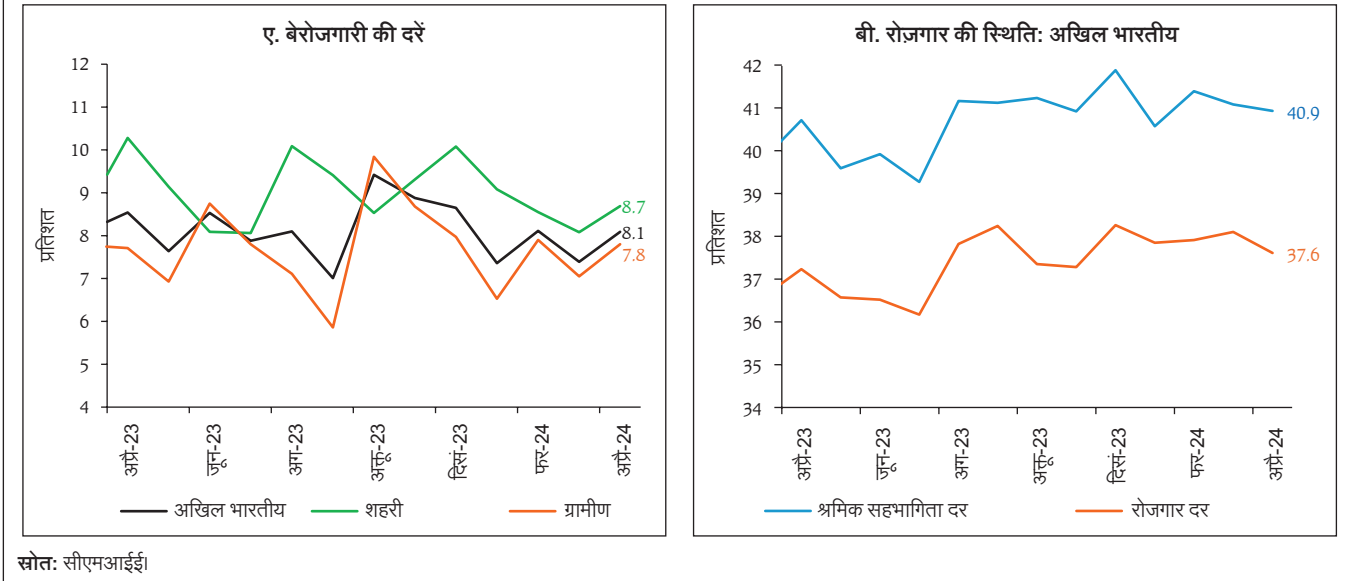
15 मई 2024 को जारी त्रैमासिक शहरी आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) के अनुसार, श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर) और श्रमिक जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर) ति4: 2023-24 के दौरान बढ़ गया – 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए एलएफपीआर बढ़कर 50.2 प्रतिशत हो गया, जो सर्वेक्षण की शुरुआत से अब तक सबसे अधिक है (चार्ट III.5)। अधिक महिला श्रमिकों के कारण डब्ल्यूपीआर

बढ़कर 46.9 प्रतिशत हो गया, जो तीसरी तिमाही में 46.6 प्रतिशत था। रोजगार में वृद्धि स्वरोजगार से प्रेरित थी, जबकि नियमित वेतनभोगी और आकस्मिक श्रम की हिस्सेदारी पिछली तिमाही के समान ही रही। बेरोजगारी दर (यूआर) तीसरी तिमाही के 6.5 प्रतिशत के मुकाबले 6.7 प्रतिशत थी।

सेंटर फॉर मॉनिटरिंग ऑफ इंडियन इकोनॉमी (सीएमआईई) के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल में अखिल भारतीय यूआर 8.1



चार्ट III.6 श्रम बाजार स्थितियां



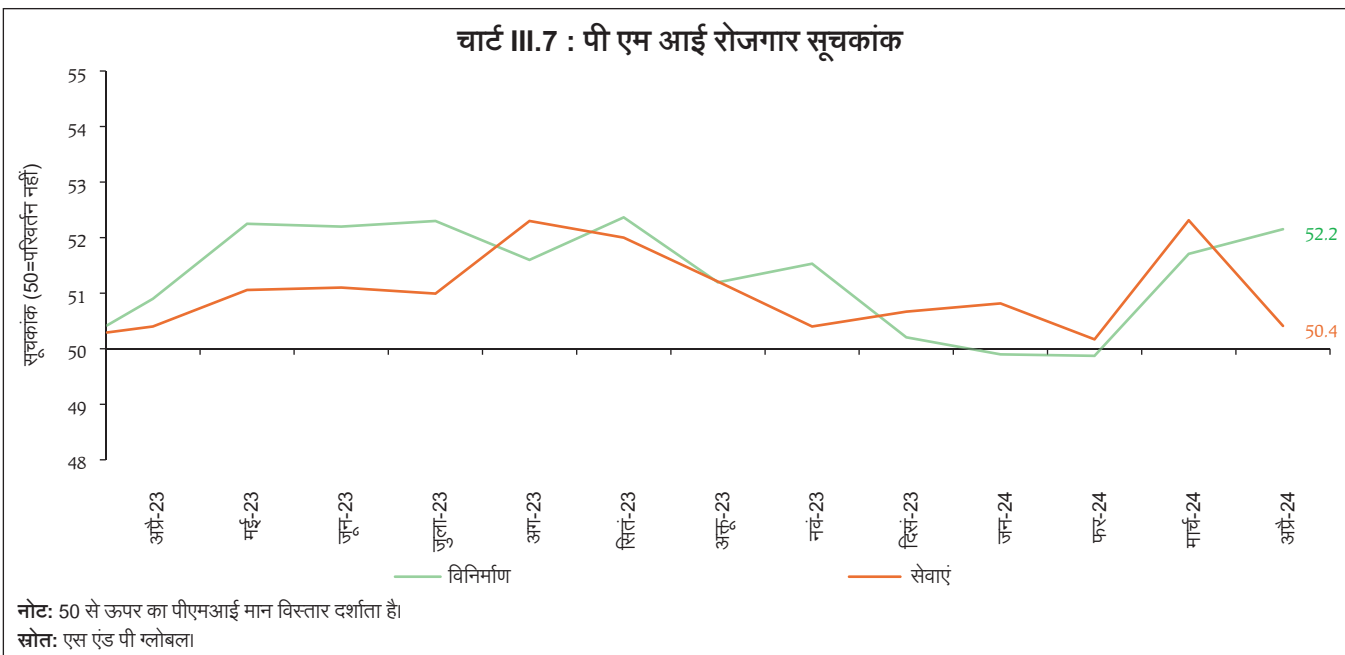
प्रतिशत था (चार्ट III.6ए)। एलएफपीआर और रोजगार दर (ईआर) पिछले महीने की तुलना में मामूली रूप से गिर गई (चार्ट III.6बी)।

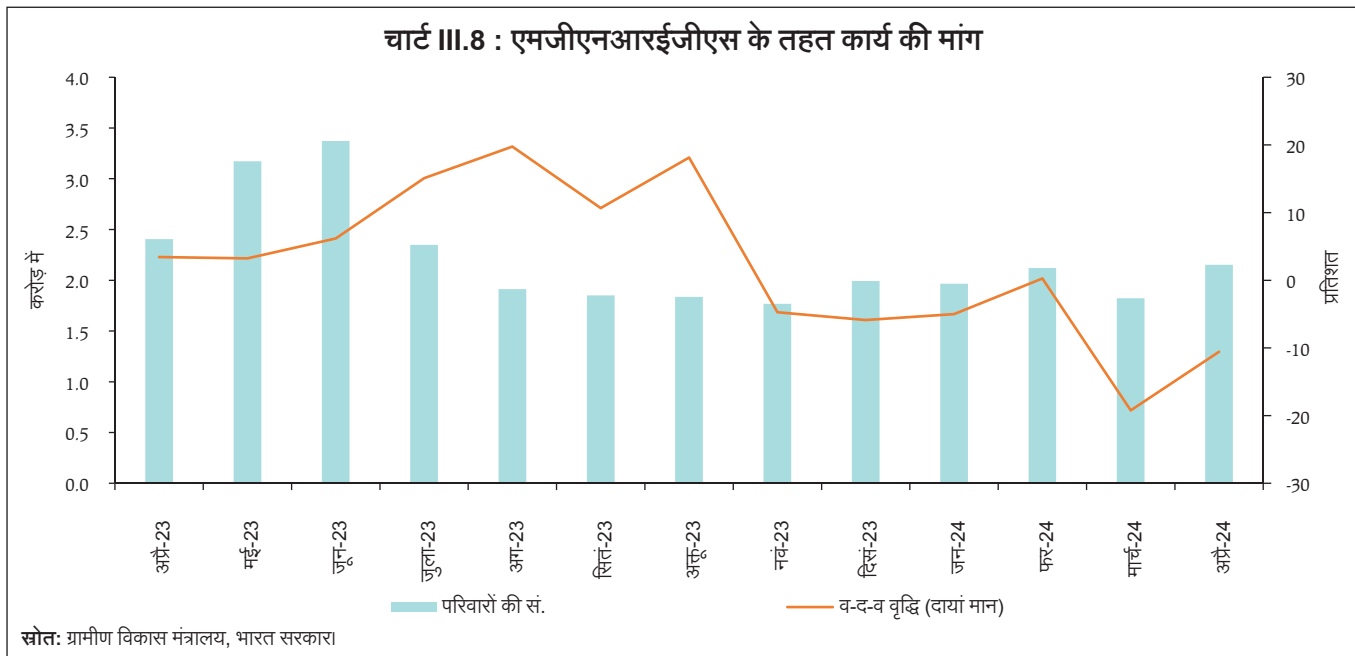
अप्रैल 2024 में, संगठित विनिर्माण रोजगार ने पिछले सात महीनों में सबसे तेज विस्तार दर्ज किया, जैसा कि पीएमआई रोजगार परिदृश्य द्वारा दर्शाया गया है। अप्रैल में सेवा रोजगार

सृजन विस्तार क्षेत्र में जारी रहा, हालांकि मार्च में दर्ज सात महीने के उच्चतम स्तर से क्रमिक रूप से इसमें कमी आई (चार्ट III.7)।

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के तहत काम की घरेलू मांग में अप्रैल में 18.0 प्रतिशत (मासिक) की वृद्धि देखी गई, जबकि देश के अधिकांश हिस्सों

चार्ट III.7 : पी एम आई रोजगार सूचकांक

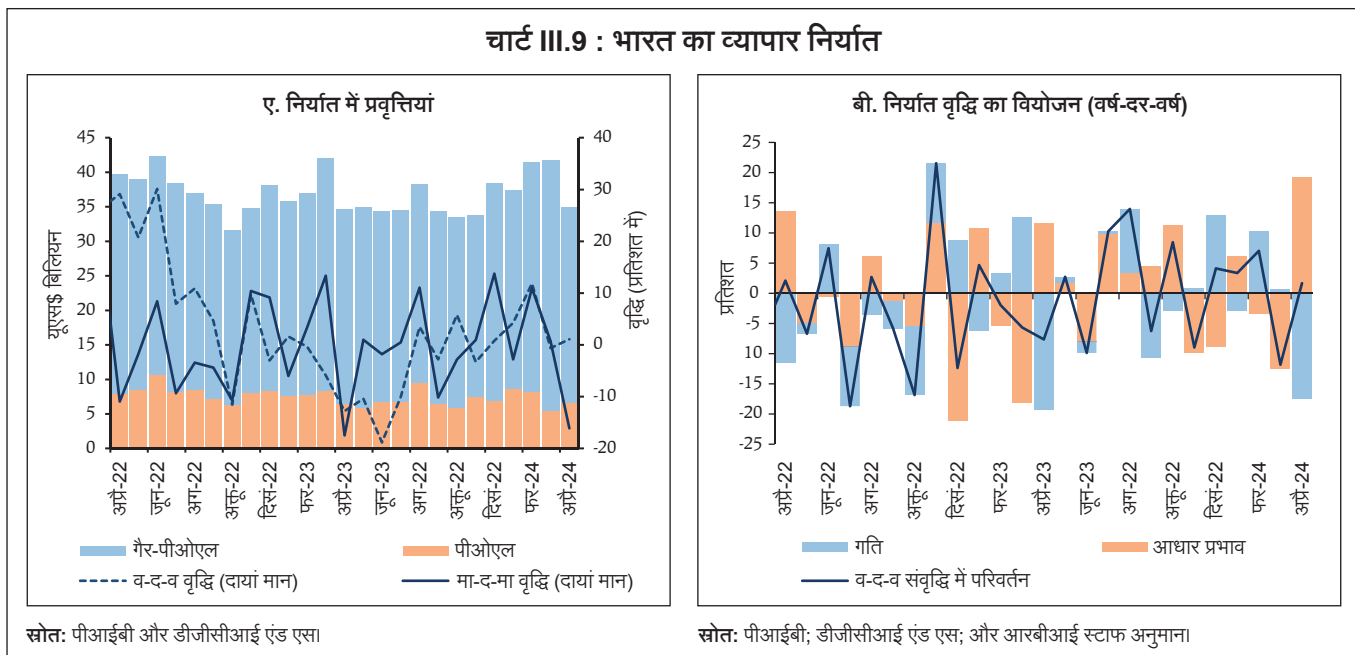




में रबी की कटाई का मौसम समाप्त हो रहा है। हालांकि, मनरेगा रोजगार में सालाना आधार पर 10.6 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई (चार्ट III.8)।

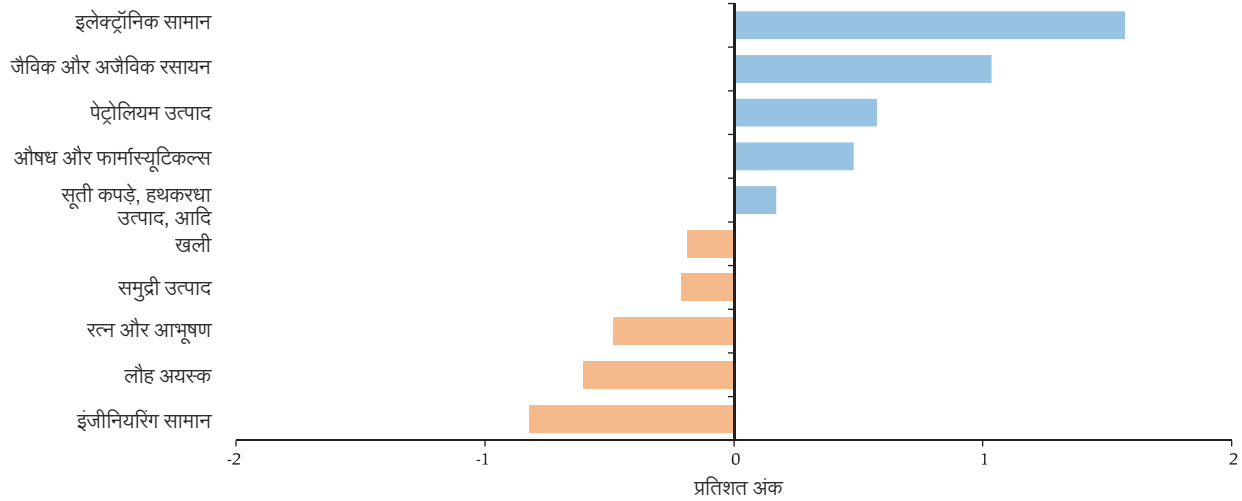
अप्रैल 2024 में भारत का व्यापारिक निर्यात 35.0 बिलियन अमेरिकी डॉलर रहा, जो 1.1 प्रतिशत (वर्ष दर वर्ष) की वृद्धि के साथ अनुकूल आधार प्रभाव के रूप में ऋणात्मक गति की भरपाई से अधिक है (चार्ट III.9)।

30 प्रमुख वस्तुओं में से 13 वस्तुओं (निर्यात बास्केट का 46.7 प्रतिशत हिस्सा) ने वर्ष दर वर्ष आधार पर विस्तार दर्ज किया। इलेक्ट्रॉनिक सामान, जैविक और अजैविक रसायन, पेट्रोलियम उत्पाद, दवाएँ और फार्मास्यूटिकल्स, और सूती धागा, कपड़े, मेड-अप और हथकरघा उत्पादों ने निर्यात वृद्धि का समर्थन किया, जबकि इंजीनियरिंग सामान, लौह अयस्क, रत्न और आभूषण, समुद्री उत्पाद और खली, ने अप्रैल में समग्र निर्यात को नीचे गिरा दिया (चार्ट III.10)।



स्रोत: पीआईबी; डीजीसीआई एंड एस; और आरबीआई स्टाफ अनुमान।

**चार्ट III.10 : भारत का व्यापार निर्यात – सापेक्ष योगदान
(अप्रैल 2023 की तुलना में अप्रैल 2024)**



स्रोत: पीआईबी; और आरबीआई स्टाफ अनुमान।

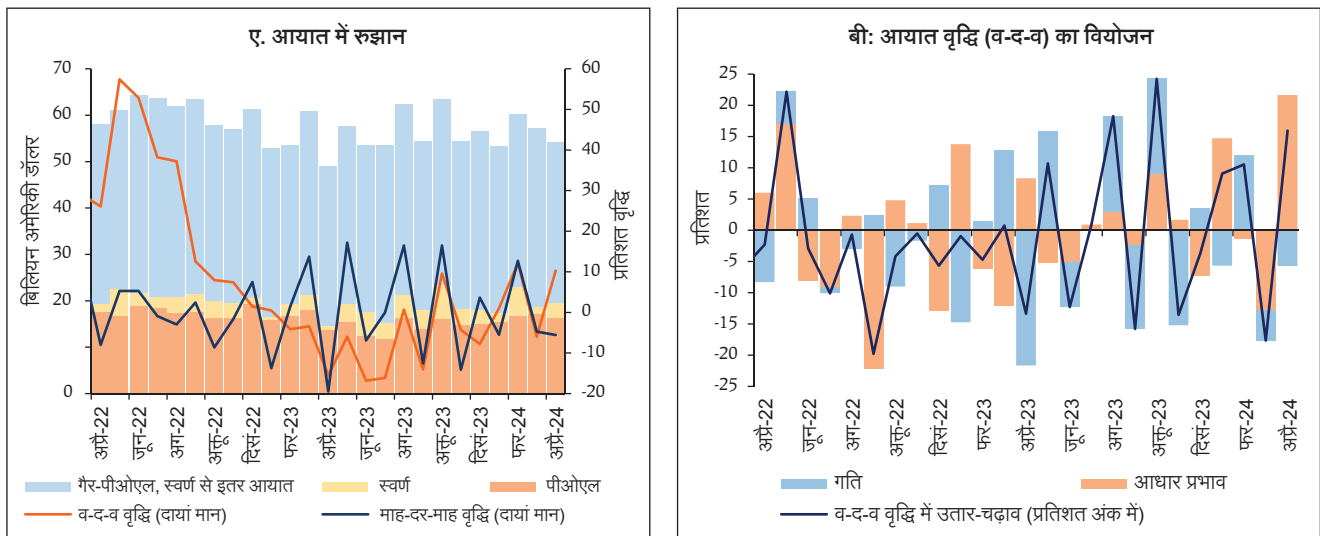
इस महीने में 10.3 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 54.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर का व्यापारिक आयात हुआ, क्योंकि आधार प्रभाव ने ऋणात्मक गति को संतुलित कर दिया (चार्ट III.11)। 30 प्रमुख वस्तुओं में से 16 वस्तुओं (आयात बास्केट का 58.7 प्रतिशत हिस्सा) ने अप्रैल में वर्ष दर वर्ष आधार पर वृद्धि दर्ज की।

पेट्रोलियम कच्चे तेल और उत्पाद, स्वर्ण, इलेक्ट्रॉनिक सामान, दालें और वनस्पति तेल ने आयात वृद्धि का समर्थन

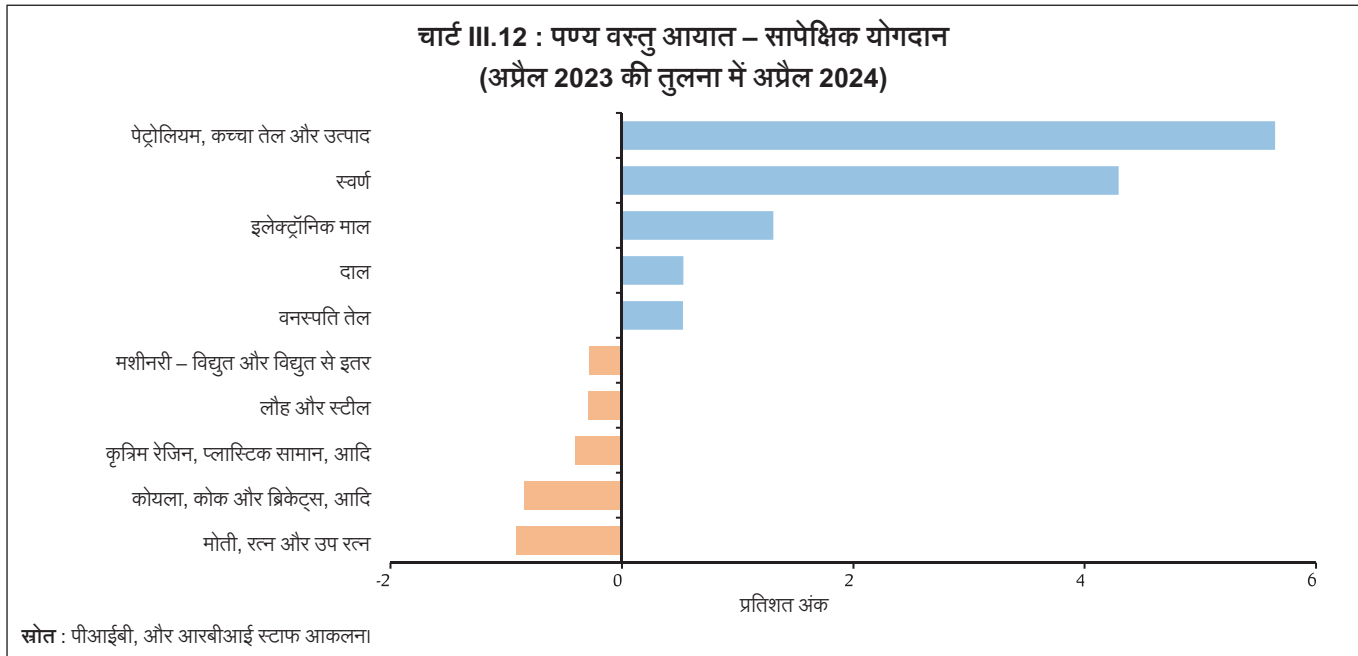
किया, जबकि मोती, कीमती और अर्ध-कीमती पत्थर, कोयला, कृत्रिम रेजिन, प्लास्टिक सामग्री, लोहा और इस्पात, और मशीनरी अप्रैल में मुख्य बाधा थे (चार्ट III.12)।

अप्रैल 2024 में वस्तु व्यापार घाटा बढ़कर 5 महीने के उच्चतम स्तर 19.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गया, क्योंकि क्रमिक आधार पर आयात की तुलना में निर्यात में अधिक कमी आई। तेल से इतर घाटा मार्च में 3.8 बिलियन अमेरिकी

चार्ट III.11 : भारत का पण्य आयात

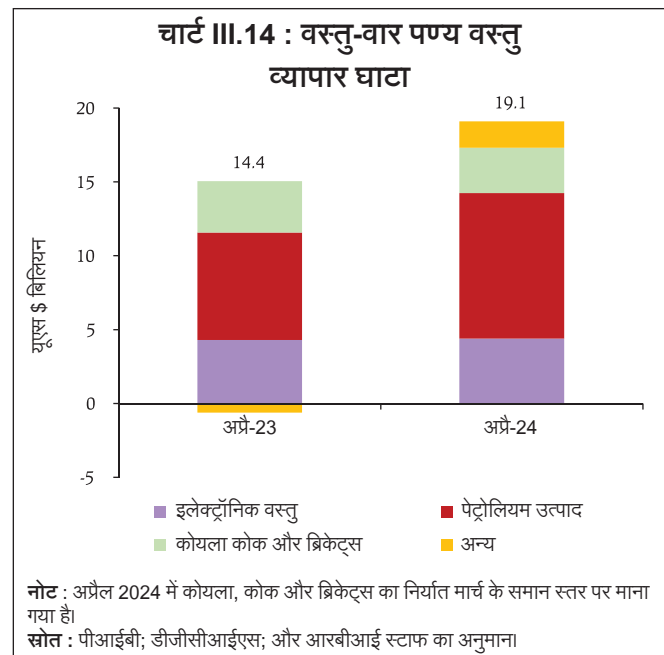
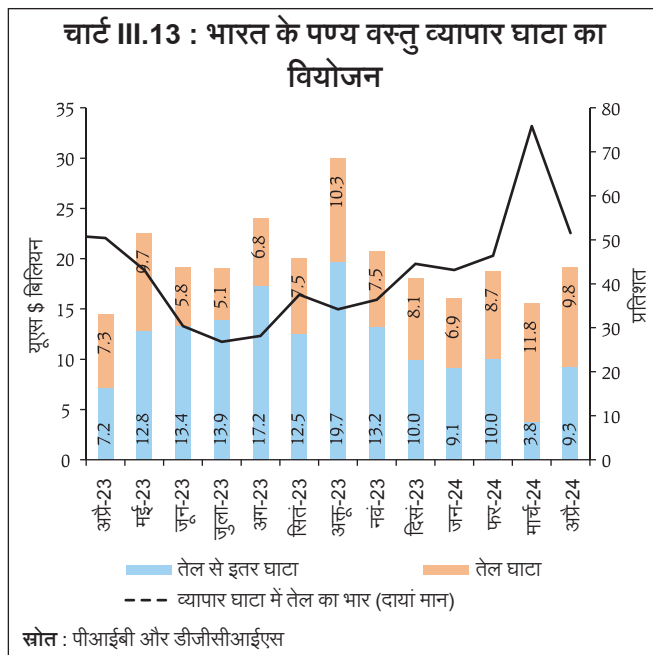


स्रोत: पीआईबी, डीजीसीआईएस; और आरबीआई स्टाफ के अनुमान।

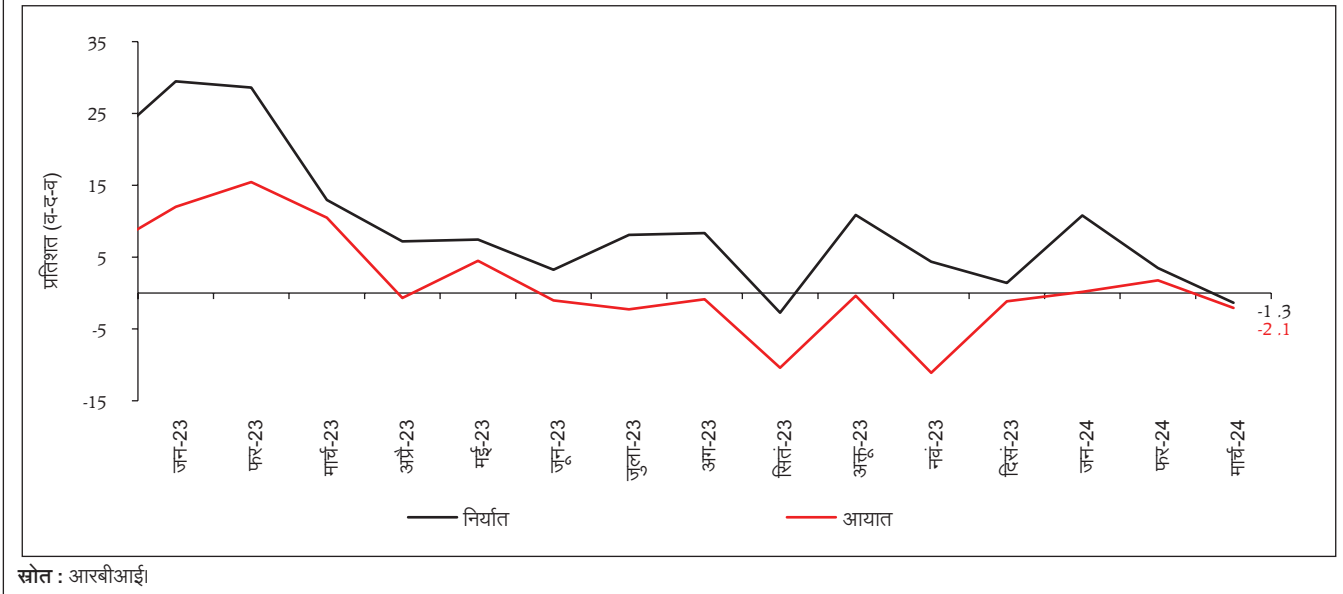


डॉलर से बढ़कर अप्रैल में 9.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया। हालांकि, कुल वस्तु व्यापार घाटे में तेल घाटे की हिस्सेदारी अप्रैल में घटकर 51.5 प्रतिशत रह गई, जो एक महीने पहले 75.9 प्रतिशत थी (चार्ट III.13)। अप्रैल में व्यापार घाटे का सबसे बड़ा स्रोत पेट्रोलियम उत्पाद थे, उसके बाद इलेक्ट्रॉनिक सामान थे (चार्ट III.14)।

मार्च 2024 में सेवा निर्यात 1.3 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) घटकर 30.0 बिलियन अमेरिकी डॉलर रह गया, जो व्यापार, सॉफ्टवेयर और परिवहन सेवाओं में मंदी को दर्शाता है। सेवा आयात 2.1 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) घटकर 16.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर रह गया, जिसका मुख्य कारण परिवहन सेवाओं में गिरावट है (चार्ट III.15)। परिणामस्वरूप, मार्च 2024 में निवल सेवा निर्यात



चार्ट III.15 : सेवाएँ निर्यात और आयात : वृद्धि दरें



आय 0.4 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) घटकर 13.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर रह गई। हालांकि, भारत की सॉफ्टवेयर सेवाओं के लिए दृष्टिकोण सहायक बना हुआ है, वैश्विक आईटी व्यय 2024 में 8 प्रतिशत बढ़कर 5.1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान है¹⁰

अप्रैल 2024 में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह (केंद्र

और राज्य) में वर्ष-दर-वर्ष 12.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो पहली बार ₹2 लाख करोड़ के आंकड़े को पार कर गया (चार्ट III.16)। अप्रैल में आमतौर पर वर्ष के अंत में आर्थिक गतिविधि अधिक होने के कारण किसी भी वित्तीय वर्ष के लिए सबसे अधिक जीएसटी संग्रह होता है¹¹

चार्ट III.16 : मासिक जीएसटी राजस्व



¹⁰ गार्टनर इंक., 17 अप्रैल 2024.

¹¹ अप्रैल का जीएसटी संग्रह वित्तीय वर्ष के अंतिम महीने मार्च में हुई आर्थिक गतिविधियों से संबंधित है।

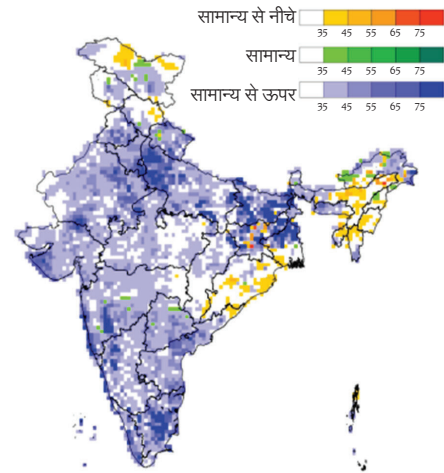
सकल आपूर्ति

भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के दक्षिण-पश्चिम मानसून (एसडब्ल्यूएम) सीजन के लिए पहले दीर्घावधिक पूर्वानुमान के अनुसार, इस वर्ष जून-सितंबर 2024 के दौरान वर्षा सामान्य से अधिक रहने की संभावना है¹² जिसमें देश के अधिकांश भागों में सामान्य से अधिक वर्षा होगी (चार्ट III.17)।

इसके अतिरिक्त, आईएमडी¹³ के अनुसार, एसडब्ल्यूएम के 01 जून की सामान्य तिथि के बजाय 31 मई को केरल में स्थापित होने की संभावना है। 13 मई 2024 की अपनी नवीनतम रिलीज़ में, राष्ट्रीय महासागरीय और वायुमंडलीय प्रशासन (एनओए) ने जून 2024 में अल-नीनो से अल नीनो-दक्षिणी दोलन (ईएनएसओ) में शून्य बदलाव का पूर्वानुमान लगाया है, जिसमें जून-अगस्त 2024 (49 प्रतिशत संभावना के साथ) या जुलाई-सितंबर 2024 (69 प्रतिशत संभावना के साथ) तक ला-नीना विकसित हो सकता है। यह आमतौर पर बढ़ी हुई वर्षा गतिविधि से जुड़ा होता है।

हालांकि, गर्मियों/मानसून-पूर्व कम बारिश, सामान्य से अधिक अधिकतम तापमान और गर्मी के मौसम में लू के दिन¹⁴, प्रमुख जोखिम कारक बने हुए हैं (चार्ट III.18ए)। 15 मई 2024 तक, गर्मियों की बारिश (मार्च-मई) लंबी अवधि के औसत

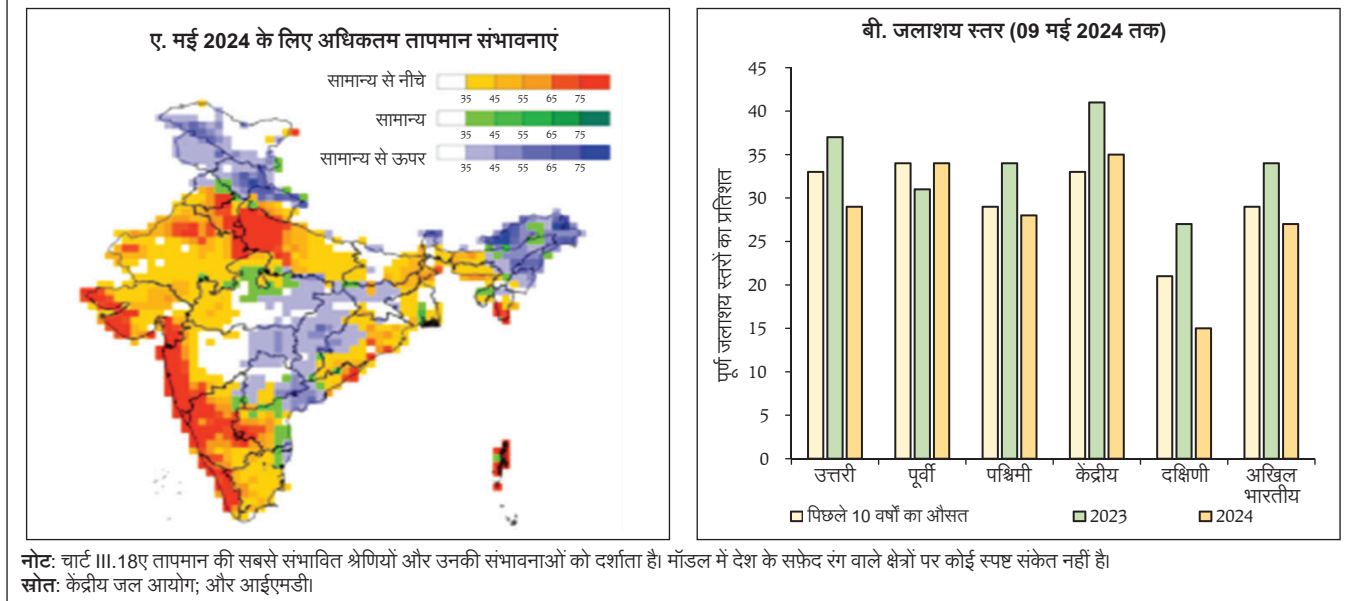
चार्ट III.17: आईएमडी प्रथम चरण 2024 एसवीएम पूर्वानुमान



नोट: चार्ट III.17 वर्षा की सबसे संभावित श्रेणियों और उनकी संभावनाओं को दर्शाता है। मॉडल में देश के सफेद छायांकित क्षेत्रों पर कोई स्पष्ट संकेत नहीं है।
स्रोत: आईएमडी।

(एलपीए) से 12 प्रतिशत कम रही, जबकि एक वर्ष पहले एलपीए से 18 प्रतिशत अधिक थी। प्रमुख जलाशयों में जल भंडारण स्तर अखिल भारतीय स्तर पर कुल जलाशय क्षमता का 27 प्रतिशत रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 20.8 प्रतिशत कम और दशकीय औसत से 7.7 प्रतिशत कम था (चार्ट III.18बी)।

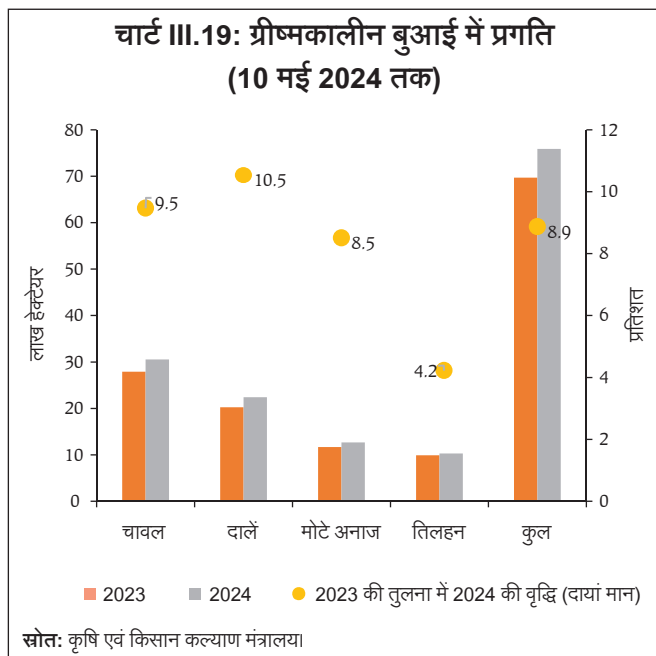
चार्ट III.18 : मौसम की स्थिति और जल-स्तर



¹² 15 अप्रैल 2024 को जारी पूर्वानुमान के अनुसार, ± 5 प्रतिशत की मॉडल त्रुटि के साथ वर्षा दीर्घ अवधि औसत (एलपीए) के 106 प्रतिशत पर रहने की संभावना है।

¹³ यह 15 मई 2024 को आईएमडी की नवीनतम रिलीज़ के अनुसार है। पूर्वानुमान में ± 4 दिनों की मॉडल त्रुटि है।

¹⁴ 1 मई 2024 को आईएमडी द्वारा जारी 'मासिक तापमान और वर्षा संभावना' के अनुसार।



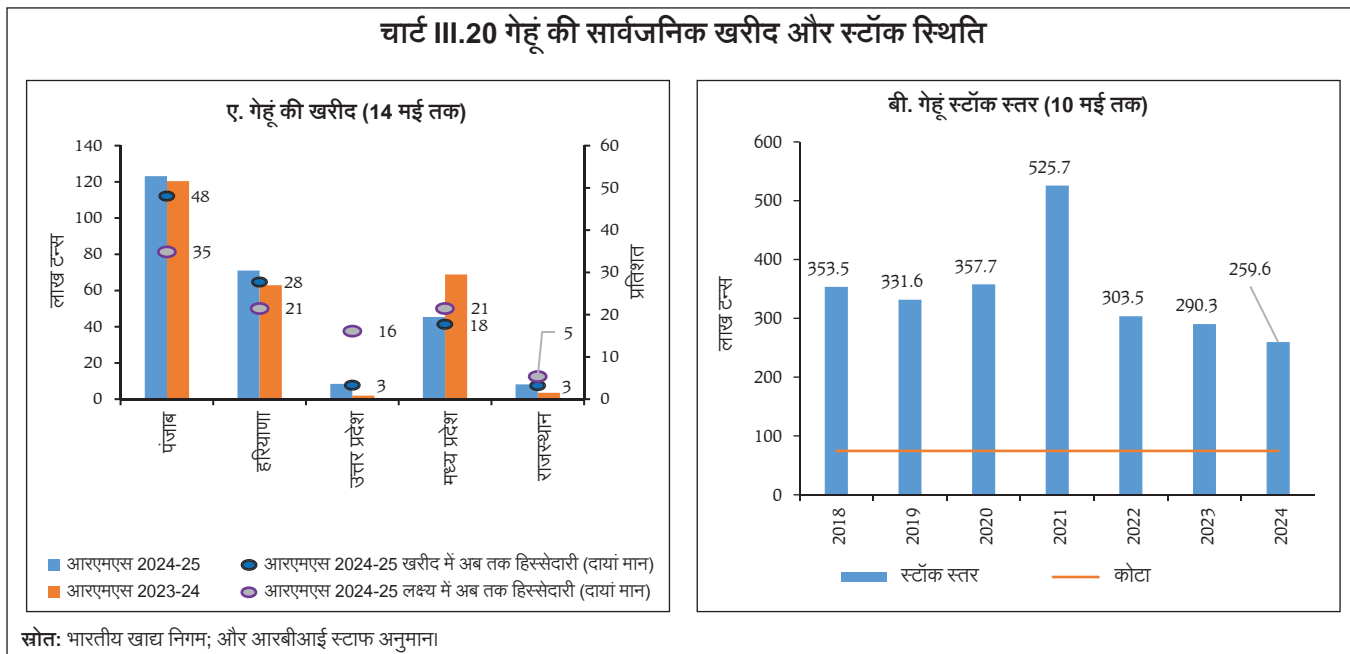
10 मई, 2024 तक ग्रीष्मकालीन फसल क्षेत्र¹⁵ के 75.9 लाख हेक्टेयर में बुआई की जा चुकी है, जिसमें एक साल पहले की तुलना में 8.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जिसमें चावल,

दलहन, मोटे अनाज और तिलहन के तहत अधिक रकबा है (चार्ट III.19)।

रबी विपणन सीजन (आरएमएस) में अब तक (14 मई, 2024 तक) गेहूं की संचयी खरीद 256.4 लाख टन रही, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में मामूली रूप से कम थी (चार्ट III.20ए)। खरीद में तेजी लाने के लिए, राजस्थान और मध्य प्रदेश जैसी चुनिंदा राज्य सरकारों ने अप्रैल के अंतिम सप्ताह में खरीद मानदंडों में ढील दी है।

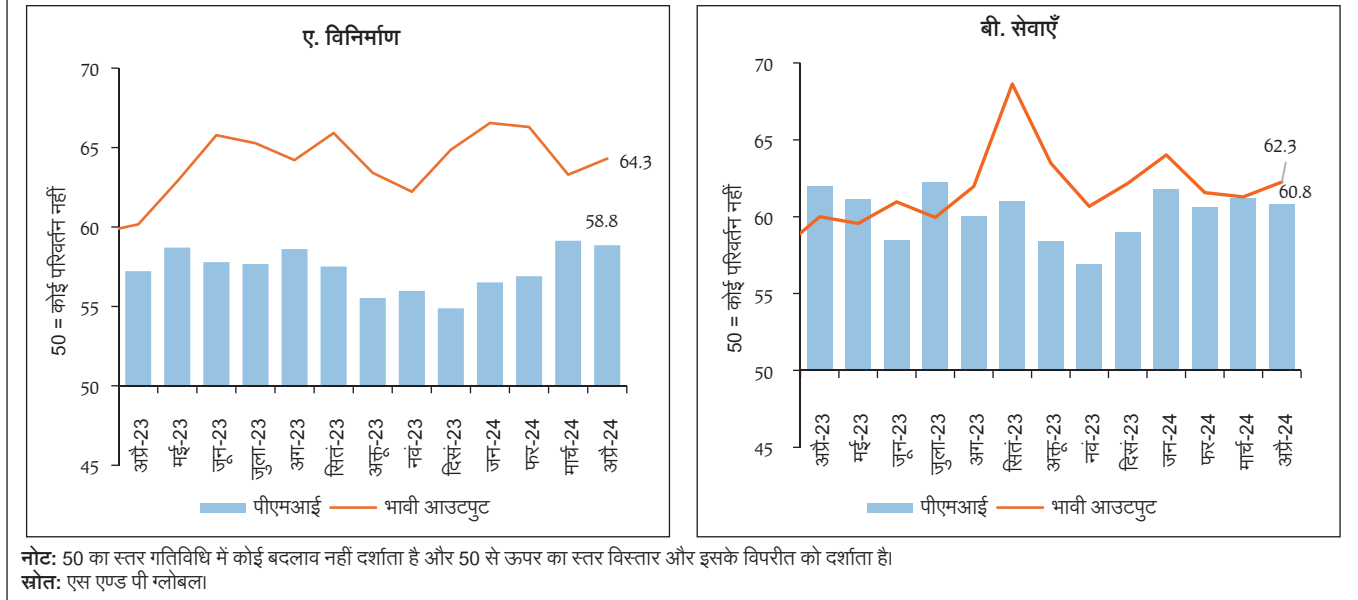
01 मई को, गेहूं का स्टॉक 259.6 लाख टन था जो तिमाही बफर मानदंड (अप्रैल-जून 2024) से काफी अधिक था (चार्ट III.20बी)। खरीफ विपणन सीजन में अब तक (01 अक्टूबर, 2023 – 14 मई, 2024) चावल की संचयी खरीद 482.8 लाख टन रही। 01 मई, 2024 तक, चावल का सार्वजनिक स्टॉक 508.9 लाख टन (बफर मानदंड का 3.7 गुना) था।

अनुक्रमिक परिनियमन के बावजूद, विनिर्माण के लिए हेडलाइन पीएमई अप्रैल 2024 में विस्तारवादी क्षेत्र में बना रहा, जो नए कार्यादेश और उत्पादन से उत्साहित था (चार्ट III.21ए)। सेवाओं



¹⁵ गर्मी के मौसम में कुल खाद्यान्न उत्पादन (2022-23) के लगभग 5 प्रतिशत में कुछ फसलों मूंग (50.3 प्रतिशत), बाजरा (9.5 प्रतिशत), उड़द (8.7 प्रतिशत), चावल (7.5 प्रतिशत) और मक्का (7.1 प्रतिशत) की अपेक्षाकृत अधिक हिस्सेदारी होती है।

चार्ट III.21: क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई)



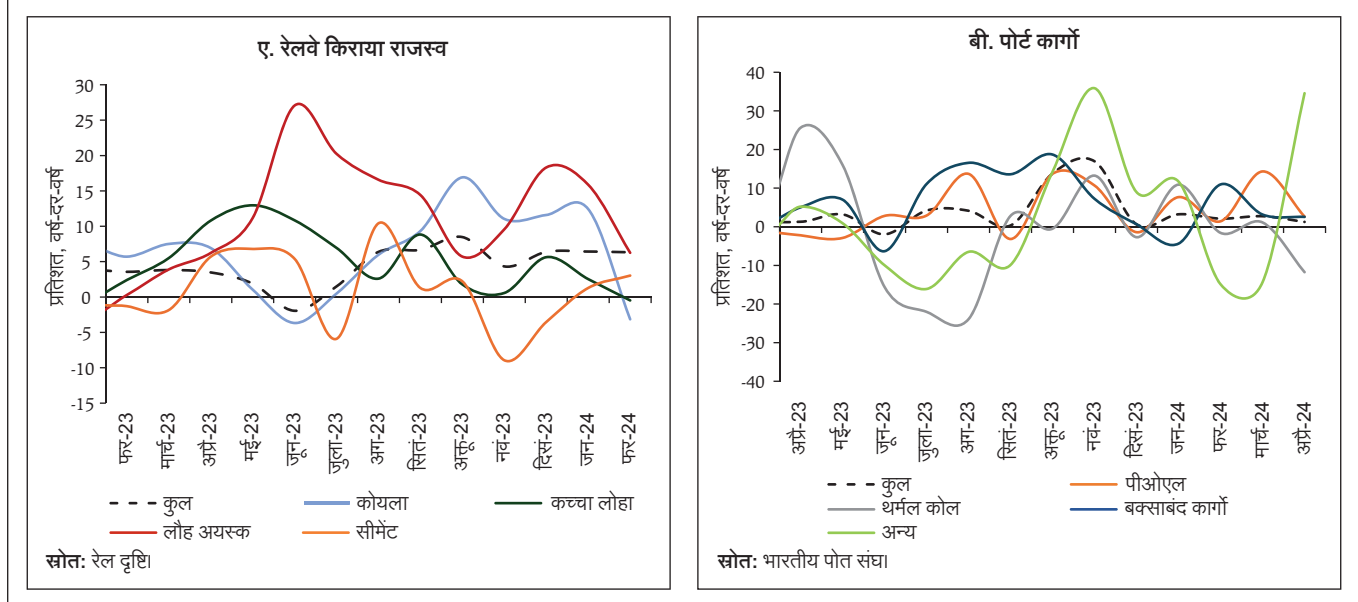
के लिए नए व्यवसाय और उत्पादन में वृद्धि से प्रेरित पीएमआई का भी विस्तार हालांकि धीमी गति से जारी रहा। (चार्ट III.21बी)

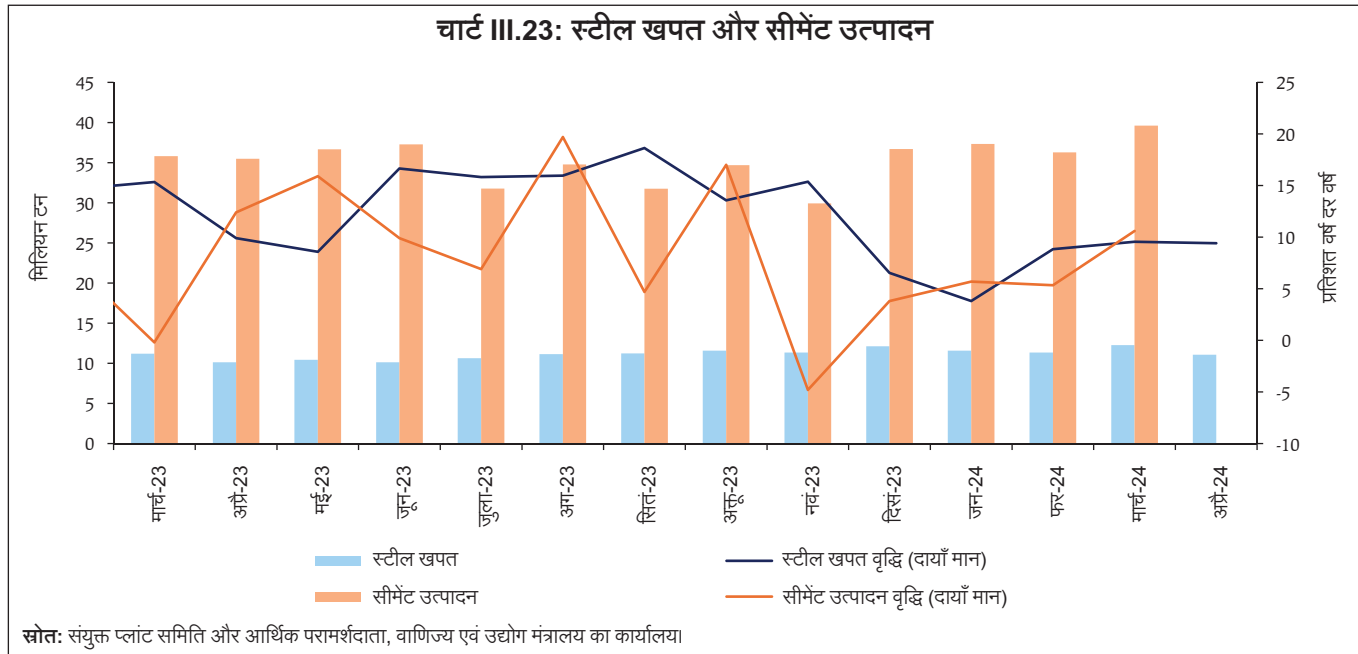
माल परिवहन के संकेतकों ने मिश्रित तस्वीर प्रदर्शित की। फरवरी 2024 में रेलवे माल राजस्व में 6.3 प्रतिशत (व-द-व) की वृद्धि दर्ज की गई, जिसे सीमेंट के माल ढुलाई में वृद्धि से मदद

मिली (चार्ट III.22ए)। अप्रैल 2024 में प्रमुख बंदरगाहों पर कार्गो यातायात में 1.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिसमें कोकिंग कोयला और अन्य विविध कार्गो (चार्ट III.22बी) शामिल थे।

निर्माण क्षेत्र के संकेतकों में लगभग दो अंकों की वृद्धि दर्ज की गई क्योंकि अप्रैल 2024 में स्टील की खपत में 9.4 प्रतिशत की

चार्ट 22: रेलवे ट्रैफिक और पोर्ट कार्गो





वृद्धि हुई और मार्च 2024 में सीमेंट उत्पादन में 10.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई (चार्ट III.23)।

सेवा क्षेत्र के लिए उपलब्ध उच्च आवृत्ति संकेतक अप्रैल 2024 में आर्थिक गतिविधियों में समुत्थानशीलता दर्शाते हैं (सारणी III.1)।

सारणी III.1: वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष, प्रतिशत)

क्षेत्र	संकेतक	जुला-23	अग-23	सित-23	अक्टू-23	नव-23	दिस-23	जन-24	फर-24	मार्च-24	अप्रैल-24
शहरी मांग	यात्री वाहन बिक्री	2.9	11.6	3.1	17.3	4.3	3.2	13.9	5.7	8.9	1.2
	दोपहिया वाहनों की बिक्री	-7.2	0.6	0.8	20.1	31.3	16.0	26.2	30.0	15.3	30.8
ग्रामीण मांग	तिपहिया वाहनों की बिक्री	78.9	68.8	47.0	42.1	30.8	30.6	9.5	4.6	4.3	14.5
	ट्रैक्टर बिक्री	6.1	1.1	-14.7	-4.3	6.4	-19.8	-15.3	-33.0	-23.1	-3.0
व्यापार, होटल, परिवहन, संचार	वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री	6.9		3.2			-3.8				
	रेलवे माल यातायात	1.5	6.4	6.7	8.5	4.3	6.4	6.4	6.3		
	पोर्ट कार्गो ट्रैफिक	4.3	4.4	0.3	13.8	16.9	0.6	3.2	-1.4	2.7	1.3
	घरेलू हवाई कार्गो यातायात*	-4.1	6.0	-4.5	10.6	9.0	8.7	10.0	7.6	8.7	-10.1
	अंतर्राष्ट्रीय हवाई कार्गो यातायात*	1.0	7.4	2.7	15.0	4.9	12.2	19.3	25.7	22.5	20.7
	घरेलू हवाई यात्री यातायात *	26.3	23.6	19.3	10.7	8.7	8.1	5.0	2.2	4.7	3.3
	अंतर्राष्ट्रीय हवाई यात्री यातायात *	23.6	21.5	19.6	17.5	19.8	18.1	17.0	15.2	15.0	15.0
	जीएसटी ई-वे बिल (कुल)	16.4	19.5	9.5	30.5	8.5	13.2	16.4	18.9	13.9	14.5
	जीएसटी ई-वे बिल (इंट्रा स्टेट)	20.8	22.6	12.4	30.0	22.7	14.2	17.9	21.1	15.8	17.3
	जीएसटी ई-वे बिल (अंतरराज्यीय)	9.1	14.4	4.9	31.2	-16.2	11.4	13.8	15.0	10.7	9.6
	होटल अधिभोग दर@	60.9	60.9	61.0	62.5	63.0	70.0	66.6	72.5	64.4	
	प्रति कमरा औसत राजस्व	14.2	13.9	18.3	14.8	15.9	12.8	11.0	4.1	6.7	
पर्यटक आगमन	13.6	22.6	17.5	19.8	16.8	7.8	10.4	11.8			
निर्माण	इस्पात खपत	15.8	16.0	18.6	13.6	15.4	6.5	3.8	8.8	9.6	9.4
	सीमेंट उत्पादन	6.9	19.7	4.7	17.0	-4.8	3.8	5.7	5.3	10.6	
पीएमआई इंडेक्स#	सेवाएं	62.3	60.1	61.0	58.4	56.9	59.0	61.8	60.6	61.2	60.8

<< संकुचन ----- वस्तितार >>

नोट: #: स्तरों में डेटा. *: अप्रैल 2024 के आंकड़े दैनिक आंकड़ों के मासिक औसत पर आधारित हैं। @: डेटा दर में है, वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि दर में नहीं। जुलाई-2021 से आज तक की अवधि के लिए प्रत्येक संकेतक के लिए हीट-मैप का निर्माण किया गया है।

स्रोत: सीएमआईई, सीईआईसी, आईएचएस मार्केट, सियाम; भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण; और संयुक्त संयंत्र समिति।

मुद्रास्फीति

अखिल भारतीय सीपीआई¹⁶ में वर्ष-दर-वर्ष परिवर्तनों द्वारा मापी गई हेडलाइन मुद्रास्फीति, मार्च में 4.9 प्रतिशत से अप्रैल 2024 में 4.8 प्रतिशत तक कम हो गई क्योंकि 48 बीपीएस की सकारात्मक गति 51 बीपीएस के अनुकूल आधार प्रभाव के ऑफसेट से अधिक थी (चार्ट III.24)। प्रमुख समूहों में, खाद्य और कोर समूहों (यानी, खाद्य और ईंधन को छोड़कर) के लिए गति लगभग क्रमशः 65 बीपीएस और 55 बीपीएस पर सकारात्मक थी, जबकि ईंधन समूह ने लगभग 100 बीपीएस की नकारात्मक गति दर्ज की।

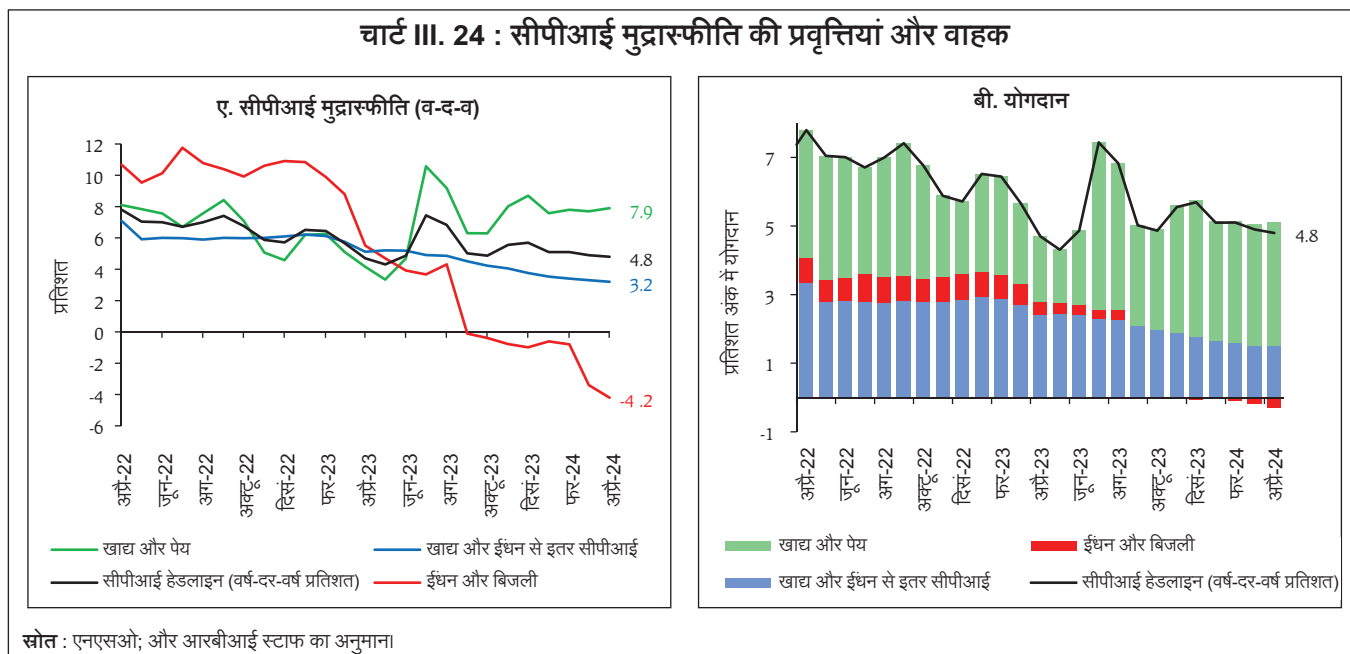
खाद्य मुद्रास्फीति (वर्ष-दर-वर्ष) मार्च में 7.7 प्रतिशत से बढ़कर अप्रैल में 7.9 प्रतिशत हो गई। उप-समूहों के संदर्भ में, अनाज, मांस और मछली और फलों में मुद्रास्फीति में मजबूती आई जबकि अंडे, दूध, सब्जियां, दालें, चीनी, मसाले, गैर-मादक पेय और तैयार भोजन ने मुद्रास्फीति में कमी दर्ज की (चार्ट III.25)। खाद्य तेलों में, हालांकि धीमी दर पर अपस्फीति बनी रही।

ईंधन और प्रकाश की कीमतों में अपस्फीति मार्च के (-) 3.4 प्रतिशत से बढ़कर अप्रैल में करीब 4.2 प्रतिशत हो गई जो मुख्यतः व-द-व आधार पर एलपीजी मूल्यों में अपस्फीति के कारण थी। हालांकि, बिजली की कीमतों में अप्रैल 2024 में सालाना आधार पर 10.2 प्रतिशत की मुद्रास्फीति दर्ज की गई।

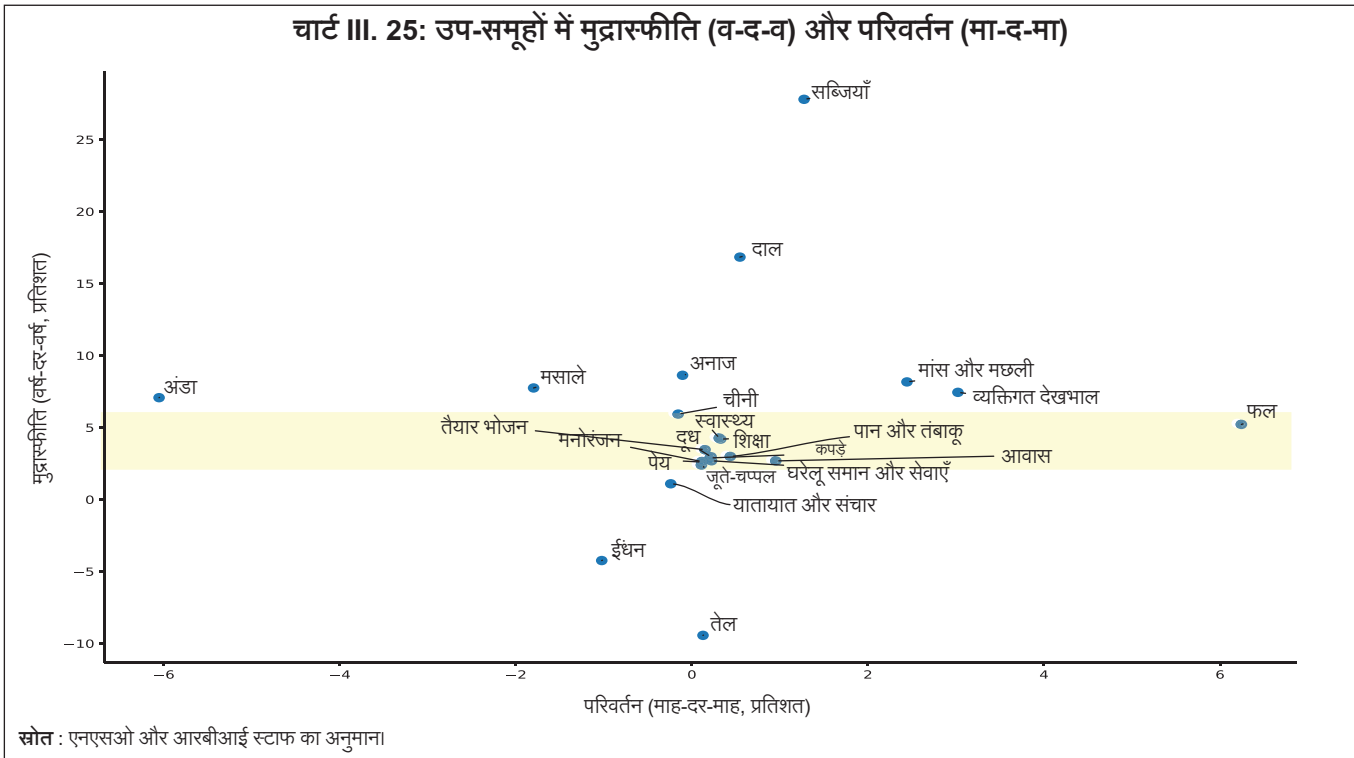
कोर मुद्रास्फीति मार्च में 3.3 प्रतिशत से अप्रैल में 3.2 प्रतिशत (व-द-व) तक कम हो गई, जो वर्तमान सीपीआई (2012 = 100) श्रृंखला में सबसे कम है। पान, तंबाकू और नशीले पदार्थों, कपड़ों और जूते, परिवहन और संचार, मनोरंजन और मनोरंजन, और शिक्षा में मुद्रास्फीति के रूप में संतुलन ज्यादातर व्यापक था, जबकि व्यक्तिगत देखभाल और प्रभाव मुद्रास्फीति ने सुधार दर्ज किया (चार्ट III.26)। आवास, घरेलू वस्तुओं और सेवाओं तथा स्वास्थ्य की कीमतों में मुद्रास्फीति स्थिर रही।

क्षेत्रीय वितरण के संदर्भ में, ग्रामीण मुद्रास्फीति अप्रैल 2024 में शहरी मुद्रास्फीति (4.11 प्रतिशत) से अधिक अर्थात् 5.43

चार्ट III. 24 : सीपीआई मुद्रास्फीति की प्रवृत्तियां और वाहक

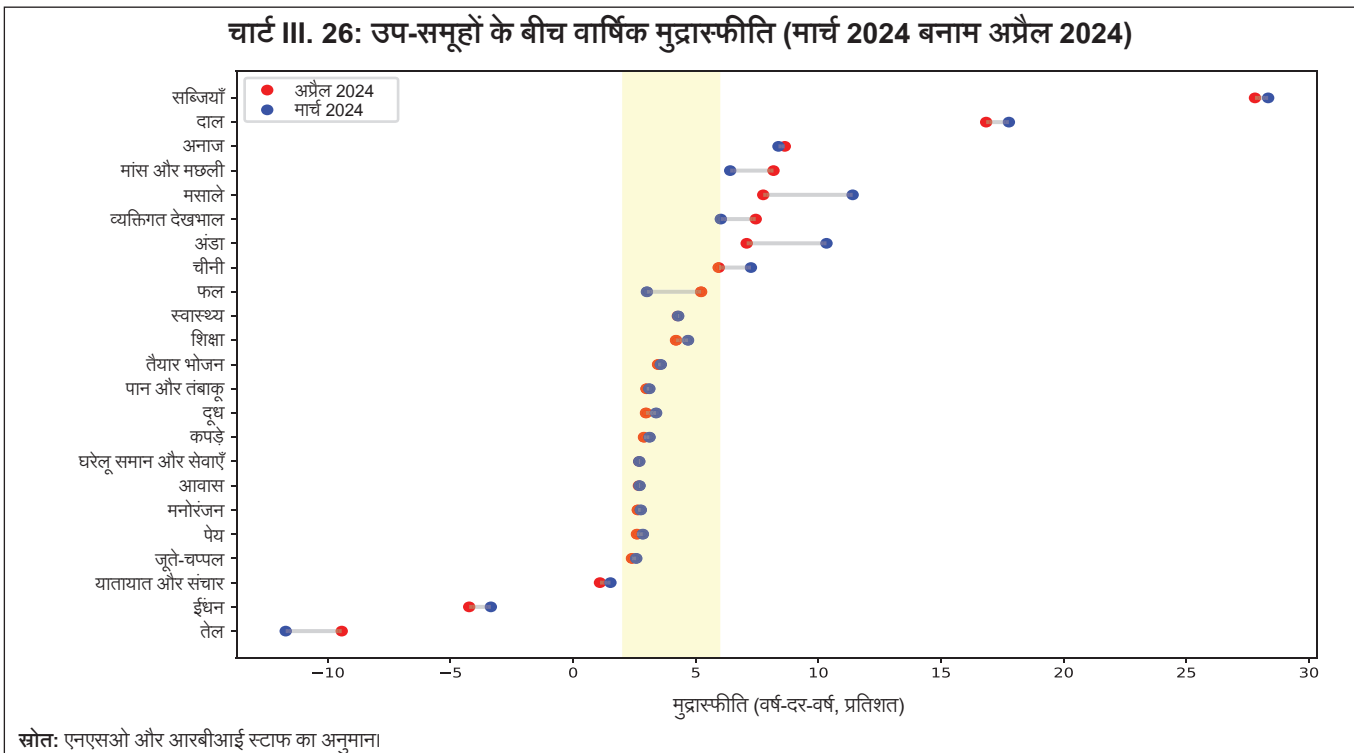


¹⁶ 13 मई 2024 को राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी अनंतिम आंकड़ों के अनुसार।

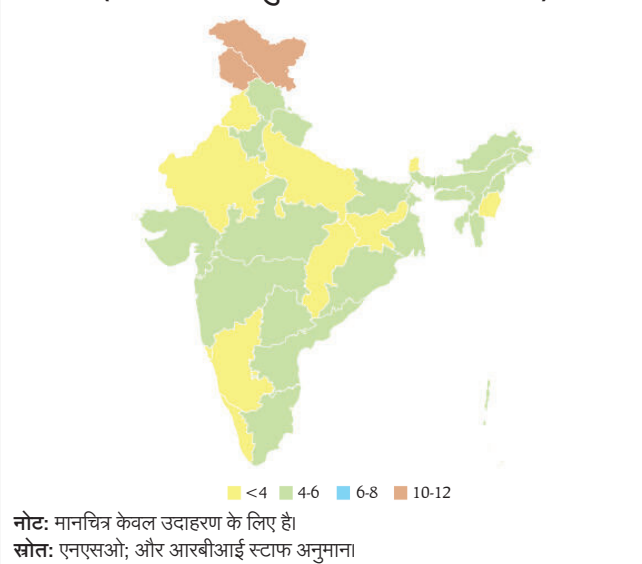


प्रतिशत रही। अधिकांश राज्यों में मुद्रास्फीति 6 प्रतिशत से कम रही (चार्ट III.27)।

अब तक (13 तारीख तक) मई के लिए उच्च आवृत्ति खाद्य मूल्य आंकड़ें बताते हैं कि मुख्य रूप से, गेहूं द्वारा संचालित



चार्ट III.27: मुद्रास्फीति का स्थानिक वितरण अप्रैल 2024 (सीपीआई - संयुक्त, वर्ष-दर-वर्ष, प्रतिशत)



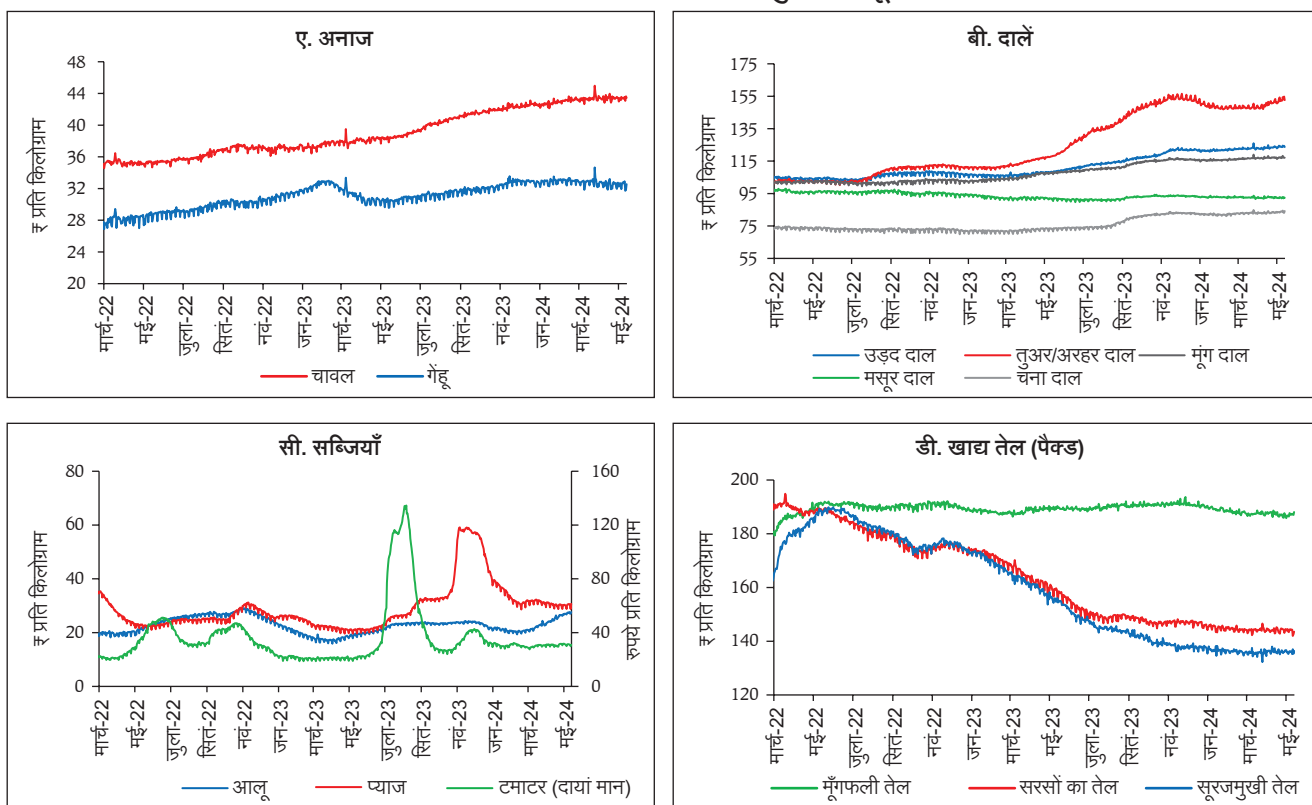
अनाज की कीमतों में गिरावट आई है। दालों की कीमतों में व्यापक वृद्धि दर्ज की गई, जबकि खाद्य तेल की कीमतों में नरमी आई।

प्रमुख सब्जियों में मई में अब तक प्याज की कीमतों में और गिरावट आई है। आलू और टमाटर की कीमतों में वृद्धि जारी है (चार्ट III.28)।

प्याज के मामले में कीमत का दबाव कम होने पर सरकार ने तीन मई को प्याज निर्यात को 40 प्रतिशत निर्यात शुल्क और 550 डॉलर प्रति मीट्रिक टन के न्यूनतम निर्यात मूल्य (एमईपी) के साथ 'प्रतिबंधित' से 'मुक्त' श्रेणी में स्थानान्तरित कर दिया। दालों की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए, सरकार ने पीली मटर के शुल्क मुक्त आयात को 31 अक्टूबर, 2024 तक बढ़ा दिया है। देसी चना (बंगाल चना) को मार्च 2025 तक आयात शुल्क से छूट दी गई है।

चार प्रमुख महानगरों में पेट्रोल और डीजल की खुदरा बिक्री कीमतें मई में अब तक (13 तारीख तक) स्थिर बनी हुई हैं। मिट्टी तेल और एलपीजी की कीमतें भी अपरिवर्तित रहीं (सारणी III.2)।

चार्ट III.28: डीसीए आवश्यक वस्तुओं का मूल्य



स्रोत : उपभोक्ता मामलों विभाग, भारत सरकार; और आरबीआई स्टाफ अनुमान।

सारणी III.2: पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतें

मद	इकाई	घरेलू कीमतें			माह-दर-माह (प्रतिशत)	
		मई-23	अप्रै-24	मई-24 [^]	अप्रै-24	मई-24 [^]
पेट्रोल	₹/लीटर	102.92	100.91	100.91	0.0	0.0
डीज़ल	₹/लीटर	92.72	90.72	90.72	0.0	0.0
मिट्टी तेल (सब्सिडीकृत)	₹/लीटर	47.55	49.57	49.57	0.0	0.0
एलपीजी (गैर-सब्सिडीकृत)	₹/सिलेंडर	1113.25	813.25	813.25	0.0	0.0

[^]: 1-13 मई, 2024 की अवधि के लिए

नोट: केरोसिन के अलावा, कीमतें चार प्रमुख महानगरों (दिल्ली, कोलकाता, मुंबई और चेन्नई) में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) की औसत कीमतों का प्रतिनिधित्व करती हैं। मिट्टी के तेल के लिए, कीमतें कोलकाता, मुंबई और चेन्नई में सब्सिडी वाली कीमतों के औसत को दर्शाती हैं।

स्रोत: आईओसीएल; पेट्रोलियम योजना और विश्लेषण सेल (पीपीएसी); और आरबीआई स्टाफ का अनुमान।

अप्रैल 2024 के लिए पीएमआई इंगित करते हैं कि इनपुट लागत के साथ-साथ आउटपुट कीमतों ने विनिर्माण क्षेत्र में विस्तार में तेजी दर्ज की (चार्ट III.29)। सेवा क्षेत्र में, इनपुट और बिक्री मूल्य दोनों के लिए विस्तार की दर कम हो गई।

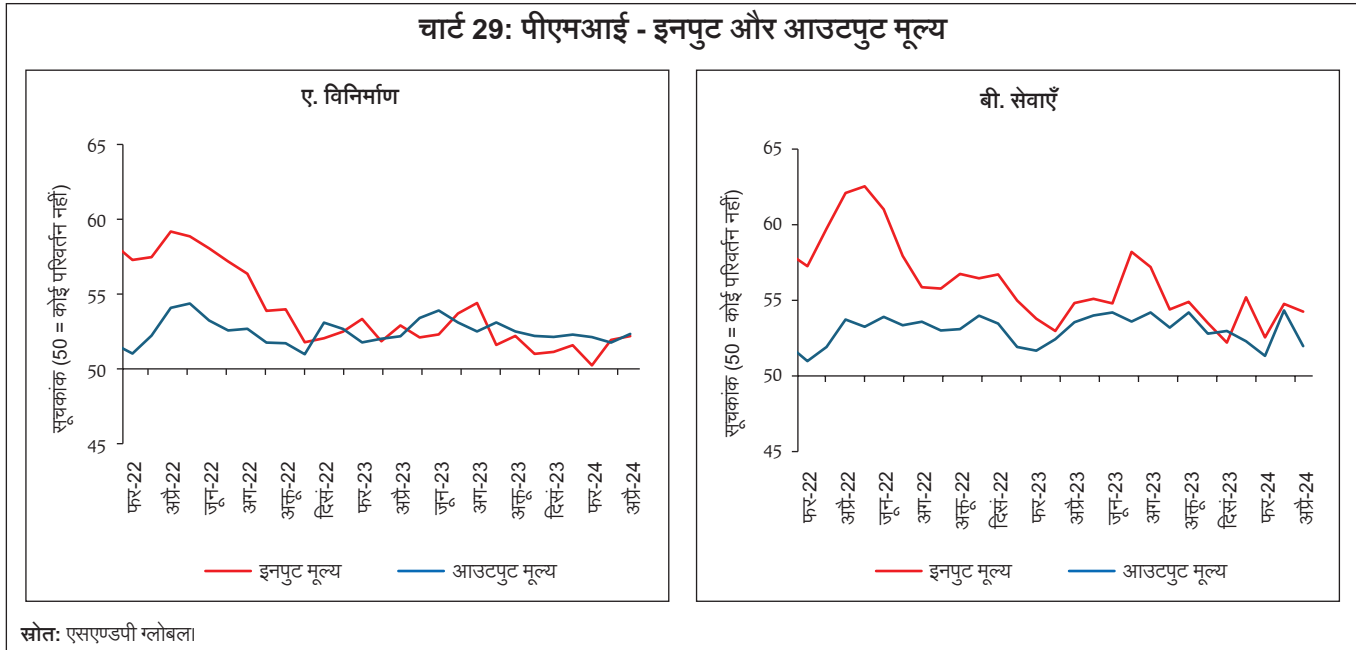
IV. वित्तीय स्थिति

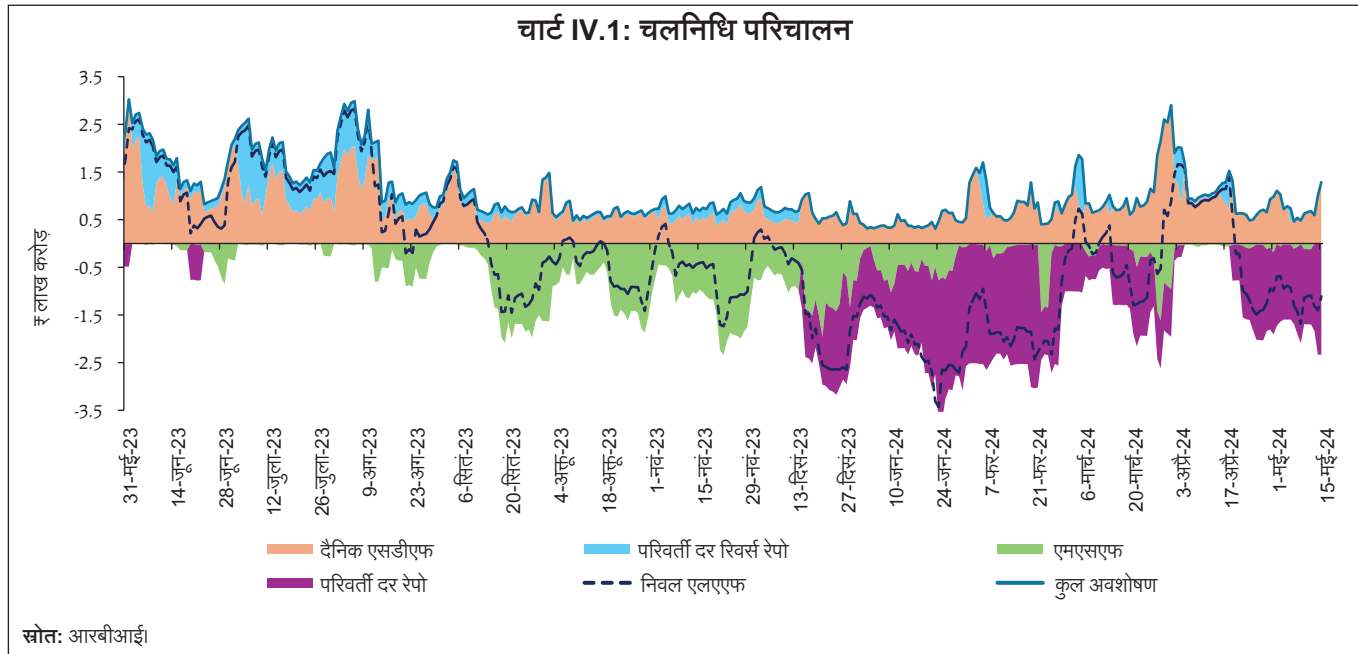
अग्रिम कर भुगतान और माल व सेवा कर (जीएसटी) से संबंधित बहिर्वाह के कारण सरकारी नकद शेष राशि के निर्माण ने 20 अप्रैल, 2024 से चलनिधि प्रणाली पर दबाव डाला। जवाब में, चलनिधि समायोजन सुविधा (एलएएफ) [सीमांत स्थायी सुविधा

(एमएसएफ) सहित] के तहत औसत दैनिक निवल अन्तःक्षेपण 16 अप्रैल से 15 मई, 2024 के दौरान ₹ 0.80 लाख करोड़ रहा, जबकि 16 मार्च से 15 अप्रैल, 2024 (चार्ट IV.1) के दौरान औसत दैनिक निवल अवशोषण ₹ 0.20 लाख करोड़ था। 16 अप्रैल से 15 मई, 2024 के दौरान रिज़र्व बैंक ने दो मुख्य और नौ सटीक रूप से समायोजित परिवर्तनीय दर रेपो (वीआरआर) परिचालनों के माध्यम से बैंकिंग प्रणाली में चलनिधि को अंतःक्षेपित किया, जो संचयी रूप से ₹6.3 लाख करोड़ की राशि है। निधि की मांग बहुत अधिक थी जैसा कि मुख्य और सटीक रूप से समायोजित वीआरआर नीलामी दोनों के लिए उच्च बोली-कवर अनुपात में परिलक्षित होता है।

अप्रैल के दूसरे पखवाड़े से 15 मई, 2024 के दौरान ₹0.80 लाख करोड़ के औसत कुल अवशोषण में से, स्थायी जमा सुविधा (एसडीएफ) के तहत निधियों का नियोजन ₹0.74 लाख करोड़ था, जो 16 मार्च से 15 अप्रैल, 2024 के दौरान ₹1.18 लाख करोड़ से कम था। शेष 0.06 लाख करोड़ रुपये की राशि 16 अप्रैल से 15 मई, 2024 के दौरान किए गए परिवर्तनीय दर रिवर्स रेपो (वीआरआरआर) संचालन के माध्यम से अवशोषित की गई थी। इस अवधि के दौरान, रिज़र्व बैंक को ₹1.75 लाख करोड़ की कुल अधिसूचित राशि के मुकाबले ₹1.63 लाख करोड़ का संचयी कुल प्रस्ताव प्राप्त हुआ।

चार्ट 29: पीएमआई - इनपुट और आउटपुट मूल्य

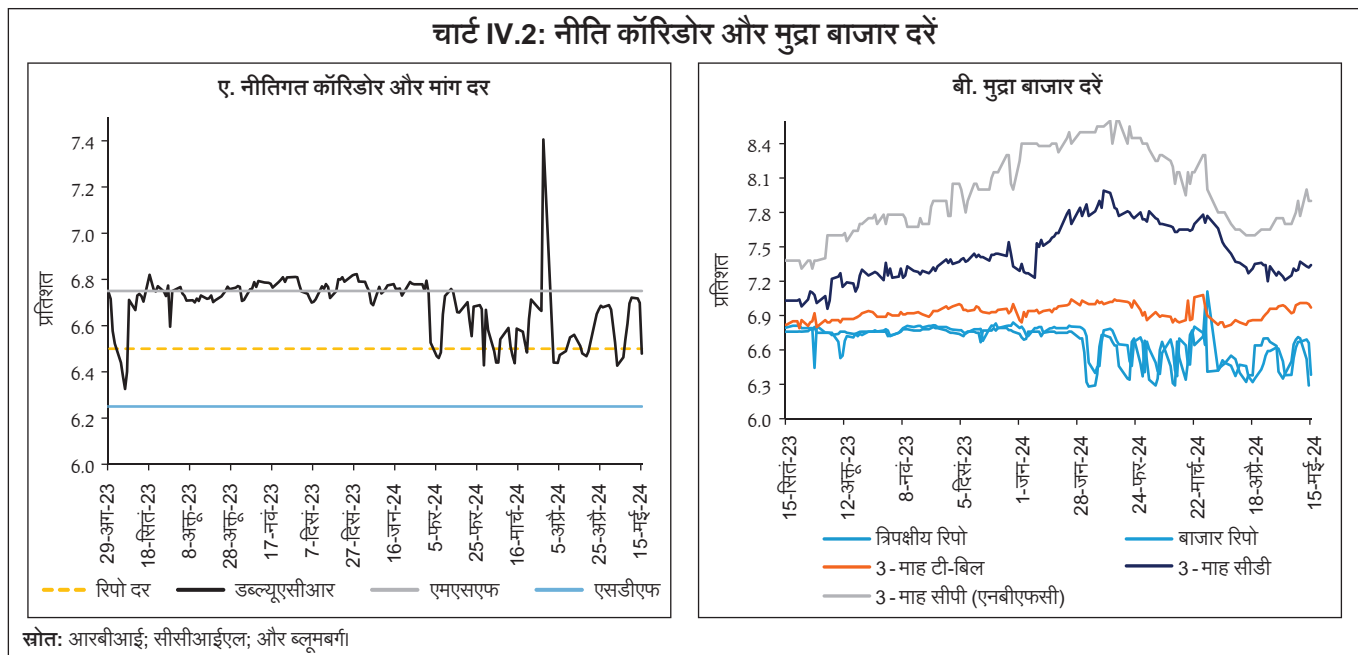


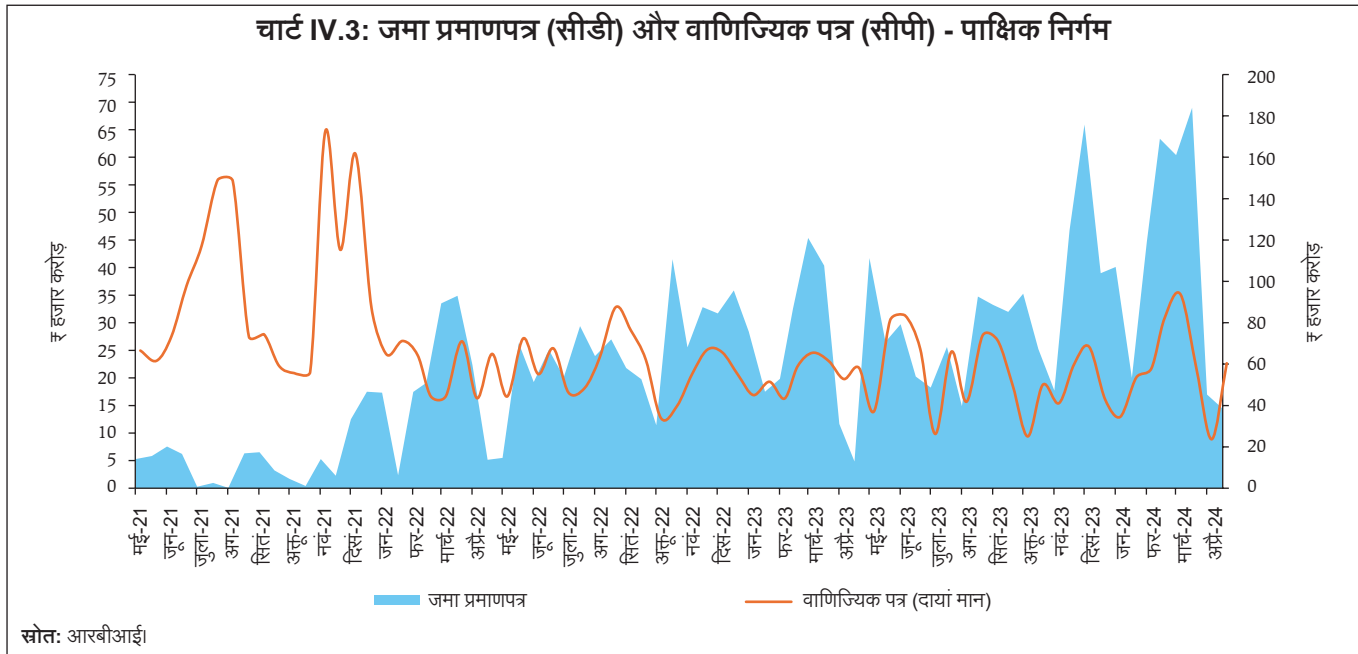


एक दिवसीय मुद्रा बाजार में, भारत औसत मांग दर (डब्ल्यूएसीआर) एलएएफ कॉरिडोर के भीतर रहा और 16 मार्च-15 अप्रैल, 2024 के समान 16 अप्रैल से 15 मई, 2024 के दौरान औसतन 6.60 प्रतिशत रहा (चार्ट IV.2ए)। संपार्श्विक खंड में दरें - त्रिपक्षीय और बाजार रेपो दरें - डब्ल्यूएसीआर के साथ मिलकर चलती हैं। औसत आधार पर, त्रिपक्षीय रेपो और बाजार रेपो दर ने 16 अप्रैल से 15 मई, 2024 के दौरान पॉलिसी रेपो दर

से ऊपर क्रमशः 5 बीपीएस और 2 बीपीएस का कारोबार किया (चार्ट IV.2बी)।

मियादी मुद्रा बाजार खंड में, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के लिए जमा प्रमाण पत्र (सीडी) और वाणिज्यिक पत्र (सीपी) पर प्रतिफल कम हो गया, हालांकि, 3 महीने के खजाना बिल (टी-बिल) पर मामूली रूप से कमी आई (चार्ट IV.2बी)। मुद्रा बाजार में औसत जोखिम प्रीमियम (3-महीने के सीपी से 91-



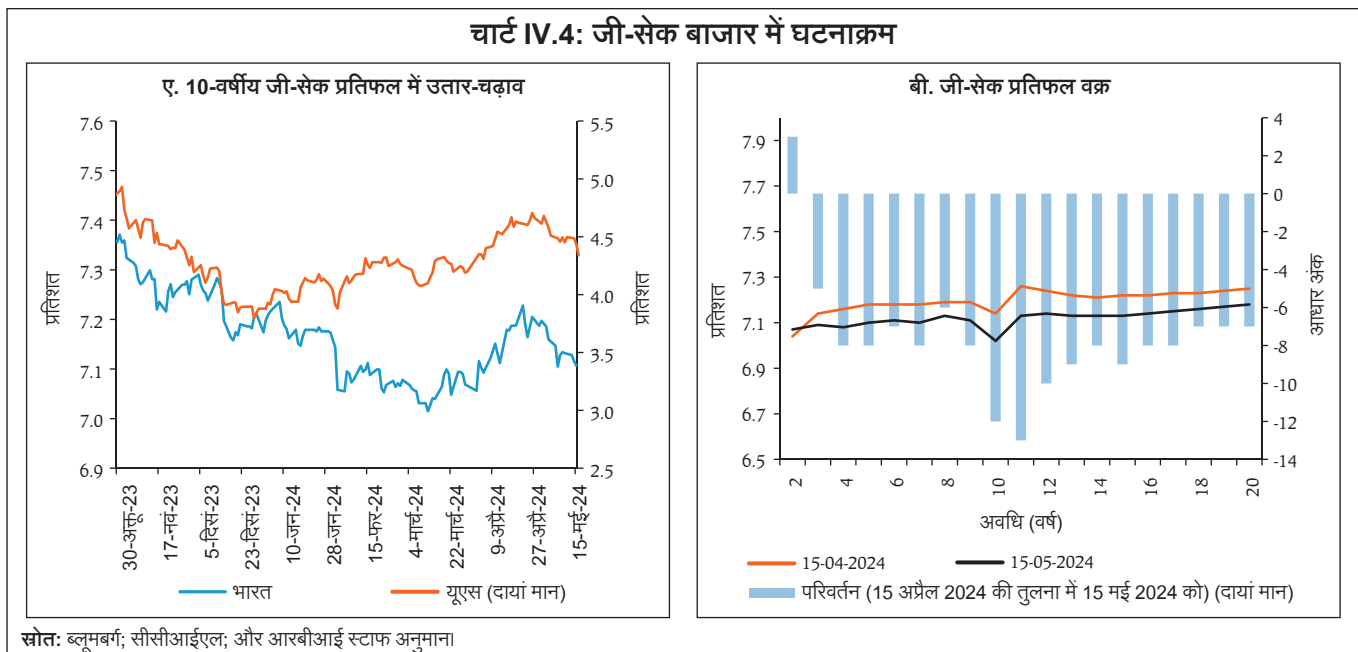


दिवसीय टी-बिल घटाकर) 16 अप्रैल से 15 मई, 2024 के दौरान घटकर 79 बीपीएस हो गया, जो मार्च 16 - अप्रैल 15, 2024 के दौरान 103 बीपीएस था।

प्राथमिक बाजार में, ऋण की निरंतर मांग के जवाब में 2024-25 (3 मई तक) के दौरान सीडी जारी करके जुटायी गई ₹0.46 लाख करोड़ की निधि पिछले वर्ष इसी अवधि में जुटाई गई ₹0.27 लाख करोड़ से अधिक थी (चार्ट IV.3)। दूसरी ओर, 2024-25

(30 अप्रैल तक) के दौरान ₹0.84 लाख करोड़ की सीपी जारी की गई, जो पिछले वर्ष, इसी अवधि में जारी की गई ₹1.11 लाख करोड़ की सीपी से कम थी।

10-वर्षीय भारतीय बेंचमार्क सरकारी प्रतिभूति (जी-सेक) पर प्रतिफल 15 अप्रैल के 7.18 प्रतिशत से घटकर 15 मई, 2024 को 7.08 प्रतिशत पर बंद हुआ (चार्ट IV.4ए)। भारतीय सॉवरेन बॉन्ड इस अवधि के दौरान सरकारी उधारी में कमी,



वैश्विक बॉन्ड सूचकांक समावेशन के कारण बढ़ती मांग और स्थिर रुपये के कारण, वैश्विक बाजारों में अस्थिरता से समुत्थानशील और अछूते रहे। सावधि संरचना में वक्र के मध्य से अंतिम सिरे तक पैदावार में अपेक्षाकृत तेज कमी के साथ उपज वक्र नीचे की ओर स्थानांतरित हो गया (चार्ट IV.4बी)। 3 मई, 2024 को भारत सरकार ने नीलामी के माध्यम से कुल ₹40,000 करोड़ की राशि के लिए अपनी प्रतिभूतियों की पुनर्खरीद की घोषणा की। रिजर्व बैंक ने 9 मई, 2024 को आयोजित नीलामी में ₹0.53 लाख करोड़ (₹0.40 लाख करोड़ की अधिसूचित राशि का 1.33 गुना) की प्राप्त बोलियों के सामने कुल ₹0.10 लाख करोड़ के जी-सेक खरीदने के प्रस्ताव स्वीकार किए।

कॉर्पोरेट बॉन्ड प्रतिफल और जोखिम प्रीमियम ने 16 अप्रैल से 14 मई, 2024 के दौरान विविध परिपक्वता अवधि प्रोफाइल और दर निर्धारण स्पेक्ट्रम में मिश्रित उतार-चढ़ाव का प्रदर्शन किया (सारणी IV.1)। कुल मिलाकर, 2023-24 के दौरान ₹8.6 लाख करोड़ के कॉर्पोरेट बॉन्ड जारी किए गए, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान जारी ₹7.5 लाख करोड़ से अधिक थे। दीर्घावधि घरेलू निवेशकों और विदेशी कंपनियों की बढ़ती मांग से कंपनियों और बैंकों द्वारा ऋण बाजार में सस्ती दरों पर बड़ी राशि जुटाने में मदद मिली है।

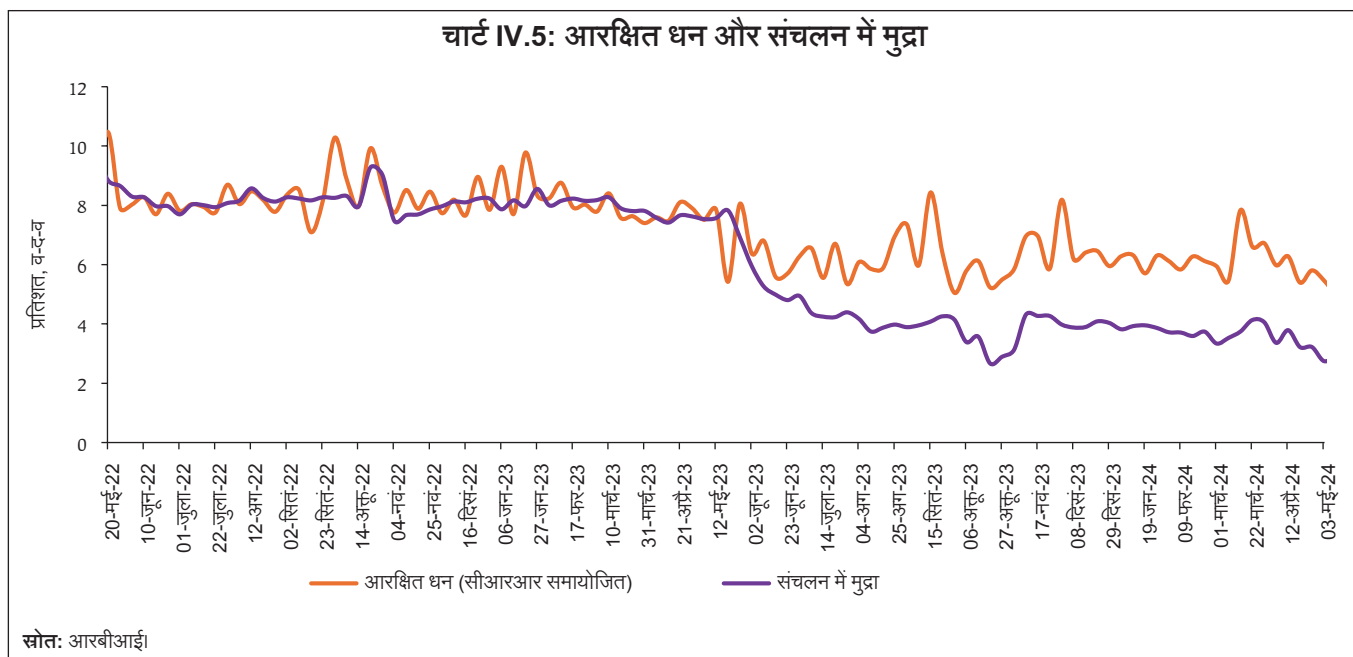
सारणी IV.1: वित्तीय बाजार - दरें और फैलाव

लिखत	ब्याज दरें (प्रतिशत) (संबंधित जोखिम-मुक्त दर से अधिक)			स्प्रेड (बीपीएस) (संबंधित जोखिम-मुक्त दर से अधिक)		
	16 मार्च, 2024 - 15 अप्रै, 2024	16 अप्रै, 2024 - 14 मई, 2024	घट-बढ़	16 मार्च, 2024 - 15 अप्रै, 2024	16 अप्रै, 2024 - 14 मई, 2024	घट-बढ़
1	2	3	(4 = 3-2)	5	6	(7 = 6-5)
कारपोरेट बांड						
(i) एएए (1 वर्ष)	7.90	7.83	-7	74	66	-8
(ii) एएए (3 वर्ष)	7.88	8.01	13	67	72	5
(iii) एएए (5 वर्ष)	7.75	7.92	17	52	62	10
(iv) एए (3 वर्ष)	8.47	8.61	14	126	132	6
(v) बीबीबी-(3 वर्ष)	12.08	12.19	11	488	490	2

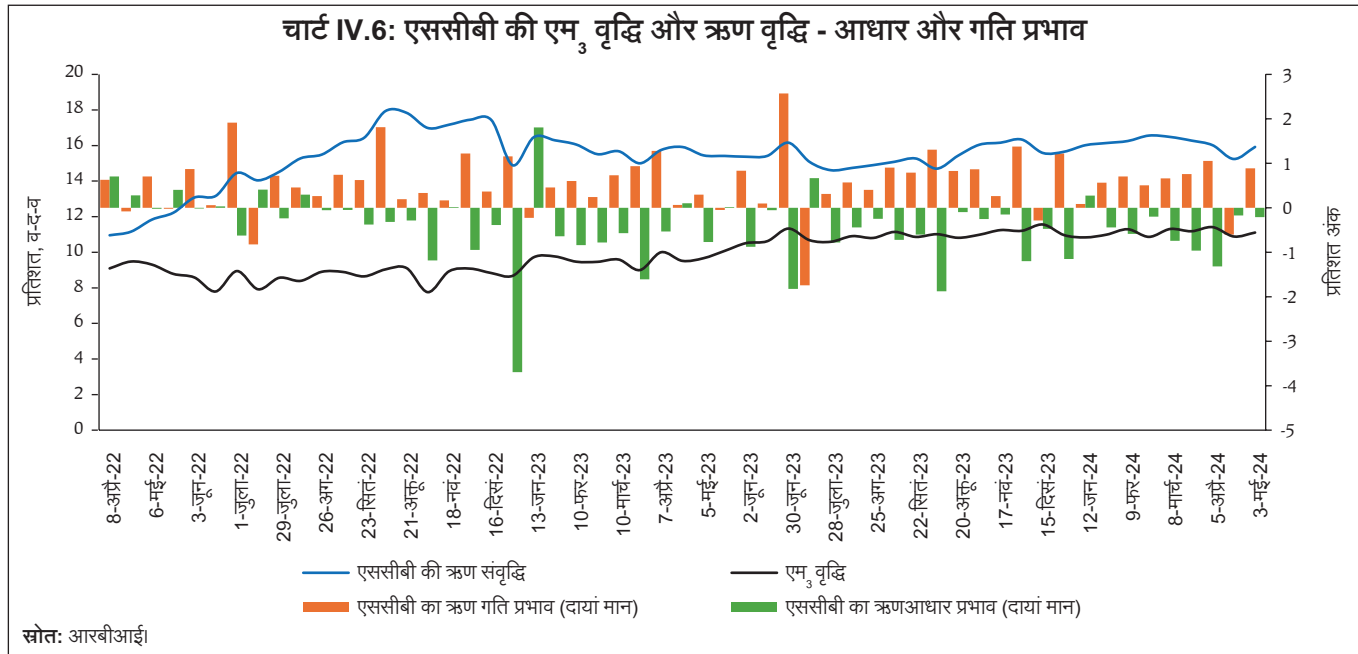
नोट: यील्ड और स्प्रेड की गणना संबंधित अवधियों के औसत के रूप में की जाती है।
स्रोत: फीम्डा; और ब्लूमबर्ग।

नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) में परिवर्तन के पहले दौर के प्रभाव को छोड़कर, आरक्षित मुद्रा (आरएम) ने 10 मई, 2024 को 5.0 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) की वृद्धि (एक वर्ष पहले 7.9 प्रतिशत) दर्ज की [चार्ट IV.5]। आरएम के सबसे बड़े घटक, संचलन में मुद्रा (सीआईसी) की वृद्धि एक साल पहले के 7.6 प्रतिशत से घटकर 2.9 प्रतिशत हो गई, जो ₹2000 बैंकनोटों

चार्ट IV.5: आरक्षित धन और संचलन में मुद्रा



स्रोत: आरबीआई।

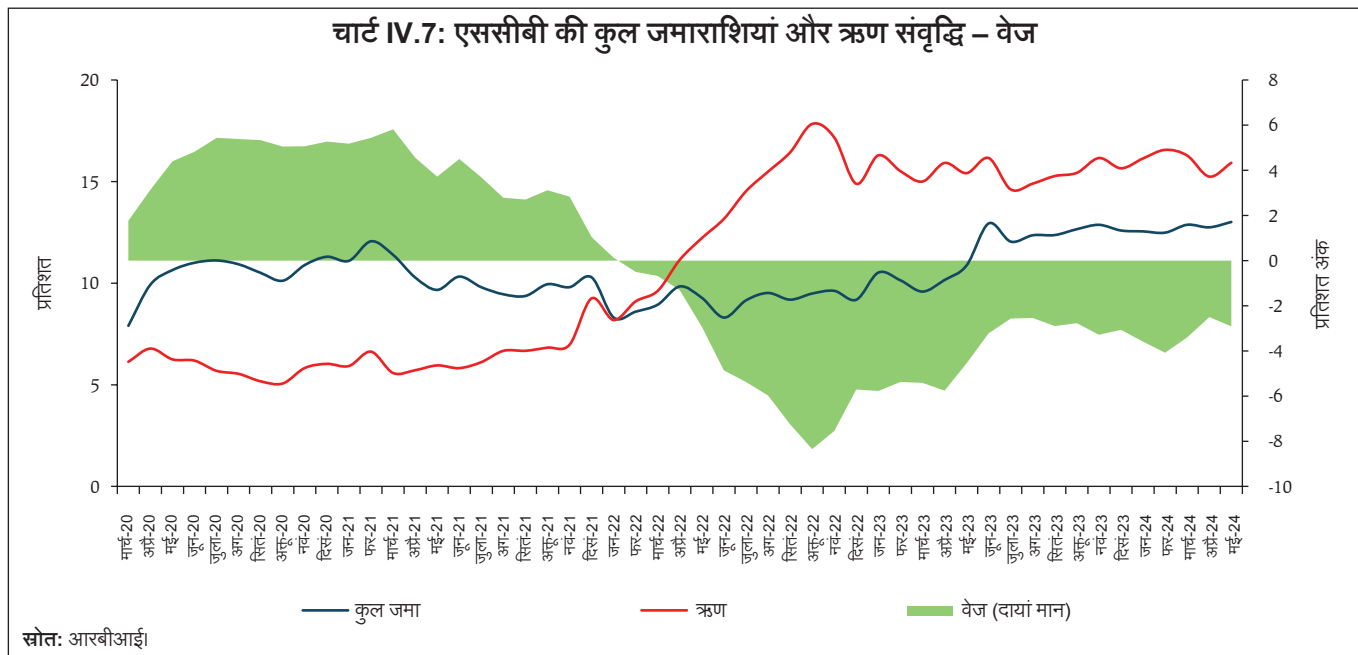


की निकासी को दर्शाती है¹⁷ – उनमें से 97.8 प्रतिशत बैंकनोट ज्यादातर जमा के रूप में बैंकिंग प्रणाली में वापस आ गए हैं (19 मई, 2024 तक)।

मुद्रा आपूर्ति (एम₃) 3 मई, 2024 को 11.1 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) से बढ़ी (एक वर्ष पहले 9.7 प्रतिशत)।¹⁸ बैंकों के साथ एम₃ का सबसे बड़ा घटक अर्थात्, सकल जमा राशि 12.4 प्रतिशत (एक

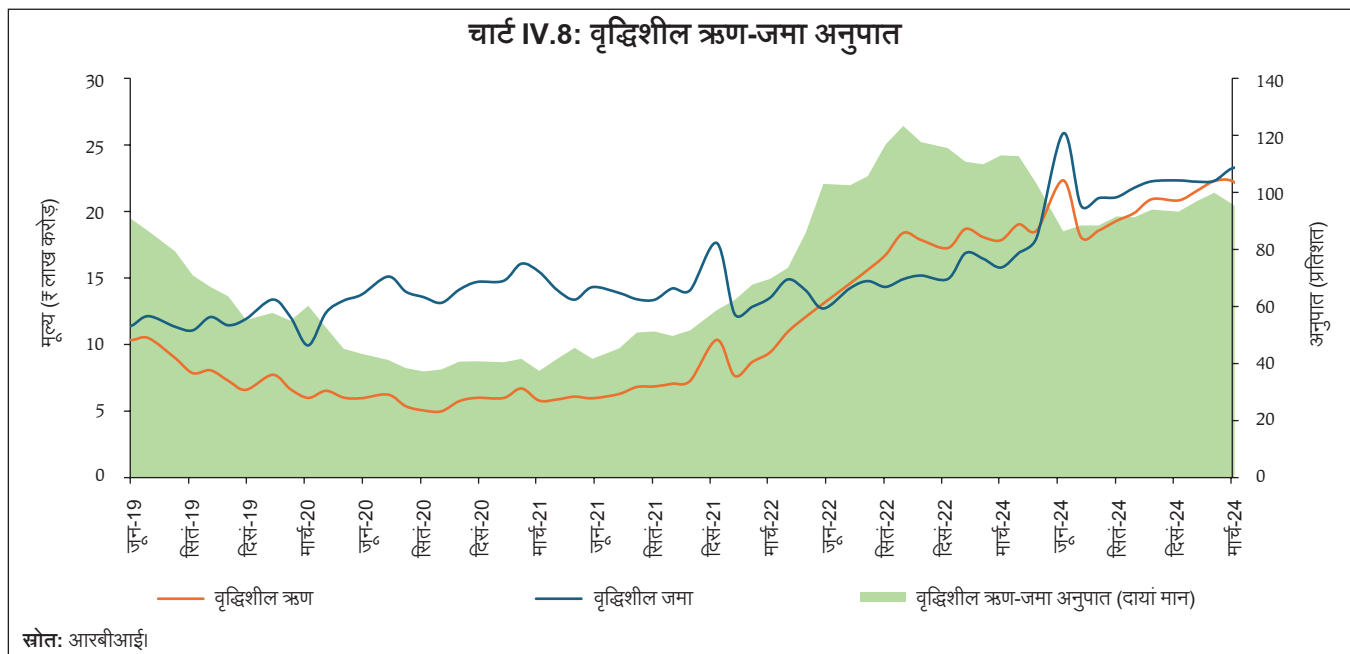
वर्ष पहले 10.0 प्रतिशत) तक बढ़ गई। अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) की ऋण वृद्धि 3 मई, 2024 को 15.9 प्रतिशत थी (एक वर्ष पहले 15.4 प्रतिशत) [चार्ट IV.6]।

एससीबी की जमा वृद्धि (विलयन के प्रभाव को छोड़कर) अप्रैल 2024 में दोहरे अंकों में रही (चार्ट IV.7)।



¹⁷ 19 मई 2023 को की गई घोषणा।

¹⁸ किसी गैर-बैंक के बैंक में विलय के प्रभाव को छोड़कर (1 जुलाई, 2023 से प्रभावी)।



19 अप्रैल, 2024 तक प्रणाली स्तरीय वृद्धिशील ऋण-जमा अनुपात 90.7 प्रतिशत था (चार्ट IV.8)। सीआरआर और सांविधिक चलनिधि अनुपात (एसएलआर) के लिए क्रमशः 4.5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत की सांविधिक आवश्यकताओं के साथ, लगभग 77 प्रतिशत जमाराशि 19 अप्रैल, 2024 तक ऋण विस्तार के लिए बैंकिंग प्रणाली में उपलब्ध थी।

मई 2022 से पॉलिसी रेपो दर में 250 बीपीएस परिवर्तन की प्रतिक्रिया में, बाहरी बेंचमार्क-आधारित उधार दर (ईबीएलआर) में समान परिमाण की वृद्धि हुई। मई 2022 से अप्रैल 2024 के दौरान 1-वर्ष की औसत सीमांत लागत निधि-आधारित उधार

दर (एमसीएलआर) में 166 बीपीएस की वृद्धि हुई। नतीजतन, मई 2022 से मार्च 2024 के दौरान नए और बकाया रुपया ऋणों पर भारित औसत उधार दर (डब्ल्यूएलआर) में क्रमशः 186 बीपीएस और 113 बीपीएस की वृद्धि हुई। जमाराशियों के मामले में, उसी अवधि के दौरान, नई और बकाया जमाराशियों पर भारित औसत घरेलू मीयादी जमा दरों (डब्ल्यूएडीटीडीआर) में क्रमशः 259 और 185 आधार अंकों की वृद्धि हुई (सारणी IV.2)।

बैंक समूहों में संचरण इंगित करता है कि मई 2022 से मार्च 2024 के दौरान बकाया ऋणों को छोड़कर, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) के मामले में जमा और उधार दरों में वृद्धि अधिक

सारणी IV.2: बैंकों की जमा और उधार दरों में संचरण

(बीपीएस में अंतर)

अवधि	रेपो दर (बीपीएस)	सावधि जमा दरें		उधार दरें			
		डब्ल्यूएडीटीडीआर - नई जमा	डब्ल्यूएडीटीडीआर - बकाया जमा	ईबीएलआर	1-वर्षीय एमसीएलआर (माध्यिका)	डब्ल्यूएलआर - ताजा रुपया ऋण	डब्ल्यूएलआर - बकाया रुपया ऋण
सहजता अवधि फरवरी 2019 से मार्च 2022	-250	-259	-188	-250	-155	-232	-150
सख्त अवधि मई 2022 से मार्च 2024	250	259	185	250*	166*	186	113

नोट: ईबीएलआर पर डेटा 32 घरेलू बैंकों से संबंधित है।

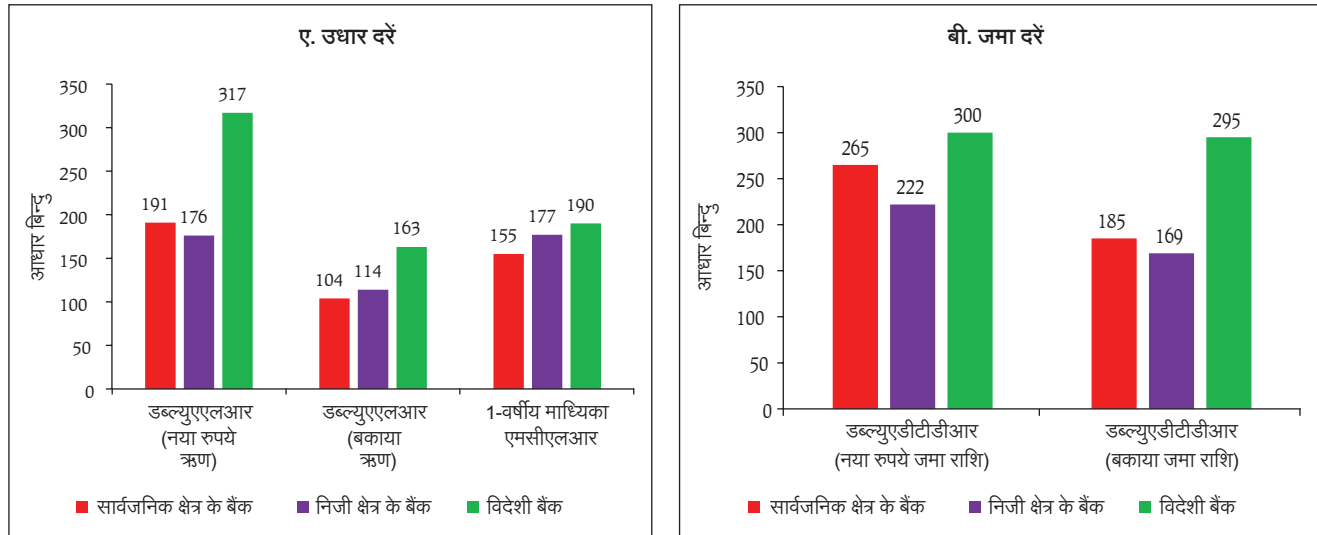
*: ईबीएलआर और एमसीएलआर पर डेटा अप्रैल 2024 से संबंधित है।

डब्ल्यूएलआर: भारित औसत उधार दर; डब्ल्यूएडीटीडीआर: भारित औसत घरेलू मीयादी जमा दर;

एमसीएलआर: फंड आधारित उधार दर की सीमांत लागत; ईबीएलआर: बाहरी बेंचमार्क आधारित उधार दर।

स्रोत: आरबीआई।

चार्ट IV.9: बैंक-समूहों में संचरण (मई 2022 से मार्च 2024)



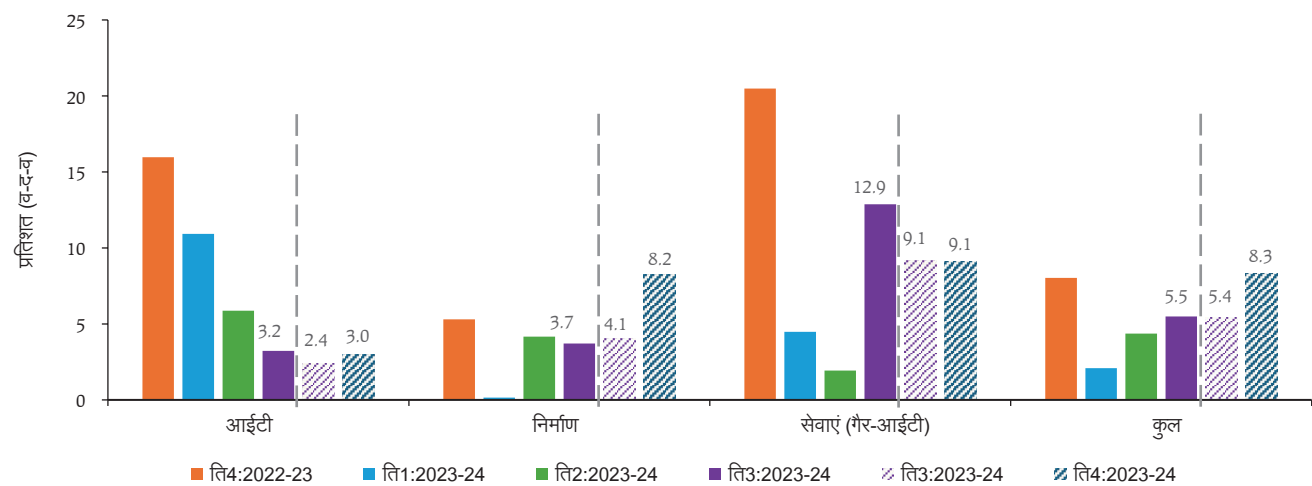
स्रोत: आरबीआई।

थी (चार्ट IV.9)। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की ऋण दरें निजी बैंकों की तुलना में कम रहीं, जबकि उनकी जमा दरें अधिक थीं।

2023-24 की चौथी तिमाही के दौरान, सूचीबद्ध गैर-सरकारी गैर-वित्तीय (एनजीएनएफ) कंपनियों ने टॉप-लाइन संवृद्धि में मामूली तेजी का प्रदर्शन किया। सूचीबद्ध एनजीएनएफ कंपनियों की बिक्री वृद्धि में सुधार होकर पिछली तिमाही से 2023-24 की

चौथी तिमाही के दौरान 8.3 प्रतिशत (व-द-व) हुई, जो मुख्य रूप से विनिर्माण क्षेत्र द्वारा संचालित है।¹⁹ सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनियों का कार्यनिष्पादन चौथी तिमाही के दौरान मुख्य रूप से बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं और बीमा क्षेत्र में कमजोरी और विवेकाधीन व्यय के कारण मंद रहा (चार्ट IV.10)। राजस्व के अनुरूप, परिचालन लाभ मार्जिन चौथी तिमाही (सारणी IV.3)

चार्ट IV.10: बिक्री संवृद्धि



नोट: 2023-24 की चौथी तिमाही के लिए परिणाम 596 सूचीबद्ध निजी गैर-वित्तीय कंपनियों पर आधारित हैं। छायांकित पट्टी ने ति3:2023-24 और ति4:2023-24 में आम कंपनियों की संवृद्धि का संकेत दिया।

स्रोत: कैपिटलाइन; और आरबीआई स्टाफ अनुमान।

¹⁹ सूचीबद्ध गैर-सरकारी गैर-वित्तीय कंपनियों के कुल बाजार पूंजीकरण का लगभग 60 प्रतिशत बनानेवाली 596 कंपनियों के नमूने पर आधारित है।

सारणी IV.3: लाभ मार्जिन

क्षेत्र	कंपनियों की संख्या	परिचालन लाभ मार्जिन (प्रतिशत)			निवल लाभ मार्जिन (प्रतिशत)		
		ति4: 2022-23	ति3: 2023-24	ति4: 2023-24	ति4: 2022-23	ति3: 2023-24	ति4: 2023-24
आईटी	59	23.1	24.2	23.5	17.7	18.9	20.0
विनिर्माण	369	14.3	15.2	14.9	11.8	10.8	9.1
सेवाएँ (गैर-आईटी)	119	28.7	29.0	29.8	7.8	8.6	10.0
कुल	596	16.8	17.9	17.4	12.6	11.8	11.0

स्रोत: कैपिटलाइन; और आरबीआई स्टाफ अनुमान।

में कम हो गया। कर्मचारियों की संख्या में कमी के बावजूद आईटी कंपनियों के कर्मचारियों की लागत में मामूली वृद्धि हुई और शीर्ष पांच आईटी कंपनियों ने चौथी तिमाही के दौरान अपने वैश्विक कर्मचारियों की संख्या में 11,432 की कमी की।

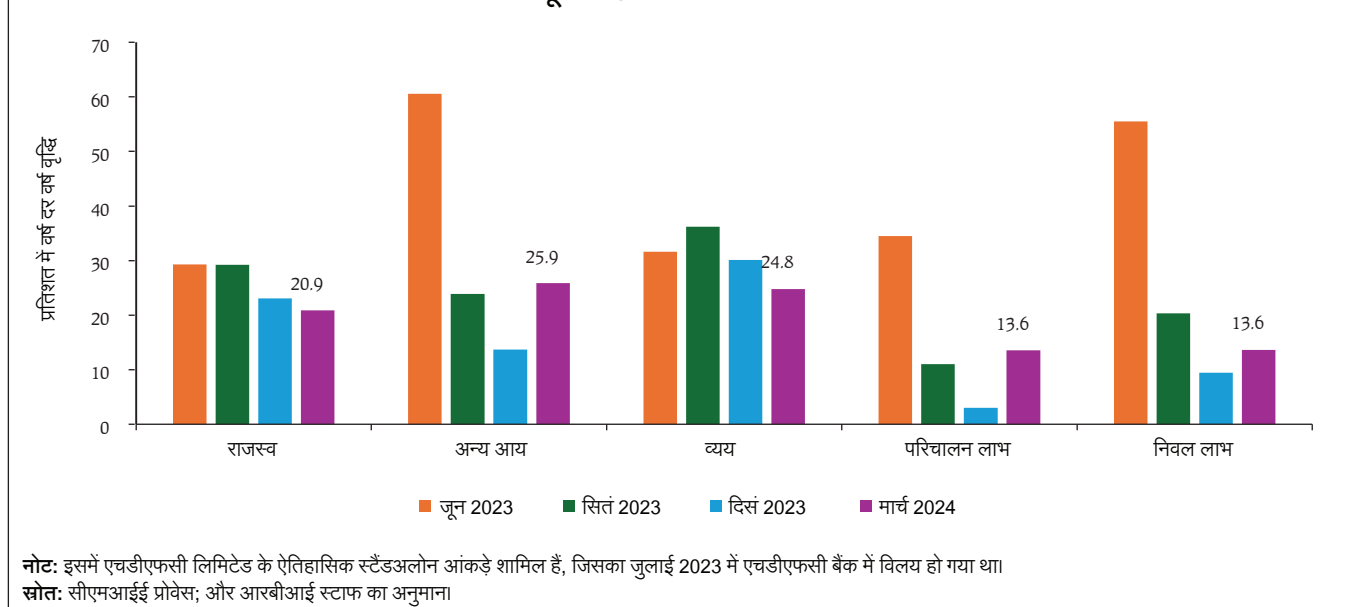
विनिर्माण कंपनियों ने 2023-24 की चौथी तिमाही के दौरान बिक्री में 8.2 प्रतिशत (तीसरी तिमाही में 4.1 प्रतिशत) की वृद्धि दर्ज की। प्रारंभिक रिपोर्टिंग करनेवाले गैर-आईटी सेवा कंपनियों की बिक्री वृद्धि 2023-24 की चौथी तिमाही के दौरान 9.1 प्रतिशत रही (चार्ट IV.10)।

सूचीबद्ध बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र की कंपनियों²⁰ के मामले में, राजस्व, जिसमें मुख्य रूप से बैंकों के मामले में ब्याज आय

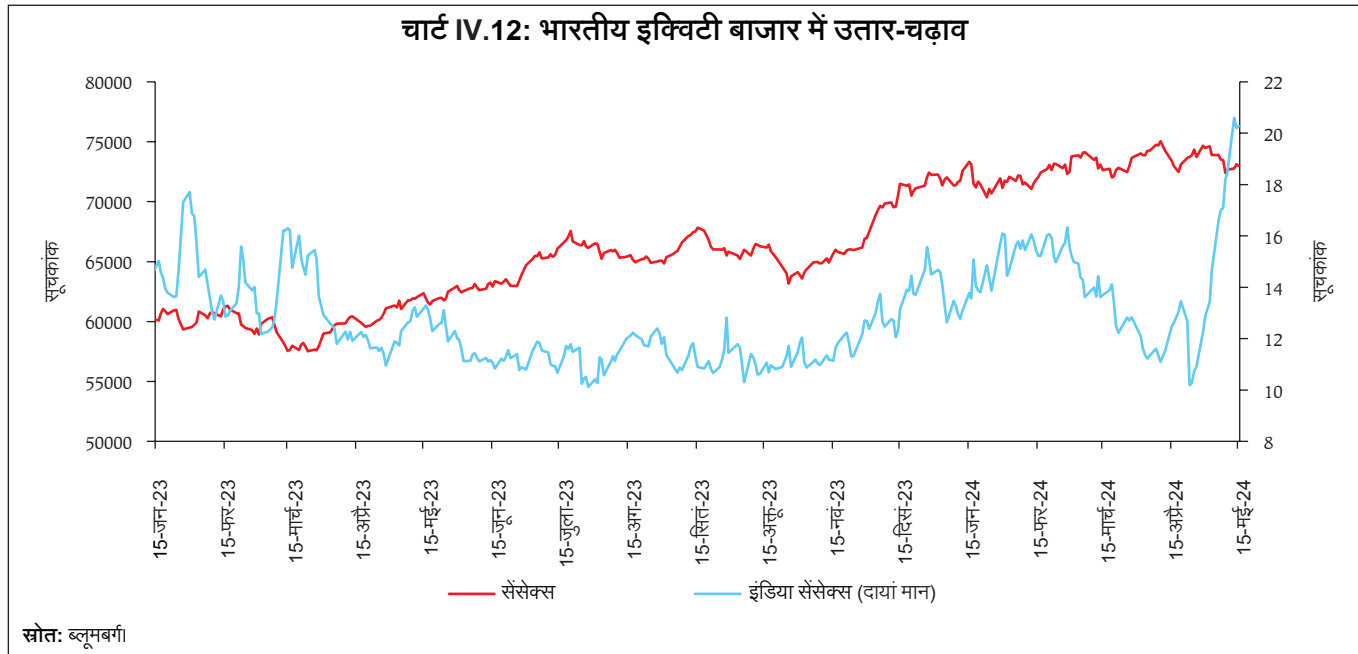
शामिल होती है, ने मजबूत दोहरे अंक की वृद्धि दर्ज की (चार्ट IV.11)। अन्य आय, जिसमें फीस, कमीशन, लाभ और निवेश से हानि शामिल है, ने भी बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र की कंपनियों के लिए मजबूत वृद्धि प्रदर्शित की है, जो एक निजी क्षेत्र के बैंक द्वारा किए गए विशिष्ट बिक्री लेनदेन से लाभ के प्रभाव को दर्शाती है। ब्याज व्यय में वृद्धि के बीच व्यय में वृद्धि ने राजस्व वृद्धि को पीछे छोड़ दिया; हालाँकि, परिचालन लाभ में वृद्धि ने क्रमिक सुधार प्रदर्शित किया। इसके अलावा, तिमाही के दौरान निवल लाभ वृद्धि दोहरे अंक में रही।

सकारात्मक वैश्विक संकेतों, मजबूत घरेलू समष्टि आर्थिक डेटा रिलीज और 2023-24 की चौथी तिमाही के समुत्थानशील कॉर्पोरेट आय परिणामों को देखते हुए, घरेलू इक्विटी बाजार

चार्ट IV.11: सूचीबद्ध गैर-वित्तीय कंपनियों का प्रदर्शन



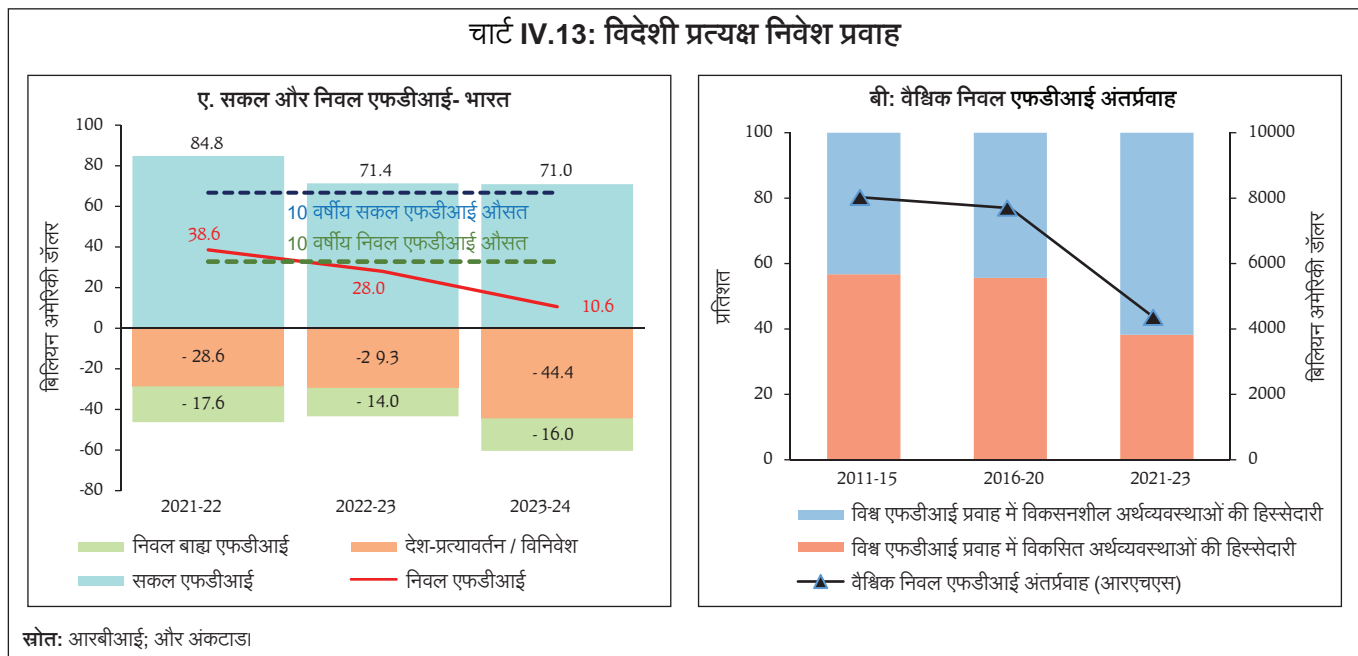
²⁰ सूचीबद्ध बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र की कंपनियों के कुल बाजार पूंजीकरण का लगभग 74 प्रतिशत बनाने वाली 155 कंपनियों के नमूने पर आधारित है।



ने अप्रैल 2024 के चौथे सप्ताह में संवृद्धि दर्ज की। इसके बाद एफपीआई की बिकवाली के बीच, सकारात्मक वैश्विक संकेतों और घरेलू सीपीआई मुद्रास्फीति में और कमी आने पर पुनर्प्राप्ति से पहले, इक्विटी की कीमतों में कुछ सुधार दर्ज किया गया। बेंचमार्क बीएसई सेंसेक्स 15 मई, 2024 को 72,987 पर बंद हुआ, पिछले एक महीने में भारत वीआईएक्स²¹ द्वारा किए गए मापन के अनुसार इक्विटी बाजार में अस्थिरता में तेज उतार-चढ़ाव दर्ज किया

गया(चार्ट IV.12)। अप्रैल 2024 में, एक टेलीकॉम कंपनी द्वारा फॉलो-ऑन-पब्लिक ऑफर (एफपीओ) के माध्यम से ₹18,000 करोड़ का एक बड़ा जुटाव भी किया गया था।

2023-24 के दौरान सकल आवक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) लगभग 71.0 बिलियन अमेरिकी डॉलर (एक साल पहले 71.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर) पर स्थिर रहा (चार्ट IV.13ए)।



²¹ इंडिया वीआईएक्स निफ्टी सूचकांक विकल्प कीमतों पर आधारित एक अस्थिरता सूचकांक है।

60 प्रतिशत से अधिक एफडीआई इक्विटी प्रवाह विनिर्माण, बिजली और अन्य ऊर्जा, कंप्यूटर सेवाओं, वित्तीय सेवाओं और खुदरा एवं थोक व्यापार की ओर निर्देशित था। सिंगापुर, मॉरीशस, अमेरिका, नीदरलैंड, जापान और संयुक्त अरब अमीरात ने इस प्रवाह में 80 प्रतिशत से अधिक का योगदान दिया। 2023-24 के दौरान निवल एफडीआई एक साल पहले के 28.0 बिलियन अमेरिकी डॉलर से घटकर 10.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया, जो मुख्य रूप से उच्च प्रत्यावर्तन को दर्शाता है।

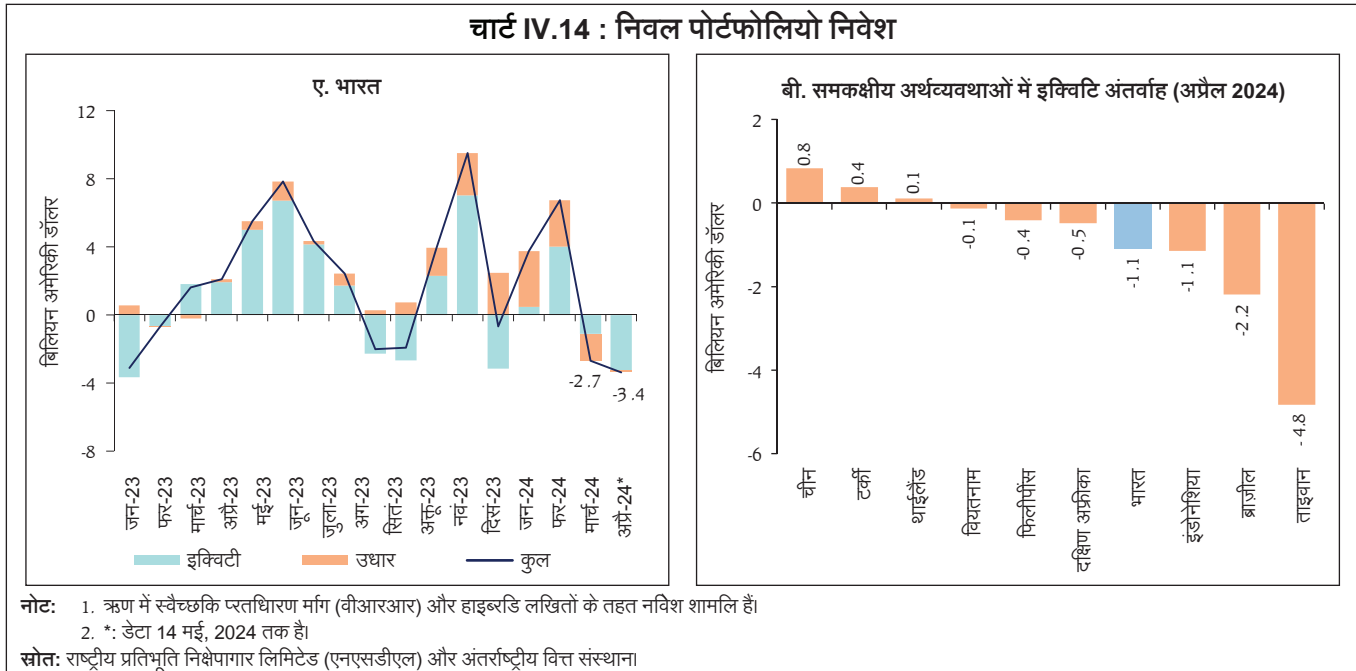
हाल के वर्षों में, वैश्विक एफडीआई प्रवाह उच्चतर उधारी लागत, गहराते भू-विखंडन और बढ़ते संरक्षणवाद से प्रभावित हुआ है। बहरहाल, एफडीआई इंटेलेजेंस²² के अनुसार, भारत 2024 में उच्च एफडीआई गति का अनुभव करने वाली शीर्ष 10 अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। कोविड-19 महामारी की शुरुआत के बाद से, वैश्विक निवेश पैटर्न में एक संरचनात्मक बदलाव आया है, जिससे विकसित अर्थव्यवस्थाओं से विकासशील अर्थव्यवस्थाओं की ओर स्थानांतरित एफडीआई प्रवाह, वैश्विक पूंजी के स्रोत के रूप में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए उभरा है (चार्ट IV.13बी)। 2023 में, जी20-ईएम से होने वाले वैश्विक एफडीआई पूंजी व्यय का हिस्सा 2003 के 8.2 प्रतिशत की तुलना में बढ़कर

14.9 प्रतिशत हो गया।²³ 2023 के दौरान, भारतीय कंपनियों ने विदेशों में 550 से अधिक ग्रीनफील्ड एफडीआई परियोजनाओं की घोषणा की, जो पहले के किसी भी वर्ष में सबसे अधिक है।

अप्रैल 2024 में, बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव, वस्तुओं की बढ़ती कीमतों और अमेरिकी बांड पैदावार में बढ़ोतरी पर अनिश्चित वैश्विक संकेतों के बीच विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) दो महीने के बाद भारतीय पूंजी बाजार में निवल विक्रेता बन गए। अप्रैल 2024 में निवल एफपीआई बहिर्प्रवाह 2.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर था, जिसमें इक्विटी और ऋण दोनों क्षेत्रों में बहिर्वाह दर्ज किया गया था (चार्ट IV.14ए)। तुलनीय उभरते बाजार प्रतिस्पर्धियों के अनुरूप, भारतीय इक्विटी ने अप्रैल 2024 में 1.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर का निवल बहिर्वाह दर्ज किया (चार्ट IV.14बी)। क्षेत्र-वार, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) और वित्तीय सेवाओं ने सबसे अधिक बहिर्वाह दर्ज किया, जबकि दूरसंचार और बिजली ने अप्रैल 2024 के दौरान सबसे बड़ा इक्विटी प्रवाह खींच लाया। मई 2024 में निवल एफपीआई बहिर्वाह (14 तारीख तक) 3.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर था।

2023-24 के दौरान, सभी खातों अर्थात् विदेशी मुद्रा अनिवासी [एफसीएनआर (बी)] खाता, अनिवासी (बाह्य) रुपया

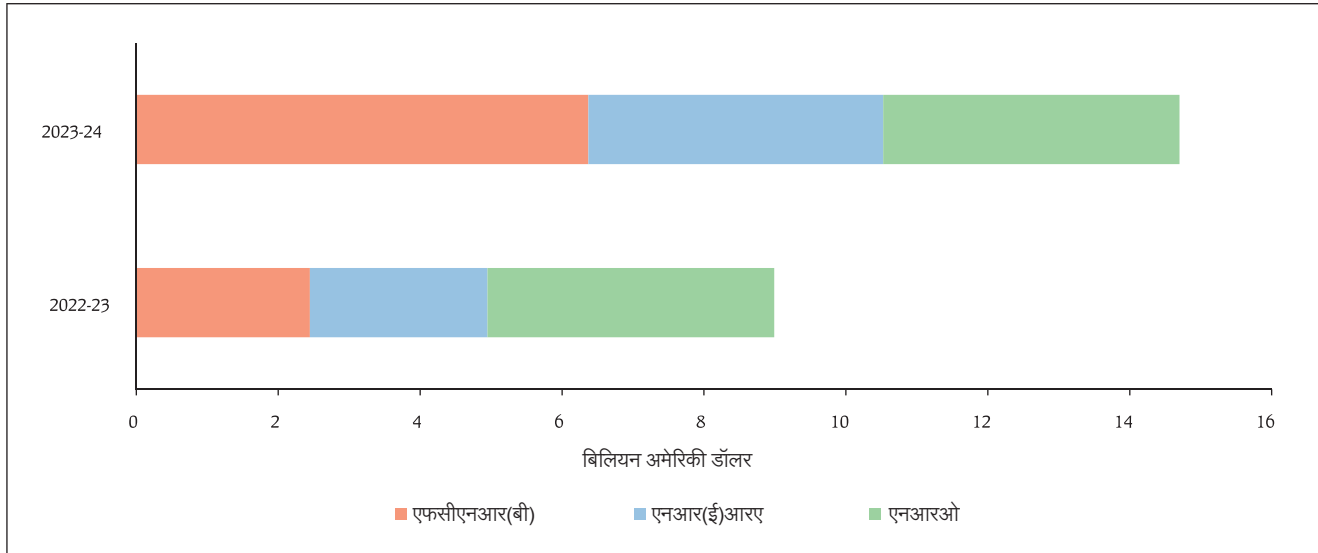
चार्ट IV.14 : निवल पोर्टफोलियो निवेश



²² फाइनेंशियल टाइम्स का एक विशेषज्ञ प्रभाग जो प्रत्यक्ष विदेशी निवेश से संबंधित सेवाओं की व्यापक सेवाएं प्रदान करता है।

²³ एफडीआई इंटेलेजेंस की एक रिपोर्ट के अनुसार।

चार्ट IV.15: अनिवासी जमा खातों के अंतर्गत प्रवाह



स्रोत: आरबीआई

खाता [एनआर(ई)आरए] और अनिवासी साधारण (एनआरओ) खाते में निवल अभिवृद्धि के साथ अनिवासी जमा राशियों में 14.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर की उच्च अभिवृद्धि दर्ज की गई, जो एक साल पहले 9.0 बिलियन अमेरिकी डॉलर थी (चार्ट IV.15)।

2023-24 की चौथी तिमाही के दौरान, बाहरी वाणिज्यिक उधार (ईसीबी) पंजीकरण की राशि 13.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर थी, जो पिछली तिमाही की तुलना में 87 प्रतिशत अधिक

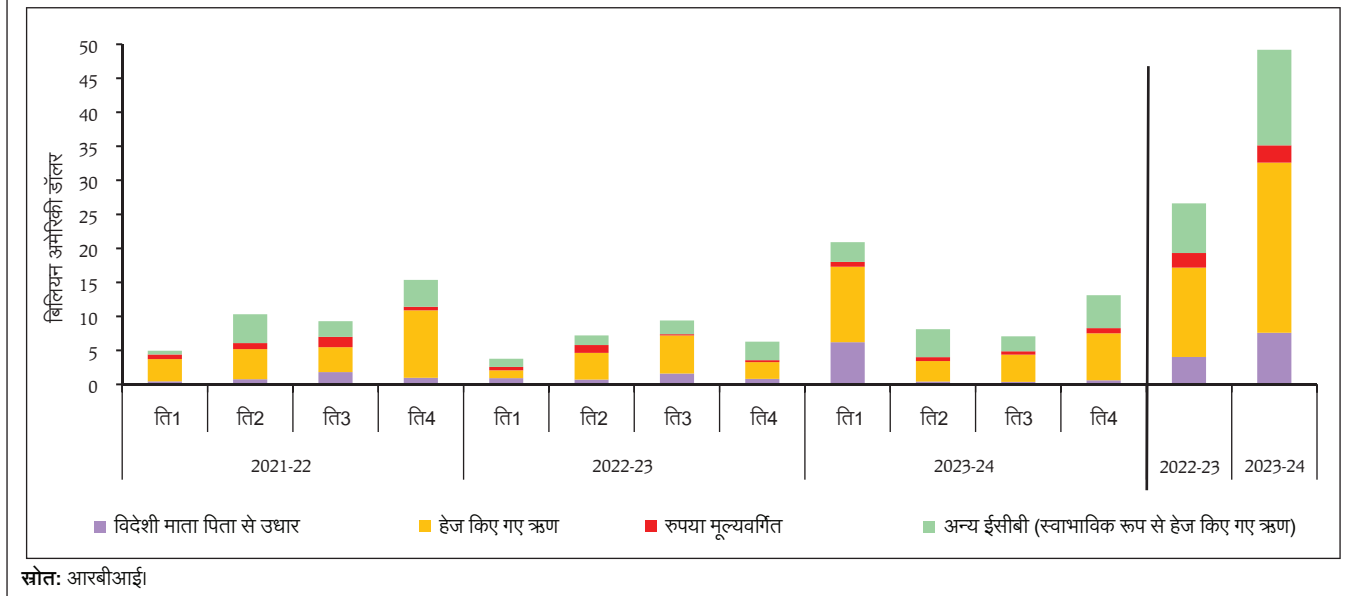
है। ईसीबी अंतर्वाह बहिर्प्रवाह से अधिक होने के कारण, दो तिमाहियों के बाद निवल अंतर्वाह फिर से शुरू हो गया। संचयी रूप से 2023-24 के दौरान, ईसीबी के तहत पंजीकरण (49.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर), संवितरण (38.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर) के साथ-साथ निवल प्रवाह (9.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर) 2022-23 में दर्ज किए गए स्तरों से काफी अधिक थे (चार्ट IV.16)।

चार्ट IV.16: ईसीबी – पंजीकरण और प्रवाह



स्रोत: आरबीआई

चार्ट IV.17: ईसीबी समझौते - हेजिंग स्थिति



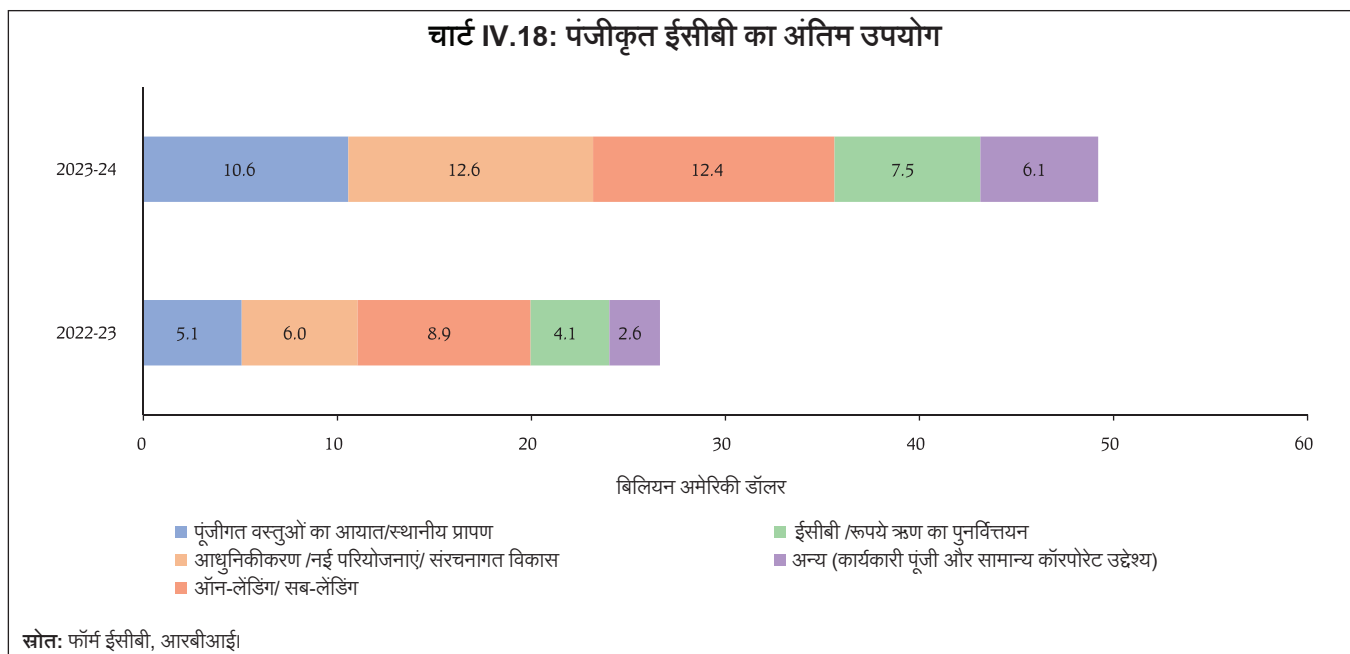
2023-24 के दौरान जुटाए गए 70 प्रतिशत से अधिक ईसीबी सुस्पष्ट हेजिंग, रुपये में मूल्यवर्गीकृत ऋण या विदेशी माता-पिता से ऋण के रूप में प्रभावी ढंग से हेज किया गया था, जिससे बाहरी झटकों का प्रभाव सीमित हो गया (चार्ट IV.17)।

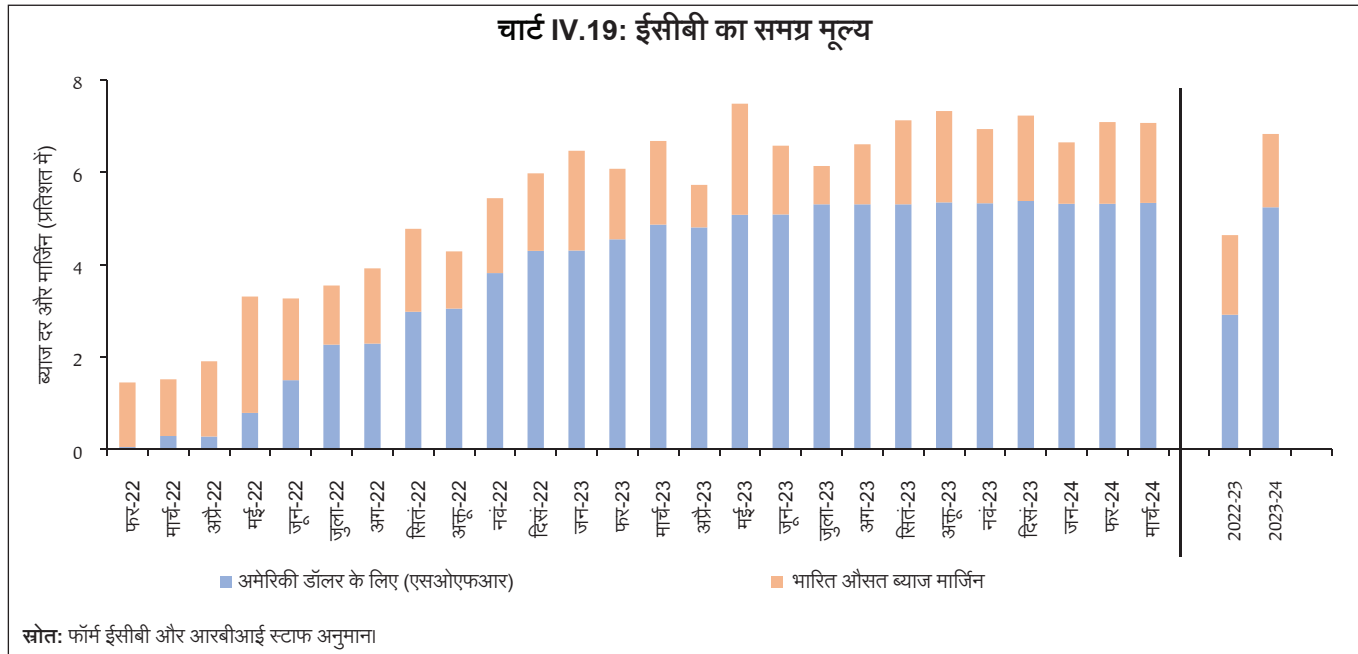
भले ही, 2023-24 के दौरान ईसीबी का अंतिम उपयोग विस्तृत व्यापक था, पूंजीगत वस्तुओं के स्रोत, आधुनिकीकरण परियोजनाओं और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए जुटाए गए

धन में सबसे बड़ी वृद्धि देखी गई। यह अर्थव्यवस्था में समग्र क्षमता वृद्धि के लिए शुभ संकेत है और निजी क्षेत्र की निवेश मांग को प्रतिबिंबित करता है (चार्ट IV.18)।

2023-24 के दौरान ईसीबी ऋणों की कुल लागत में हुई वृद्धि मुख्य रूप से बड़ी हुई वैश्विक बेंचमार्क ब्याज दरों (जैसे कि सुरक्षित रात्रिकालीन वित्तपोषण दर (एसओएफआर)) के कारण थी जो उच्च वैश्विक ब्याज दरों को दर्शाती है। कुल लागत का

चार्ट IV.18: पूंजीकृत ईसीबी का अंतिम उपयोग

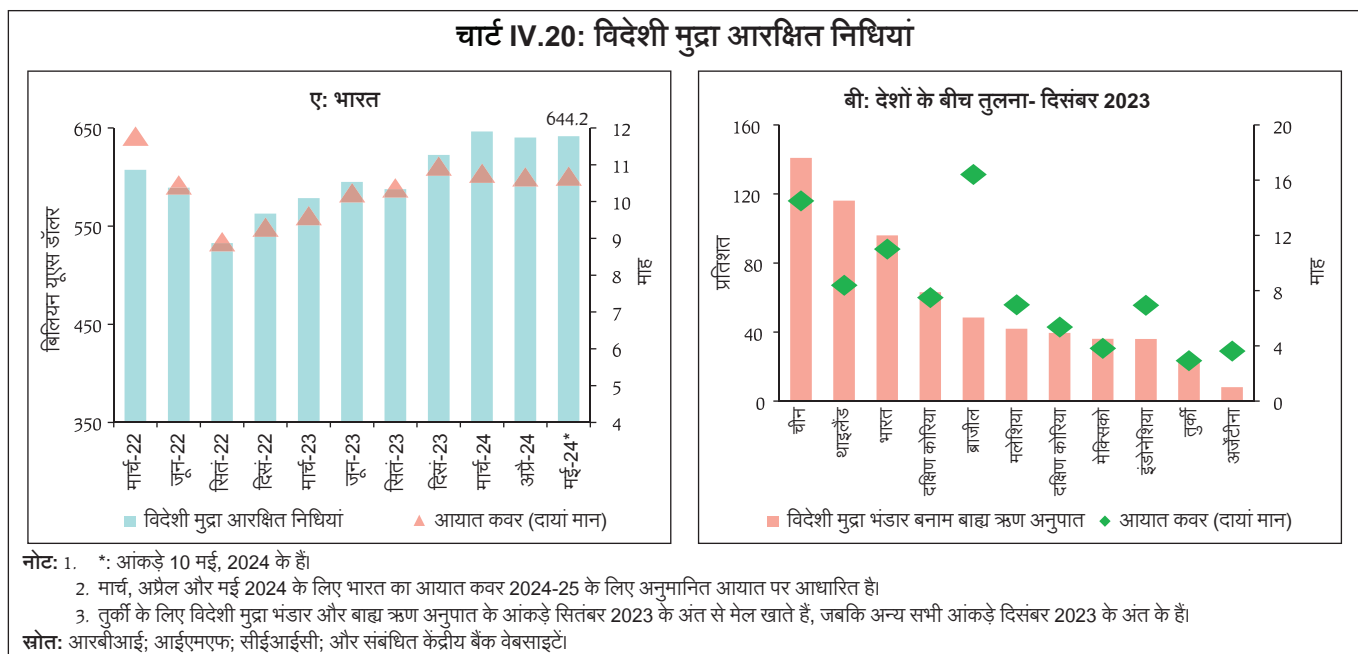


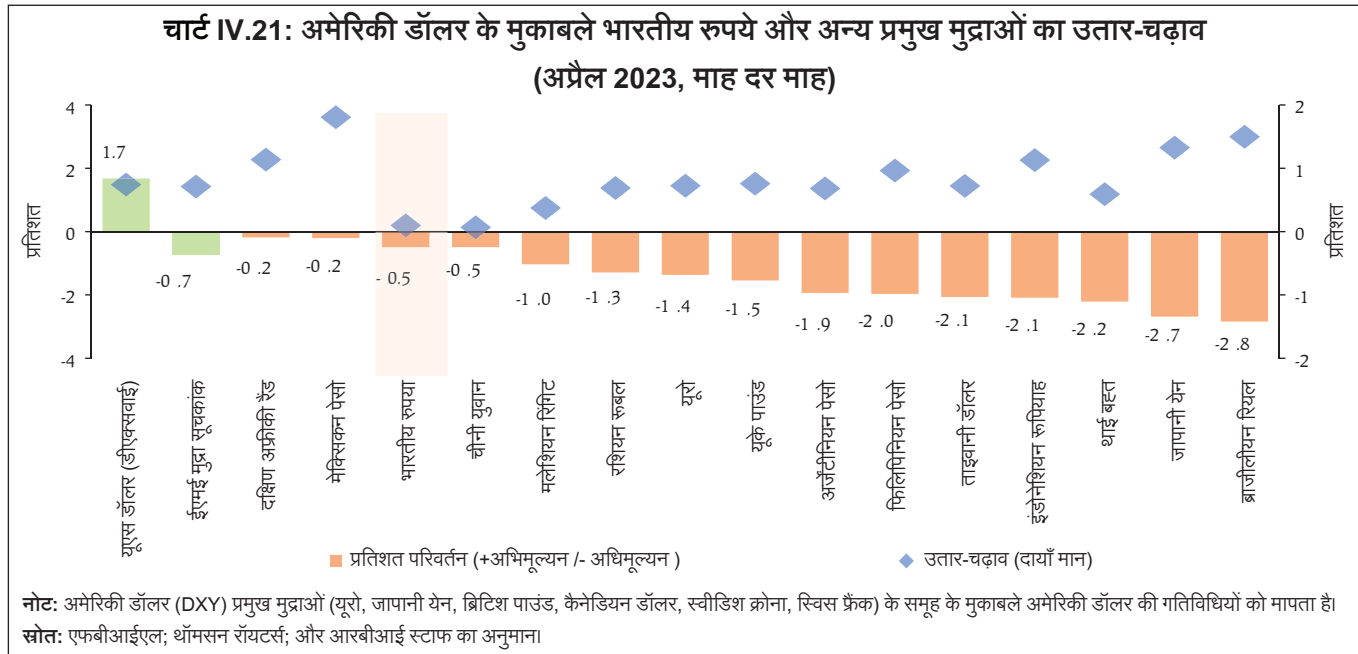


अन्य घटक - जोखिम प्रीमियम को प्रतिबिंबित करने वाला भारत औसत मार्जिन है - अप्रैल-मार्च 2024 के दौरान एक साल पहले के 172 बीपीएस से घटकर 159 बीपीएस और 2021-22 के दौरान औसतन 181 बीपीएस हो गया (चार्ट IV.19)।

कैलेंडर वर्ष 2024 के दौरान अब तक (10 मई, 2024 तक) भारत के विदेशी मुद्रा आरक्षित निधियों में 21.7 बिलियन

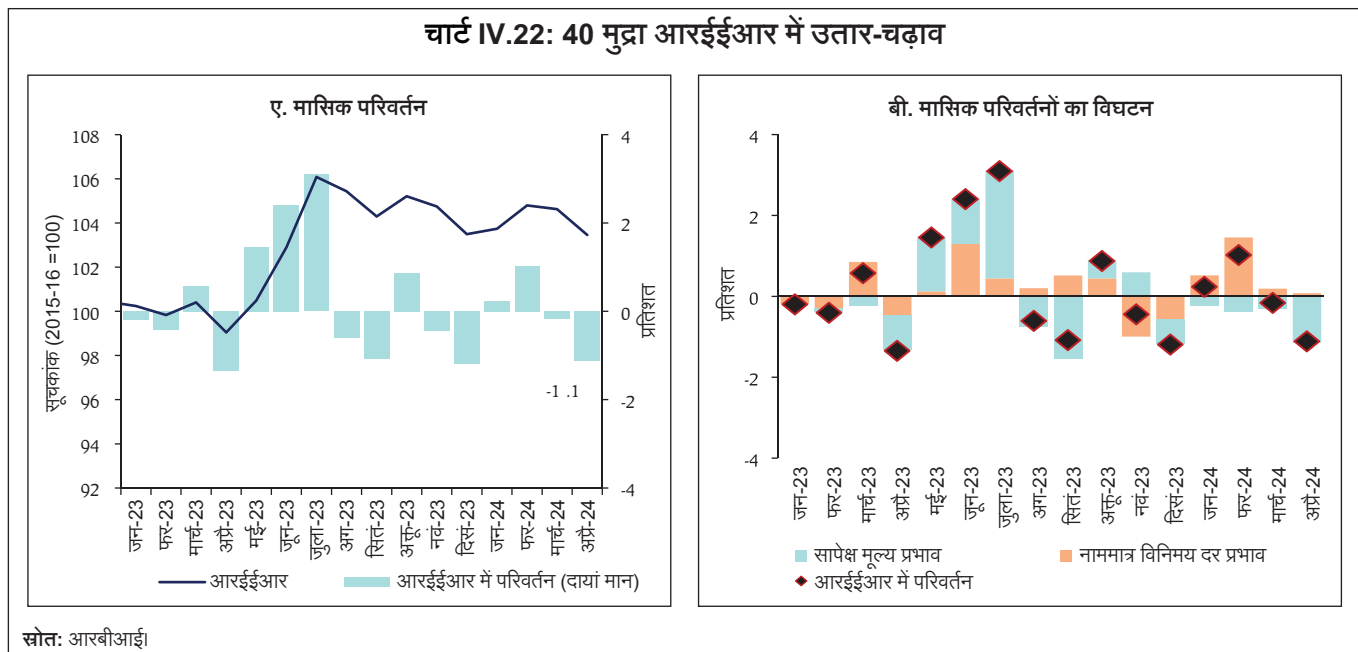
अमेरिकी डॉलर की वृद्धि हुई है, जो प्रमुख विदेशी मुद्रा आरक्षित निधि रखने वाले देशों में सबसे अधिक विस्तार है। 644.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर की विदेशी मुद्रा आरक्षित निधि 2024-25 के लिए अनुमानित 10 महीने से अधिक के आयात के बराबर थी और दिसंबर 2023 के अंत में बकाया कुल विदेशी ऋण का 99 प्रतिशत से अधिक थी (चार्ट IV.20)।





अप्रैल 2024 में भारतीय रुपये (आईएनआर) में अमेरिकी डॉलर की तुलना में 0.5 प्रतिशत (मा-द-मा) की गिरावट आई, क्योंकि अधिकांश ईएमई ने बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और घटती दर कटौती की प्रत्याशाओं के बीच सुदृढ़ अमेरिकी डॉलर का दबाव दर्ज किया। माह के दौरान प्रमुख मुद्राओं में आईएनआर सबसे कम अस्थिर रहा (चार्ट IV.21)।

40-मुद्रा वास्तविक प्रभावी विनिमय दर (आरईईआर) के संदर्भ में, अप्रैल 2024 में आईएनआर में 1.1 प्रतिशत (म-द-म) की गिरावट आई, क्योंकि नकारात्मक सापेक्ष मूल्य अंतर नाममात्र प्रभावी शर्तों में आईएनआर की अभिमूल्यन की तुलना में अधिक था (चार्ट IV.22)।



भुगतान प्रणाली

अप्रैल 2024 में डिजिटल लेनदेन का विस्तार (वर्ष-दर-वर्ष) जारी रहा, जिसका नेतृत्व मुख्य रूप से खुदरा खंड ने किया, जिसमें यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई), नेशनल ऑटोमेटेड क्लियरिंग हाउस (एनएसीएच) और भारत बिल पेमेंट सिस्टम (बीबीपीएस) शामिल हैं [सारणी IV.4]। तत्काल सकाल निपटान (आरटीजीएस) लेनदेन में त्वरित वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) देखी गई, जबकि तत्काल भुगतान सेवा (आईएमपीएस) और राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह (एनईटीसी) की वृद्धि की गति अप्रैल 2024 में मात्रा और मूल्य दोनों स्तरों में कम हो गई। यूपीआई लेनदेन में वृद्धि मजबूत बनी हुई है, जो यूपीआई द्वारा समर्थित खाता प्रकारों की बढ़ती श्रृंखला के कारण देश भर में डिजिटल प्रणाली अपनाने में वृद्धि को दर्शाती है - जिसमें प्रीपेड भुगतान उपकरण (पीपीआई), वॉलेट, बचत खाते, ओवरड्राफ्ट खाते, रूपे क्रेडिट कार्ड खाते और बैंक क्रेडिट लाइनें शामिल हैं। यूपीआई को अपनाने और उसका अधिकाधिक उपयोग करने के लिए, रिजर्व बैंक ने 8 मई, 2024 को विभिन्न हितधारकों के साथ एक बैठक²⁴ की, जिसमें यूपीआई बुनियादी ढांचे के उन्नयन, यूपीआई पारितंत्र के सामने आने वाली चुनौतियों के साथ-साथ संभावित समाधान और संभावित उपयोगकर्ताओं को डिजिटल भुगतान पारितंत्र में सम्मिलित करने के उपायों से संबंधित मुद्दों को शामिल किया गया।

बीबीपीएस ने अप्रैल 2024 के दौरान लेनदेन के उच्चतम मूल्य और मात्रा का दस्तावेजीकरण किया, जो आंशिक रूप से 1 अप्रैल, 2024 से परिचालनगत इकाइयों के रूप में प्रणाली में गैर-बैंक भुगतान एग्रीगेटर्स (पीए) की भागीदारी से प्रेरित था। इसके अलावा, एनपीसीआई की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी एनपीसीआई भारत बिलपे लिमिटेड (एनबीबीएल) ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के सहयोग से यात्रियों की सुविधा के लिए अपने भारत बिलपे प्लेटफॉर्म पर एसबीआई नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड²⁵ (एनसीएमसी) की शुरुआत की।

एनपीसीआई की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी - एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड (एनआईपीएल)-ने यूपीआई जैसी तत्काल भुगतान प्रणाली विकसित करने में समर्थन देने के लिए बैंक ऑफ नामीबिया (बीओएन) के साथ एक समझौते²⁶ पर हस्ताक्षर किए। इस पहल का उद्देश्य नामीबिया के वित्तीय बुनियादी ढांचे को मजबूत करना और समावेशी आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है। इसके अतिरिक्त, भारत और घाना छह महीने से भी कम समय में घाना के इंटरबैंक भुगतान और निपटान प्रणाली (जीएचआईपीएसएस) पर यूपीआई को प्रारंभ करने के लिए तेजी से काम करने के लिए प्रतिबद्ध है।²⁷ ग्राहक केंद्रितता के प्रति अपने संकल्प और क्रेडिट मध्यस्थता प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए, रिजर्व बैंक ने ऋण सेवा प्रदाताओं (एलएसपी) द्वारा लिए गए ऋण उत्पादों के एकत्रीकरण के लिए

सारणी IV.4: चुनिंदा भुगतान प्रणालियों में विकास

(वर्ष-दर-वर्ष प्रतिशत में)

भुगतान प्रणाली संकेतक	लेन-देन की मात्रा				लेन-देन मूल्य			
	मार्च-23	मार्च-24	अप्रै-23	*अप्रै-24	मार्च-23	मार्च-24	अप्रै-23	अप्रै-24
आरटीजीएस	7.8	12.3	3.2	16.9	11.5	12.4	7.0	21.5
एनईएफटी	26.8	45.2	29.1	45.9	7.4	15.2	10.5	13.4
यूपीआई	60.0	55.3	58.7	50.1	46.3	40.8	43.9	38.8
आईएमपीएस	1.0	16.8	5.1	11.0	18.2	16.2	17.2	13.7
एनएसीएच	29.8	22.8	-3.7	50.5	35.1	15.8	18.4	23.7
एनईटीसी	13.3	10.6	14.9	7.6	23.7	17.2	22.1	8.6
बीबीपीएस	56.5	25.4	33.5	45.1	61.6	82.8	51.2	107.5

नोट: आरटीजीएस: तत्काल निपटान, एनईएफटी: राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक निधि अंतरण, यूपीआई: यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस, आईएमपीएस: तत्काल भुगतान सेवा, एनएसीएच: राष्ट्रीय स्वचालित समाशोधन गृह, एनईटीसी: राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रहण, बीबीपीएस: भारत बिल भुगतान प्रणाली।

स्रोत: आरबीआई।

²⁴ आरबीआई प्रेस विज्ञप्ति। 8 मई 2024।

²⁵ एनपीसीआई परिपत्र। 18 अप्रैल 2024।

²⁶ एनपीसीआई परिपत्र। 2 मई 2024।

²⁷ पीआईबी प्रेस विज्ञप्ति। 6 मई 2024।

नियामक ढांचे पर 'डिजिटल ऋण: एकाधिक ऋणदाताओं से ऋण उत्पादों के एकत्रीकरण में पारदर्शिता'²⁸ - विभिन्न हितधारकों से टिप्पणियां और प्रतिक्रिया आमंत्रित करना नामक एक मसौदा परिपत्र जारी किया। इसके अतिरिक्त, रिजर्व बैंक द्वारा डिजिटल ऋण में डिफॉल्ट हानि गारंटी पर अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (एफएक्यू)²⁹ के रूप में दिशानिर्देशों का एक सेट जारी किया गया।

निष्कर्ष

इस परिवेश में, वैश्विक अर्थव्यवस्था में हाल के घटनाक्रम ने मौद्रिक नीति अधिकारियों के लिए दुविधा को बढ़ा दिया है। मुद्रास्फीति को लक्ष्य तक लाने में धीमी प्रगति को देखते हुए, उच्च ब्याज दरों को "अपना काम करने के लिए अधिक समय की आवश्यकता हो सकती है"³⁰ मुद्रास्फीति की गति में कम सहजता को देखकर विश्वास की कमी है, क्योंकि पिछली आक्रामक सख्ती के बावजूद यह रुकी हुई है। इसके अलावा, उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में बढ़ते आप्रवासन, औद्योगिक नीति का सशक्त उपयोग, राजकोषीय ढिलाई और वैश्वीकरण के विखंडन से आपूर्ति शृंखला की पुनर्रचना के रूप में संरचनात्मक परिवर्तन मौद्रिक नीति के संचालन के लिए बिल्कुल नए आयाम हैं। तेजी से, दक्षता और लागत प्रभावशीलता से पहले राष्ट्रीय सुरक्षा और समुत्थानशीलता को प्राथमिकता दी जा रही है। आईएमएफ ने 2023 में दुनिया भर में कम से कम 2500 औद्योगिक नीति कार्रवाइयों की सूचना दी है, जिनमें से दो-तिहाई से अधिक व्यापार बिगाड़नेवाली थीं क्योंकि वे विदेशी वाणिज्यिक हितों के खिलाफ भेदभाव करती थीं।³¹ स्पष्ट रूप से, मौद्रिक नीति दुविधा संचार के कोलाहल के बजाय रणनीतिक संकेत देने की मांग करती है।

फिर भी, आर्थिक गतिविधि और उपभोक्ता भावना के धीमे होने से प्रतिबंधात्मक रुख को बनाए रखना मुश्किल हो सकता है, एक या दो महीने पहले की तुलना में कम नौकरियां जोड़ी जा रही हैं - मूल्य दबाव ने "जीवन के बुनियादी सिद्धांतों" को गंभीर रूप से प्रभावित किया है।³² इसलिए, मुद्रास्फीति में बढ़ोतरी को कम करने के लिए दरों में बढ़ोतरी को असंभावित माना जाता है।

हालाँकि आशा है कि अर्थव्यवस्था सहज लैंडिंग की राह पर है, अब पहले की तुलना में अधिक सहज हो गई है, मौद्रिक नीति अधिकारी क्रैश लैंडिंग से बचने वाले गोल्डीलॉक्स परिदृश्य को छोड़ने के लिए अनिच्छुक हैं। जल्दबाजी की मूर्खता के डर से, वे संभवतः वर्तमान पूर्वानुमानों की तुलना में अधिक समय तक धैर्यवान और उत्साहित रहना चाहेंगे। बाजार को आवास, बीमा और चिकित्सा लागत में अंततः धीमी गति से होने वाली तेजी से मुख्य अवस्फीति की प्रत्याशा से आशान्वित है। मुद्रास्फीति की घटनाओं से दर में कटौती का चक्र पटरी से नहीं उतरेगा, केवल उसमें विलंब होगा। नीतिगत विचलन एक बार फिर अटलांटिक के दोनों किनारों को अलग कर सकता है।

जैसे-जैसे मौद्रिक नीति में सहजता की शुरुआत हो रही है, उभरते बाजार के केंद्रीय बैंकों को कमजोर मुद्राओं, आयातित वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों में बदलाव और उच्च मुद्रास्फीति के दबाव का सामना करना पड़ रहा है। तदनुसार, जब मौद्रिक नीति की सख्ती को आर्थिक सुधार की गति को बाधित करने के रूप में देखा जा रहा है, तो आश्चर्यजनक दर में वृद्धि, समन्वित संचार और विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप का सहारा लिया जा रहा है। उच्च उधारी लागत घरेलू मांग पर अंकुश लगा रही है और उच्च स्तर के घरेलू ऋण वाले देशों में खतरा पैदा कर रही है। येन, युआन और वन में तेज गिरावट ने इस दृष्टिकोण को और भी जटिल बना दिया है, जिससे पिछले तीन महीनों में निर्यात की तेजी को सुरक्षित करने सहित मौखिक और विदेशी मुद्रा बिक्री रक्षा दोनों को बढ़ावा मिला है। तेजी से, बाजार की उम्मीदें इस दृष्टिकोण पर केंद्रित हो रही हैं कि ये केंद्रीय बैंक उच्च वास्तविक ब्याज दरों के बावजूद, यूएस फेड से आगे दरों में कटौती नहीं करेंगे। उनका कहना है कि वे 'फेड-निर्भर' नहीं होंगे, लेकिन वे फेड से कितनी दूर तक अलग हो सकते हैं, इस पर उन्हें व्यावहारिक सीमाओं का सामना करना पड़ेगा। नतीजतन, दर में ढील का चक्र आरंभिक अनुमान से कम हो सकता है। इस बीच, बढ़ी हुई वैश्विक अनिश्चितता उभरते बाजार के केंद्रीय बैंकों को सोने की खरीदारी के लिए प्रेरित कर रही है, जो 2024 की पहली तिमाही में 290 टन जोड़ रही है जो कुल वैश्विक सोने की मांग का एक चौथाई हिस्सा है। भू-राजनीतिक विकास और धीमी वैश्विक अर्थव्यवस्था के बीच, ये केंद्रीय बैंक संकेत दे रहे हैं कि चुनौतीपूर्ण समय में बने रहने के लिए रणनीतिक विविधता की आवश्यकता है।

²⁸ आरबीआई प्रेस विज्ञप्ति 26 अप्रैल 2024।

²⁹ आरबीआई अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न 26 अप्रैल 2024।

³⁰ <https://www.ft.com/content/d1221cb9-9e5a-4512-9fef-4cc744a307fc>

³¹ <https://www.imf.org/en/Blogs/Articles/2024/04/12/industrial-policy-is-back-but-the-bar-to-get-it-right-is-high>

³² फाइनेंशियल टाइम्स (2024, 2 मई)। जे पॉवेलस डाइलेमा: दी यूएस इकॉनमी इज टू स्ट्रॉंग टू कट रेट।

विकेंद्रीकृत वित्त और वित्तीय प्रणाली पर इसका प्रभाव

श्रीजाश्री सरदार, दीपक आर. चौधरी और संगीता दास[^]

विकेंद्रीकृत वित्त पारंपरिक वित्तीय प्रणाली को अलग करना चाहता है। हालाँकि, एफटीएक्स क्रिप्टो एक्सचेंज के पतन, 'बिनेंस' में गिरावट और स्टेबलकॉइन में अस्थिरता की घटनाओं ने पूरे क्रिप्टो प्रणाली में विश्वास की कमी पैदा की है। इस पृष्ठभूमि में, यह आलेख विकेंद्रीकृत वित्त और पारंपरिक वित्तीय प्रणाली के साथ इसके अंतर्संबंधों का आकलन करता है। हमारा तथ्यात्मक विश्लेषण इंगित करता है कि विकेंद्रीकृत वित्त प्रतिलाभ और इसकी अस्थिरता मुख्य रूप से सट्टा से प्रेरित है।

परिचय

मौजूदा मौद्रिक प्रणाली वर्षों के अनुभव से विकसित हुई है जिसमें मौद्रिक और संप्रभु प्राधिकरण मुद्रा जारी करने के प्रबंधन, भुगतान प्रणालियों की देखरेख और विकास और अपने नागरिकों में विश्वास पैदा करने के लिए जिम्मेदार हैं। हालाँकि, जीएफसी के बाद और विशेष रूप से कोविड महामारी के बाद, एक नया वर्ग - क्रिप्टोकॉरेसी - उभरा जिसने पारंपरिक मौद्रिक प्रणाली के लिए चुनौतियाँ खड़ी कीं। हालाँकि क्रिप्टो प्रमोटर विकेंद्रीकरण की 'धारणा' पर चलते हैं, लेकिन सत्ता का संकेंद्रण 'व्हेल' - ऐसे व्यक्ति या संस्थाएँ जो बड़ी मात्रा में क्रिप्टोकॉरेसी रखते हैं - के पास देखा गया है। इतना कि उनके लेन-देन अकेले ही मुद्रा के बाजार को प्रभावित कर सकते हैं। क्रिप्टोकॉरेसी के मूल्य में भारी उतार-चढ़ाव की संभावना रहती है। 'लूना' एक स्टेबलकॉइन है, जिसका मूल्य यूएस डॉलर से जुड़ा हुआ माना जाता है। यह मई 2022 के दौरान कुछ ही दिनों में शून्य के करीब गिर गई। प्रमुख क्रिप्टोकॉरेसी बिटकॉइन का मूल्य 9 नवंबर 2021 को यूएस \$67,550 से गिरकर 19 जून 2022 को छह महीने के

भीतर यूएस \$19,010 हो गया और क्रिप्टो ऋणदाता Voyager, जिसके पास एक लाख से अधिक लेनदार थे और जिसकी संपत्ति का मूल्य यूएस \$1 बिलियन से यूएस \$10 बिलियन के बीच था, ने दिवालियापन के लिए आवेदन किया। 11 नवंबर 2022 को एफटीएक्स क्रिप्टो एक्सचेंज का पतन और 2023 की पहली तिमाही में दुनिया के सबसे बड़े क्रिप्टो एक्सचेंज बिज़नेस में तेज़ गिरावट ने पूरे क्रिप्टोकॉरेसी इकोसिस्टम को हिलाकर रख दिया। ये घटनाक्रम अपनी कमजोरियों और पारंपरिक वित्तीय प्रणाली के साथ जुड़ाव के कारण अधिकारियों और नीति निर्माताओं के लिए विनियामक चुनौतियाँ पेश करते हैं।

प्रौद्योगिकी संचालित वित्त कंपनियों में हाल ही में तेजी से हुई वृद्धि ने वित्तीय प्रणाली में वर्चुअल मोड का कई गुना विस्तार किया है। बैंक फॉर इंटरनेशनल सेटलमेंट्स सर्वे (सीपीएमआई, 2023) के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, 2021 में डिजिटल भुगतानों में रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की गई और उभरती अर्थव्यवस्थाएं डिजिटल भुगतान अपनाने में उन्नत अर्थव्यवस्थाओं से आगे हैं। पारंपरिक वित्त को 2008 में बिटकॉइन के रूप में पहली चुनौती मिली, जो प्रभावी रूप से क्रिप्टोकॉरेसी के लिए ब्लॉकचेन तकनीक का पहला उपयोग था। इसके बाद, नवंबर 2021 में स्टेबलकॉइन को छोड़कर, क्रिप्टोकॉरेसी नेटवर्क वैश्विक स्तर पर 10,000 से अधिक क्रिप्टोकॉरेसी तक बढ़ गया है, जिसका बाजार पूंजीकरण मूल्य यूएस\$2.5 ट्रिलियन है (Azar और अन्य, 2022)। 30 अप्रैल 2023 को क्रिप्टो बाजार का आकार यूएस\$1.2 ट्रिलियन था (coinmarketcap, 2023)। बिटकॉइन, एथेरियम, लिटकॉइन और रिपल जैसी क्रिप्टोकॉरेसी के अलावा, स्टेबलकॉइन और नॉन-फंजिबल टोकन (एनएफटी) ब्लॉकचेन इकोसिस्टम का हिस्सा हैं। क्रिप्टो बाजार के मूल्यांकन पर विभिन्न दावे किए जाते हैं। वित्तीय स्थिरता बोर्ड (2022) के अनुसार, क्रिप्टो आस्ति बाजार कुल वैश्विक वित्तीय आस्तियों का 1 प्रतिशत हिस्सा है। हालाँकि यह संख्या बहुत बड़ी नहीं है, लेकिन इसके तेज विस्तार को देखते हुए, यह आगे चलकर पारंपरिक वित्त को प्रभावित कर सकता है। इसमें, विकेंद्रीकृत वित्त का हालिया पुनरुत्थान दुनिया भर के विनियामकों के लिए एक बड़ी चुनौती है।

विकेंद्रीकृत वित्त वे क्रिप्टो आस्तियाँ अभिप्रेत हैं, जहां सभी वित्तीय लेनदेन किसी केंद्रीय मध्यस्थ के बिना कंप्यूटर नेटवर्क पर किए जाते हैं। विकेंद्रीकृत वित्त इकोसिस्टम में प्रोटोकॉल,

[^] लेखक वित्तीय बाजार परिचालन विभाग (एफएमओडी) से हैं। लेखक, आलेख पर अपनी टिप्पणियों के लिए एफएमओडी के मुख्य महाप्रबंधक श्री जी. शेषसाई के आभारी हैं। लेखक फिनटेक विभाग के भी आभारी हैं, जिन्होंने मूल्यवान टिप्पणियों और सुझावों के माध्यम से पेपर को बेहतर बनाया। आलेख में व्यक्त किए गए विचार लेखकों के अपने हैं और भारतीय रिजर्व बैंक के विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं।

एप्लिकेशन, स्मार्ट कॉन्ट्रैक्ट और टोटल वैल्यू लॉक (टीवीएल) शामिल हैं। एथेरियम मुख्य ब्लॉकचेन नेटवर्क में से एक है जिस पर विकेंद्रीकृत वित्त प्रोटोकॉल और एप्लिकेशन (डीएपीपीएस) बनाए गए हैं। अन्य प्रमुख विकेंद्रीकृत वित्त ब्लॉकचेन बिनेंस स्मार्ट चेन (बीएससी), सोलाना, पोलकाडॉट, एवलांच, रिपल और क्रोनोस हैं। हालाँकि यह दावा किया जाता है कि विकेंद्रीकृत वित्त तेज़ फंड ट्रांसफर और इनोवेशन के रूप में पारंपरिक वित्तीय गतिविधियों को बेहतर बना सकता है, लेकिन इससे जुड़े जोखिम कथित लाभों से कहीं ज्यादा हैं। ज्यादातर उपकरण सट्टा प्रकृति के हैं और कई क्रिप्टो आस्तियों में मध्यस्थता प्रदान करते हैं। लिक्विडिटी और बाज़ार जोखिम के उच्च जोखिम से निवेशक भाग सकते हैं (बीआईएस, 2020)। इसके अलावा, क्रिप्टो एक्सचेंज की गड़बड़ियों के हालिया प्रकरण और स्टेबलकॉइन में घटते भरोंसे से निवेशकों का भरोसा प्रभावित हो सकता है और वित्तीय प्रणाली में उजागर संस्थाओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इस क्षेत्र में शोध कई कारणों से सीमित है - सबसे पहले क्रिप्टो आस्ति की कीमत, इसके अंतर्निहित और अन्य आस्ति वर्ग के साथ संबंध का अनुमान लगाने और समझने में कठिनाई। इसके अलावा, मात्रा के संदर्भ में क्रिप्टोकॉइन्स के जोखिम और पारंपरिक वित्त के साथ अंतर्संबंधों का आकलन ज्यादातर सर्वेक्षण आधारित है, जिसमें तरीके, नमूना आकार और चयन अलग-अलग होते हैं। अंत में, क्रिप्टो आस्ति पर विनियामक और लेखा ढांचा अभी भी नवजात अवस्था में है, जिसके परिणामस्वरूप मौजूदा निजी डेटासेट पर विश्वसनीयता की समस्या है। 11 जनवरी 2024 को, अमेरिकी प्रतिभूति विनियामक ने निवेशकों को इसके जोखिमों से सावधान रहने की सलाह देते हुए बिटकॉइन एक्सचेंज ट्रेडेड फंड की अनुमति दी।

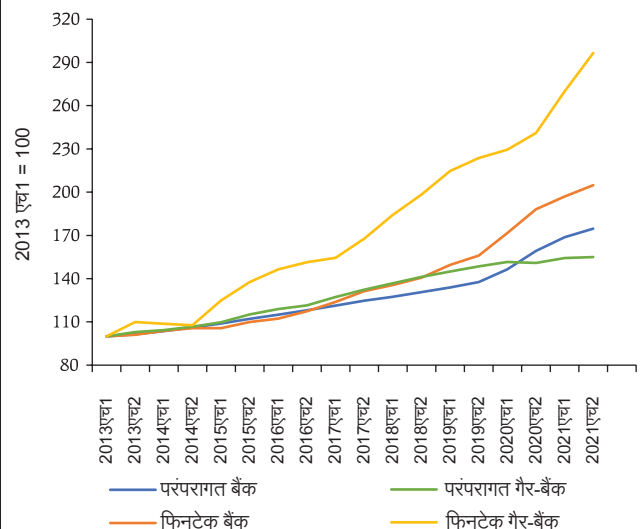
इस पृष्ठभूमि में, यह आलेख क्रिप्टो परितंत्र, पारंपरिक वित्त, विशेष रूप से विकेंद्रीकृत वित्त के संबंध में इसकी मुख्य विशेषताओं और वित्तीय प्रणालियों के साथ इसके अंतर्संबंधों का पता लगाता है। आलेख के बाकी हिस्से को पाँच खंडों में विभाजित किया गया है। खंड 2 क्रिप्टो परितंत्र से संबंधित स्थापित तथ्य प्रदान करता है; खंड 3 पारंपरिक वित्तीय प्रणाली के साथ इसके संबंधों का विश्लेषण करता है। खंड 4 तथ्यात्मक विश्लेषण के लिए डेटा और कार्यप्रणाली पर चर्चा करता है जबकि खंड 5 अनुभाग 6 में समापन टिप्पणियों के साथ परिणामों को प्रस्तुत करता है।

II. स्थापित तथ्य

फिनटेक और स्टार्ट-अप क्षेत्र में नवोन्मेष के लिए एक उन्मत्त दौड़ चल रही है। परिणामस्वरूप, हम पूरी तरह से नए और लगातार विकसित हो रहे अभिनव उपकरणों के संपर्क में हैं। आईएमएफ की वैश्विक वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट (जीएफएसआर) अप्रैल 2022 के अनुसार, प्रौद्योगिकी संचालित क्षेत्र पारंपरिक तरीके के व्यवसायों की तुलना में बहुत तेजी से बढ़ रहा है (चार्ट 1)।

अस्थिर क्रिप्टो वातावरण में, स्टेबलकॉइन जो कि फ़िएट मुद्रा या सोने जैसी किसी मूल्यमान से जुड़ी होती हैं, उनमें भी अस्थिरता और गिरावट देखी गई है। स्टेबलकॉइन का उद्देश्य फ़िएट मुद्राओं, मुख्य रूप से अमेरिकी डॉलर के मुकाबले एक निश्चित अंकित मूल्य बनाए रखना है। उन्हें निवेशकों और व्यापारियों को क्रिप्टो परितंत्र को छोड़े बिना डिजिटल आस्तियों के मूल्य को बनाए रखने के लिए एक उपकरण प्रदान करना चाहिए। हालाँकि, सभी स्टेबलकॉइन फ़िएट मुद्रा या सोने जैसी किसी वस्तु द्वारा समर्थित नहीं होती हैं; वे टेरा यूएस\$ जैसे जटिल एल्गोरिदम आधारित स्मार्ट कॉन्ट्रैक्ट के माध्यम से निर्मित होती हैं। एल्गोरिदम द्वारा समर्थित स्टेबलकॉइन मांग की पूर्ति के लिए टोकन की आपूर्ति को समायोजित करके मूल्य स्थिरता बनाए रखने के लिए डिज़ाइन की गई हैं, जिससे किसी भी उपयोगकर्ता द्वारा रखे गए टोकन की मात्रा प्रभावित होती है, जहाँ इसका मूल्य/बाजार हिस्सा बना रहता है।

चार्ट 1: फिनटेक ऋणदाताओं की आस्तियों में वृद्धि



स्रोत : जीएफएसआर, अप्रैल 2022.

हालाँकि अधिकांश विकेन्द्रीकृत वित्त प्रोटोकॉल और dApp एथेरियम ब्लॉकचेन पर बनाए गए हैं, विकेन्द्रीकृत वित्त बाज़ार पूंजीकरण में कई प्रोटोकॉल और स्वतंत्र क्रिप्टो जैसे Uniswap, Aave आदि शामिल हैं। बाज़ार के आकार को समझने के लिए, टीवीएल, जो लॉक/स्टेक किए गए क्रिप्टो के कुल मूल्य को संदर्भित करता है, की गणना किसी विशिष्ट विकेन्द्रीकृत वित्त प्लेटफॉर्म या dApp पर लॉक की गई डिजिटल आस्तियों के कुल मूल्य को जोड़कर की जाती है। इन आस्तियों में क्रिप्टोकॉइन्स, स्टेबलकॉइन्स या अन्य टोकन शामिल हो सकते हैं जिनका उपयोग ऋण के लिए संपार्श्विक के रूप में किया जा रहा है या प्लेटफॉर्म को चलनिधि प्रदान करता है। टीवीएल और शीर्ष-दस योगदान प्रोटोकॉल सारणी 1 में दिए गए हैं।

विकेन्द्रीकृत वित्त के प्रमुख प्रतिनिधि एथेरियम (ईटीएच) की मात्रा और मूल्य गतिशीलता दिखाई गई है, जिस पर अधिकांश विकेन्द्रीकृत वित्त प्रोटोकॉल और एप्लिकेशन बनाए गए हैं। तकनीकी विश्लेषकों और व्यापारियों को उम्मीद है कि मूल्य परिवर्तन सकारात्मक रूप से मात्रा के साथ सहसंबद्ध हैं। लेकिन क्रिप्टोकॉइन्स के मामले में, इसकी अंतर्निहित अस्थिरता और अप्रत्याशितता का कारण यह प्रवृत्ति नहीं है।

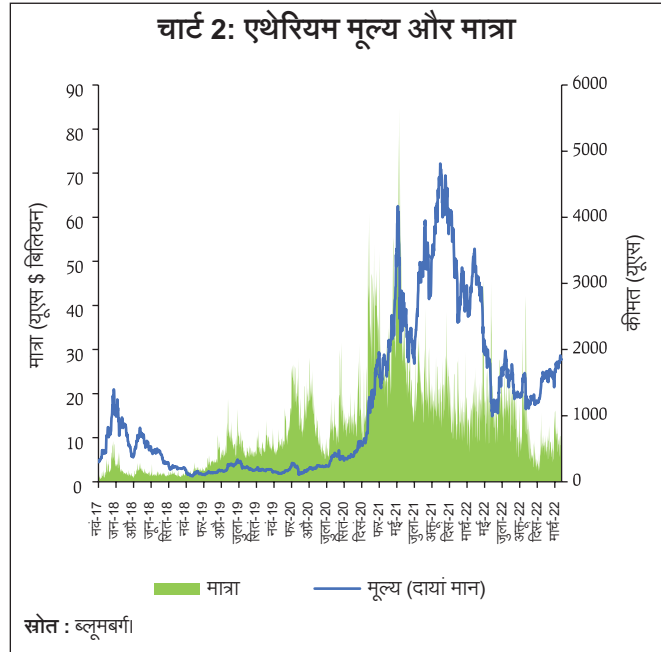
कुल मिलाकर क्रिप्टोकॉइन्स बाज़ार में, बिटकॉइन की हिस्सेदारी ति4:2016 में 87 प्रतिशत थी। हालाँकि, महामारी के दौरान कई क्रिप्टोकॉइन्स उभरीं और बिटकॉइन की हिस्सेदारी ति3:2022 में घटकर 38 प्रतिशत रह गई (स्टेटिस्टा, 2024)। एथेरियम प्लेटफॉर्म से ईथर ने बिटकॉइन की कीमत पर बाज़ार

सारणी 1: 7 मई 2024 तक कुल लॉक मूल्य

पदानुक्रम	प्रोटोकॉल	यूएस \$ बिलियन
1	ईजेनलेयर	15.34
2	एएवीई वी3	8.65
3	जस्टलेंड	6.26
4	मेकर डीएओ	5.67
5	यूनिस्वैप वी3	3.28
6	ज़िरकुइट स्टेकिंग	3.27
7	स्पाक	2.39
8	यूनिस्वैप वी2	2.25
9	कर्व डेक्स	1.91
10	एएवीई वी2	1.85
	अन्य	42.56
	कुल	93.43

स्रोत : डिफिलामा

चार्ट 2: एथेरियम मूल्य और मात्रा



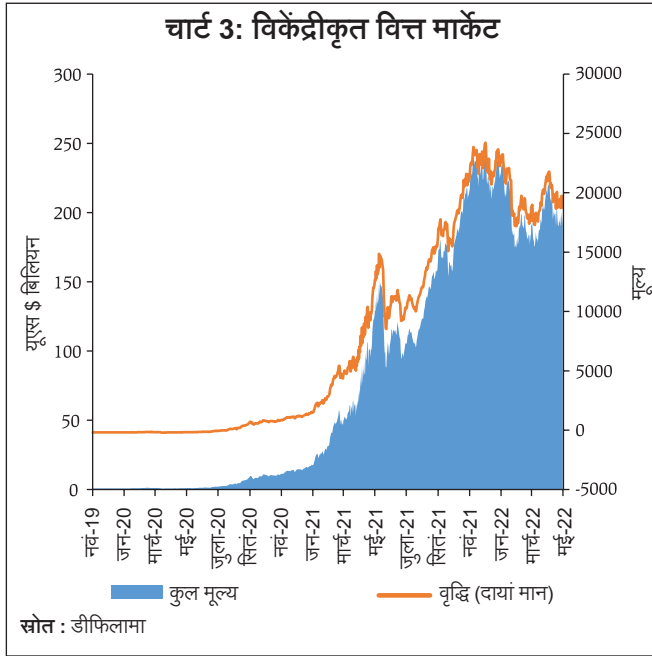
हिस्सेदारी का एक बड़ा हिस्सा हासिल किया। ध्यान देने योग्य एक अन्य महत्वपूर्ण मीट्रिक क्रिप्टो का अंतर्निहित मूल्य है, क्योंकि ज्यादातर मामलों में यह एक अन्य क्रिप्टोकॉइन्स या एल्गोरिथम होता है (सारणी 2)।

विकेन्द्रीकृत वित्त की हालिया वृद्धि को कई कारकों के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है, जिसमें dApps का उदय और विकेन्द्रीकृत एक्सचेंजों (डेइएक्स) की उपलब्धता शामिल है। विकेन्द्रीकृत वित्त प्रोटोकॉल में, उधार में तेजी से वृद्धि हुई है, जो दो साल से भी कम समय में टीवीएल में शून्य से \$50 बिलियन से अधिक हो गई है (कॉर्नेली और अन्य, 2024)। हालाँकि, विकेन्द्रीकृत वित्त बाज़ार का विकास जारी है, लेकिन 2021 में कोविड अवधि के दौरान यह अपने उपरि स्तर से नीचे गिर गया (चार्ट 3)।

सारणी 2: क्रिप्टोकॉइन्स का मूल स्वरूप

अंतर्निहित	क्रिप्टो
फिएट करेंसी से जुड़ा हुआ	टेथर, बिनेंस यूएसडी और यूएसडी कॉइन्स जैसे स्थिर सिक्के
धातु से जुड़ा हुआ	पैक्स गोल्ड और किनेसिस गोल्ड सोने से जुड़े हैं
एल्गोरिदम आधारित स्टेबल कॉइन्स डॉलर से जुड़े हुए हैं (किसी अन्य अंतर्निहित डिजिटल आस्त की आपूर्ति को समायोजित करके इसका मूल्य बनाए रखें)	टेरा यूएसडी
क्रिप्टोकॉइन्स किसी अन्य क्रिप्टोकॉइन्स से जुड़ी हुई हैं	लूना (टेरा से जुड़ा हुआ)

स्रोत: लेखकों का संकलन।

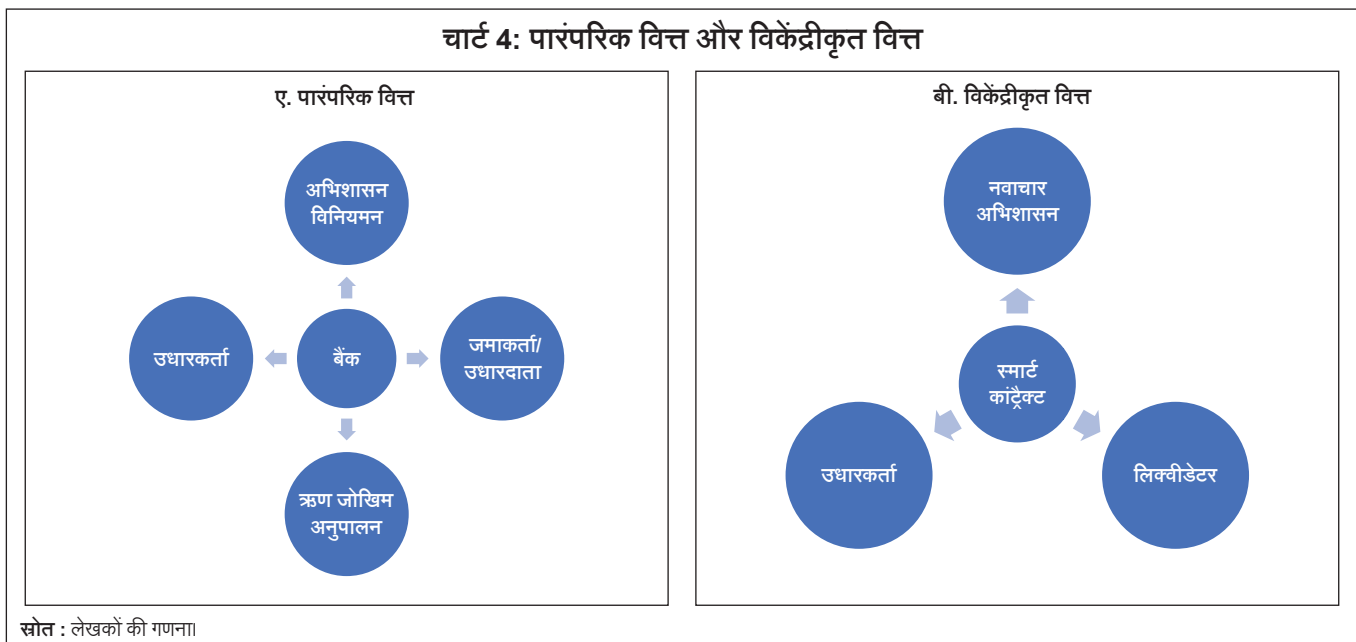


विकेंद्रीकृत वित्त पारंपरिक वित्त से इस मायने में अलग है कि यह बिचौलियों की सभी परतों को हटा देता है, जिससे विरासत प्रणाली से जुड़ी उच्च लागतें खत्म हो जाती हैं और ये लाभ अंतिम उपयोगकर्ता को हस्तांतरित हो जाते हैं (हार्वे और अन्य, 2021)। विकेंद्रीकृत वित्त ब्लॉकचेन पर स्वचालित प्रोटोकॉल के माध्यम से संचालन करके, केंद्रीकृत बिचौलियों के बिना वित्तीय सेवाएँ प्रदान करता है। विकेंद्रीकृत वित्त परितंत्र दो तत्वों के इर्द-गिर्द घूमता है: (i) व्यापार, उधार और निवेश के लिए नए प्रोटोकॉल;

और (ii) स्टेबल क्वॉइन, जो क्रिप्टो आस्तियां हैं, फंड ट्रांसफर की सुविधा प्रदान करती हैं और फ़िएट मुद्राओं, मुख्य रूप से अमेरिकी डॉलर के मुकाबले एक निश्चित अंकित मूल्य बनाए रखने का लक्ष्य रखती हैं।

विकेंद्रीकृत वित्त और अन्य वितरित खाता प्रौद्योगिकी (डीएलटी) आधारित केंद्रीकृत क्रिप्टो के बीच मुख्य अंतर यह है कि क्या वित्तीय सेवा ब्लॉकचेन पर स्मार्ट अनुबंधों के माध्यम से स्वचालित है या केंद्रीकृत मध्यस्थों द्वारा प्रदान की जाती है। जबकि विकेंद्रीकृत वित्त ब्लॉकचेन (यानी ऑन-चेन) पर सभी कांट्रैक्ट और लेन-देन का विवरण रिकॉर्ड करता है, केंद्रीकृत वित्त मध्यस्थों के निजी रिकॉर्ड, जैसे कि केंद्रीकृत एक्सचेंज और अन्य प्लेटफॉर्म (यानी ऑफ-चेन) पर निर्भर करता है। विकेंद्रीकृत वित्त का उद्देश्य केंद्रीकृत संस्थाओं का उपयोग किए बिना वित्तीय सेवाएँ प्रदान करना है। यह उपयोगकर्ताओं को केंद्रीकृत वित्त या पारंपरिक वित्त (अरमॉटे और अन्य, 2021) में लेनदेन की तुलना में बहुत अधिक गोपनीयता प्रदान करता है। जहाँ, चार्ट 4 पारंपरिक वित्त और विकेंद्रीकृत वित्त के लिए कार्य एल्गोरिदम के फ्लोचार्ट को दर्शाता है, वहीं सारणी 3 विकेंद्रीकृत वित्त और पारंपरिक वित्त के बीच अंतर पर संक्षिप्त दृष्टिकोण प्रदान करती है।

विकेंद्रीकृत वित्त क्षेत्र अभी भी एथेरियम ब्लॉकचेन पर बहुत अधिक निर्भर है (जिसने बड़े पैमाने पर उपयोगकर्ताओं को जोड़ने के लिए संघर्ष किया है)। हालाँकि, एक बार जब एथेरियम



सारणी 3: वित्तीय प्रणाली - क्रिप्टो आधारित बनाम पारंपरिक

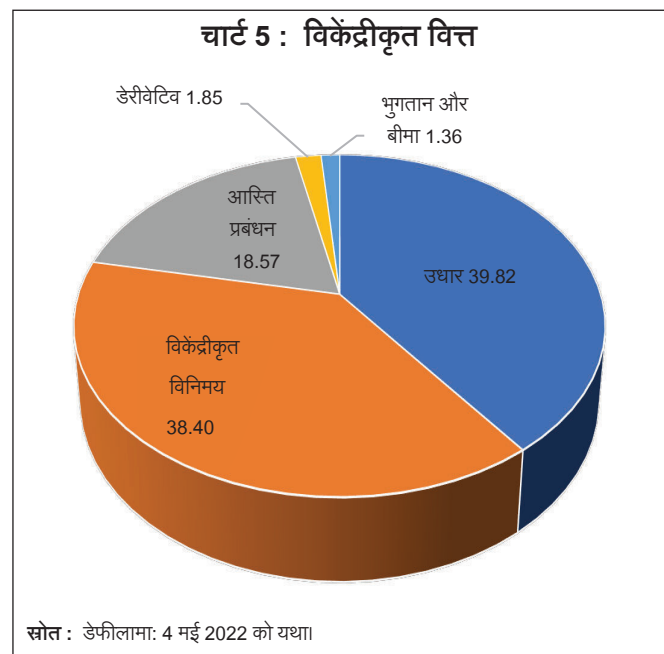
	क्रिप्टो आधारित वित्तीय प्रणाली		पारंपरिक वित्तीय सेवाएँ
	विकेन्द्रीकृत वित्त	केन्द्रीकृत वित्त	
पहुँच	वर्ल्ड वाइड वेब; अनुमति रहित और गुमनाम	क्रिप्टो केन्द्रीकृत एक्सचेंज (बाइनैस, कॉइनबेस)	शाखा कार्यालय; अनिवार्य केवाईसी और एंटी-मनी लॉन्ड्रिंग
संचालन	स्मार्ट कॉन्ट्रैक्ट द्वारा स्वचालित	विनियामक निकायों द्वारा लगाए गए नियमों और विनियमों के अनुसार	ज्यादातर मैन्युअल
लिखते	क्रिप्टो आस्तियां, जिनमें स्टेबलकॉइन भी शामिल हैं।		फिएट-मुद्रा
रिकॉर्ड-कीपिंग	वितरित खाता बही (अनेक नेटवर्क प्रतिभागियों द्वारा सत्यापित) (अर्थात, ऑन-चेन)	केन्द्रीकृत एक्सचेंजों के साथ; कोई सार्वजनिक सत्यापन नहीं (कम पारदर्शी) (यानी, ऑफ-चेन)	केन्द्रीकृत खाता बही (प्लेटफॉर्म को संचालित करने वाली एक विश्वसनीय इकाई द्वारा सत्यापित)
निर्णय लेना	शासन में हिस्सेदारी रखने वाले उपयोगकर्ताओं द्वारा मतदान; अधिक पारदर्शी, क्योंकि कोड को जनता द्वारा साझा और सत्यापित किया जा सकता है।	केन्द्रीकृत मध्यस्थों द्वारा किया गया	शीर्ष प्रबंधन द्वारा शासित (जैसे बैंक कार्यकारी बोर्ड)
जोखिम उठाना	उपयोगकर्ताओं को वितरित	केन्द्रीय प्रतिपक्ष पर निहित	एक विश्वसनीय इकाई (बैंक) में केंद्रित

स्रोत: जीएफएसआर, अप्रैल 2022; और बीआईएस तिमाही समीक्षा, दिसंबर 2021

'प्रूफ ऑफ़ स्टेक'¹ सहमति तंत्र का उपयोग करके इटीएच 2.0 में बदल जाता है, तो इसके द्वारा उपयोग किए जा सकने वाले उपयोगकर्ताओं की संख्या संभावित रूप से बिना किसी सीमा के हो सकती है। इसके अलावा, अन्य प्रतियोगी इस क्षेत्र का और अधिक निर्माण कर रहे हैं, जैसे कि कंपाउंड और मेकर डीएओ, जो विकेन्द्रीकृत वित्त को अधिक से अधिक उपयोगकर्ताओं तक पहुँचा रहे हैं। विकेन्द्रीकृत वित्त ब्लॉकचेन तकनीक पर बनाया गया है, और सभी लेन-देन स्मार्ट कॉन्ट्रैक्ट द्वारा चलाए जाते हैं, जो मूल रूप से प्रोग्राम या कोड के टुकड़े होते हैं, जो ब्लॉकचेन पर संगृहीत होते हैं और केवल तभी लागू होते हैं जब कुछ पूर्व शर्तें पूरी होती हैं। विकेन्द्रीकृत वित्त बाजार पर विकेन्द्रीकृत एक्सचेंजों और उधार देने वाले एप्लिकेशन का प्रभुत्व है (चार्ट 5)।

विकेन्द्रीकृत वित्त उच्च दक्षता और निवेश के अवसर प्रदान करने का दावा करता है क्योंकि इसमें लागत-कुशल वित्तीय मध्यस्थता प्रदर्शित करने की क्षमता है। हालाँकि, विकेन्द्रीकृत वित्त और पारंपरिक वित्तीय संस्थानों के बीच लागत और कीमतों की तुलना करना जटिल है, क्योंकि दोनों अलग-अलग परितंत्रों में काम करते हैं। कानूनी अनिश्चितताओं की पृष्ठभूमि में विकेन्द्रीकृत वित्त बाजार, चलनिधि और साइबर जोखिम पैदा करता है। स्टेबलकॉइन या क्रिप्टोकॉरेंसी जैसी किसी भी क्रिप्टो आस्तियों में गिरावट का एनाएफटी, मेटावर्स टोकन आदि जैसी अन्य

आस्तियों पर प्रभाव पड़ता है। इसलिए, विनियामक प्राधिकरण क्रिप्टो निवेश को रोकने के लिए विभिन्न कदम उठा रहे हैं जैसे कि चीन में प्रतिबंध। 10 मार्च 2022 को, अमेरिकी श्रम विभाग ने एक प्रेस नोट जारी किया जिसमें पेंशन फंडों को क्रिप्टो से संबंधित आस्तियों में निवेश करने से बचने के लिए चेतावनी दी गई और क्रिप्टो में किए गए मौजूदा निवेश की जांच की योजना बनाई गई। भारत में, क्रिप्टो पर 1 प्रतिशत स्रोत पर कर कटौती (टीडीएस) और 30 प्रतिशत पूंजीगत लाभ कर के साथ-साथ धनशोधन-रोधी कानून और विज्ञापन मानकों की प्रयोज्यता की कर देयता लागू होती है।



¹ प्रूफ ऑफ़ स्टेक रिवॉर्ड पाने के लिए एक क्रिप्टो लॉकिंग प्रक्रिया है; उनकी हिस्सेदारी का आकार जितना बड़ा होगा, अगले ब्लॉक को बनाने के लिए सत्यापनकर्ता के रूप में चुने जाने की संभावना उतनी ही अधिक होगी (अर्सलानियन, 2022)।

III. क्रिप्टो लिंकेज और पारंपरिक वित्तीय प्रणाली के लिए जोखिम

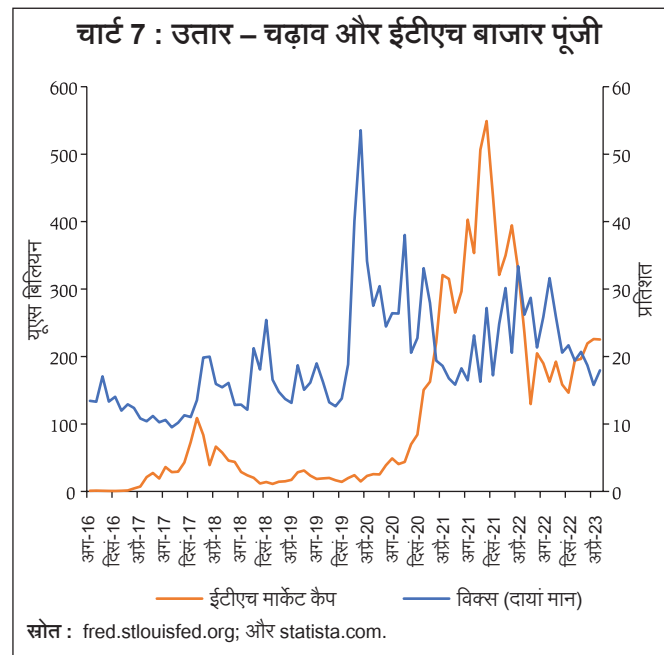
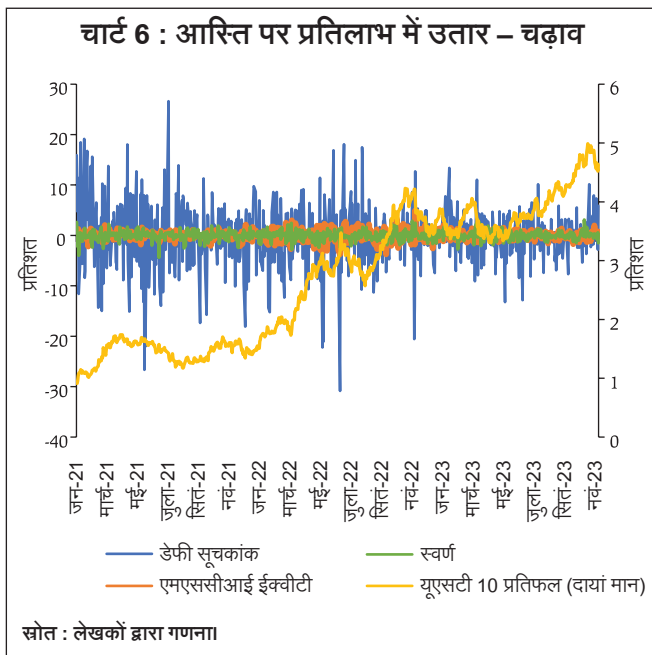
मौजूदा वित्तीय प्रणाली के साथ क्रिप्टो लिंकेज बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र के जोखिम और चलनिधि जोखिम के रूप में हैं। पारंपरिक वित्त के लिए क्रिप्टो का सबसे बड़ा जोखिम मूल्य अस्थिरता है। यदि हम विभिन्न आस्ति वर्गों पर प्रतिलाभ की तुलना करते हैं, तो विकेंद्रीकृत वित्त पर प्रतिलाभ सबसे अधिक अस्थिर है (चार्ट 6)। इसके अलावा, एथेरियम बाजार पूंजीकरण और बाजार की अस्थिरता (चार्ट 7) के बीच घनिष्ठ संबंध है। कोविड अवधि के बाद बाजार पूंजीकरण में तेजी से वृद्धि हुई है और बाजार में अस्थिरता के अनुरूप आगे बढ़ा है, जो दर्शाता है कि सट्टेबाजी का मकसद ईटीएच विस्तार का आधार हो सकता है।

पारंपरिक वित्तीय प्रणाली कई चैनलों के माध्यम से क्रिप्टो आस्तियों के संपर्क में आ सकती है। सबसे पहले, जमा चैनल: बैंक विभिन्न क्रिप्टो आस्तियों जैसे कि स्टेबलकॉइन और एनएफटी की पेशकश करने वाली कंपनियों का डिपॉजिट रखते हैं। बेसल III मॉनिटरिंग रिपोर्ट (सितंबर 2022) के अनुसार, एक सर्वेक्षण निष्कर्ष के आधार पर, बैंकों का क्रिप्टो आस्तियों के लिए जोखिम रिपोर्टिंग बैंकों पर दावों का 0.14 प्रतिशत था जिसमें जमा देनदारियां और ऑफ बैलेंस शीट आइटम सहित आस्तियां शामिल हैं। जोखिम क्रिप्टो होल्डिंग और निवेशकों, निगमों या

क्रिप्टो एक्सचेंजों आदि सहित वित्तीय संस्थानों को उधार देने के रूप में है। इसके अलावा, बैंक क्रिप्टो आस्ति डेरिवेटिव और पयूचर्स को क्लियर करने, शुरुआती कॉइन ऑफरिंग करने और क्रिप्टो आस्ति के साथ प्रतिभूति जारी करने में शामिल हैं। इसके अलावा, बैंक बीमा और कस्टडी, और वॉलेट जैसी अन्य सेवाओं में शामिल हैं।

क्रिप्टो आस्तियों की सीमाहीन विशेषता के कारण, विभिन्न देशों में चलनिधि संबंधों द्वारा प्रभाव-प्रसार को क्रिप्टो परितंत्र से एक बड़ा खतरा माना जाता है। विभिन्न क्रिप्टो आस्तियों में अचानक मूल्यांकन में होने वाली हानि भी नीति निर्माताओं के लिए एक बड़ी चुनौती है। इस परिदृश्य में, छोटे बैंक अधिक संवेदनशील हो सकते हैं।

विकेंद्रीकृत वित्त द्वारा नियोजित स्मार्ट कांट्रैक्ट बिना किसी मानवीय हस्तक्षेप के डिजिटल आस्तियों को स्थानांतरित करने के लिए लिक्विडिटी पूल का उपयोग करता है, जबकि पारंपरिक वित्तीय प्रणाली में खरीदार और विक्रेता का मिलान करके ऑर्डर दिए जाते हैं और प्रत्येक लेनदेन के लिए सहमति मांगी जाती है। इस तरह, विकेंद्रीकृत वित्त वातावरण मौजूदा वित्तीय संरचना के लिए एक संभावित चुनौती बन गया है। केंद्रीय बैंकों को मौजूदा भुगतान, लेनदेन और अन्य वित्तीय संस्थानों के साथ अंतर-संबंधों और समग्र वित्तीय स्थिरता पर उनके प्रभाव को समझने



सारणी 4: क्रिप्टो और पारंपरिक वित्तीय प्रणालियों के बीच संबंध

क्रिप्टोएसेट मार्केट	अंतर्संबंध	पारंपरिक वित्तीय प्रणाली
अंतर्निहित आस्तियां समर्थित और अधिकतर गैर-समर्थित क्रिप्टो आस्तियां संपत्तियों द्वारा समर्थित स्टेबलकॉइन	निवेशक दोनों प्रकार की आस्तियों के संपर्क में आ सकते हैं, जिससे संक्रमण प्रभाव हो सकता है।	अंतर्निहित आस्तियां मुख्य रूप से वास्तविक अर्थव्यवस्था आस्तियाँ
गतिविधियाँ व्यापार उधार	निवेशक एक प्रणाली में उधार ले सकते हैं और आय को दूसरे में निवेश कर सकते हैं।	गतिविधियाँ व्यापार उधार
आस्तित्व प्रबंधन भुगतान बीमा	गतिविधि पारंपरिक प्रणाली से क्रिप्टोएसेट्स बाजारों में स्थानांतरित हो सकती है और इसके विपरीत।	आस्तित्व प्रबंधन भुगतान बीमा
प्रमुख सेवा प्रदाता विकेंद्रीकृत वित्त अविनियमित केंद्रीकृत विनियम क्रिप्टो आस्तित्व ऑपरेटर वॉलेट प्रदाता	पारंपरिक प्रदाता क्रिप्टोएसेट्स बाजारों में जा सकते हैं और इसके विपरीत।	प्रमुख सेवा प्रदाता बैंक बीमाकर्ता वित्तीय बाजार अवसरचना आस्तित्व प्रबंधक और निवेश फ़र्म

स्रोत : कॉइनमार्केटकैप; वित्तीय स्थिरता बोर्ड; और लेखकों का संकलन।

की आवश्यकता है। क्रिप्टो और पारंपरिक वित्तीय प्रणालियों के बीच संबंध सारणी 4 में दिखाए गए हैं।

सीमाहीन क्रिप्टो इकोसिस्टम में न्यूनतम आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर की आवश्यकता वाले दुनिया के किसी भी देश में फैलने की क्षमता है। विकेंद्रीकृत वित्त प्रतिलाभ में भिन्नता के गुणांक के संदर्भ में अस्थिरता वीआईएक्स प्रतिलाभ में 1.9 की तुलना में 5.7 अधिक है, जो वास्तविक आर्थिक लेनदेन के लिए भुगतान के साधन के बजाय एक सट्टा निवेश ("जुआ") के रूप में विकेंद्रीकृत वित्त में निवेश करने के उद्देश्य का सुझाव देता है (Auer और अन्य, 2022)। क्रिप्टो में मूल्य अस्थिरता के प्रकरणों को अब तक सीमित तरीके से नियंत्रित किया गया है। लेकिन यह देखते हुए कि क्रिप्टो से संबंधित अधिकांश गतिविधि मुख्य रूप से मौजूदा विनियामक दायरे से बाहर की जाती है, इसके प्रभाव का आकलन करना मुश्किल है। इसके अलावा, कॉइनबेस जैसे कई क्रिप्टो ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म स्टॉक एक्सचेंजों में सूचीबद्ध हैं और हेज फंड भी क्रिप्टो से संबंधित आस्तियों (एफएसबी, 2022) को अधिक फंड आबंटित करने में सक्रिय रूप से शामिल हैं।

अधिकांश वित्तीय संस्थानों का क्रिप्टो सिस्टम से सीधा संपर्क है, हालांकि प्रबंधन के तहत कुल आस्तित्व के लिए कुल जोखिम कम होने का अनुमान है (सारणी 5)। ब्लॉकडाटा के अनुसार आस्तियों के हिसाब से सबसे बड़ी वैश्विक संस्थाओं में

से 55 प्रतिशत सीधे क्रिप्टो आस्तियों या ब्लॉकचेन से जुड़ी हैं और इनमें से कुछ व्यवस्थित रूप से महत्वपूर्ण वैश्विक बैंक हैं। यदि जोखिम बढ़ता रहा तो वित्तीय जोखिम बढ़ सकता है। तदनुसार, फिनटेक और पारंपरिक वित्तीय फर्मों को आनुपातिक रूप से

सारणी 5: प्रमुख वित्तीय संस्थानों में क्रिप्टो और ब्लॉकचेन के प्रति जोखिम

क्रम सं.	वित्तीय संस्था	प्रबंधनाधीन आस्तियां	क्रिप्टो और ब्लॉकचेन में निधीयन जोखिम	निवेशों की सं.
		(यूएस\$ बिलियन)	(यूएस\$ बिलियन)	
1.	स्टैंडर्ड चार्टर्ड	879	380	6
2.	बीएनवाई मेलॉन	470	321	5
3.	सिटी बैंक	2260	279	14
4.	यूबीएस	1126	266	5
5.	बीएनपी पारिबा	3081	236	9
6.	मॉर्गन स्टैनली	1116	234	3
7.	जेपी मॉर्गन चेंस एंड कंपनी	3386	206	8
8.	गोल्डमैन सैक्स	1163	204	8
9.	बार्कलेज	1842	196	22
10.	एमयूएफजी, जापान	3408	185	6
11.	आईएनजी	1147	170	6
12.	बीबीवीए, स्पेन	796	167	5
13.	नोमुरा	432	146	5

टिप्पणी : डेटा अगस्त 2021 तक का है।

स्रोत : ब्लॉकडाटा (<https://www.blockdata.tech/blog/general/banks-investing-blockchain-companies>).

लाक्षित करने वाली नीतियां समय की मांग हैं (जीएफएसआर, अप्रैल 2022)।

IV. डेटा और कार्यप्रणाली

डीईएफआई मुख्य रूप से एथेरियम ब्लॉकचेन नेटवर्क पर आधारित अनुप्रयोगों के माध्यम से पारंपरिक वित्तीय प्रणाली को विकेन्द्रीकृत, खुले, अनियमित और स्वायत्त तरीके से प्रतिस्थापित करने का दावा करता है। इस संदर्भ में, यह अध्ययन मुख्य रूप से पारंपरिक आस्ति श्रेणियों के रिटर्न के साथ डीईएफआई रिटर्न की अस्थिरता कारकों पर केंद्रित है। वित्तीय स्थिरता बोर्ड ने (एफएसबी) पाया है कि डीईएफआई तकनीक के अनुप्रयोग से पारंपरिक वित्तीय संस्थानों (एफएसबी, 2022) से जुड़े वित्तीय अस्थिरता जोखिम कम हो सकते हैं। इसके अलावा, कार्टर और जेंग (2021) यह पता लगाते हैं कि क्या डीईएफआई का अंतरसंचालनीयता का वादा नवाचार को बढ़ावा देने और एक जीवंत वित्तीय पारि तंत्र बनाने में मदद कर सकता है।

चूंकि वित्तीय संकटों, अस्थिरता कारक और परिणामी प्रणालीगत जोखिम की सांठगांठ अतीत में निरंतर चिंता का विषय रही है, इसलिए यह अध्ययन इस बात का पता लगाता है कि क्या और कितनी दृढ़ता से ये विशेषताएं तेजी से बढ़ते डीईएफआई विश्व में प्रचलित हैं। इस पेपर का उद्देश्य डीईएफआई बाजार में रिटर्न की अस्थिरता और पारंपरिक वित्तीय बाजार के विभिन्न क्षेत्रों के साथ इसके संबंधों का विश्लेषण करना है। क्रिप्टो बाजार में निवेश गतिविधियां बिटकॉइन रिटर्न (ऐएलो एट अल., 2023) के साथ दृढ़ता से सकारात्मक रूप से जुड़ी हुई हैं। इसलिए, प्रॉक्सी चर का चुनाव एक महत्वपूर्ण मुद्दा है जिस पर विचार करने की आवश्यकता है। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि वैश्विक वित्तीय बाजार में अधिकांश निवेश आमतौर पर विविध प्रकार के होते हैं, हम किसी विशेष आस्ति श्रेणी में व्यक्तिगत आस्तियों पर विचार करने के बजाय, उचित सूचकांकों के चयन तक अपनी पसंद को सीमित करते हैं। हम पांच अलग-अलग आस्ति वर्गों और अस्थिरता सूचकांकों पर विचार करते हैं - क्रिप्टोकॉरेसी बाजार (ब्लूमबर्ग गैलेक्सी क्रिप्टो सूचकांक²), इक्विटी बाजार (एमएससीआई वर्ल्ड सूचकांक), शेयर बाजार की

अपेक्षाएं (सीबीओई वीआईएक्स), ट्रेजरी बॉन्ड मार्केट (एमओवीई सूचकांक) और विनिमय दर बाजार (डीएक्सवाई सूचकांक) - विकेन्द्रीकृत वित्त की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए (ब्लूमबर्ग गैलेक्सी डीईएफआई सूचकांक³)।

वीआईएक्स सूचकांक की गणना विकल्प कीमतों के एक पैनल से की जाती है और यह शेयर बाजार का 'जोखिम-तटस्थ' निहित अस्थिरता माप है। इसी तरह, एमओवीई सूचकांक अमेरिकी बांड बाजार में अपेक्षित अल्पकालिक अस्थिरता को मापता है। निवेशकों की भावनाओं के लिए संदर्भित सूचकांक, दोनों दिशाओं में इक्विटी और बांड बाजारों में कथित अस्थिरता का एक संकेतक हैं। यह उम्मीद की जाती है कि डीईएफआई रिटर्न की अस्थिरता सकारात्मक रूप से अस्थिरता सूचकांकों से संबंधित होगी। स्वर्ण और बैंक सावधि जमा को क्रमशः उनके सुरक्षित निवेश और जोखिम-मुक्त स्थिति को देखते हुए हटा दिया गया है।

डेटा सेट दैनिक आवृत्ति के ढाई साल से अधिक की समय अवधि तक फैला हुआ है, क्योंकि डीईएफआई सूचकांक केवल 31 दिसंबर, 2020 से उपलब्ध है। इस उद्देश्य के लिए, हम ब्लूमबर्ग से सभी सूचकांकों के दैनिक समापन मूल्य प्राप्त करते हैं, और निम्नलिखित सूत्र का उपयोग करके दो तुलनीय अवधियों के प्राकृतिक लॉग अंतर अवलोकनों को लेते हुए सूचकांकों के लॉग रिटर्न की गणना करते हैं :

$$I_{i,t} = 100 \times (\ln S_{i,t} - \ln S_{i,t-1}) \quad \dots(1)$$

जहां i प्रत्येक आस्ति वर्ग का प्रतिनिधित्व करता है, $\ln S_{i,t}$ आज का सूचकांक मूल्य है और $\ln S_{i,t-1}$ पिछले दिन का सूचकांक मूल्य है, "ln" लॉग फॉर्म को इंगित करता है। चर और उनके संबंध के बारे में कुछ वर्णनात्मक आंकड़ों के परिणाम (सारणीबद्ध और ग्राफिकल रूप में) अनुबंध (सारणी 1ए, 2ए और चार्ट 1.1) में दिए गए हैं।

ब्रेकप्वाइंट यूनिट रूट टेस्ट के लिए परीक्षण के परिणाम अनुबंध सारणी 3ए में बताए गए हैं। यूनिट रूट के लिए पारंपरिक संवर्धित डिकी फुलर (एडीएफ) परीक्षण के बजाय ब्रेकप्वाइंट यूनिट

² सूचकांक में क्रिप्टोकॉरेसी का भार बाजार पूंजीकरण पर आधारित है जिसमें मार्च 2022 तक बिटकॉइन और एथेरियम में से प्रत्येक का भार 35 प्रतिशत है। अन्य क्रिप्टोकॉरेसी कार्डानो, सोलाना, एवलांच, पोलकाडॉट, आदि हैं, (<https://website.rbi.org.in/documents/87730/39016390/BGCI-FactSheet-Mar-22.pdf>)।

³ सूचकांक एक मार्केट केप-भारित डीईएफआई प्रोटोकॉल और ऐप है जो केंद्रीय वित्तीय मध्यस्थ के बिना उधार, बाजार-निर्माण और बीमा जैसी वित्तीय सेवाएं प्रदान करने के लिए ब्लॉकचेन पर स्मार्ट अनुबंध का उपयोग करता है। सूचकांक में युनिस्वाइप यूएनआई का भार सबसे अधिक 40 प्रतिशत है (https://website.rbi.org.in/documents/87730/39016390/DEFI-FactSheet_Dec_20211.pdf)।

रूट टेस्ट लागू करने का मकसद यह है कि ब्रेकपॉइंट यूनिट रूट टेस्ट श्रृंखला में संरचनात्मक अंतराल की समस्या का समाधान कर सकता है। परीक्षण इंगित करता है कि सभी चर स्थिरांक और प्रवृत्ति दोनों का उपयोग करके स्तर पर स्थिर हैं।

छह आस्ति वर्गों के प्रॉक्सी, यानी विकेंद्रीकृत वित्त (डीईएफआई सूचकांक), ब्लूमबर्ग ग्लोबल क्रिप्टो सूचकांक (बीजीसीआई), ग्लोबल इक्विटी (एमएससीआई वर्ल्ड सूचकांक), शेयर बाजार में अस्थिरता भावनाएं (सीबीओई वीआईएक्स) और बांड बाजार (एमओवीई सूचकांक), विनिमय दर बाजार (डीएक्सवाई सूचकांक) के रिटर्न में स्पिलओवर के प्रभाव का उपयोग किया गया है। यहां, सबसे बड़े वैश्विक क्रिप्टोकॉरेंसी एक्सचेंजों, यानी एफटीएक्स के पतन के कारण बाजार में गिरावट के लिए एक डमी वैरिएबल एफटीएक्स पर विचार किया गया है (11 नवंबर, 2022 से मान '1'; अन्यथा '0')। एफटीएक्स के दिवालियापन और बिनैस के साथ उसके विवाद ने न केवल बाजार में भारी बिकवाली शुरू कर दी, बल्कि क्रिप्टो बाजार से चलनिधि भी कम कर दी।

मॉडल के मापदंडों पर लगाए गए उचित प्रतिबंधों के साथ विषमता और उत्तोलन को पकड़ने के लिए एक एक्सपोजिशनल जनरल ऑटोरेग्रेसिव कंडीशनल हेटेरोस्केडैस्टिक (ईजीएआरसीएच) मॉडल का उपयोग किया गया है। आम तौर पर, विषमता तब उत्पन्न होती है जब एक ही संकेतक के सकारात्मक और नकारात्मक झटके अस्थिरता रिटर्न पर असमान प्रभाव डालते हैं। दूसरी ओर, उत्तोलन विषमता का एक विशेष मामला है और रिटर्न पर नकारात्मक झटके के कारण बढ़ी हुई अस्थिरता और रिटर्न पर सकारात्मक झटके के कारण अस्थिरता में गिरावट से संबंधित है (मैकलेर और हाफनर, 2014)।

नेल्सन (1991) द्वारा प्रस्तावित ईगार्च (1, 1) ढांचे के अनुसार, हम अध्ययन के लिए निम्नलिखित डीईएफआई सूचकांक अस्थिरता समीकरण का अनुमान लगाते हैं:

$$DeFi_t = \beta_0 + \beta_1 DeFi_{t-1} + \beta_2 BGCI_t + \beta_3 DXY_t + \beta_4 VIX + \beta_5 MSCI Equity_t + \beta_6 MOVE Index_t + \beta_7 FTX_t + \varepsilon_t \quad \dots(2)$$

उपरोक्त समीकरण एक माध्य समीकरण है। यह इंगित करता है कि समय 't' ($DeFi_t$) पर डीईएफआई सूचकांक पर औसत रिटर्न अपने स्वयं के अंतराल, समग्र क्रिप्टोकॉरेंसी सूचकांक

(बीजीसी आई), विनिमय दर डीएक्सवाई सूचकांक, एमसीआईई विश्व सूचकांक, सीबीओई अस्थिरता सूचकांक (वीआईएक्स), ट्रेजरी बाजार एमओवीई सूचकांक, एफटीएक्स डमी और त्रुटि शब्द (ε_t) पर निर्भर है। इसके अलावा, ε_t कुछ विलंबित जानकारी (Ω_{t-1}) पर निर्भर है और इसे सामान्य रूप से शून्य माध्य और इसके विचरण (h_t) के साथ वितरित माना जाता है।

$$\varepsilon_t | \Omega_{t-1} \sim N(0, h_t) \quad \dots(3)$$

यहां, ईगार्च मॉडल के लिए विचरण समीकरण को इस प्रकार लिखा जा सकता है:

$$\log(h_t) = C + \alpha_1 \log(h_{t-1}) + \alpha_2 (\varepsilon_{t-1} / \sqrt{h_{t-1}}) + \alpha_3 \left[\frac{|\varepsilon_{t-1}|}{\sqrt{h_{t-1}}} - \sqrt{\frac{2}{\pi}} \right] + \gamma_1 |\alpha_3 BGCI_t + \alpha_4 DXY_t + \alpha_5 VIX_t + \alpha_6 MSCI Equity_t + \alpha_7 Move Index_t| \quad \dots(4)$$

यह मॉडल सशर्त विचरण के लॉग के कारण गार्च विचरण संरचना से भिन्न होता है। इसका तात्पर्य यह है कि उत्तोलन प्रभाव वर्गाकार के बजाय घातांकीय है और सशर्त विचरण का पूर्वानुमान निश्चित रूप से सकारात्मक होगा। उत्तोलन प्रभाव की उपस्थिति का परीक्षण $\alpha_2 < 0$ द्वारा किया जा सकता है। यदि $\alpha_2 \neq 0$ है, तो प्रभाव असममितिय है।

V. परिणाम

निम्नलिखित अनुमान परिणाम डीईएफआई रिटर्न पर सभी पांच आस्ति श्रेणियों और एफटीएक्स डमी के महत्व को इंगित करता है (सारणी 6)।

ईगार्च अनुमान परिणाम इंगित करता है कि डीएक्सवाई और वीआईएक्स को छोड़कर सभी चर के माध्य समीकरण में सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण गुणांक हैं, जबकि आर्च, गार्च और उत्तोलन प्रभाव के सभी तीन गुणांक के साथ-साथ बीजीसीआई को छोड़कर हमारे अध्ययन चर के गुणांक विचरण समीकरण में महत्वपूर्ण हैं। माध्य समीकरण में, बीजीसीआई (क्रिप्टोकॉरेंसी बाजार) का डीईएफआई के साथ सकारात्मक और महत्वपूर्ण जुड़ाव है, जो इन दोनों बाजारों के बीच अधिक एकीकरण को दर्शाता है, लेकिन विचरण समीकरण में इसका कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं है। डीएक्सवाई और वीआईएक्स गुणांक माध्य समीकरण में महत्वपूर्ण नहीं हैं, लेकिन विचरण समीकरण में

सारणी 6: ईगार्च (1,1) अनुमान परिणाम

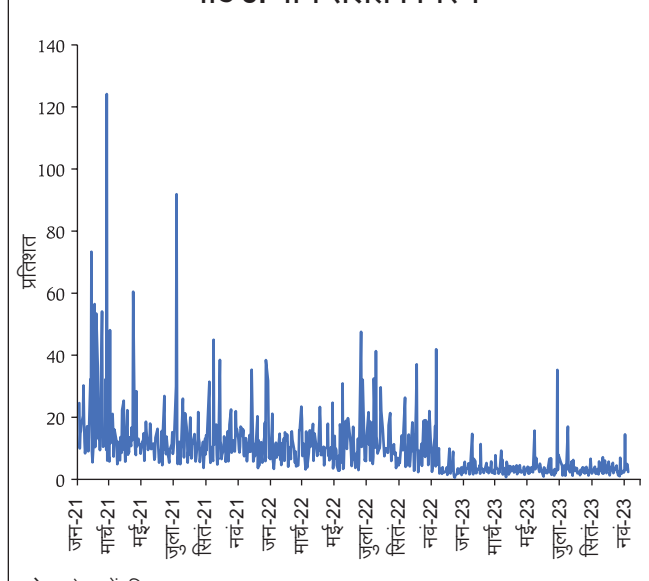
चर	गुणांक	मानक त्रुटि	z-सांख्यिकीय	संभाव्यता
आश्रित चर: डीईएफआई				
माध्य समीकरण				
डीईएफआई (-1)	-0.045***	0.015	-2.939	0.003
बीजीसीआई	1.110***	0.019	59.272	0.000
डीएक्सवाई	0.279	0.184	1.513	0.130
वीआईएक्स	0.009	0.019	0.465	0.642
एमएससीआई इक्विटी	0.270*	0.144	1.870	0.062
एमओवीई सूचकांक	-0.030*	0.017	-1.729	0.084
एफटीएक्स	-0.275**	0.116	-2.375	0.018
विचरण समीकरण				
सी	1.741***	0.193	9.041	0.000
आर्च(1)	0.406***	0.072	5.679	0.000
लीवरेज {1}	0.103**	0.047	2.187	0.029
गार्च {1}	0.130*	0.077	1.690	0.091
बीजीसीआई	0.009	0.009	0.941	0.347
डीएक्सवाई	0.353***	0.119	2.955	0.003
वीआईएक्स	0.054***	0.010	5.645	0.000
एमएससीआई इक्विटी	0.607***	0.082	7.408	0.000
एमओवीई सूचकांक	0.051***	0.010	4.848	0.000
अवशिष्ट निदान				
अकार्डके इन्फो मानदंड	-4.825	समायोजित आर-वर्ग		0.709
डबलिन-वाटसन स्टैट	1.86	लॉग-संभावना		-1715
क्यू2 (36)	26.35 (0.88)	अचि -एलएम		0.107 (0.744)

नोट: ***, **, और * क्रमशः 1 प्रतिशत, 5 प्रतिशत और 10 प्रतिशत पर महत्व स्तर दर्शाते हैं।

डीईएफआई बाजार पर सकारात्मक प्रभाव डालते हैं, जिसे विदेशी मुद्रा बाजार और शेयर बाजार की अस्थिरता के संबंध में डीईएफआई में बढ़ती अस्थिरता के प्रमाण के रूप में देखा जा सकता है। एमएससीआई वर्ल्ड इंडेक्स रिटर्न के गुणांक माध्य और विचरण दोनों समीकरणों में सकारात्मक और महत्वपूर्ण हैं, जो दर्शाता है कि वैश्विक इक्विटी बाजार में विकेंद्रीकृत वित्त के साथ महत्वपूर्ण सह-आंदोलन है। इसी तरह, जहां तक चलनिधि उद्देश्य की बात है, एमओवीई इंडेक्स (यूएस ट्रेजरी मार्केट) की अस्थिरता, विचरण समीकरण में डीईएफआई बाजार की अस्थिरता के साथ सकारात्मक रूप से सहसंबद्ध है। इसके अलावा, एफटीएक्स डमी डीईएफआई रिटर्न और नकारात्मक आघात पर अत्यधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि संपूर्ण क्रिप्टोकॉरेसी बाजार गर्म हो गया है और पारंपरिक वित्त में बढ़ोतरी हुई है।

विचरण समीकरण में, गार्च और आर्च गुणांक अपेक्षा के अनुरूप सकारात्मक हैं, लेकिन प्राथमिक अपेक्षाओं के विपरीत उत्तोलन गुणांक भी सकारात्मक है। नकारात्मक उत्तोलन इंगित करता है कि सकारात्मक रिटर्न की तुलना में उच्च नकारात्मक रिटर्न के बाद अधिक अस्थिरता होती है, अर्थात्, बड़े अप्रत्याशित गिरावट वाले झटके विचरण को बढ़ाते हैं। हालाँकि, प्रत्येक बाजार में और हर समय ऐसा होना जरूरी नहीं है (ब्लैक 1976; फिग्लेव्स्की और वांग, 2000; हर्बर्ट एट अल., 2019)। चूँकि हम संकट काल (कोविड) को कवर कर रहे हैं, इसलिए कुछ विसंगतियाँ हो सकती हैं जिनके लिए उत्तोलन गुणांक सकारात्मक है लेकिन अत्यधिक महत्वपूर्ण है। इसका तात्पर्य यह है कि डीईएफआई रिटर्न के गिरावट के बाद समान परिमाण में ऊपर की ओर बढ़ने की तुलना में अधिक अस्थिरता होती है।

सशर्त विचरण नीचे दिया गया ग्राफ ब्लूमबर्ग गैलेक्सी डीईएफआई सूचकांक रिटर्न की गार्च सशर्त अस्थिरता दर्शाता है। सशर्त विचरण ग्राफ में अस्थिरता एक गिरावट की प्रवृत्ति को दर्शाती है क्योंकि हम महामारी के प्रारंभिक चरण से महामारी के बाद की अवधि यानी 2020 से 2022 तक की ओर बढ़ते हैं, लेकिन फेड की मौद्रिक नीति दर में बढ़ोतरी और एफटीएक्स संक्रमण की अवधि में फिर से वृद्धि हुई है (चार्ट 8)।

चार्ट 8: गार्च सशर्त विचरण

स्रोत: लेखकों की गणना

VI. निष्कर्ष

वितरित लेजर प्रौद्योगिकी और स्मार्ट अनुबंध डीईएफआई के रूप में नवाचार का वादा करते हैं, जो लेनदेन लागत को कम कर सकता है और पहुंच में सुधार कर सकता है। हालाँकि, विशुद्ध रूप से तकनीकी पहलुओं की सीमाएँ हैं और वित्तीय पहलुओं में वे पारंपरिक वित्त की दृष्टि और ढांचे से मेल नहीं खाते हैं। अब तक, अनुभव से पता चलता है कि डीईएफआई की कमजोरियाँ डीईएफआई के लिए समर्थित लाभों से अधिक हैं। अनुभवजन्य विश्लेषण से, हमने देखा कि डीईएफआई मूल्य अस्थिरता और वित्तीय बाजार आस्ति वर्गों में अस्थिरता सकारात्मक रूप से सहसंबद्ध हैं। हमारे निष्कर्षों से पता चलता है कि क्रिप्टोकॉरेंसी में रुचि वास्तविक आर्थिक लेनदेन के लिए भुगतान के साधन के बजाय सट्टेबाजी के मकसद से प्रेरित है। यह निष्कर्ष यूके एफसीए के एक सर्वेक्षण के अनुसार है कि अधिकांश निवेशक (38 प्रतिशत) क्रिप्टोकॉरेंसी में निवेश करते हुए इसे 'पैसा बनाने या खोने का जुआ' मानते हैं जो जोखिम उठाने वाले व्यवहार (एफसीए, 2021) को दर्शाता है। चूंकि क्रिप्टो पारितंत्र में जवाबदेही और स्थिरता का अभाव है और यह विनियामक अस्पष्टता से चिह्नित है, खुदरा निवेशकों को अधिक सतर्क रहने की आवश्यकता है।

कुछ क्रिप्टो को मौलिकता द्वारा समर्थित किया जा सकता है; हालाँकि, यदि मौलिकता स्वयं एक और अस्थिर डिजिटल संपत्ति है जिसमें कोई पारदर्शिता और केंद्रीय बैंक का समर्थन नहीं है, तो सुरक्षा उपायों के बिना क्रिप्टो प्रणाली संकट में पड़ सकती है। "क्रिप्टोकॉरेंसी, निजी क्रिप्टोकॉरेंसी शब्द यह वर्णन करने का एक फैशनेबल तरीका है कि अन्यथा 100 प्रतिशत सट्टा गतिविधि क्या है" (दास, 2023)। सीमाहीन, अस्थिर डीईएफआई को वैश्विक विनियमन की आवश्यकता है; हालाँकि, विनियमित करने के लिए सबसे पहले जोखिम भरी संपत्ति की स्पष्टता होनी चाहिए (आईएमएफ, 2023)। एफटीएक्स और बिनेंस के हालिया पतन ने देश के विशिष्ट नियमों/प्रतिबंधों की सीमाओं और उनसे जुड़े गंभीर जोखिमों को उजागर किया है। जैसे-जैसे डीईएफआई विकसित और परिपक्व हो रही है और पारंपरिक वित्तीय प्रणाली के साथ इसका परस्परिक प्रभाव बढ़ता जा रहा है, जोखिमों के खिलाफ इसकी उपयोगिता आगे के विश्लेषण की मांग करती है।

सन्दर्भ:

- Aiello, D., Baker, S. R., Balyuk, T., Di Maggio, M., Johnson, M. J., & Kotter, J. D. (2023). *Who Invests in Crypto? Wealth, Financial Constraints, and Risk Attitudes* (No. w31856). National Bureau of Economic Research.
- Aramonte, S., Huang, W., & Schrimpf, A. (2021). DeFi Risks and the Decentralisation Illusion. *BIS Quarterly Review*, 21.
- Arslanian, H. (2022). Decentralised Finance (DeFi). *The Book of Crypto: The Complete Guide to Understanding Bitcoin, Cryptocurrencies and Digital Assets* (pp. 291-313). Cham: Springer International Publishing.
- Auer, R., Cornelli, G., Doerr, S., Frost, J., & Gambacorta, L. (2022). *Crypto Trading and Bitcoin Prices: Evidence from a New Database of Retail Adoption* (No. 1049). Bank for International Settlements.
- Azar, P. D., Baughman, G., Carapella, F., Gerszten, J., Lubis, A., Perez-Sangimino, J. P., ... & Rappoport W, D. E. (2022). The Financial Stability Implications of Digital Assets. *FRB of New York Staff Report*, (1034).
- BIS. (2022). Annual Economic Report 2022. <https://www.bis.org/publ/arpdf/ar2022e.htm>
- Black F. (1976). Studies of Stock Price Volatility Changes. *Proceedings of the 1976 Meeting of the Business and Economic Statistics Section*, 177-181.
- Carter, N., & Jeng, L. (2021). DeFi protocol risks: The paradox of DeFi. *Regtech, supotech and beyond: innovation and technology in financial services* riskbooks–forthcoming Q. 3.
- Coinmarketcap, (2023). <https://coinmarketcap.com/>
- Cornelli, G., Gambacorta, L., Garratt, R., & Reghezza, A. (2024). *Why DeFi lending? Evidence from Aave V2* (No. 1183). Bank for International Settlements.
- Das, S. (2023). "G20 for a Better Global Economic Order during India's Presidency" speech delivered at 17th K P Hormis Commemorative Lecture https://www.rbi.org.in/Scripts/BS_SpeechesView.aspx?Id=1356

Defillama, <https://defillama.com/>, 2022.

FCA (2021). Research Note: Cryptoasset consumer research. <https://www.fca.org.uk/publications/research/research-note-cryptoasset-consumer-research-2021>.

Figlewski, Stephen & Wang, Xiaozu (2000). Is the 'Leverage Effect' a Leverage Effect? *SSRN 256109* <https://ssrn.com/abstract=256109>.

Financial Stability Board (2022). Assessment of Risks to Financial Stability from Crypto-assets. <https://www.fsb.org/wp-content/uploads/P160222.Pdf>.

Global Financial Stability Report, April 2022: Shockwaves from the War in Ukraine Test the Financial System's Resilience. (2022). <https://www.imf.org/en/Publications/GFSR/Issues/2022/04/19/global-financial-stability-report-april-2022>

Harvey, Campbell R., Ashwin Ramachandran, & Joey Santoro. (2021). *DeFi and the Future of Finance*. John Wiley & Sons.

Herbert, W. E., Ugwuanyi, G. O., & Nwaocha, E. I. (2019). Volatility Clustering, Leverage Effects and Risk-Return Trade-Off in the Nigerian Stock Market. *Journal of Finance and Economics*, 2019, 7(1), 1-13.

IMF (2023). <https://www.imf.org/en/News/Podcasts/All-Podcasts/2023/11/09/shaktikanta-das-gov-talks>

McAleer, M., & Hafner, C. M. (2014). A one-line derivation of EGARCH. *Econometrics*, 2(2), 92-97.

Nelson, D. B. (1991). Conditional Heteroscedasticity in Asset Returns: A New Approach, *Econometrica: Journal of the Econometric Society*, 59(2), 347-370.

Statista. (2024). <https://www.statista.com/statistics/730782/cryptocurrencies-market-capitalization/>

अनुबंध
सारणी 1ए : चरों के वर्णनात्मक आँकड़े

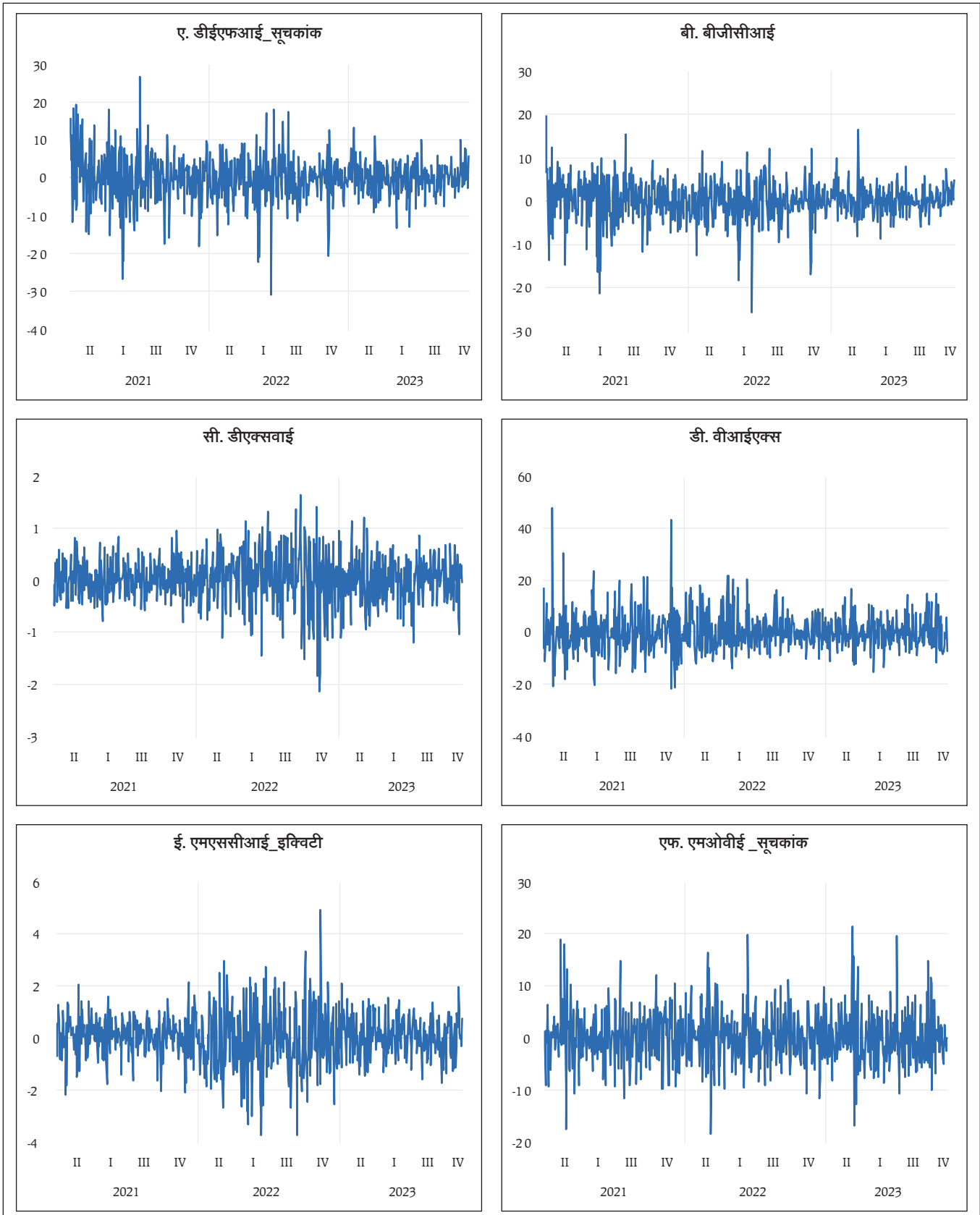
	डीईएफआई_सूचकांक	बीजीसीआई	डीएक्सवाई	वीआईएक्स	एमएससीआई_इक्विटी	एमओवीई_सूचकांक
माध्य	-0.05	0.05	0.02	-0.05	0.01	0.15
माध्यिका	-0.02	0.08	0.03	-0.93	0.03	0.13
अधिकतम	26.63	19.83	1.64	48.02	4.93	21.46
न्यूनतम	-30.85	-25.78	-2.14	-22.04	-3.73	-18.45
स्टैंड.डीवीए.	5.95	4.53	0.46	7.36	0.98	5.03
विषमता	-0.28	-0.59	-0.34	1.01	-0.06	0.33
कुटोसिस	6.00	6.61	4.42	7.50	4.61	4.65
जर्क-बेरा	279.31	431.79	73.85	730.66	78.37	94.15
संभाव्यता	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00

सारणी 2ए: सहसंबंध विश्लेषण

	डीईएफ	बीजीसीआई	डीएक्सवाई	वीआईएक्स	एमएससीआई_इक्विटी	एमओवीई
डीईएफ	1					
	-					
बीजीसीआई	0.84	1				
	(0.00)	-				
डीएक्सवाई	-0.20	-0.23	1			
	(0.00)	(0.00)	-			
वीआईएक्स	-0.27	-0.30	0.24	1		
	(0.00)	(0.00)	(0.00)	-		
एमएससीआई_इक्विटी	0.38	0.41	-0.49	-0.70	1	
	(0.00)	(0.00)	(0.00)	(0.00)	-	
एमओवीई	-0.15	-0.11	0.29	0.37	-0.32	1
	(0.00)	(0.00)	(0.00)	(0.00)	(0.00)	-

नोट: कोष्ठकों में दिए गए आंकड़े 5 प्रतिशत महत्व स्तर पर संभाव्यता मान दर्शाते हैं।

चार्ट 1.1: आश्रित और स्वतंत्र चर विवरणियों के क्षेत्र



सारणी 3ए: यूनिट रूट टेस्ट - ट्रेंड और इंटरसेप्ट के साथ एडीएफ ब्रेकप्वाइंट टेस्ट

चर	टी-सांख्यिकीय	संभाव्यता
डीईएफआई	-29.411*	0.000
बीजीसीआई	-24.843*	0.000
एमएससीआई इक्विटी	-22.082*	0.001
वीआईएक्स	-26.902*	0.002
एमओवीई सूचकांक	-24.106*	0.004
डीएक्सवाई	-21.023*	0.000

नोट: * 1 प्रतिशत पर महत्व स्तर दर्शाता है।

सारणी 4ए: बहुसंरेखता परीक्षण - विचरण मुद्रास्फीति कारक (वीआईएफ)

चर	भिन्नता का गुणांक	वीआईएफ
डीईएफआई	0.000	1.33
बीजीसीआई	0.000	1.41
डीएक्सवाई	0.034	1.47
वीआईएक्स	0.000	2.22
एमएससीआई इक्विटी	0.021	2.41
एमओवीई सूचकांक	0.000	1.39
एफटीएक्स	0.013	1.17

नोट: बहुसंरेखता का कोई प्रमाण नहीं है क्योंकि सभी सहसंयोजकों के लिए वीआईएफ मान 10 से बहुत कम है।

भारतीय रिज़र्व बैंक का मुद्रा स्वैप: जीएफएसएन में भूमिका और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सहयोग को बढ़ावा देना

अजेश पलाई द्वारा[^]

केंद्रीय बैंक मुद्रा स्वैप ने वैश्विक वित्तीय संकट के बाद से वैश्विक वित्तीय प्रणाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, विशेष रूप से द्विपक्षीय और क्षेत्रीय वित्तपोषण व्यवस्था के माध्यम से। सार्क मुद्रा स्वैप फ्रेमवर्क और ब्रिक्स आकस्मिक रिज़र्व व्यवस्था के माध्यम से, आरबीआई जीएफएसएन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कोविड-19 महामारी के दौरान, सार्क मुद्रा स्वैप फ्रेमवर्क के तहत रिज़र्व बैंक का स्वैप समर्थन काफी बढ़ गया। भारत की स्वस्थ विदेशी मुद्रा भंडार स्थिति को ध्यान में रखते हुए, केंद्रीय बैंक मुद्रा स्वैप में भारत के बाह्य वित्तीय सहयोग को और बढ़ावा देने की क्षमता है।

I. भूमिका

वित्तीय और आर्थिक सहयोग देशों के बीच संबंधों का एक अभिन्न अंग रहा है। समय के साथ देशों के बीच आर्थिक संबंध व्यापारिक गतिविधियों से निवेश, सहायता और अनुदान, क्रेडिट और प्रेषण जैसी विकासात्मक सहायता स्वरूप वित्तीय गतिविधियों के व्यापक स्पेक्ट्रम तक विस्तारित हुए हैं। 20 वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में वैश्वीकरण ने देशों के बीच आर्थिक संबंधों को और नया आकार दिया है। विभिन्न वित्तीय संकट की घटनाओं अर्थात् एशियाई वित्तीय संकट 1997-98 और वैश्विक वित्तीय संकट 2008 और उनके प्रतिकूल परिणामों और प्रभाव-विस्तार को कम करने की आवश्यकता ने देशों के बीच, विशेष रूप से क्षेत्रीय स्तर पर वित्तीय और आर्थिक सहयोग को गहरा किया है (हेनिंग, 2011)।

[^] लेखक भारतीय रिज़र्व बैंक के अंतरराष्ट्रीय विभाग से हैं। लेखक इस आलेख को तैयार करने में प्रोत्साहन और मूल्यवान मार्गदर्शन के लिए श्री राजन गोयल को धन्यवाद देना चाहते हैं। लेखक श्रीमती गुंजीत कौर और श्रीमती स्मिता शर्मा के उनके बहुमूल्य इनपुट के लिए आभारी हैं और श्रीजीत एस के योगदान और बाह्य निवेश और परिचालन विभाग (डीईआईओ) की टिप्पणियों की सराहना करते हैं। आलेख में व्यक्त किए गए विचार लेखक के हैं और भारतीय रिज़र्व बैंक के विचारों को नहीं दर्शाते हैं।

वित्तीय और आर्थिक सहयोग के क्षेत्र में, वैश्विक वित्तीय सुरक्षा नेट (जीएफएसएन) एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। जीएफएसएन संस्थागत व्यवस्थाओं और तंत्रों के एक समूह के लिए एक छत्र शब्द है जो एक संकट के खिलाफ एहतियाती सहायता प्रदान करता है और मजबूत समष्टिआर्थिक नीतियों को अपनाने को प्रोत्साहित करते हुए संकट के दौरान चलनिधि सहायता प्रदान करता है। जीएफएसएन में मुख्य रूप से चार चरण हैं: राष्ट्रीय स्तर पर देशों का अपना भंडार, द्विपक्षीय स्तर पर केंद्रीय बैंकों के बीच स्वैप व्यवस्था, क्षेत्रीय स्तर पर देशों के बीच वित्तीय संसाधनों की पूलिंग, जिसे क्षेत्रीय वित्तपोषण व्यवस्था (आरएफए) और मूल रूप से अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के रूप में संदर्भित किया जाता है, यह एक वैश्विक वित्तीय बैकस्टॉप प्रदान करता है। केंद्रीय बैंक मुद्रा स्वैप व्यवस्था जीएफएसएन के प्रमुख तत्वों में से एक है, जो मुख्य रूप से द्विपक्षीय स्वैप और आरएफए¹ के माध्यम से कार्य करती है। जीएफएसएन के कुल 18 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के संसाधनों में से, मुद्रा स्वैप व्यवस्था लगभग 2,817 बिलियन अमेरिकी डॉलर है। स्वैप व्यवस्थाओं में क्रमशः 2.0 बिलियन अमेरिकी डॉलर और 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर के योगदान के साथ सार्क² मुद्रा स्वैप फ्रेमवर्क और ब्रिक्स³ आकस्मिक आरक्षित व्यवस्था (सीआरए) शामिल हैं (सारणी 1)।

केंद्रीय बैंक स्वैप लाइनें विशेष रूप से चलनिधि दबाव और भुगतान संतुलन संकट के समय विदेशी मुद्रा वित्त पोषण के मुद्दों को हल करने में मदद करती हैं। जबकि केंद्रीय बैंक घरेलू वित्तीय संस्थानों को स्थानीय मुद्रा चलनिधि से उत्पन्न किसी भी दबाव को दूर करने के लिए स्थानीय मुद्रा प्रदान कर सकते हैं, केंद्रीय बैंक की विदेशी मुद्रा प्रदान करके समर्थन देने की क्षमता उनके पास मौजूद विदेशी मुद्रा भंडार से बाधित है। इस संदर्भ में, केंद्रीय बैंकों के लिए अन्य केंद्रीय बैंकों के साथ विदेशी मुद्रा स्वैप लाइनों तक पहुंच होना महत्वपूर्ण है, जो स्वैप लाइनों की पेशकश करने के इच्छुक हैं।

¹ भले ही आईएमएफ ऋण तकनीकी रूप से मुद्रा स्वैप की प्रकृति में हैं, आईएमएफ इन्हें एक दिशात्मक के रूप में मानता है।

² दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, भारत, मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच एक संगठन है, जिसका उद्देश्य क्षेत्र के सभी देशों के विकास और प्रगति को बढ़ावा देना है।

³ ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका का समूह

सारणी 1: प्रमुख केंद्रीय बैंक मुद्रा स्वैप व्यवस्था का एक स्नैपशॉट

क्रम सं.	स्वैप लाइनें/व्यवस्थाएं	मूल्य यूएस \$ बिलियन	संख्या
द्विपक्षीय स्वैप व्यवस्था*			
1	आरक्षित मुद्रा जारीकर्ता @	713	15
2	फेडरल रिज़र्व (अन्य)	450	9
3	पीपुल्स बैंक ऑफ़ चाइना	1,042	34
4	बैंक ऑफ़ जापान	224	6
5	सार्क स्वैप फ्रेमवर्क	2	3
6	अन्य	46	10
आरएफए#			
1	सीएमआईएम	240	-
2	ब्रिक्स सीआरए	100	-
	कुल	2817	

अगस्त 2020 के अंत तक डेटा

@: मूल्य का अनुमान यूएस फेडरल रिज़र्व, यूरोपीय सेंट्रल बैंक, बैंक ऑफ़ जापान, बैंक ऑफ़ इंग्लैंड, बैंक ऑफ़ कनाडा और स्विस् नेशनल बैंक के बीच स्वैप लाइनों (असीमित) के ऐतिहासिक उपयोग के आधार पर लगाया जाता है।

*स्रोत: रिज़र्व बैंक ऑफ़ ऑस्ट्रेलिया की गणनाएं।

#स्रोत: आसियान + 3 समष्टि आर्थिक अनुसंधान कार्यालय (एएमआरओ) और ब्रिक्स सीआरए संधि।

वैश्विक वित्तीय संकट (जीएफसी) ने केंद्रीय बैंक स्वैप लाइनों के माध्यम से वित्तीय सहयोग को गति प्रदान की। अमेरिकी फेडरल रिज़र्व ने अल्पकालिक डॉलर फंडिंग बाजारों में बढ़े हुए दबावों को दूर करने के लिए जीएफसी के दौरान चयनित केंद्रीय बैंकों तक अमेरिकी डॉलर स्वैप लाइनों का विस्तार किया। ये स्वैप लाइनें चलनिधि संबंधी व्यवधानों के प्रबंधन में सहायक थीं (गोल्डबर्ग एवं अन्य., 2010)। कोविड-19 महामारी के दौरान, यूएस फेडरल रिज़र्व ने केंद्रीय बैंक स्वैप लाइनों के माध्यम से नौ केंद्रीय बैंकों⁴ को चलनिधि प्रदान की। अमेरिकी फेडरल रिज़र्व⁵ सहित छह केंद्रीय बैंकों ने अमेरिकी डॉलर की चलनिधि के प्रावधान को और बढ़ाने के लिए एक समन्वित कार्रवाई की घोषणा की। जीएफसी के बाद, चीन ने व्यापार को बढ़ावा देने और चीनी युआन (सीएनवाई) (सेंट्रल बैंक करेंसी स्वैप ट्रेकर)

⁴ ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कोरिया, मैक्सिको, सिंगापुर, स्वीडन, डेनमार्क, नॉर्वे और न्यूजीलैंड के केंद्रीय बैंक।

⁵ बैंक ऑफ़ इंग्लैंड, स्विस् नेशनल बैंक, यूरोपीय सेंट्रल बैंक, बैंक ऑफ़ कनाडा और बैंक ऑफ़ जापान।

के अंतरराष्ट्रीयकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 32 प्रतिपक्षों के साथ द्विपक्षीय स्वैप व्यवस्था में प्रवेश किया। आसियान + 3 देशों ने 2010 में चियांग माई पहल बहुपक्षीकरण (सीएमआईएम) की स्थापना एक बहुपक्षीय मुद्रा स्वैप तंत्र के रूप में की ताकि सदस्य देशों के लिए वित्त पोषण की बैकस्टॉप लाइन प्रदान की जा सके⁶। इसी तरह, ब्रिक्स देशों ने संकट के दौरान ब्रिक्स देशों का समर्थन करने के लिए बहुपक्षीय मुद्रा स्वैप तंत्र के रूप में 2015 में सीआरए की स्थापना की⁷। जीएफसी के बाद, भारत ने सार्क क्षेत्र में व्यापक आर्थिक और वित्तीय स्थिरता का समर्थन करने और सार्क देशों के बीच आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए 2012 में सार्क मुद्रा स्वैप फ्रेमवर्क लॉन्च किया। कई केंद्रीय बैंक स्वैप व्यवस्थाएं आज स्थायी संस्थागत स्वैप तंत्र में विकसित हो गई हैं (मिंगकी जू, 2016)। इनमें से कुछ स्वैप व्यवस्थाएं अपनी मुद्राओं के अंतरराष्ट्रीयकरण को प्राप्त करने के देशों के बड़े लक्ष्य का एक हिस्सा भी हैं।

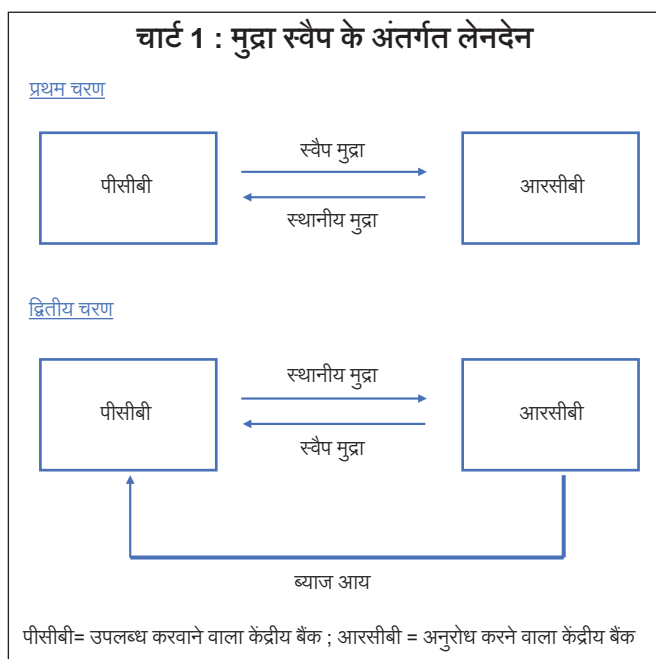
उपरोक्त पृष्ठभूमि के खिलाफ, यह आलेख अन्य केंद्रीय बैंकों के साथ भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) की विभिन्न मुद्रा स्वैप व्यवस्थाओं और इन स्वैप व्यवस्थाओं द्वारा निभाई गई सहायक भूमिका को कवर करने का प्रयास करता है। तदनुसार, शेष आलेख को पांच खंडों में विभाजित किया गया है। खंड II मुद्रा स्वैप व्यवस्था की अवधारणा और उद्देश्यों को प्रस्तुत करता है। खंड III और IV क्रमशः सार्क मुद्रा स्वैप फ्रेमवर्क और ब्रिक्स सीआरए को कवर करते हैं। खंड V में अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संबंधों को बढ़ावा देने के लिए स्वैप लाइनों की भूमिका पर चर्चा की गई है, जिसमें खंड VI में समापन टिप्पणी है।

II. मुद्रा स्वैप सुविधा: अवधारणा और उद्देश्य

मुद्रा स्वैप लेनदेन का अर्थ अनुरोध करने वाले केंद्रीय बैंक और सहायता प्रदान करने वाले केंद्रीय बैंक के बीच एक लेनदेन जिसके द्वारा अनुरोध करने वाला केंद्रीय बैंक सहायता प्रदान करने वाले केंद्रीय बैंक से अपनी मुद्रा (स्थानीय मुद्रा) के

⁶ चियांग माई पहल (सीएमआई) 1997-1998 में एशियाई वित्तीय संकट के बाद शुरू हुई एक द्विपक्षीय स्वैप तंत्र थी।

⁷ जुलाई 2014 में सीआरए संधि पर हस्ताक्षर किए गए थे।



बदले अमेरिकी डॉलर या किसी अन्य विदेशी मुद्रा (स्वैप मुद्रा) की खरीद करता है और बाद की तारीख में स्वैप मुद्रा के बदले स्थानीय मुद्रा की पुनर्खरीद करता है। उस चरण के लेनदेन की विनिमय दर भावी चरणों के लेनदेन पर भी लागू की जाएगी। स्वैप प्राप्तकर्ता केंद्रीय बैंक अपने घरेलू बैंकों और वित्तीय संस्थानों को अपने नियमों, शर्तों और जोखिमों पर स्वैप की गई मुद्रा उधार दे सकता है (चार्ट 1)।

स्वैप तंत्र विदेशी मुद्रा चलनिधि आवश्यकताओं के लिए धन की बैंकस्टॉप लाइन प्रदान करके या भुगतान दबाव के अल्पकालिक संतुलन को संबोधित करके संकट के दौरान वित्तीय स्थिरता बनाए रखने में मदद करेगा। जीएफसी और कोविड-19 महामारी के दौरान चुनिंदा देशों के लिए यूएस फेड रिज़र्व की स्वैप लाइनों ने पर्याप्त अमेरिकी डॉलर की चलनिधि सुनिश्चित करने और वित्तीय अस्थिरता जोखिम को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई (पवर्स एवं अन्य., 2021)।

स्वैप आमतौर पर तीन या छह महीने या एक वर्ष की प्रारंभिक अवधि के लिए बढ़ाया जाता है, इसके बाद सहमत शर्तों के अनुसार रोलओवर (नवीनीकरण) किया जाता है। रोलओवर अवधि सहित आहरण के पूरे दौर के बाद, सहायता प्रदान करने वाले देश आम तौर पर सुविधा के लिए बार-बार सहायता प्रदान

करने से बचने के उद्देश्य से अगले आहरण से पहले एक मानक प्रतीक्षा अवधि निर्धारित करते हैं। मुद्रा स्वैप की एक उल्लेखनीय विशेषता यह है कि स्वैप मुद्रा और स्थानीय मुद्रा के बीच विनिमय दर आहरण की मूल्य तिथि पर तय की जाती है और उसी समय और भावी लेनदेन दोनों के लिए समान रहती है।

स्वैप तंत्र का कीमत निर्धारण एक महत्वपूर्ण पहलू है। आमतौर पर, स्वैप आहरण के ब्याज को स्वैप आहरण की मुद्रा के आधार पर जमानती एकदिवसीय वित्तपोषण दर (एसओएफआर), यूरो अल्पावधिक दर (ईएसटीआर) लंदन अंतर-बैंक प्रस्तावित दर (लाइबोर)⁸ आदि जैसे वित्तीय बेंचमार्क के साथ बेंचमार्क किया जाता है। चूक जोखिम सहित शामिल कई जोखिमों को कवर करने के लिए इस बेंचमार्क में एक स्प्रेड जोड़ा जाता है। स्वैप की मात्रा और अवधि, प्राप्तकर्ता देश की सॉवरेन क्रेडिट रेटिंग, स्वैप के पुनर्भुगतान के पिछले रिकॉर्ड और अन्य बाह्य दायित्व, चूक की संभावना, परिचालन शुल्क और भू-राजनीतिक विचार के लिए प्रमुख कारक हैं जबकि सहायता प्रदान करने वाला पक्ष स्प्रेड पर निर्णय लेता है। बेंचमार्क आमतौर पर स्वैप के नवीनीकरण के समय पुनर्निर्धारित किया जाता है। स्वैप तंत्र में सामान्यतः चूक होने पर दंडात्मक ब्याज दर का प्रावधान होता है।

स्वैप तंत्र के साथ कुछ जोखिम जुड़े हैं। मुद्रा स्वैप के साथ क्रेडिट जोखिम स्वाभाविक रूप से उच्च है क्योंकि ज्यादातर, संकट/कठिन स्थिति से निपटने के लिए देशों को स्वैप समर्थन दिया जाता है। यदि प्राप्तकर्ता केंद्रीय बैंक चूक करता है, तो सहायता प्रदान करने वाले पक्ष के पास प्राप्तकर्ता देश की मुद्रा के रूप में संपार्श्विक ही रह जाता है। चूक की स्थिति में, प्राप्तकर्ता देश की मुद्रा स्वैप दर के सापेक्ष अपना मूल्य खोने की संभावना है जिस दर पर स्वैप निष्पादित किया गया था। इससे सहायता प्रदान करने वाली पार्टी को नुकसान होगा। इसके कारण, सहायता प्रदान करने वाले केंद्रीय बैंक, जब भी वे उन देशों के साथ स्वैप में प्रवेश करते हैं जिनके पास अत्यधिक अस्थिर मुद्राएं हैं, तो स्वैप लेनदेन अवधि के दौरान स्थानीय मुद्रा के आवधिक पुनर्मूल्यांकन का प्रावधान करना शामिल होता है।

⁸ लाइबोर से चरणबद्ध तरीके से बाहर निकलने से पहले।

एक और चिंता यह है कि चूक होने पर प्राप्तकर्ता देश की मुद्रा के रूप में संपार्श्विक का सहायता प्रदान करने वाला पक्ष कैसे उपयोग करेगा। आम तौर पर, ऐसी चूक स्थिति को हल करने के लिए नीचे दी गई प्रक्रियाओं का पालन किया जाता है:

- दोनों देश या तो ऋण चुकौती का पुनर्निर्धारण करके एक पुनर्गठन योजना के लिए सहमत होते हैं या/और देश बकाया दायित्व में कटौती और अन्य छूटों के लिए सहमत हो सकते हैं।
- सहायता प्रदान करने वाले केंद्रीय बैंक अनुरोध करने वाले केंद्रीय बैंक को अनुरोध करने वाले देश के ब्याज, विपणन योग्य सॉवरेन ऋण में स्थानीय मुद्रा का निवेश करने का निर्देश दे सकता है। ऐसे तंत्र के माध्यम से प्रदायकर्ता पक्ष ब्याज दर प्राप्त करने में सक्षम होगा।
- प्रदाता देश अनुरोध करने वाले देश के साथ द्विपक्षीय व्यापार निपटान के लिए स्थानीय मुद्रा शेष का उपयोग कर सकता है। इस शेष राशि का उपयोग प्राप्तकर्ता देश से प्रदाता देश के आयात को वित्तपोषित करने के लिए किया जा सकता है।
- प्रदाता देश बकाया देय राशि के निपटान हेतु रणनीतिक विदेशी निवेश के लिए शेष राशि का उपयोग कर सकता है।

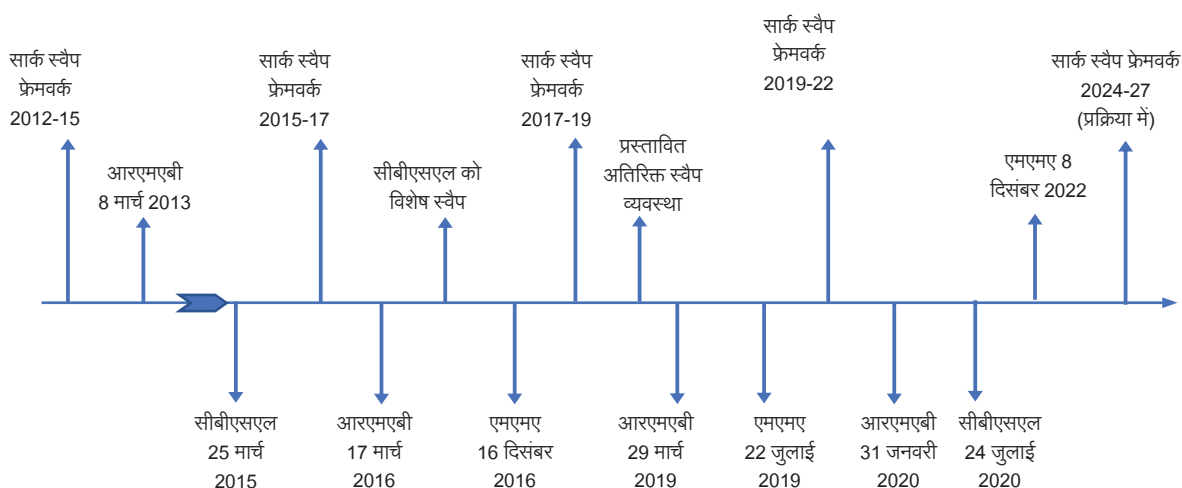
III. सार्क मुद्रा स्वैप फ्रेमवर्क

सार्क देशों ने सार्क देशों की अल्पकालिक विदेशी मुद्रा चलनिधि आवश्यकता को पूरा करने के लिए एक मुद्रा स्वैप तंत्र स्थापित करने का निर्णय लिया और तदनुसार, सार्क देशों के लिए मुद्रा स्वैप व्यवस्था पर फ्रेमवर्क नवंबर 2012 में लागू हुआ। सार्क मुद्रा स्वैप व्यवस्था अल्पकालिक विदेशी मुद्रा चलनिधि आवश्यकताओं या भुगतान संतुलन आवश्यकताओं को संबोधित करने के लिए फंडिंग की बैंक-स्टॉप लाइन प्रदान करने में मदद करती है। इस फ्रेमवर्क के अंतर्गत, भारतीय रिजर्व बैंक दो बिलियन अमरीकी डालर की समग्र निधि के भीतर प्रत्येक सार्क सदस्य देश को अलग-अलग मात्रा के स्वैप की पेशकश करेगा।

फ्रेमवर्क देशों को अमेरिकी डॉलर, यूरो या आईएनआर में स्वैप करने की अनुमति देता है। फ्रेमवर्क को नियमित अंतराल में अपडेट किया जाता है। वर्तमान में, सार्क देशों के लिए मुद्रा स्वैप व्यवस्था 2019-22 की रूपरेखा तैयार की गई है⁹। आरबीआई ने सार्क मुद्रा स्वैप फ्रेमवर्क 2024-27 को अंतिम रूप देने पर काम शुरू कर दिया है। फ्रेमवर्क का विकास और फ्रेमवर्क के तहत हस्ताक्षरित विभिन्न समझौते चार्ट 2 में दिए गए हैं।

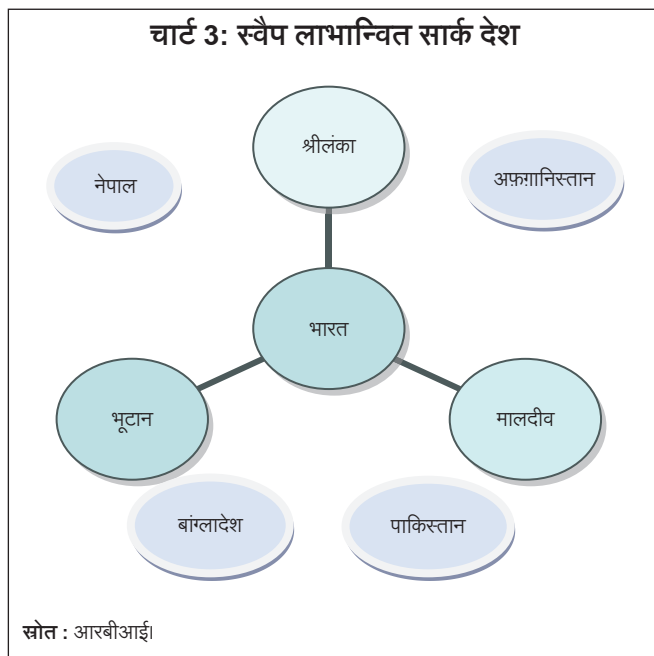
सार्क मुद्रा स्वैप फ्रेमवर्क में 'अतिरिक्त स्वैप व्यवस्था' का प्रावधान है जिसे 2018 में एक संशोधन के माध्यम से फ्रेमवर्क में

चार्ट 2: सार्क मुद्रा स्वैप फ्रेमवर्क और हस्ताक्षरित द्विपक्षीय समझौते



आरएमबी भूटान के रॉयल मॉनेटरी अथॉरिटी को संदर्भित करता है, सीबीएसएल सेंट्रल बैंक ऑफ श्रीलंका को संदर्भित करता है, एमएमए मालदीव मौद्रिक प्राधिकरण को संदर्भित करता है।
स्रोत: आरबीआई

⁹ जिसकी वैधता को 2022 से आगे बढ़ा दिया गया है।



जोड़ा गया था। अतिरिक्त स्वैप व्यवस्था वित्त मंत्री, भारत सरकार को सदस्य देशों (उनकी पात्र सीमाओं से परे) से 400 मिलियन अमेरिकी डॉलर तक के अतिरिक्त स्वैप अनुरोधों को मंजूरी देने का अधिकार देती है। इस फ्रेमवर्क में द्विपक्षीय/बहुपक्षीय विनिमय व्यवस्थाओं और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के बीच सहयोग के साधन के रूप में दो क्रमागत आहरणों के बीच प्रतीक्षा अवधि, द्वितीय रोलओवर प्राप्त करने के लिए आईएमएफ स्टाफ स्तरीय करार की आवश्यकता तथा सूचना का आदान-प्रदान निर्धारित किया गया है।

फ्रेमवर्क आने के बाद से, भूटान, श्रीलंका और मालदीव ने कई बार स्वैप सुविधा का लाभ उठाया। हालांकि, अफ़ग़ानिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल और पाकिस्तान ने कभी भी इस सुविधा का लाभ नहीं उठाया (चार्ट 3)।

सारणी 3: कोविड-19 महामारी के दौरान स्वैप समर्थन (2017-19 की तुलना में 2020-22) (मिलियन अमेरिकी डॉलर)

देश	2020-2022 (महामारी का समय) *	2017-2019 (पूर्व-महामारी)
भूटान	800	500
मालदीव	400	200
श्रीलंका	800	400
कुल	2000	1100

स्रोत: आरबीआई, * 2022 के अंत तक।

रिज़र्व बैंक ने सार्क मुद्रा स्वैप फ्रेमवर्क की 2012 में स्थापना के बाद से 6.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर का कुल स्वैप समर्थन प्रदान किया है। इनमें से श्रीलंका का हिस्सा 62 प्रतिशत (3.8 बिलियन अमेरिकी डॉलर), भूटान का हिस्सा 26 प्रतिशत (1.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर) और मालदीव का हिस्सा 12 प्रतिशत (0.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर) है (सारणी 2)।

कोविड-19 महामारी (2020-22) के दौरान, रिज़र्व बैंक ने भूटान, मालदीव और श्रीलंका को पिछले तीन वर्षों 2017-19 के दौरान 1.1 बिलियन अमेरिकी डॉलर के स्वैप समर्थन की तुलना में कुल मिलाकर 2.0 बिलियन अमेरिकी डॉलर की स्वैप सहायता प्रदान की, जिससे इन सदस्य देशों को अपने विदेशी क्षेत्र के दबावों का प्रबंधन करने में महत्वपूर्ण मदद मिली (सारणी 3)।

IV. ब्रिक्स आकस्मिक रिज़र्व व्यवस्था (सीआरए)

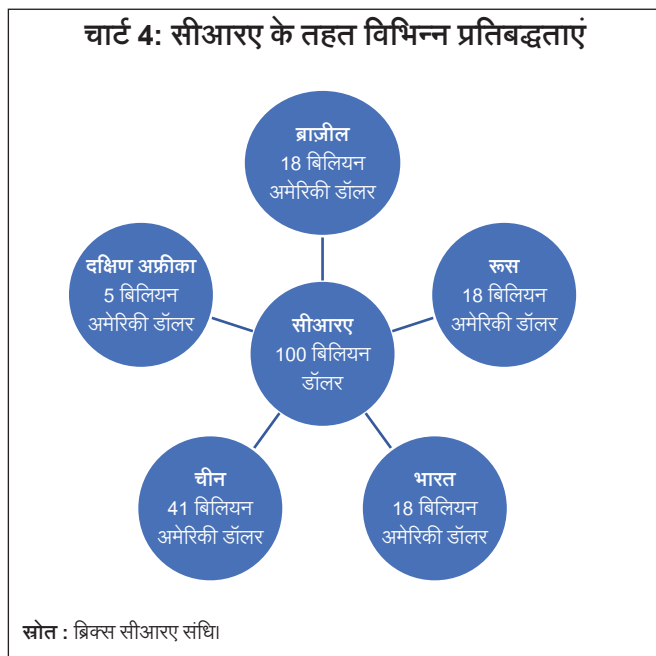
ब्रिक्स सीआरए ब्रिक्स के आर्थिक और वित्तीय सहयोग ट्रैक के तहत एक प्रमुख प्रमुख पहल है। सीआरए एक ऐसा तंत्र है जिसमें ब्रिक्स देशों ने पारस्परिक स्वैप समर्थन प्रदान करके भुगतान संकट के अल्पकालिक संतुलन को दूर करने में मदद करने के लिए एक स्व-प्रबंधित आकस्मिक आरक्षित पूल स्थापित किया है। ब्रिक्स देश सीआरए के तहत 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर के कुल संसाधन के लिए प्रतिबद्ध हैं जिसमें चार्ट 4 में प्रत्येक की प्रतिबद्धताओं को दर्शाया गया है।

सारणी 2: सार्क मुद्रा स्वैप फ्रेमवर्क के तहत कुल स्वैप समर्थन (मिलियन अमेरिकी डॉलर)

देश	2015	2016	2017	2018	2019	2020	2021	2022	2023	Total
भूटान	---	100	100	100	300	200	200	400	200	1600
मालदीव	---	---	100	---	100	150	250	---	100	700
श्रीलंका*	1500 (1100+400)	1100 (700+400)	400	---	---	400	---	400	---	3800
कुल	1500	1200	600	100	400	750	450	800	300	6100

स्रोत: आरबीआई; *इसमें सार्क मुद्रा स्वैप फ्रेमवर्क के अतिरिक्त 2015-16 के दौरान 1100 मिलियन अमेरिकी डॉलर और 700 मिलियन अमेरिकी डॉलर का समर्थन शामिल है।

चार्ट 4: सीआरए के तहत विभिन्न प्रतिबद्धताएं

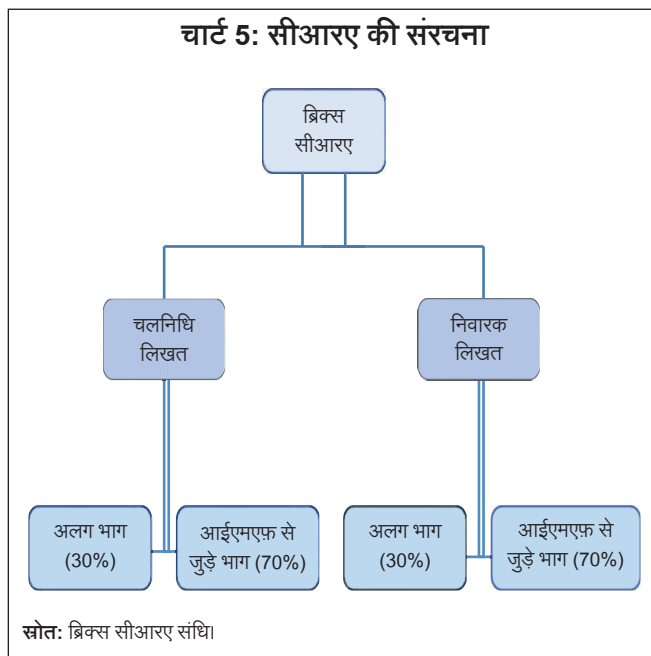


सीआरए के मुख्य रूप से दो साधन हैं, चलनिधि और एहतियाती साधन। एक चलनिधि साधन भुगतान संतुलन के दबाव के जवाब में तत्काल चलनिधि सहायता प्रदान करेगा। एक एहतियाती साधन भुगतान संतुलन के संभावित दबाव को देखते हुए सहायता प्रदान करने की प्रतिबद्धता है। इन दोनों साधनों में डी-लिंकड और आईएमएफ लिंकड भाग है। डी-लिंकड हिस्से के तहत, देशों के पास प्रत्येक पक्ष के लिए अधिकतम पहुंच के 30 प्रतिशत के बराबर अभिगम है। आईएमएफ लिंकड हिस्से के तहत, देशों के पास अधिकतम अभिगम के शेष 70 प्रतिशत तक अभिगम है (चार्ट 5)।

सारणी 4: सीआरए के तहत देशवार अभिगम				
	प्रतिबद्धता (बिलियन अमेरिकी डॉलर)	गुणक	कुल अभिगम (बिलियन अमेरिकी डॉलर)	अलग व्यवस्था के साथ अभिगम सीमा (बिलियन अमेरिकी डॉलर)
ब्राज़ील	18.0	1.0	18.0	5.4
रूस	18.0	1.0	18.0	5.4
चीन	41.0	0.5	20.5	6.15
भारत	18.0	1.0	18.0	5.4
दक्षिण अफ्रीका	5.0	2.0	10.0	3.0
कुल	100.0			

स्रोत: ब्रिक्स सीआरए संधि।

चार्ट 5: सीआरए की संरचना



प्रतिबद्धता राशि से अभिगम राशि का निर्धारण करने के लिए गुणक मान दक्षिण अफ्रीका (2) के लिए उच्चतम गुणक मूल्य और चीन के लिए सबसे कम (0.5) के साथ भिन्न होते हैं। ब्राज़ील, रूस और भारत का गुणक मूल्य एक (1) है। देशवार अभिगम राशि सारणी 4 में प्रस्तुत की गई है।

सीआरए के तहत परिपक्वता, नवीकरण की संख्या और कुल समर्थन अवधि साधनों के प्रकार के आधार पर भिन्न होती है। यह डी-लिंकड और आईएमएफ-लिंकड भाग के बीच भी भिन्न होती है, जिसमें स्वैप समर्थन की न्यूनतम अवधि छह महीने और अधिकतम तीन वर्ष होती है (सारणी 5)।

सारणी 5: लिखतों के तहत परिपक्वता और अवधि

लिखत	भाग	अवधि/परिपक्वता	नवीनीकरण की संख्या	सहायक अवधि
पूर्वोपाय लिखत	अलग अभिगम	6 माह	3	2 वर्ष
	अलग आहरण	6 माह	-	6 माह
	आईएमएफ से जुड़े अभिगम	1 वर्ष	2	3 वर्ष
	आईएमएफ से जुड़े आहरण	1 वर्ष	-	1 वर्ष
चलनिधि लिखत	अलग आहरण	6 माह	3	2. वर्ष
	आईएमएफ से जुड़े आहरण	1 वर्ष	2	3. वर्ष

स्रोत: ब्रिक्स सीआरए संधि।

तालिका 6: ब्रिक्स सीआरए की विशेषताएं

संख्या	लक्षण	विवरण
1	अभिशासन	सीआरए के तहत एक गवर्निंग काउंसिल (जीसी) का गठन किया जाता है, जो उच्च स्तरीय और कार्यनीतिक निर्णयों के लिए जिम्मेदार होती है। स्थायी समिति (एससी) कार्यकारी स्तर और परिचालन मुद्दों पर निर्णय लेने के लिए जिम्मेदार है।
2	नकदीकरण	यह एक प्रदान करने वाले देश को अनुरोध करने वाली पार्टी से स्वैप समर्थन के बाद भी समर्थन वापस लेने में सक्षम करेगा। प्रदान करने वाली पार्टी नकदीकरण का अनुरोध कर सकती है यदि वह उसके भुगतान संतुलन और विदेशी मुद्रा आरक्षित स्थिति या युद्ध या प्राकृतिक आपदा जैसी अप्रत्याशित घटना से समर्थित हो।
3	ऑफ्ट-आउट	यह किसी भी पार्टी को एक लिखत के तहत सहायता प्रदान करने से अलग रहने की अनुमति देगा।
4	नवीनता	अनुरोध करने वाला पक्ष, चूक के समय, अपने बकाया दायित्वों के नवीकरण के लिए सहमत होगी जिसमें विपणन योग्य ऋण प्रतिभूतियों को जारी करना शामिल हो सकता है जो अनुरोध करने वाले पक्ष के अधिकार क्षेत्र के अधीन नहीं होगा।

स्रोत: ब्रिक्स सीआरए संधि

सीआरए की अन्य प्रमुख विशेषताओं का संक्षेप में सारणी 6 में उल्लेख किया गया है।

सीआरए एससी ने दिसंबर 2017 में सीआरए की परिचालन तत्परता और विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए टेस्ट रन आयोजित करने का निर्णय लिया। तदनुसार, ब्रिक्स केंद्रीय बैंकों ने अब तक विभिन्न जटिलताओं और परिदृश्यों को शामिल करते हुए छह टेस्ट रन सफलतापूर्वक आयोजित किए हैं (सारणी 7)।

एक स्वैप तंत्र के रूप में, ब्रिक्स सीआरए में सीएमआईएम और सार्क मुद्रा स्वैप फ्रेमवर्क के साथ बहुत सारी समानताएं हैं। उनके डिजाइन, संरचना और परिचालन में उनके बीच कुछ महत्वपूर्ण अंतर भी हैं (सारणी 8)।

सार्क स्वैप फ्रेमवर्क और सीआरए के अलावा, रिजर्व बैंक ने बैंक ऑफ जापान के साथ 75 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक की राशि के लिए एक मुद्रा स्वैप व्यवस्था पर हस्ताक्षर किए।

V. अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सहयोग को बढ़ावा देना

केंद्रीय बैंक स्वैप लाइनें देशों के बीच/बीच वित्तीय सहयोग को गहरा करने में मदद करती हैं। केंद्रीय बैंक स्वैप सॉवरेन राष्ट्रों के बीच समझौते हैं जो संबंधित सरकारों की सहमति और अनुमोदन के साथ अपने केंद्रीय बैंकों के माध्यम से निष्पादित किए जाते हैं। अनुरोध करने वाले पक्ष की सॉवरेन सरकार से गारंटी, पूरी स्वैप राशि को कवर करना आम तौर पर स्वैप समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए एक शर्त है। अनुरोध करने वाले देश की सरकार को यह भी प्रमाणित करने की आवश्यकता

सारणी 7: सीआरए के तहत परीक्षण किए गए विभिन्न तत्व

CRA Test Run	समन्वयकर्ता	अनुरोधकर्ता पक्ष	तत्वों का परीक्षण
2018	दक्षिण अफ्रीकी रिजर्व बैंक	ब्राजील सेंट्रल बैंक	➤ चलनिधि लिखतों के डी-लिंक भाग
2019	ब्राजील सेंट्रल बैंक	बैंक ऑफ रशिया	➤ निवारक लिखत का डी-लिंक भाग ➤ नकदीकरण
2020	बैंक ऑफ रशिया	आरबीआई	➤ निवारक लिखत का डी-लिंक भाग ➤ पूर्व-अदायगी
2021	आरबीआई	पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना	➤ चलनिधि लिखतों के आईएमएफ-लिंक भाग ➤ ऑफ्ट-आउट ➤ चुकोती में देरी
2022	पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना	दक्षिण अफ्रीकी रिजर्व बैंक	➤ चलनिधि लिखतों के आईएमएफ-लिंक भाग ➤ वैकल्पिक मुद्राओं में भुगतान
2023	दक्षिण अफ्रीकी रिजर्व बैंक	ब्राजील सेंट्रल बैंक	➤ चलनिधि लिखतों के डी-लिंक भाग ➤ वैकल्पिक मुद्राओं में भुगतान ➤ दो ऑफ्ट-आउट अनुरोध

स्रोत: आरबीआई

सारणी 8: ब्रिक्स सीआरए की सीएमआईएम तथा सार्क स्वैप फ्रेमवर्क के साथ तुलना

क्रम सं.	ब्रिक्स सीआरए	सीएमआईएम	सार्क स्वैप फ्रेमवर्क
1.	एक बहुपक्षीय मुद्रा विनियम तंत्र जिसमें सभी ब्रिक्स देशों द्वारा स्वैप प्रतिबद्धता साझा की जाती है।	आसियान प्लस 3 देशों के बीच एक बहुपक्षीय मुद्रा विनियम तंत्र, जिसमें सभी सदस्य देशों द्वारा स्वैप प्रतिबद्धता साझा की जाती है।	सभी सार्क देशों के लिए लागू एक सामान्य ढांचे के साथ एक द्विपक्षीय विनियम तंत्र, और स्वैप प्रतिबद्धता पूरी तरह से भारत द्वारा वहन की जाती है।
2.	भारत सीआरए के तहत अनुदान देने वाला पक्ष और अनुरोध करने वाला पक्ष दोनों हो सकता है।	कोई भी आसियान प्लस 3 देश दोनों अनुदान करने वाले पक्ष के साथ-साथ अनुरोध करने वाले पक्ष भी हो सकते हैं।	भारत सहायता प्रदान करने वाला एकमात्र पक्ष है, अन्य इच्छुक सार्क देश अनुरोधकर्ता पक्ष हैं।
3.	कुल कोष 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर है।	कुल कोष 240 बिलियन अमेरिकी डॉलर है।	कुल कोष 2 बिलियन अमेरिकी डॉलर है।
4.	विनियम आहरण केवल अमेरिकी डॉलर में उपलब्ध है।	विनियम आहरण अमेरिकी डॉलर, सीएनवाई और आसियान प्लस के तीन देशों की अन्य स्थानीय मुद्राओं में उपलब्ध हैं।	विनियम आहरण अमेरिकी डॉलर, यूरो और भारतीय रुपए में उपलब्ध है।
5.	भविष्य के संकट से निपटने के लिए एहतियाती लिखत का प्रावधान उपलब्ध है।	भविष्य के संकट से निपटने के लिए एहतियाती लिखत प्रावधान उपलब्ध है।	कोई एहतियाती लिखत उपलब्ध नहीं है।

स्रोत: आरबीआई, एएमआरओ और सीआरए संधि।

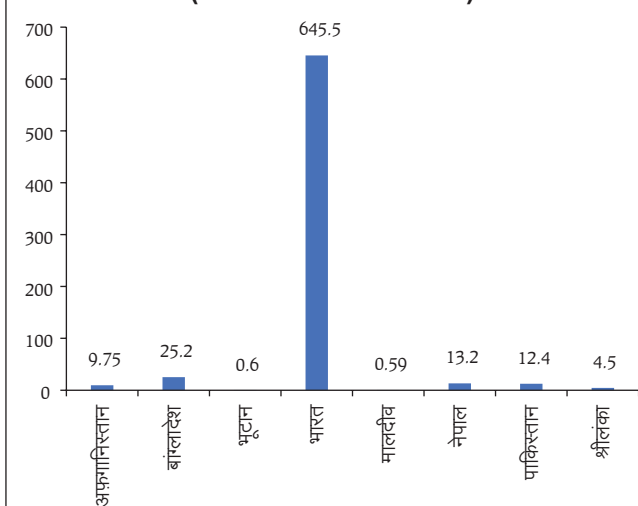
है कि वे कोई भुगतान प्रतिबंध नहीं लगाएंगे जो केंद्रीय बैंकों के स्वैप के बकाया दायित्व के पुनर्भुगतान पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगा। संकट के समय में किसी देश को प्रत्यक्ष वित्तीय सहायता प्रदान करके, स्वैप तंत्र वित्तीय सहयोग का एक मजबूत चैनल प्रदान करता है।

ऐसे कई अवसर आए हैं जब भारत ने आकस्मिक स्थितियों का प्रबंधन करने के लिए सार्क देशों की अतिरिक्त आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सार्क मुद्रा स्वैप फ्रेमवर्क के अंतर्गत उनकी पात्र सीमाओं और अवधि से अधिक स्वैप सहायता प्रदान की है। रिज़र्व बैंक ने सीबीएसएल को दो विशेष जुलाई 2015 और मार्च 2016 में क्रमशः 1100 मिलियन अमेरिकी डॉलर और 700 मिलियन अमेरिकी डॉलर की सहायता के साथ मुद्रा स्वैप सुविधाएं प्रदान कीं, जो सार्क मुद्रा स्वैप फ्रेमवर्क से बाहर थीं। श्रीलंका के साथ भारत के मजबूत द्विपक्षीय समझौतों और आर्थिक संबंधों के संदर्भ में अल्पकालिक चलनिधि प्रबंधन के लिए ये विशेष स्वैप समर्थन प्रदान किए जाते हैं। देशों द्वारा अतिरिक्त स्वैप सहायता के अनुरोध का समर्थन करने के लिए अतिरिक्त स्वैप व्यवस्था के प्रावधान को कई बार लागू किया गया है। पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार की सुविधा ने भारत को इन स्वैप समर्थनों का विस्तार करने में मदद की (चार्ट 6)।

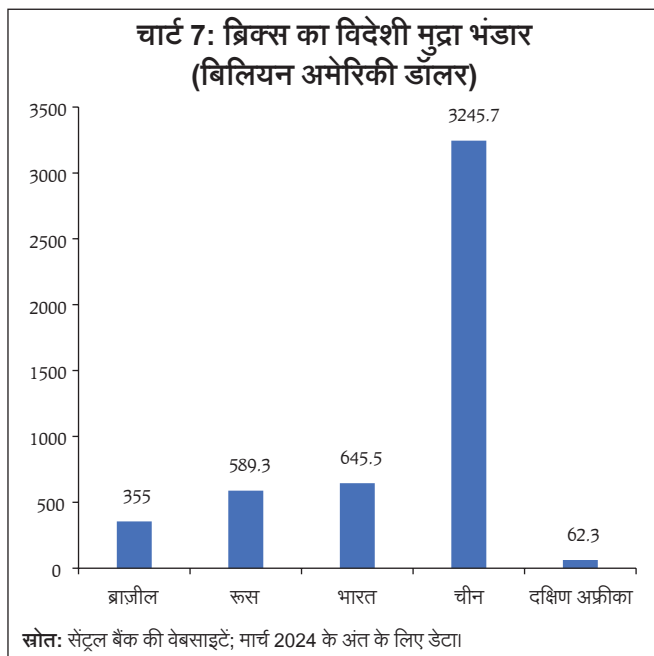
सीआरए में ब्रिक्स देशों का योगदान उनकी विदेशी मुद्रा की स्थिति को दर्शाता है (चार्ट 7)। भले ही अब तक सीआरए के तहत स्वैप का लाभ कभी नहीं उठाया गया है, सीआरए के तहत विभिन्न कार्यों ने ब्रिक्स केंद्रीय बैंकों के बीच सहयोग को

तेज करने में मदद की। ब्रिक्स सीआरए के हिस्से के रूप में, ब्रिक्स केंद्रीय बैंकों ने 2016 में भारत के ब्रिक्स में अध्यक्षता के दौरान समष्टि-आर्थिक सूचना के आदान-प्रदान की एक प्रणाली (सेमी) विकसित की, जो वास्तविक, राजकोषीय और बाह्य क्षेत्रों, पूंजी बाजार और वित्तीय सुदृढ़ता को कवर करने वाले साठ व्यापक आर्थिक संकेतकों का एक टेम्पलेट है। वर्ष 2020 में रूसी अध्यक्षता के तहत ब्रिक्स केंद्रीय बैंकों ने सीआरए के हिस्से के रूप में ब्रिक्स आर्थिक बुलेटिन का वार्षिक संस्करण तैयार किया, जिसका विषय 'कोविड-19 महामारी' था। बुलेटिन में ब्रिक्स अर्थव्यवस्थाओं की स्थिति, संचित जोखिम, कोविड-

चार्ट 6: सार्क देशों के विदेशी मुद्रा भंडार (बिलियन अमेरिकी डॉलर)



स्रोत: सेंट्रल बैंक की वेबसाइट; फरवरी/मार्च 2024 के अंत के लिए डेटा; दिसंबर 2023 के अंत के लिए भूटान का डेटा; वर्ष 2020 के अंत के लिए अफगानिस्तान का डेटा।



19 संकट के प्रभाव को कम करने के लिए किए गए नीतिगत उपायों, भावी दृष्टिकोण और सहयोग के नए क्षेत्रों पर अवलोकन प्रदान किया गया। ब्रिक्स आर्थिक बुलेटिन 2021 'नेविगेटिंग द ऑनगोइंग पैडेमिक: द ब्रिक्स एक्सपीरियंस ऑफ रेजिलिएशन एंड रिकवरी' विषय पर केंद्रित रहा। वर्ष 2022 में चीन के ब्रिक्स अध्यक्षता के तहत ब्रिक्स केंद्रीय बैंकों ने ब्रिक्स आर्थिक बुलेटिन (ब्रिक्स आर्थिक बुलेटिन) की वार्षिक कवायद जारी रखी। वर्ष 2021 में 'कोविड-19: ब्रिक्स के भुगतान संतुलन के लिये विपरीत और अनुकूल परिस्थितियाँ' विषय पर आयोजित पहले ब्रिक्स सहयोगात्मक अध्ययन ने चालू खाता शेष के साथ-साथ ब्रिक्स अर्थव्यवस्थाओं में पूंजी प्रवाह पर महामारी के प्रभाव की जाँच की।

संकट की स्थितियों का अनुकरण करके कई सीआरए टेस्टों के संचालन ने ब्रिक्स केंद्रीय बैंकों के बीच जुड़ाव को गहरा कर दिया है। सीआरए तकनीकी समूह सीआरए में शामिल विभिन्न तकनीकी मुद्दों की जांच करता है और इन मुद्दों के समाधान के लिए उपाय करता है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि ब्रिक्स देशों के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों का एक निकाय सीआरए जीसी वर्ष में कम से कम एक बार बैठक करता है और सीआरए के संबंध में कार्यनीतिक निर्णय

लेता है। इसी तरह, ब्रिक्स केंद्रीय बैंकों के उप गवर्नरों के स्तर पर सीआरए एससी, सीआरए के संबंध में किसी भी परिचालन मुद्दों पर निर्णय लेता है। सीआरए के माध्यम से आदान-प्रदान के इन कई स्तरों ने ब्रिक्स केंद्रीय बैंकों के बीच संबंधों को प्रगाढ़ किया है।

भारत-जापान स्वैप व्यवस्था भारत और जापान के बीच लंबे समय से चले आ रहे संबंधों को दर्शाती है जिसने इन दोनों देशों के बीच वित्तीय जुड़ाव को गहरा करने में मदद की है।

हाल के वर्षों में भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में काफी वृद्धि हुई है। जब भारत ने 2012 में सार्क स्वैप फ्रेमवर्क का गठन किया, तो भारत का विदेशी मुद्रा भंडार लगभग 300 बिलियन डॉलर था, जबकि आज यह दोगुना से अधिक है। इसने भारत को देशों को अधिक स्वैप समर्थन देने के लिए पर्याप्तता और लीवरेज प्रदान किया है।

वर्तमान में, रिज़र्व बैंक सार्क स्वैप फ्रेमवर्क के तहत आईएनआर स्वैप आहरण को विभिन्न रियायतें प्रदान करता है, ताकि आईएनआर में स्वैप के आहरण को प्रोत्साहित किया जा सके, जैसे लगातार दो आहरणों के बीच कम प्रतीक्षा अवधि और दूसरे स्वैप रोलओवर का लाभ उठाने के लिए शर्तों की छूट के संदर्भ में।

VI. निष्कर्ष

केंद्रीय बैंक मुद्रा स्वैप जीएफएसएन संरचना का एक अभिन्न अंग हैं। द्विपक्षीय और क्षेत्रीय स्तर पर स्वैप लाइनों ने देशों को अपनी आकस्मिक विदेशी मुद्रा चलनिधि आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अधिक विकल्प प्रदान किए हैं। स्वैप व्यवस्था ने महामारी के दौरान देशों को उनके बाहरी क्षेत्र के दबावों का प्रबंधन करने में सहायता करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आगे देखें तो, आईएमएफ और आरएफए सहित जीएफएसएन के विभिन्न स्तंभों के बीच सहयोग को जीएफएसएन प्रणाली को अधिक मजबूत और गतिशील बनाने के लिए प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। विदेशी मुद्रा भंडार के पर्याप्त स्तर द्वारा समर्थित, केंद्रीय बैंक मुद्रा स्वैप में भारत के बाह्य वित्तीय सहयोग को मजबूत और गहरा करने की उच्च क्षमता है।

संदर्भ

- Ball, M., Clarke, A., and Noone, C. (2020). The Global Financial Safety Net and Australia. Reserve Bank of Australia Bulletin, September.
- Central Bank Currency Swaps Tracker, <https://www.cfr.org/article/central-bank-currency-swaps-tracker>
- Goldberg, L., Kennedy, C., and Miu, J. (2010). Central Bank Dollar Swap Lines And Overseas Dollar Funding Costs. *NBER Working Paper* 15763.
- Henning, C.R. (2011). Economic Crises and Institutions for Regional Economic Cooperation. Asian Development Bank.
- International Monetary Fund. (2017). Discussion Paper on 'The Treatment of Currency Swaps Between Central Banks'.
- Mingqi, Xu. (2016). Central Bank Currency Swaps and Their Implications to the International Financial Reform. *China Quarterly of International Strategic Studies*, Vol. 2, No. 1, 135–152.
- Perks, M., Rao, Y., Shin J., and Tokuoka, K. (2021). Evolution of Bilateral Swap Lines. *International Monetary Fund Working Paper* 21/210.

भारत में उपभोक्ता विश्वास: एक क्षेत्रीय परिप्रेक्ष्य

सौरज्योति सरदार, आदित्य मिश्रा, मनु स्वर्णकार, और तुषार बी.दास द्वारा¹

यह आलेख भारत में उपभोक्ता विश्वास में क्षेत्रीय विविधताओं की पड़ताल करता है, विभिन्न सर्वेक्षण मापदंडों में हाउसहोल्ड की धारणा का विश्लेषण करता है। सर्वेक्षण के परिणामों से संकेत मिलता है कि क्षेत्रों में धारणाएं अलग-अलग होती हैं, एक क्षेत्र वर्तमान स्थिति के बारे में अधिक आशावादी है और दूसरा भविष्य के बारे में विश्लेषण से पता चलता है कि क्षेत्रीय मूल्य दबाव, आय और रोजगार की स्थिति समग्र आर्थिक परिप्रेक्ष्य को आकार देती है, महामारी के दौरान यह संबंध अधिक स्पष्ट हो गया है।

I. भूमिका

उपभोक्ता विश्वास सर्वेक्षण उपभोक्ताओं के दृष्टिकोण से समग्र आर्थिक स्थितियों और अर्थव्यवस्था के स्वास्थ्य पर हाउसहोल्ड क्षेत्र की राय का आकलन करने का प्रयास करते हैं। व्यक्तियों की सामाजिक आर्थिक स्थिति उनकी समष्टिआर्थिक अपेक्षाओं और धारणाओं को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है (दास, 2017)। व्यक्तियों के बीच सामाजिक आर्थिक स्थितियों में भिन्नता उनके दृष्टिकोण में महत्वपूर्ण अंतर पैदा कर सकती है (मैनकीव एवं अन्य., सौलेल्स, 2004; पुरी और रॉबिन्सन, 2007; डोमिनिट्ज़ और मैन्स्की, 2007)। भारत जैसे विशाल देश में, क्षेत्रीय मतभेद अपनी सामाजिक आर्थिक विशेषताओं में अंतर के कारण इस विविधता में और योगदान दे सकते हैं।

क्षेत्रीय अंतर प्रति व्यक्ति आय, स्वास्थ्य और शिक्षा मानकों, औद्योगिकीकरण स्तर, रोजगार के अवसरों, बुनियादी ढांचे, और हाउसहोल्ड की बचत और उपभोग व्यवहार में भिन्नता से उत्पन्न

¹ लेखक भारतीय रिज़र्व बैंक के सांख्यिकी और सूचना प्रबंध विभाग से हैं। लेखक इस आलेख को तैयार करने में श्री रविशंकर के मार्गदर्शन के लिए उनके आभारी हैं। संपादकीय बोर्ड से प्राप्त टिप्पणियों के भी आभारी हैं। इस पेपर में प्रयुक्त उपभोक्ता विश्वास सर्वेक्षण के परिणाम उत्तरदाताओं के विचारों को दर्शाते हैं, जो आवश्यक रूप से रिज़र्व बैंक द्वारा साझा नहीं किए गए हैं। व्यक्तिगत विचार (लेखकों) के व्यक्तिगत विचार हैं और भारतीय रिज़र्व बैंक के विचारों को नहीं दर्शाते हैं।

हो सकते हैं। उपभोक्ता विश्वास और आर्थिक गतिविधि के बीच एक मजबूत संबंध है (किलिक और कैनकाया, 2016)। उपभोक्ता विश्वास डेटा में आर्थिक स्थितियों के बारे में मूल्यवान जानकारी होती है (कुमार एवं अन्य., 2019) हालांकि, अकेले आर्थिक गतिविधि उपभोक्ता विश्वास को प्रभावित करने वाले कारकों की व्यापक समझ प्रदान नहीं करती है। इसके अलावा, स्थानीय व्यापार चक्र राष्ट्रीय चक्रों के साथ पूरी तरह से संरेखित नहीं हो सकते हैं (ओवयांग एवं अन्य., 2004), और उपभोक्ता का विश्वास भौगोलिक स्थिति के आधार पर रोजगार और उपभोग में बदलाव के लिए अलग-अलग प्रतिक्रिया दे सकता है (गुओ, 2016)।

ओहलान (2012) ने पाया कि भारत के दक्षिणी क्षेत्र में मध्य और उत्तरी क्षेत्रों की तुलना में अधिक संतुलित सामाजिक आर्थिक विकास होता है, जो क्षेत्रीय विविधताओं पर विचार करने के महत्व पर प्रकाश डालता है। भारत के दक्षिणी और पश्चिमी भाग औद्योगिकीकरण की उच्च डिग्री प्रदर्शित करते हैं, जो समग्र जनसंख्या का कम अनुपात होने के बावजूद कारखानों की एक बड़ी एकाग्रता में स्पष्ट है (अनुबंध बी में चार्ट बी 1)। इसके अतिरिक्त, इन क्षेत्रों में शहरी निवासियों का अनुपात अधिक है और आय काफी अधिक है। उदाहरण के लिए, अकेले कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु का संयुक्त सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) पूर्वोत्तर सहित 13 पूर्वी राज्यों के साथ-साथ पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार, झारखंड और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह¹ से अधिक है। इसके अलावा, शहरी क्षेत्रों के लिए राज्य-वार भारांश का प्रयोग करते हुए संकलित औसत क्षेत्रीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई-यू) भी मुद्रास्फीति की अलग-अलग दरें दर्शाते हैं।

यह आलेख भारत में उपभोक्ता धारणाओं में क्षेत्रीय विविधताओं का विश्लेषण करने के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) द्वारा आयोजित उपभोक्ता विश्वास सर्वेक्षण (सीसीएस) से गुणात्मक जानकारी को नियोजित करता है। नए डिज़ाइन किए गए "क्षेत्रीय धारणा संकेतक" (आरएसआई) का परिचय देते हुए, यह अध्ययन विभिन्न क्षेत्रों में सर्वेक्षण प्रतिक्रियाओं में भिन्नता की जांच करने के लिए सुसंगतता

¹ भारतीय राज्यों से संबंधित सांख्यिकी पुस्तिका – 2022-23 (<https://www.rbi.org.in/scripts/publications.aspx>).

विश्लेषण और आदेशित लॉजिस्टिक प्रतिगमन सहित गुणात्मक डेटा विश्लेषण विधियों का उपयोग करता है। इस आलेख का खंड II अध्ययन में नियोजित डेटा और तकनीकों दोनों का अवलोकन प्रदान करता है। पेपर के बाद के खंड विभिन्न सर्वेक्षण संकेतकों में धारणाओं में क्षेत्रीय विविधताओं का अवलोकन प्रदान करते हैं (खंड III), विभिन्न क्षेत्रों में सर्वेक्षण प्रतिक्रियाओं के बीच संबंधों का विश्लेषण करते हैं (खंड IV), और सामान्य आर्थिक स्थिति की धारणा और दृष्टिकोण में क्षेत्रीय स्वरूप का अध्ययन करते हैं (खंड V)। यह खंड विभिन्न व्यवसाय और आय श्रेणियों के बीच धारणाओं में भिन्नता पर और प्रकाश डालता है। अंत में, आलेख अध्ययन के प्रमुख निष्कर्षों और नीतिगत निहितार्थों के साथ समाप्त होता है (खंड VI)।

II. डेटा और कार्यप्रणाली

सीसीएस एक वर्ष पहले की तुलना में हाउसहोल्ड की वर्तमान धारणाओं के साथ-साथ सामान्य आर्थिक स्थिति, रोजगार परिदृश्य, अर्थव्यवस्था के मूल्य स्तर के साथ-साथ व्यक्तिगत परिवारों की आय और खर्च जैसे प्रमुख व्यापक आर्थिक संकेतकों पर आने वाले वर्ष के लिए उनकी अपेक्षाओं के बारे में जानकारी एकत्र करता है। उत्तरदाता इन मापदंडों पर तीन-बिंदु पैमाने पर अपनी धारणाओं को व्यक्त करते हैं। इन आंकड़ों का उपयोग करते हुए, आरबीआई दो उपभोक्ता विश्वास सूचकांकों को संकलित करता है: वर्तमान स्थिति सूचकांक (सीएसआई)² और भावी अपेक्षा सूचकांक (एफआईआई)। इस आलेख के लिए भारतीय अर्थव्यवस्था पर आरबीआई के डेटाबेस में उपलब्ध सीसीएस के उत्तरदाता-स्तर के डेटा का उपयोग किया गया है। विस्तृत सर्वेक्षण विवरण अनुबंध ए में दिया गया है।

मार्च 2021 से 19 शहरों में उपभोक्ता विश्वास सर्वेक्षण किया जा चुका है। हालांकि, लंबी समय शृंखला सुनिश्चित करने के लिए, इस अध्ययन के लिए 13 सामान्य शहरों पर विचार किया गया है।

² सीएसआई और एफआईआई को क्रमशः आर्थिक स्थिति, आय, व्यय, रोजगार और वर्तमान अवधि के लिए मूल्य स्तर (एक वर्ष पहले की तुलना में) और एक वर्ष आगे की निवल प्रतिक्रियाओं के आधार पर संकलित किया जाता है। सीएसआई और एफआईआई = 100 + उपरोक्त मापदंडों के निवल प्रतिक्रियाओं का औसत।

³ आरबीआई के डेटाबेस के लिए लिंक: <https://dbie.rbi.org.in/DBIE/dbie.rbi?site=unitLevelData>.

इन शहरों को 4 क्षेत्रों में विभाजित किया गया है, अर्थात्, उत्तर (दिल्ली, जयपुर और लखनऊ), दक्षिण (बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई और तिरुवनंतपुरम), पूर्व (कोलकाता, गुवाहाटी और पटना) और पश्चिम (मुंबई, अहमदाबाद और भोपाल) और सितंबर 2017 से सर्वेक्षण किया गया है। अध्ययन में सितंबर 2017 से शुरू होने वाले 34 राउंड शामिल हैं।

सर्वेक्षण मापदंडों की प्रतिक्रियाएं तीन-बिंदु पैमाने पर मांगी जाती हैं (अर्थात्, सुधार है / सुधार होगा, खराब है / खराब हो जाएगा और वही है / वही रहेगा)। सर्वेक्षण के परिणामों को आमतौर पर 'निवल-प्रतिक्रिया' का उपयोग करके एकल मात्रात्मक संख्या में परिवर्तित किया जाता है, जिसे उस पैरामीटर के लिए सकारात्मक धारणा की रिपोर्ट करने वाले प्रतिशत से घटाए गए पैरामीटर के लिए नकारात्मक भावना की रिपोर्ट करने वाले उत्तरदाताओं के प्रतिशत के रूप में परिभाषित किया जाता है। निवल प्रतिक्रियाएं -100 से +100 तक हो सकती हैं (विवरण के लिए अनुबंध ए देखें)।

क्षेत्रीय विविधताओं का विश्लेषण करने के लिए, प्रत्येक पैरामीटर के लिए निवल प्रतिक्रियाओं की गणना 34 सर्वेक्षण दौरों में सभी चार क्षेत्रों के लिए की जाती है। पेपर ने इन क्षेत्रीय विविधताओं का विश्लेषण करने के लिए एक नॉवेल मीट्रिक, विशेष रूप से 'क्षेत्रीय भावना संकेतक' (आरएसआई) पेश किया। प्रतिशत के रूप में व्यक्त आरएसआई से पता चलता है कि किसी क्षेत्र की निवल प्रतिक्रिया एक निश्चित समय सीमा (सर्वेक्षण दौर का एक सेट) के भीतर एक विशिष्ट पैरामीटर (जैसे, आय की स्थिति, रोजगार की स्थिति) के लिए अखिल भारतीय औसत की तुलना में कितनी बार बेहतर (आशावाद या कम निराशावाद के संदर्भ में) है। आरएसआई स्केल 0 से 100 तक होता है, जिसमें 0 सबसे निराशावादी या कम से कम आशावादी परिदृश्य का प्रतिनिधित्व करता है, और 100 सबसे आशावादी या कम से कम निराशावादी परिदृश्य को दर्शाता है। अवधारणा को सीएसआई और एफआईआई सूचकांकों तक बढ़ाया गया है ताकि यह मापा जा सके कि एक विशिष्ट समय सीमा के भीतर क्षेत्रीय सीएसआई/एफआईआई स्कोर अखिल भारतीय सीएसआई / एफआईआई से कितनी गुना बेहतर है, जिसे प्रतिशत के रूप में भी व्यक्त किया जाता है।

आरएसआई निम्नानुसार निर्धारित किया गया है:

$$NR_{i,j,t} = \frac{1}{n_{ijt}} (\sum R^+ - \sum R^-) \times 100 \quad (1)$$

$$\Delta NR_{i,j,t} = NR_{i,j,t} - \overline{NR}_{i,t} \quad (2)$$

$$I(\Delta NR_{i,j,t}) = \begin{cases} 1, & \text{if } \Delta NR_{i,j,t} > 0 \\ 0, & \text{otherwise} \end{cases} \quad (3)$$

$$RSI_{i,j} = \frac{\sum_{t=1}^N I(\Delta NR_{i,j,t})}{N} * 100 \quad (4)$$

जहाँ,

$NR_{i,j,t}$ = j क्षेत्र के लिए राउंड नंबर t के लिए पैरामीटर i की निवल प्रतिक्रिया

$NR_{i,t}$ = अखिल भारतीय स्तर पर राउंड नंबर t के लिए i पैरामीटर की निवल प्रतिक्रिया

R^+ = समय t पर j क्षेत्र के लिए i पैरामीटर की सकारात्मक प्रतिक्रिया

R^- = समय t पर j क्षेत्र के लिए i पैरामीटर की नकारात्मक प्रतिक्रिया

n_{ijt} = राउंड नंबर t के लिए j क्षेत्र में पैरामीटर i के उत्तरदाताओं की कुल संख्या

$\Delta NR_{i,j,t}$ = राउंड नंबर t के लिए j क्षेत्र में पैरामीटर i की निवल प्रतिक्रिया का i पैरामीटर की अखिल भारतीय निवल प्रतिक्रिया ($\overline{NR}_{i,t}$) से अंतर

$I(\Delta NR_{i,j,t})$ = निवल प्रतिक्रिया का संकेतक प्रकार्य

$RSI_{i,j}$ = पैरामीटर i के j क्षेत्र के लिए आरएसआई क्षेत्रीय भावना संकेतक

N = सर्वेक्षण दौरों की कुल संख्या

इसके बाद, हम 'सुसंगतता गुणांक' का उपयोग करके विभिन्न मापदंडों के बीच संबंधों का विश्लेषण करते हैं, एक आंकड़ा जो आमतौर पर समानता का आकलन करने के लिए उपयोग किया जाता है। सुसंगतता गुणांक की गणना एक विशिष्ट सर्वेक्षण दौर में प्रतिक्रियाओं की कुल संख्या में से दो चर के लिए समान प्रतिक्रियाओं के प्रतिशत के रूप में की जाती है, जिससे दो मापदंडों के बीच संरेखण का संकेत मिलता है।

सामान्य आर्थिक स्थिति पर उत्तरदाताओं की विभिन्न प्रतिक्रियाओं को निर्धारित करने वाले कारकों को समझने के लिए, हम सुव्यवस्थित लॉजिस्टिक प्रतिगमन को नियोजित करते हैं। आश्रित चर (सामान्य आर्थिक स्थिति पर विचार) को तीन श्रेणियों में क्रमबद्ध किया गया है: "सुधार है/सुधार होगा" (1 के रूप में कोडित), "वही है/वही रहेगा" (2 के रूप में कोडित), और "बिगड़ गया है/बिगड़ जाएगा" (3 के रूप में कोडित)। हम इस चर को दो अलग-अलग समय क्षितिज के लिए अलग-अलग जांचते हैं, जो धारणाओं और अपेक्षाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। हम क्षेत्र (उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम), वार्षिक आय (₹1 लाख से कम, ₹1 लाख से ₹3 लाख, ₹3 लाख से ₹5 लाख, और ₹5 लाख से अधिक), और व्यवसाय (दैनिक श्रमिक, नियोजित, स्व-नियोजित / व्यवसाय, गृहिणी, सेवानिवृत्त/पेंशनभोगी, और अन्य) व्याख्यात्मक चर के रूप में शामिल करते हैं। हम तीन अलग-अलग अवधियों के दौरान सामान्य आर्थिक स्थिति के संबंध में उत्तरदाताओं की धारणाओं और अपेक्षाओं के लिए क्षेत्र-वार अनुमानित संभावनाएं प्रस्तुत करते हैं: पूर्व-महामारी, महामारी के दौरान और महामारी के बाद।

पैरामीटर अनुमानों के परिणामों की व्याख्या करने के लिए, हम विषम अनुपात का उपयोग करते हैं⁴ 1 से अधिक विषम अनुपात का अर्थ है अनुमानकर्ता में एक इकाई वृद्धि के साथ उच्च श्रेणी में होने की बढ़ती संभावनाएं, जबकि 1 से कम विषम अनुपात का अर्थ है अनुमानकर्ता में एक इकाई वृद्धि के साथ उच्च श्रेणी में होने की घटती संभावनाएं। सामान्य आर्थिक स्थिति पर उत्तरदाताओं के विचारों के तीन-बिंदु परिणामों को निम्नानुसार वर्गीकृत किया गया है: [1 - 'आशावादी'], [2 - 'तटस्थ'], और [3 - 'निराशावादी']।

कोविड-19 महामारी का वैश्विक और घरेलू दोनों आर्थिक स्थितियों पर गहरा प्रभाव पड़ा। साक्ष्य बताते हैं कि इसके विभिन्न

⁴ जबकि संभावनाओं को अनुपात या प्रतिशत के रूप में दर्शाया जाता है, जिसकी गणना किसी घटना के घटने की संख्या को अवलोकनों की कुल संख्या से विभाजित करके की जाती है, विषम एक घटना की संभावना का अनुपात एक वैकल्पिक घटना की संभावना से होता है, इस प्रकार यह दर्शाता है कि किसी विशेष घटना के लिए विषम किसी दिए गए परिदृश्य में दूसरे की तुलना में अधिक या कम होने की संभावना है।

चरणों के दौरान भारतीय हाउसहोल्ड पर इसका अलग-अलग प्रभाव पड़ा (सरदार एवं अन्य, 2023)। सामान्य आर्थिक चक्रों और महामारी के कारण होने वाली आर्थिक उथल-पुथल के दौरान क्षेत्रीय विचलन का पता लगाने के लिए, हम सितंबर 2017 से शुरू होने वाली अध्ययन अवधि को तीन अलग-अलग समय अवधि में विभाजित करते हैं: पूर्व-महामारी (मार्च 2020 तक), महामारी (मई 2020 से जनवरी 2022), और महामारी के बाद (मार्च 2022 से बाद)। जनवरी 2022 में ओमीक्रॉन लहर के बाद की अवधि को महामारी के बाद की अवधि माना जाता है।

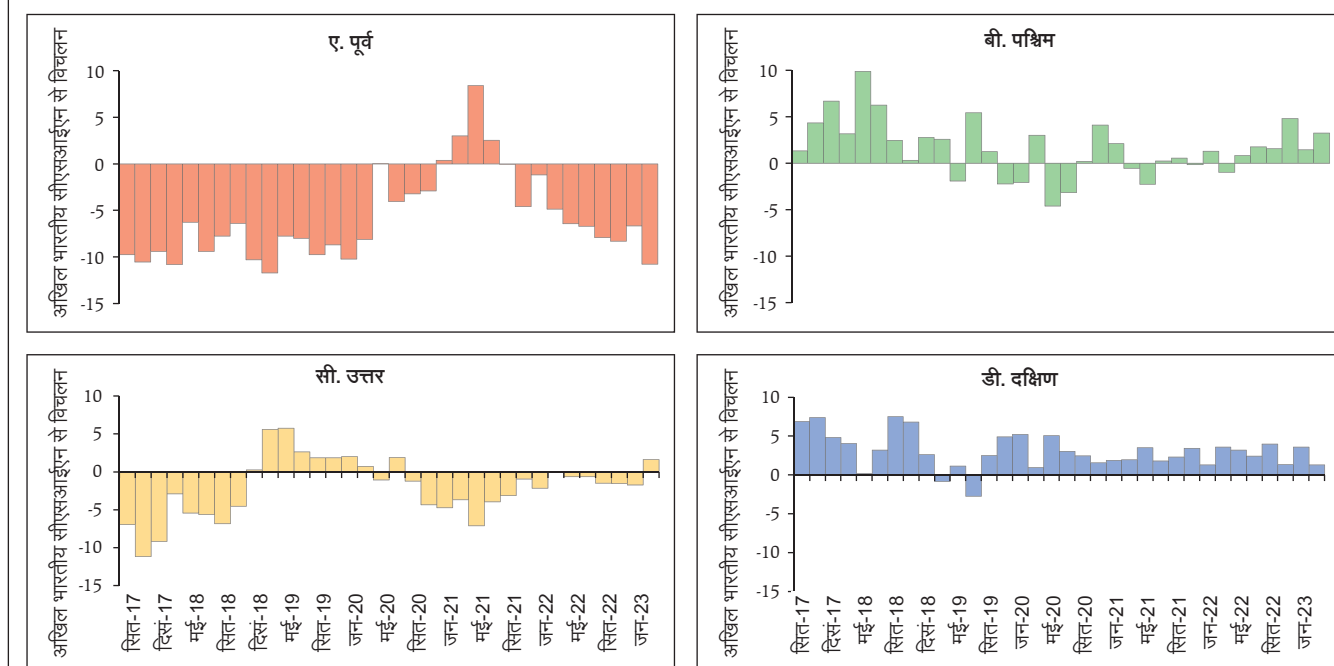
III. उपभोक्ता विश्वास में क्षेत्रीय भिन्नता

III.1 समग्र विश्वास में क्षेत्रीय भिन्नता

उपभोक्ता विश्वास⁵ आय असमानता, कीमत गतिकी, औद्योगीकरण, शहरीकरण आदि में क्षेत्रीय भिन्नता को प्रतिबिंबित

करता है, जिसका उल्लेख खंड I में किया गया है। सीएसआई के आधार पर, दक्षिण और पश्चिम क्षेत्रों में वर्तमान उपभोक्ता विश्वास स्तर क्रमशः 94 प्रतिशत और 74 प्रतिशत उसी समय के लिए अखिल भारतीय औसत से कम निराशावादी रहे। पश्चिमी क्षेत्र में, अखिल भारतीय सीएसआई की तुलना में कम क्षेत्रीय सीएसआई के साथ अधिकांश सर्वेक्षण मई 2020 से जनवरी 2022 तक महामारी अवधि के दौरान हुए। इसके विपरीत, उत्तरी क्षेत्र के लिए सीएसआई सितंबर 2020 से शुरू होने वाले लगातार 15 राउंड के लिए अखिल भारतीय सीएसआई से नीचे रहा। उत्तरी क्षेत्र के मामले में, उपभोक्ता विश्वास सभी सर्वेक्षण दौरों के 30 प्रतिशत से कम में अखिल भारतीय औसत से बेहतर रहा। इस बीच, सर्वेक्षण दौरों के 85 प्रतिशत के लिए पूर्वी क्षेत्र में उपभोक्ता विश्वास अखिल भारतीय सीएसआई से कम था (सारणी 1, चार्ट 1, और अनुबंध सी में चार्ट सी 1)।

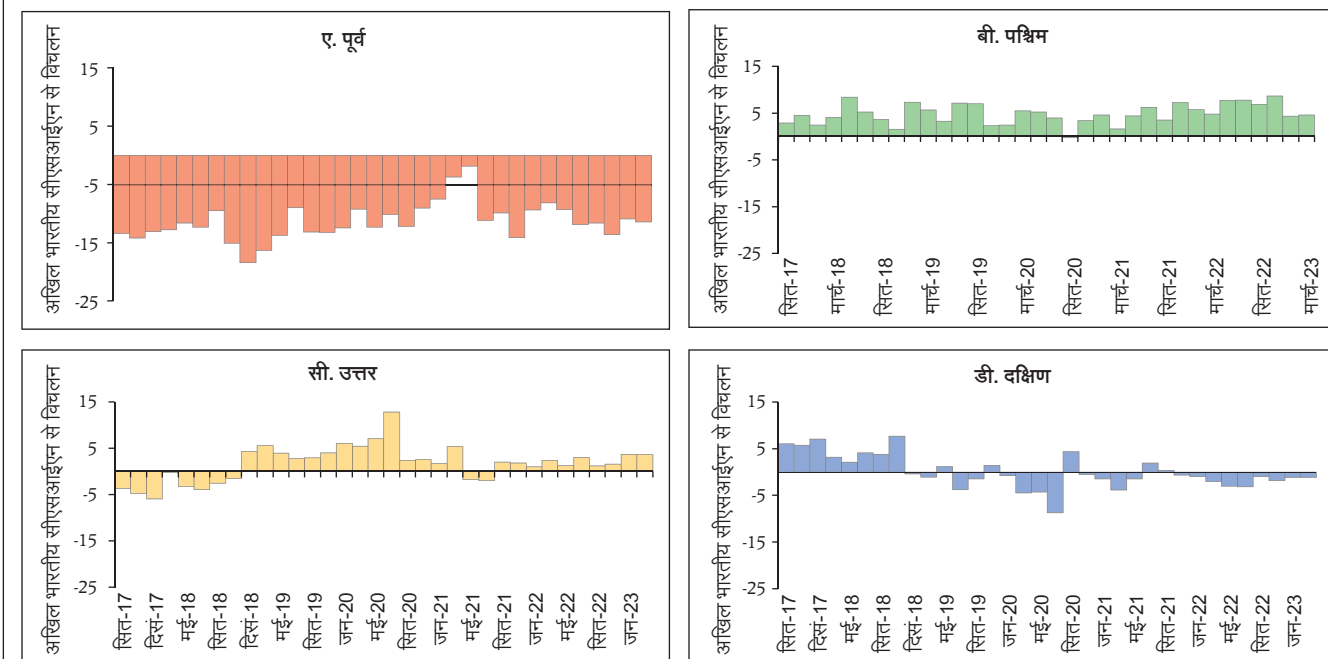
चार्ट 1: अखिल भारतीय औसत से वर्तमान क्षेत्रीय अपेक्षाओं का विचलन



टिप्पणी: विचलन एक वर्ष पहले की तुलना में वर्तमान अपेक्षाओं पर आधारित हैं और इसकी गणना क्षेत्रीय सीएसआई-अखिल भारतीय सीएसआई के रूप में की जाती है।
स्रोत: सीसीएस; और लेखकों की गणना

⁵ वर्तमान अवधि के लिए उपभोक्ता विश्वास को वर्तमान स्थिति सूचकांक (सीएसआई) के संदर्भ में परिभाषित किया गया है, जबकि भावी अपेक्षा सूचकांक (एफईआई) अब से एक वर्ष आगे के लिए उपभोक्ता विश्वास को प्रदर्शित करता है। सर्वेक्षण के प्रत्येक पैरामीटर और तदनुसंगी सीएसआई और एफईआई संख्याओं के लिए निवल प्रतिक्रियाओं की गणना समय समय पर राष्ट्रीय औसत के समान अखिल भारतीय स्तर और शर्तों पर की जाती है। निवल प्रत्युत्तरों के साथ अखिल भारतीय सीएसआई और एफईआई संख्याएं आरबीआई की वेबसाइट पर द्विमासिक रूप से प्रकाशित की जाती हैं। (<https://www.rbi.org.in/Scripts/BimonthlyPublications.aspx?head=Consumer%20Confidence%20Survey%20-%20Bi-monthly>).

चार्ट 2: अखिल भारतीय औसत से भावी क्षेत्रीय अपेक्षाओं का विचलन



टिप्पणी: विचलन आने वाले वर्ष के लिए भावी अपेक्षाओं पर आधारित हैं और इनकी गणना 'क्षेत्रीय एफईआई - अखिल भारतीय एफईआई' के रूप में की जाती है।
स्रोत: सीसीएस; और लेखकों की गणना।

इसके विपरीत, हालांकि दक्षिणी क्षेत्र के उपभोक्ताओं ने लगातार अन्य सभी क्षेत्रों की तुलना में अपनी वर्तमान अवधारणा (सीएसआईए के संदर्भ में) में आशावाद दिखाया, उनका दृष्टिकोण (एफईआई द्वारा मापा गया) आर्थिक संकेतकों के बारे में उनकी वर्तमान अवधारणाओं से मेल नहीं खाता है। केवल 37 प्रतिशत समय के लिए, उनका दृष्टिकोण राष्ट्रीय औसत से अधिक आशावादी था। इसी तरह, उत्तरी क्षेत्र में एक विरोधाभास है, जहां उत्तरदाता भविष्य के बारे में अधिक आशावादी थे, लेकिन आमतौर पर अपनी वर्तमान स्थिति के बारे में निराश थे। एक वर्ष आगे के परिदृश्य के बारे में देखें तो सर्वेक्षण अवधि के 97 प्रतिशत के लिए पश्चिमी क्षेत्र में अवधारणा अखिल भारतीय औसत से बेहतर रही। इसके विपरीत, पूर्व क्षेत्र के लिए एफईआई सभी 34 राउंड के लिए अखिल भारतीय एफईआई से कम रहा (सारणी 1, चार्ट 2, और अनुबंध सी में चार्ट सी 2)।

III.2 सर्वेक्षण मापदंडों के बीच क्षेत्रीय भिन्नता

आम तौर पर, सूचकांकों को सारांशित करने से प्राप्त परिणाम क्षेत्रीय स्तर के अधिकांश मापदंडों के साथ संरेखित होते हैं,

हालांकि आशावाद या निराशावाद के उनके स्तर के बारे में कुछ अंतर उत्पन्न होते हैं। सारांश सूचकांक पांच प्रमुख मापदंडों से निवल प्रतिक्रियाओं का औसत लेकर बनाए जाते हैं और इस तरह इन सारांश सूचकांकों में उतार-चढ़ाव की दिशा (चाहे वह आशावाद या निराशावाद की ओर हो) प्रत्येक पैरामीटर में पूरी तरह से परिलक्षित नहीं हो सकती है।

उत्तरी क्षेत्र में, वर्तमान रोजगार और आय के बारे में कम आशावादी होने के बावजूद, इसने समग्र आर्थिक स्थिति के बारे में आशावाद के उच्चतम स्तर को बनाए रखा। इस क्षेत्र में हाउसहोल्ड के एक उच्च अनुपात ने राष्ट्रीय औसत की तुलना में मूल्य स्तरों के बारे में कम निराशावाद व्यक्त किया। ऐसा प्रतीत होता है कि वर्तमान सामान्य आर्थिक स्थिति पर हाउसहोल्ड के विचार मुख्य रूप से रोजगार की परिस्थितियों या हाउसहोल्ड आय के बजाय मूल्य निर्धारण की अवधारणाओं से आकार लेते हैं। महामारी की शुरुआत के बाद से, जबकि अन्य मापदंडों पर उपभोक्ताओं की भावनाएं उत्तरी क्षेत्र के लिए अखिल भारतीय औसत से ज्यादातर नीचे रहीं, कुछ गिरावट के बावजूद, मूल्य स्तरों पर उनकी भावना ज्यादातर अखिल भारतीय औसत से ऊपर रही। मुद्रास्फीति

पर उनका दृष्टिकोण भी ज्यादातर समय राष्ट्रीय औसत से कम निराशावादी था। उनके वर्तमान विचारों के विपरीत, उत्तरी क्षेत्र के हाउसहोल्ड आगामी वर्ष के बारे में आशावादी हैं, भविष्य की आय और रोजगार के बारे में बेहतर भावना दिखा रहे हैं (सारणी 1, अनुबंध सी में चार्ट सी 1 से सी 18)।

इसके विपरीत, दक्षिणी क्षेत्र वर्तमान अवधि की सामान्य आर्थिक स्थिति के लिए कम आरएसआई मूल्य प्रदर्शित करता है, जो 56 है। ऐसा प्रतीत होता है कि राष्ट्रीय औसत की तुलना में दक्षिणी क्षेत्र में आवश्यक खर्चों में बढ़ी हुई कीमतों का सामना करने वाले हाउसहोल्ड का प्रतिशत अधिक है। हालांकि, दक्षिणी हाउसहोल्ड ने वर्तमान रोजगार और आय की स्थिति के बारे में महत्वपूर्ण आशावाद प्रदर्शित किया, जिससे सभी क्षेत्रों में उच्चतम आरएसआई प्राप्त हुआ। इसके अतिरिक्त, आय पर सकारात्मक दृष्टिकोण ने वर्तमान अवधि के दौरान गैर-आवश्यक खर्च में वृद्धि को प्रेरित किया, आंशिक रूप से मूल्य दबावों को कम किया।

इसके विपरीत, हालांकि भविष्य के आय अनुमान आगामी वर्ष में गैर-आवश्यक व्यय को रोकने का सुझाव देते हैं, कीमतों के बारे में कम निराशावाद के कारण आवश्यक वस्तुओं पर खर्च में कमी आई है (सारणी 1, अनुबंध सी में चार्ट सी 1 से सी 18)।

पश्चिमी क्षेत्र सामान्य आर्थिक स्थिति के अपने आकलन में कम निराशावादी हो जाता है, क्योंकि अधिकांश सर्वेक्षण दौरों में रोजगार की स्थिति, आय परिदृश्यों और मूल्य स्तरों पर अनुकूल सर्वेक्षण प्रतिक्रियाएं होती हैं। पश्चिमी क्षेत्र में वर्तमान अवधि की सामान्य आर्थिक स्थिति के लिए आरएसआई 71 है, जो क्षेत्रों में दूसरा सबसे अधिक है। पश्चिम में हाउसहोल्ड आर्थिक दृष्टिकोण के बारे में सबसे अधिक आशावादी हैं, भविष्य की सामान्य आर्थिक स्थिति के लिए आरएसआई 97 तक पहुंच गया है। उत्तरी क्षेत्र के समान, पश्चिमी क्षेत्र में कम कीमत के दबाव के परिणामस्वरूप आवश्यक खर्च कम हो जाता है (सारणी 1, अनुबंध सी में चार्ट सी 1 से सी 18)।

सारणी 1: क्षेत्रीय अपेक्षा संकेतक

(प्रतिशत में)

मानदंड	अवधि	क्षेत्र			
		उत्तर	दक्षिण	पूर्व	पश्चिम
सामान्य आर्थिक स्थिति	एक वर्ष पहले की तुलना में वर्तमान अवधि	88	56	3	71
रोजगार परिदृश्य		6	100	3	88
मूल्य स्तर		88	18	0	76
मुद्रास्फीति		85	56	24	12
घरेलू आय		3	94	38	79
कुल व्यय		18	76	100	12
आवश्यक व्यय		6	82	100	15
गैर-आवश्यक व्यय		56	71	50	29
वर्तमान स्थिति सूचकांक		29	94	15	74
सामान्य आर्थिक स्थिति		अब से एक वर्ष आगे	79	68	0
रोजगार परिदृश्य	41		85	0	94
मूल्य स्तर	74		41	18	56
मुद्रास्फीति	97		53	18	9
घरेलू आय	41		41	3	94
कुल व्यय	74		6	71	76
आवश्यक व्यय	74		15	82	71
गैर-आवश्यक व्यय	62		21	32	79
भावी अपेक्षा सूचकांक	71		38	0	97

स्रोत: सीसीएस; और लेखकों की गणना।

IV. सुसंगतता विश्लेषण का उपयोग करके हाउसहोल्ड की अवधारणा के बीच क्षेत्रीय भिन्नता का आकलन करना

यह खंड सुसंगतता विश्लेषण पर केंद्रित है, सामान्य आर्थिक स्थिति, रोजगार परिदृश्य, आय, व्यय और मूल्य स्तर जैसे विभिन्न आर्थिक कारकों के बीच संबंधों की खोज और क्षेत्रों में उनके विशिष्ट प्रभाव पर केंद्रित है। गहन जांच के माध्यम से, यह खंड इन चरों के बीच संबंधों की जांच करने का प्रयास करता है, विशेष रूप से पूर्व-महामारी, महामारी के दौरान और महामारी के बाद की अवधि के दौरान, और मूल्यवान रुझानों और क्षेत्रीय वाहकों का अनावरण करता है (अनुबंध डी में सारणी डी 1)। इस विश्लेषण की प्रमुख खोजों को नीचे उल्लिखित किया गया है।

- ए) सभी क्षेत्रों में सामान्य आर्थिक स्थिति और रोजगार परिदृश्य के बीच मजबूत सामंजस्य मौजूद है, विशेष रूप से महामारी के दौरान, उत्तरी और पूर्वी क्षेत्रों में चरम सामंजस्य दिखाई दे रहा है।
- बी) हाउसहोल्ड की अपनी आय पर अवधारणा और समग्र रोजगार की स्थिति के बारे में उनके दृष्टिकोण के बीच संबंध, हालांकि महामारी के दौरान अपेक्षाकृत अधिक है, सभी क्षेत्रों के लिए पूर्व-महामारी के स्तर पर लौट आया है, उत्तरी क्षेत्र में सबसे मजबूत संबंध देखा गया है।
- सी) महामारी के दौरान मूल्य स्तरों और सामान्य आर्थिक स्थिति के बीच अवधारणा का संरेखण बढ़ गया, उसके बाद उच्च रहा, विशेष रूप से पूर्वी क्षेत्र में, जो उपभोक्ता धारणाओं को प्रभावित करता है।
- डी) आवश्यक व्यय मुख्य रूप से समग्र व्यय को दर्शाते हैं, जो क्षेत्रों में मूल्य स्तरों के साथ उच्च सामंजस्य दिखाते हैं, जो कीमतों में लचीलेपन का संकेत देते हैं। गैर-आवश्यक व्यय, हालांकि, अधिक कीमतों में लचीलापन दर्शाते हैं, जो मूल्य स्तरों के साथ कम संरेखण दर्शाता है।
- ई) महामारी के दौरान, मूल्य स्तर और गैर-आवश्यक व्यय के बीच सामंजस्य पूरे क्षेत्रों में बिगड़ गया, जो महामारी के बाद भी बरकरार रहा। आवश्यक खर्च की तुलना में

गैर-आवश्यक व्यय के साथ समग्र व्यय कम सहसंबद्ध है, यह एक ऐसी प्रवृत्ति है जो महामारी के बाद भी जारी है।

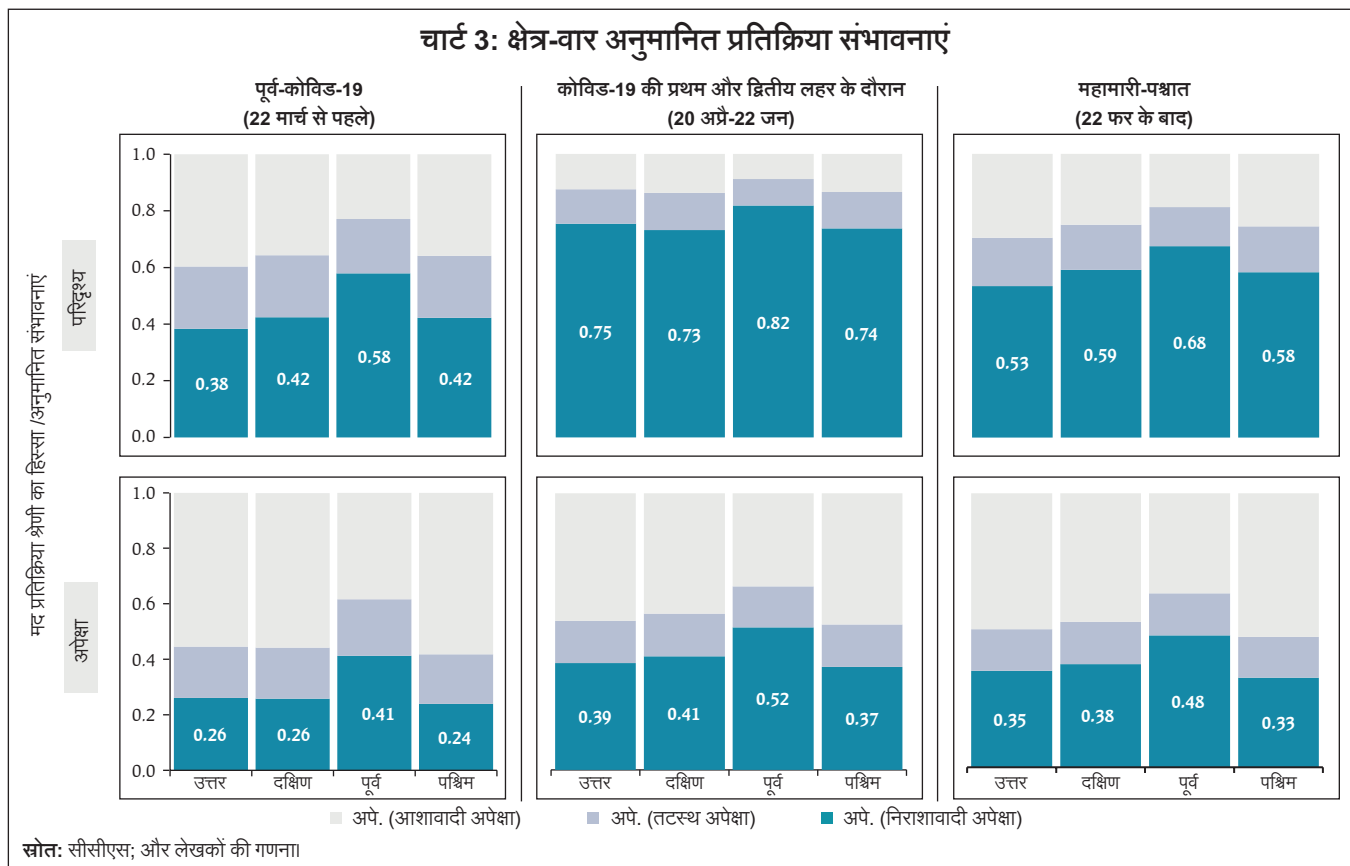
- एफ) व्यय करने के स्वरूप में विचलन, विशेष रूप से पूर्वी क्षेत्र में, मूल्य दबाव के कारण आवश्यक व्यय में वृद्धि का संकेत देता है, जो गैर-आवश्यक व्यय में कमी के साथ युग्मित है, जो महामारी के दौरान और बाद की अवधि के दौरान रोजगार और आय के बारे में बढ़े हुए निराशावाद से प्रेरित है।

V. प्रत्येक क्षेत्र में सामान्य आर्थिक स्थिति को विभिन्न समूह कैसे देखते हैं?

यह खंड सामान्य आर्थिक स्थिति के बारे में उपभोक्ताओं की भावनाओं का विश्लेषण करता है, जो तीन अलग-अलग समय अवधि में पांच सर्वेक्षण मापदंडों में से एक का गठन करता है। इस पहलू का पता लगाने के लिए, हम यह निर्धारित करने के लिए क्रमिक लॉजिस्टिक प्रतिगमन को नियोजित करते हैं कि क्या क्षेत्रीय वितरण सामान्य आर्थिक स्थिति से संबंधित धारणाओं और दृष्टिकोण को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करता है - ब्याज का एक प्रमुख चर। इसके अतिरिक्त, हम आय और व्यवसाय श्रेणियों को व्याख्यात्मक चर के रूप में शामिल करते हैं। हम एक विशेष "समूह" के भीतर निराशावाद के स्तर का तुलनात्मक मूल्यांकन प्रदान करने के लिए प्रतिगमन से गणना किए गए विषम अनुपात का उपयोग करते हैं - उदाहरण के लिए, पूर्व क्षेत्र में रहने वाले हाउसहोल्ड - अन्य समूहों के संबंध में सामान्य आर्थिक स्थिति के विषय में।

लॉजिस्टिक प्रतिगमन से प्राप्त अनुमानित संभावनाओं से संकेत मिलता है कि, सभी तीन समय अवधि के लिए, पूर्वी क्षेत्र ने अन्य क्षेत्रों की तुलना में सामान्य आर्थिक स्थिति के बारे में उच्च निराशावाद की सूचना दी (चार्ट 3)।

हाउसहोल्ड की वर्तमान अवधारणाओं पर विचार करते समय, पूर्व-महामारी अवधि के दौरान, निराशावादी होने की संभावना पूर्व क्षेत्र के हाउसहोल्ड की तुलना में उत्तर में हाउसहोल्ड के लिए 0.48 गुना कम, दक्षिण और पश्चिम में परिवारों के लिए 0.55 गुना



कम थी (सारणी 2)। हालाँकि, जैसे-जैसे महामारी बढ़ी, ये विषम अनुपात संदर्भ क्षेत्र (यानी, पूर्व) की ओर बढ़ते गए। दक्षिणी क्षेत्रों ने सर्वेक्षण किए गए क्षेत्रों में सबसे कम निराशावाद का प्रदर्शन किया। यह प्रवृत्ति महामारी के बाद की अवधि में बनी रही।

दूसरी ओर, सर्वेक्षण मापदंडों में हाउसहोल्ड के दृष्टिकोण का विश्लेषण करते समय, पूर्वानुमानित संभावनाओं ने आम तौर पर सकारात्मक भावना का संकेत दिया, जिसमें आशावाद प्रबल था। हालांकि, महामारी के दौरान, आशावाद में काफी गिरावट आई, लेकिन पूर्व-महामारी के स्तर से अधिक रहा। पूर्व-महामारी अवधि के दौरान पूर्वी क्षेत्रों की तुलना में आर्थिक दृष्टिकोण के बारे में निराशावादी होने की संभावना उत्तर में हाउसहोल्ड के लिए 0.53 गुना कम, दक्षिण में हाउसहोल्ड के लिए 0.50 गुना कम और पश्चिम में हाउसहोल्ड के लिए 0.46 गुना कम थी (सारणी 2)। वर्तमान अवधारणा निष्कर्षों के समान, महामारी के दौरान सभी क्षेत्रों के लिए विषम अनुपात में वृद्धि हुई और उसके बाद

अपेक्षाकृत स्थिर रही। अध्ययन अवधि के दौरान, पश्चिमी क्षेत्र के हाउसहोल्ड ने आर्थिक दृष्टिकोण के संबंध में निराशावाद का निम्नतम स्तर प्रदर्शित किया।

आय और व्यवसाय श्रेणियों पर आधारित अवधारणाओं ने क्षेत्रों में उल्लेखनीय समानताएं दिखाईं, जो पूरे क्षेत्रों में संबंधित वर्गों के बीच एक समान उपभोक्ता व्यवहार का संकेत देती हैं। जैसे-जैसे हाउसहोल्ड आय में वृद्धि हुई, आशावाद के स्तर में भी सुधार हुआ, हालांकि सभी आय वर्गों ने महामारी के दौरान अवधारणा में गिरावट का अनुभव किया, और अवधारणाएँ अभी तक पूरी तरह से पूर्व-महामारी के स्तर पर नहीं लौटी हैं। विशेष रूप से, महामारी के बाद की अवधि में, विभिन्न आय वर्गों के बीच अवधारणाओं के बीच की खाई चौड़ी हो गई, जिसमें उच्च-आय वाले समूहों ने निम्न-आय समूहों की तुलना में कम निराशावाद प्रदर्शित किया। एक वर्ष आगे के दृष्टिकोण में एक समान स्वरूप उभरा, जिसमें उच्च-आय वाले समूहों में पहले की तुलना में महामारी के बाद

सारणी 2: सामान्य आर्थिक स्थिति के लिए विषम अपेक्षाओं की बाधाएं

	पूर्व-कोविड-19 (मार्च-2020 से पहले)		कोविड-19 अवधि (अप्रैल 2020 - जनवरी, 2022)		महामारी के बाद (फरवरी 2022 के बाद)	
	विषम अनुपात (95% सीआई*)	पी-मान	विषम अनुपात (95% सीआई*)	पी-मान	विषम अनुपात (95% सीआई*)	पी-मान
आश्रित घर: सामान्य आर्थिक स्थिति पर वर्तमान अपेक्षा						
स्वतंत्र घर						
क्षेत्र						
पूर्व	संदर्भ		संदर्भ		संदर्भ	
उत्तर	0.481 (0.461, 0.501)	0.000	0.706 (0.662, 0.753)	0.0000	0.610 (0.570, 0.653)	0.000
दक्षिण	0.546 (0.526, 0.567)	0.000	0.609 (0.573, 0.648)	0.0000	0.740 (0.693, 0.790)	0.000
पश्चिम	0.551 (0.529, 0.573)	0.000	0.624 (0.586, 0.665)	0.0000	0.701 (0.656, 0.750)	0.000
आश्रित घर: सामान्य आर्थिक स्थिति पर 1 वर्ष आगे की अपेक्षाएं						
स्वतंत्र घर						
क्षेत्र						
पूर्व	संदर्भ		संदर्भ		संदर्भ	
उत्तर	0.527 (0.506, 0.549)	0.000	0.613 (0.583, 0.645)	0.000	0.633 (0.595, 0.674)	0.000
दक्षिण	0.504 (0.485, 0.523)	0.000	0.659 (0.628, 0.692)	0.000	0.686 (0.646, 0.729)	0.000
पश्चिम	0.462 (0.444, 0.481)	0.000	0.564 (0.536, 0.592)	0.000	0.547 (0.514, 0.582)	0.000

टिप्पणी: * विश्वास अंतराल इंगित करता है।

स्रोत: सीसीएस; और लेखकों की गणना।

निराशावाद व्यक्त करने की संभावना काफी कम थी (अनुबंध ई में सारणी ई 1 और ई 2)।

वर्तमान सामान्य आर्थिक स्थिति से संबंधित व्यवसाय श्रेणियों द्वारा अवधारणाओं की जांच करते समय, सेवानिवृत्त व्यक्ति महामारी से पहले सबसे कम आशावादी थे, इसके बाद स्वरोजगार थे। हालांकि, महामारी के दौरान जब संक्रमण को नियंत्रित करने के लिए रोकथाम के उपाय किए गए, स्व-नियोजित श्रेणी सबसे कम आशावादी हो गई, जिसमें दैनिक कर्मचारी दूसरे स्थान पर रहे। जनवरी 2022 में कोविड की ओमीक्रॉन लहर के बाद, और प्रतिबंधों में ढील के साथ, स्व-नियोजित श्रेणी ने वर्तमान धारणाओं में सबसे तेज रिकवरी का प्रदर्शन किया। फिर भी, दैनिक श्रमिक सेवानिवृत्त व्यक्तियों के साथ-साथ व्यवसाय श्रेणियों में सबसे निराशावादी में से एक बने रहे।

VI. निष्कर्ष

इस आलेख में उपभोक्ता विश्वास और संबंधित सर्वेक्षण मापदंडों में क्षेत्रीय विविधताओं का विश्लेषण किया गया है, जो आय असमानता, मूल्य गतिशीलता, औद्योगिकीकरण और शहरीकरण में क्षेत्रीय मतभेदों के प्रभाव को दर्शाता है। दक्षिण और पश्चिम क्षेत्र अखिल भारतीय औसत की तुलना में अपेक्षाकृत उच्च उपभोक्ता विश्वास स्तर प्रदर्शित करते हैं, जबकि उत्तरी क्षेत्र आंतरायिक आशावाद प्रदर्शित करता है। सुसंगतता विश्लेषण सामान्य आर्थिक स्थिति के उपभोक्ताओं की धारणाओं पर खासकर पूर्वी क्षेत्र में मूल्य स्तरों के मजबूत प्रभाव पर प्रकाश डालता है। अपनी आय पर हाउसहोल्ड की भावना और समग्र रोजगार परिदृश्य पर उनके दृष्टिकोण के बीच संबंध, हालांकि महामारी के दौरान अपेक्षाकृत अधिक है, सभी क्षेत्रों के लिए पूर्व-महामारी के स्तर पर लौट आया

हैं, उत्तरी क्षेत्र में सबसे मजबूत संबंध देखा गया है। अध्ययन से यह भी पता चलता है कि समग्र व्यय मुख्य रूप से आवश्यक व्यय द्वारा संचालित होता है, जिसकी कीमतों में ज्यादा उतार-चढ़ाव नहीं होते हैं, जबकि गैर-आवश्यक व्यय मूल्य स्तरों के साथ कम संरेखण दिखाते हैं। उच्च आय समूहों ने महामारी के बाद अधिक आशावाद प्रदर्शित किया।

संदर्भ:

Celik, S., Aslanoglu, E. and Uzun, S. (2010). Determinants of Consumer Confidence in Emerging Economies: A Panel Cointegration Analysis. *Topics in Middle Eastern and North African Economies*, 12.

Das, A., Lahiri, K., and Zhao, Y. (2017). Asymmetries in Indian Inflation Expectations. In *Workshop on "Forecasting Issues in Developing Economies"*. IMF, Washington DC.

Dominitz, J., and Manski, C. F. (2007). Expected equity returns and portfolio choice: Evidence from the Health and Retirement Study. *Journal of the European Economic Association*, 5(2-3), 369-379.

Fernandez, R., Immervoll, H., Pacifico, D., Browne, J., Neumann, D., and Thévenot, C. (2018). Faces of Joblessness in Spain: A People-centred perspective on employment barriers and policies.

Guo, J. (2016). Regional Differences in Consumer Confidence, Consumption, and Employment: 2001-2014. Yale University.

Kilic, E. and Cankaya, S. (2016). Consumer confidence and economic activity: a factor augmented VAR approach. *Applied Economics*, 48:32, 3062-3080.

Kumar, N., Singh, D.P. and Mishra, A. (2019). Efficacy of the Consumer Confidence Survey in Forecasting Macro-Economic Conditions. *RBI Bulletin*, Vol. 73(12).

Mankiw, N. G., Reis, R., and Wolfers, J. (2003). Disagreement about inflation expectations. *NBER macroeconomics annual*, 18, 209-248.

Ohlan, R. (2013). Pattern of regional disparities in socio-economic development in India: District level analysis. *Social Indicators Research*, 114, 841-873.

Owyang, M. T., Piger, J., and Wall, H. J. (2005). Business cycle phases in US states. *Review of Economics and Statistics*, 87(4), 604-616.

Puri, M., and Robinson, D. T. (2007). Optimism and economic choice. *Journal of financial economics*, 86(1), 71-99.

Sardar, S., Sanyal, A., and Das, T.B. (2023). Did COVID-19 Affect Households Differently? Understanding Heterogeneity in Consumer Confidence. *RBI Working Paper Series No. 06, 06/2023*.

Souleles, N. S. (2004). Expectations, heterogeneous forecast errors, and consumption: Micro evidence from the Michigan consumer sentiment surveys. *Journal of Money, Credit and Banking*, 39-72.

अनुबंध-ए: सर्वेक्षण विवरण

I. सर्वेक्षण कवरेज और प्रश्नावली

जून 2010 में इसकी स्थापना के बाद से, सर्वेक्षण कवरेज का धीरे-धीरे विस्तार किया गया है और वर्तमान में, मार्च 2021 से, यह 19 शहरों में आयोजित किया जाता है, अर्थात्, अहमदाबाद, बेंगलुरु, भोपाल, भुवनेश्वर, चंडीगढ़, चेन्नई, दिल्ली, गुवाहाटी, हैदराबाद, जम्मू, जयपुर, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई, नागपुर, पटना, रायपुर, रांची और तिरुवनंतपुरम। प्रत्येक सर्वेक्षण दौर में, हाइब्रिड टू स्टेज सैंपलिंग डिज़ाइन का उपयोग करके लगभग 6,100 हाउसहोल्ड का नमूना लिया जाता है। एक शहर में पहले चरण में, मतदान बूथों को व्यवस्थित यादृच्छिक सैंपलिंग द्वारा चुना जाता है, सभी मतदान केंद्रों को उनके निर्वाचन क्षेत्रों के अनुसार व्यवस्थित किया जाता है। दूसरे चरण में, दाहिने हाथ के नियम का पालन करते हुए प्रत्येक चयनित मतदान केंद्र क्षेत्र से 15 उत्तरदाताओं का चयन किया जाता है।

हाउसहोल्ड से पांच प्रमुख मापदंडों अर्थात् सामान्य आर्थिक स्थिति, रोजगार परिदृश्य, मूल्य स्तर, हाउसहोल्ड की आय और व्यय पर उनकी वर्तमान अवधारणा और एक वर्ष के दृष्टिकोण के बारे में पूछा जाता है। इसके अतिरिक्त, सर्वेक्षण मूल्य परिवर्तन की दर और हाउसहोल्ड के स्वयं के आवश्यक और गैर-आवश्यक व्यय पर भी प्रतिक्रिया प्राप्त करता है। प्रतिक्रियाओं को तीन-बिंदु पैमाने पर दर्ज किया जाता है (यानी, सुधार है/ सुधार होगा, खराब है / खराब हो जाएगा और वही है / वही रहेगा)।

II. उपभोक्ता विश्वास सूचकांक

सर्वेक्षण प्रतिक्रियाओं को "निवल प्रतिक्रिया" का उपयोग करके संक्षेप में प्रस्तुत किया जाता है, जिसे कमी (नकारात्मक) की

रिपोर्ट करने वाले उत्तरदाताओं के प्रतिशत के रूप में परिभाषित किया जाता है, जो वृद्धि (सकारात्मक) की रिपोर्ट करने वाले प्रतिशत से घटाया जाता है। निवल प्रतिक्रियाएं -100 से +100 तक मान ली जा सकती हैं।

विभिन्न पैरामीटरों पर उपभोक्ताओं के विश्वास को संक्षेप में प्रस्तुत करने के लिए, दो उपभोक्ता विश्वास सूचकांक तैयार किए गए हैं, अर्थात्, वर्तमान स्थिति सूचकांक (सीएसआई), जो एक वर्ष पहले की तुलना में वर्तमान अवधि के लिए उपभोक्ता विश्वास को दर्शाता है, और भावी अपेक्षा सूचकांक (एफआईआई), जो एक वर्ष आगे के दृष्टिकोण को दर्शाता है। सूचकांकों की गणना निम्नानुसार की जाती है:

समग्र सूचकांक = 100 + औसत (चयनित मापदंडों की निवल प्रतिक्रिया)

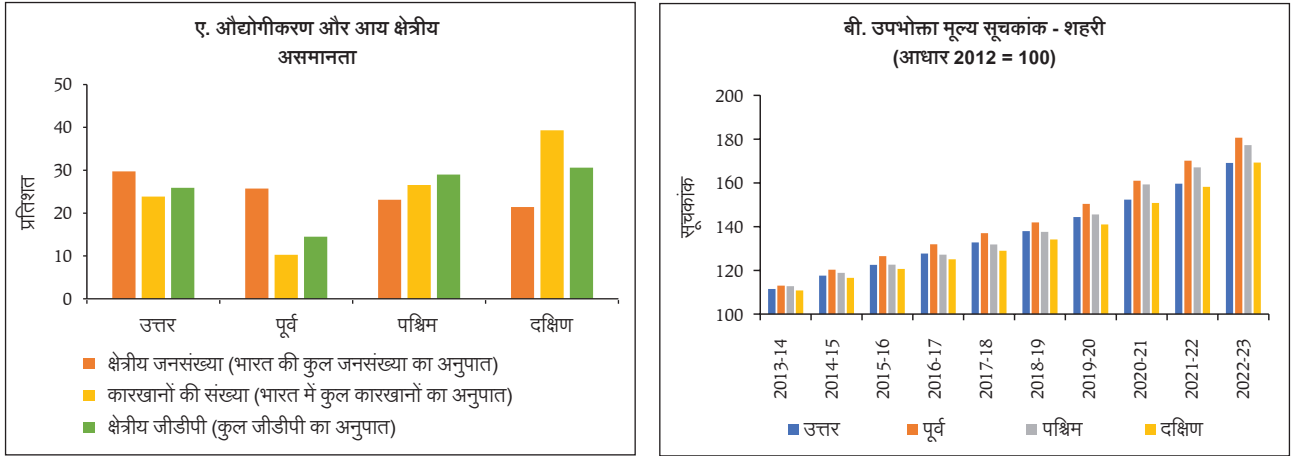
जहां,

निवल प्रतिक्रिया = सकारात्मक अवधारणाएं (प्रतिशत) - नकारात्मक अवधारणाएं (प्रतिशत)

सीएसआई और एफआईआई क्रमशः पांच प्रमुख मापदंडों, अर्थात् आर्थिक स्थिति, रोजगार, मूल्य स्तर, आय और व्यय पर वर्तमान अवधारणा और एक वर्ष के आगे के दृष्टिकोण को संक्षेप में प्रस्तुत करते हैं। सीएसआई और एफआईआई 0 से 200 के बीच मान ले सकते हैं। 100 से नीचे का सूचकांक मूल्य निराशावाद को इंगित करता है, जबकि 100 से ऊपर आशावाद का संकेत देता है।

अनुबंध-बी: क्षेत्रीय परिवर्तन

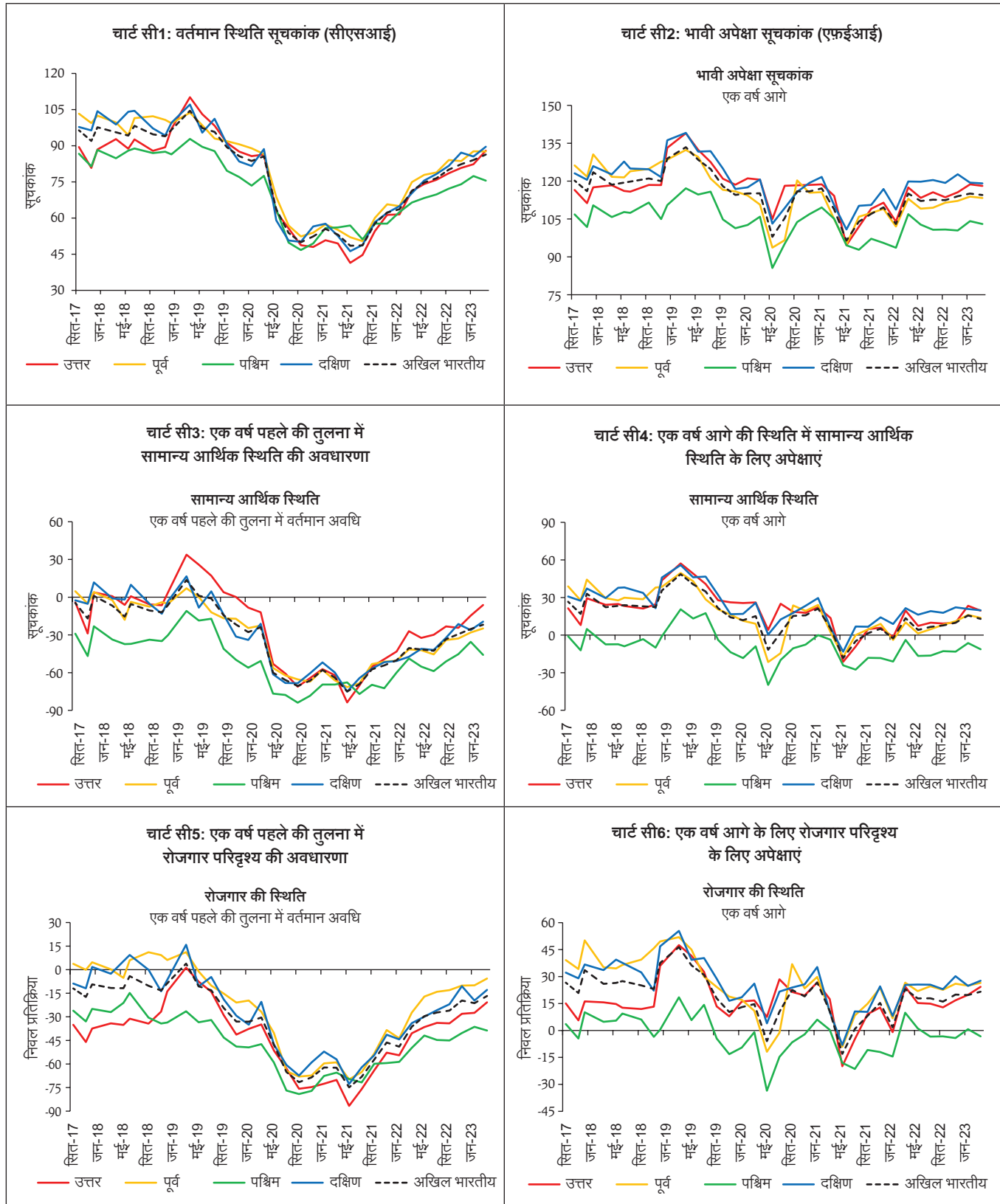
चार्ट बी1: औद्योगीकरण, आय और कीमतों के उतार-चढ़ाव के संदर्भ में क्षेत्रीय भिन्नता*



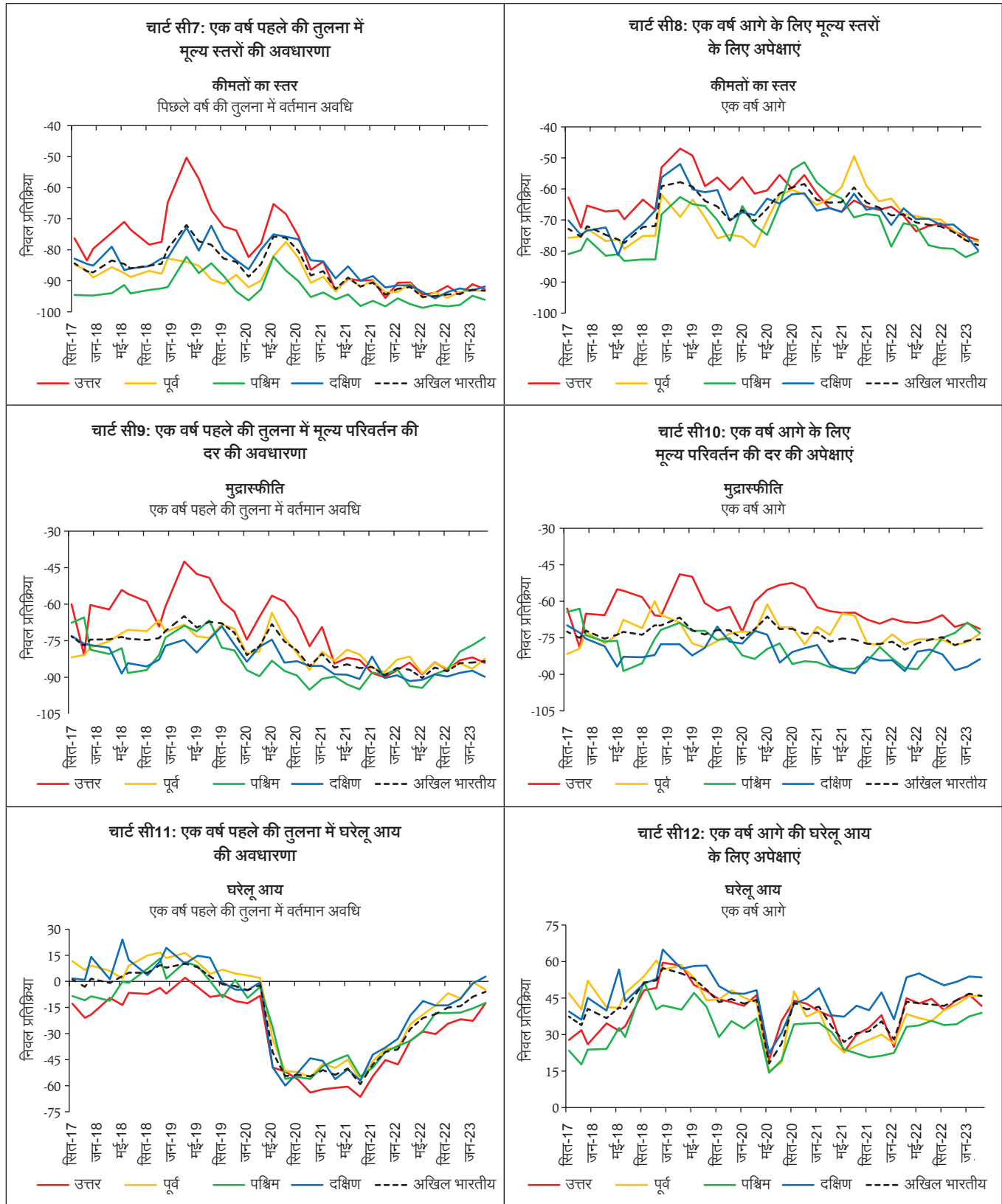
टिप्पणी: * 20 प्रमुख राज्यों के आधार पर, यथा आंध्र प्रदेश, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, गुजरात, हरियाणा, झारखंड, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल का उपयोग इस विश्लेषण के लिए किया गया है।

स्रोत: भारत की जनगणना, 2011, उद्योगों का वार्षिक सर्वेक्षण; 2019-20, आर्थिक सर्वेक्षण, 2022-23; सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई); और लेखकों की गणना।

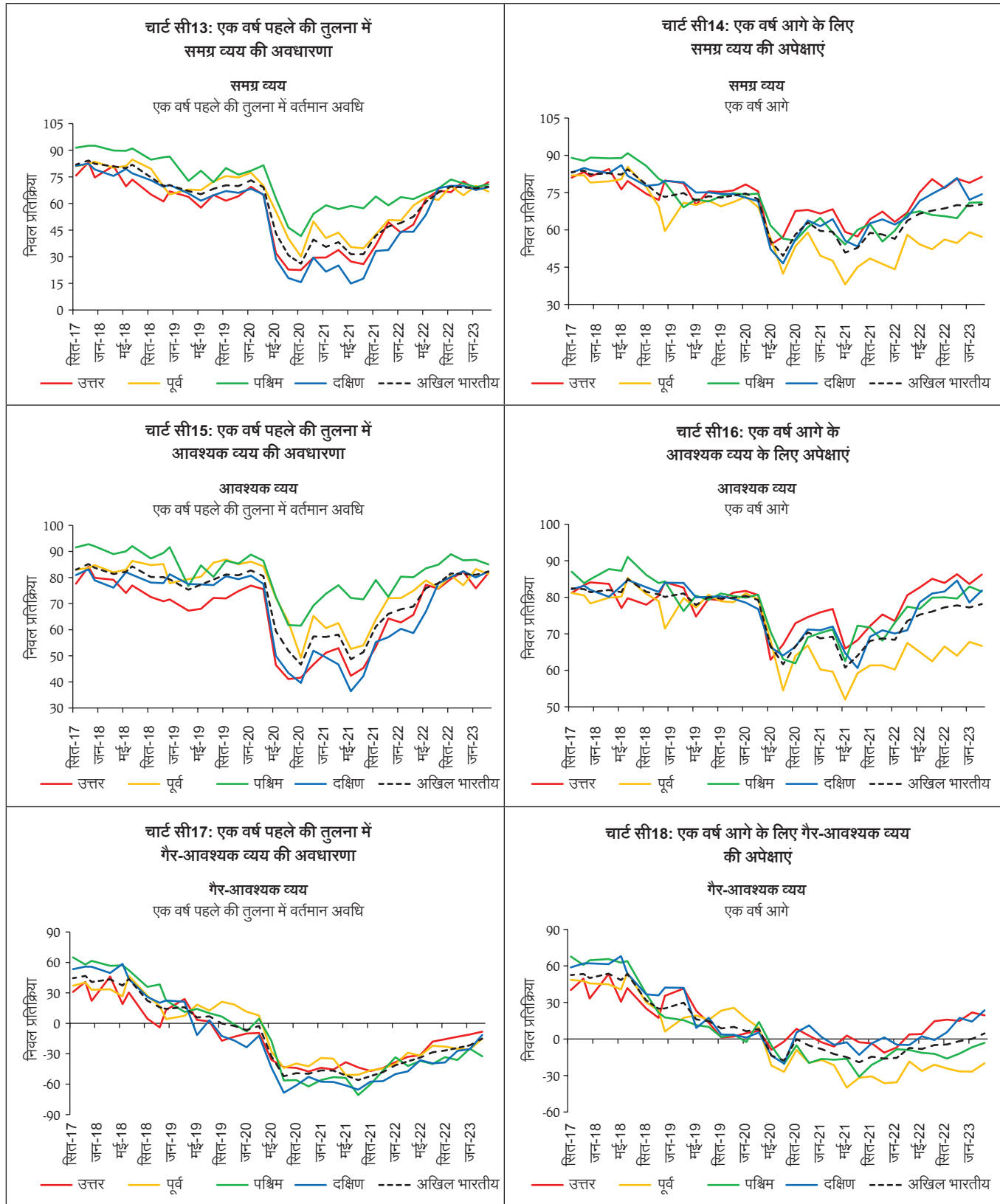
अनुबंध-सी: क्षेत्रीय उपभोक्ता विश्वास



अनुबंध-सी: क्षेत्रीय उपभोक्ता विश्वास (Contd.)



अनुबंध-सी: क्षेत्रीय उपभोक्ता विश्वास (समाप्त)



स्रोत : उपभोक्ता विश्वास सर्वेक्षण, आरबीआई और लेखकों की गणना।

अनुबंध-डी: सर्वेक्षण मापदंडों के बीच सामंजस्य
सारणी डी1: सर्वेक्षण मानदंडों के बीच सामंजस्य – क्षेत्रवार

मानदंड संयोजन	अवधि	एक वर्ष पहले की तुलना में वर्तमान अवधि				
		उत्तर	दक्षिण	पूर्व	पश्चिम	कुल मिलाकर
सामान्य आर्थिक स्थिति की तुलना में रोजगार परिदृश्य	पूर्व-महामारी	56.6	54.8	60.2	61.6	57.8
	महामारी	76.4	66.9	74.9	71.2	71.8
	ओमिक्रॉन- पश्चात	65.2	56.2	66.9	65.9	62.8
सामान्य आर्थिक स्थिति की तुलना में मूल्य स्तर	पूर्व-महामारी	42.6	42.1	59.4	44.8	45.7
	महामारी	71.0	68.9	78.7	68.7	71.0
	ओमिक्रॉन- पश्चात	55.3	57.3	67.4	58.2	58.6
घरेलू आय की तुलना में रोजगार परिदृश्य	पूर्व-महामारी	46.4	41.9	40.0	42.4	42.7
	महामारी	63.9	54.9	55.7	56.7	57.9
	ओमिक्रॉन- पश्चात	47.3	41.8	45.4	42.7	44.1
मूल्य स्तर की तुलना में समग्र व्यय	पूर्व-महामारी	44.4	42.9	39.7	46.3	43.6
	महामारी	53.6	52.3	55.6	59.1	55.0
	ओमिक्रॉन- पश्चात	48.5	42.4	50.1	47.8	46.7
घरेलू आय की तुलना में गैर-आवश्यक व्यय	पूर्व-महामारी	69.3	78.8	85.0	73.3	76.2
	महामारी	55.1	59.7	68.2	51.5	57.7
	ओमिक्रॉन- पश्चात	72.8	72.7	73.0	72.9	72.8
मूल्य स्तर की तुलना में आवश्यक व्यय	पूर्व-महामारी	72.5	84.2	87.4	78.9	80.7
	महामारी	65.1	71.5	78.7	64.0	69.0
	ओमिक्रॉन- पश्चात	81.0	82.5	86.9	80.9	82.4
मूल्य स्तर की तुलना में गैर-आवश्यक व्यय	पूर्व-महामारी	36.7	48.3	51.5	44.6	45.2
	महामारी	13.6	19.8	11.7	13.0	15.0
	ओमिक्रॉन- पश्चात	19.1	26.0	15.6	21.8	21.4
कुल खर्च की तुलना में आवश्यक व्यय	पूर्व-महामारी	88.2	88.0	92.1	86.7	88.4
	महामारी	83.6	80.1	84.6	78.9	81.4
	ओमिक्रॉन- पश्चात	88.2	85.6	83.8	87.9	86.6
कुल व्यय की तुलना में गैर-आवश्यक व्यय	पूर्व-महामारी	51.1	60.9	60.0	60.1	58.3
	महामारी	43.1	44.2	27.5	42.4	40.7
	ओमिक्रॉन- पश्चात	37.3	43.5	28.6	38.0	38.0

(Contd.)

मानदंड संयोजन	अवधि	एक वर्ष पहले की तुलना में वर्तमान अवधि				
		उत्तर	दक्षिण	पूर्व	पश्चिम	कुल मिलाकर
सामान्य आर्थिक स्थिति की तुलना में रोजगार परिदृश्य	पूर्व-महामारी	67.5	64.3	67.8	71.8	67.5
	महामारी	70.9	64.2	71.3	69.5	68.5
	ओमिक्रॉन- पश्चात	69.2	64.1	69.8	72.1	68.5
सामान्य आर्थिक स्थिति की तुलना में मूल्य स्तर	पूर्व-महामारी	33.7	30.8	49.5	33.1	35.1
	महामारी	44.6	43.7	56.5	41.2	45.3
	ओमिक्रॉन- पश्चात	40.8	41.4	52.7	38.4	42.2
घरेलू आय की तुलना में रोजगार परिदृश्य	पूर्व-महामारी	51.8	53.2	47.1	53.9	52.1
	महामारी	49.2	46.6	45.4	47.6	47.3
	ओमिक्रॉन- पश्चात	49.7	45.3	46.1	51.5	48.2
घरेलू आय की तुलना में गैर-आवश्यक व्यय	पूर्व-महामारी	49.0	49.3	46.4	51.2	49.2
	महामारी	44.0	38.8	43.9	45.8	42.8
	ओमिक्रॉन- पश्चात	47.9	33.3	45.8	45.7	42.4
मूल्य स्तर की तुलना में समग्र व्यय	पूर्व-महामारी	66.2	74.3	75.9	71.6	72.0
	महामारी	59.0	57.4	59.9	58.9	58.6
	ओमिक्रॉन- पश्चात	69.5	62.7	65.9	69.2	66.8
मूल्य स्तर की तुलना में आवश्यक व्यय	पूर्व-महामारी	67.6	77.0	78.4	73.0	74.0
	महामारी	62.8	61.3	65.3	62.9	62.8
	ओमिक्रॉन- पश्चात	73.4	67.1	75.0	72.2	71.4
मूल्य स्तर की तुलना में गैर-आवश्यक व्यय	पूर्व-महामारी	43.7	51.5	51.3	51.4	49.6
	महामारी	30.3	29.2	25.9	33.8	30.2
	ओमिक्रॉन- पश्चात	34.2	28.8	25.4	40.4	32.8
कुल व्यय की तुलना में आवश्यक व्यय	पूर्व-महामारी	91.8	89.6	92.0	91.5	91.0
	महामारी	89.5	85.1	87.4	88.0	87.4
	ओमिक्रॉन- पश्चात	91.8	88.1	86.2	92.9	90.0
कुल व्यय की तुलना में गैर-आवश्यक व्यय	पूर्व-महामारी	55.9	65.2	63.6	66.0	63.0
	महामारी	47.1	47.2	45.0	53.6	48.5
	ओमिक्रॉन- पश्चात	47.3	46.6	42.0	53.6	47.9

स्रोत: सीसीएस; और लेखकों की गणना।

अनुबंध-ई: क्रमिक रसद प्रतिगमन के परिणाम
सारणी ई1: वर्तमान अवधि के लिए नकारात्मक अवधारणा की संभावना

	पूर्व-कोविड-19 (मार्च-2020 से पहले)		कोविड-19 अवधि (अप्रैल 2020 - जनवरी, 2022)		महामारी के बाद (फरवरी 2022 के बाद)		
	विषम अनुपात (95% सीआई)	पी-मान	विषम अनुपात (95% सीआई)	पी-मान	विषम अनुपात (95% सीआई)	पी-मान	
आश्रित चर: सामान्य आर्थिक स्थिति पर वर्तमान धारणा							
स्वतंत्र चर							
क्षेत्र							
	पूर्व	संदर्भ		संदर्भ		संदर्भ	
उत्तर		0.481 (0.461, 0.501)	0.0000	0.706 (0.662, 0.753)	0.0000	0.610 (0.570, 0.653)	0.0000
दक्षिण		0.546 (0.526, 0.567)	0.0000	0.609 (0.573, 0.648)	0.0000	0.740 (0.693, 0.790)	0.0000
पश्चिम		0.551 (0.529, 0.573)	0.0000	0.624 (0.586, 0.665)	0.0000	0.701 (0.656, 0.750)	0.0000
आय							
₹1 लाख या उससे कम		संदर्भ		संदर्भ		संदर्भ	
₹1 से लेकर 3 लाख से कम		0.803 (0.782, 0.825)	0.0000	0.910 (0.872, 0.948)	0.0000	0.815 (0.776, 0.856)	0.0000
₹ 3 लाख से 5 लाख		0.689 (0.657, 0.723)	0.0000	0.713 (0.667, 0.762)	0.0000	0.630 (0.591, 0.671)	0.0000
₹5 लाख या उससे अधिक		0.709 (0.660, 0.762)	0.0000	0.670 (0.61, 0.736)	0.0000	0.496 (0.450, 0.546)	0.0000
शिक्षा							
दैनिक कर्मचारी		संदर्भ		संदर्भ		संदर्भ	
कार्यरत		0.909 (0.868, 0.952)	0.0001	0.928 (0.863, 0.997)	0.0405	0.817 (0.756, 0.884)	0.0000
गृहिणियां		1.092 (1.045, 1.142)	0.0001	1.085 (1.011, 1.164)	0.0231	1.040 (0.965, 1.119)	0.3046
सेवानिवृत्त/पेंशनभोगी		1.237 (1.157, 1.323)	0.0000	0.843 (0.759, 0.936)	0.0014	1.006 (0.893, 1.135)	0.9176
स्व-व्यवसायी/व्यवसाय		1.051 (1.001, 1.103)	0.0452	1.091 (1.012, 1.176)	0.0226	0.840 (0.773, 0.912)	0.0000
अन्य		0.769 (0.728, 0.812)	0.0000	0.855 (0.787, 0.928)	0.0002	0.724 (0.663, 0.790)	0.0000

स्रोत: सीसीएस; और लेखकों की गणना।

सारणी ई2: आगे एक वर्ष के लिए नकारात्मक अवधारणाओं की संभावना

	पूर्व-कोविड-19 (मार्च-2020 से पहले)		कोविड-19 अवधि (अप्रैल 2020 - जनवरी, 2022)		महामारी के बाद (फरवरी 2022 के बाद)		
	विषम अनुपात (95% सीआई)	पी-मान	विषम अनुपात (95% सीआई)	पी-मान	विषम अनुपात (95% सीआई)	पी-मान	
आश्रित चर: सामान्य आर्थिक स्थिति में 1 वर्ष आगे की अपेक्षाएं							
स्वतंत्र चर							
क्षेत्र							
	पूर्व	संदर्भ		संदर्भ		संदर्भ	
उत्तर		0.527 (0.506, 0.549)	0.0000	0.613 (0.583, 0.645)	0.0000	0.633 (0.595, 0.674)	0.0000
दक्षिण		0.504 (0.485, 0.523)	0.0000	0.659 (0.628, 0.692)	0.0000	0.686 (0.646, 0.729)	0.0000
पश्चिम		0.462 (0.444, 0.481)	0.0000	0.564 (0.536, 0.592)	0.0000	0.547 (0.514, 0.582)	0.0000
आय							
₹1 लाख या उससे कम		संदर्भ		संदर्भ		संदर्भ	
₹1 से लेकर 3 लाख से कम		0.826 (0.804, 0.849)	0.0000	0.932 (0.901, 0.964)	0.0000	0.848 (0.810, 0.887)	0.0000
₹ 3 लाख से 5 लाख		0.740 (0.704, 0.778)	0.0000	0.731 (0.691, 0.774)	0.0000	0.665 (0.625, 0.707)	0.0000
₹5 लाख या उससे अधिक		0.747 (0.693, 0.805)	0.0000	0.656 (0.604, 0.712)	0.0000	0.579 (0.526, 0.637)	0.0000
शिक्षा							
दैनिक कर्मचारी		संदर्भ		संदर्भ		संदर्भ	
कार्यरत		0.905 (0.862, 0.949)	0.0000	0.842 (0.794, 0.893)	0.0000	0.846 (0.785, 0.912)	0.0000
गृहिणियां		0.973 (0.930, 1.019)	0.2443	0.873 (0.825, 0.925)	0.0000	0.900 (0.839, 0.966)	0.0033
सेवानिवृत्त/पेंशनभोगी		1.213 (1.134, 1.298)	0.0000	0.906 (0.829, 0.990)	0.0289	1.056 (0.943, 1.182)	0.3477
स्व-व्यवसायी/व्यवसाय		1.016 (0.967, 1.067)	0.5280	0.920 (0.865, 0.978)	0.0073	0.904 (0.836, 0.978)	0.0120
अन्य		0.745 (0.703, 0.788)	0.0000	0.769 (0.718, 0.823)	0.0000	0.703 (0.645, 0.765)	0.0000

स्रोत: सीसीएस; और लेखकों की गणना।

वर्तमान सांख्यिकी

चुनिंदा आर्थिक संकेतक

भारतीय रिज़र्व बैंक

मुद्रा और बैंकिंग

मूल्य और उत्पादन

सरकारी खाते और खज़ाना बिल

वित्तीय बाजार

बाह्य क्षेत्र

भुगन और निपटान प्रणालियाँ

अवसरिक शृंखलाएं

विषयवस्तु

संख्या	शीर्षक	पृष्ठ
1	चुनिंदा आर्थिक संकेतक	105
	भारतीय रिज़र्व बैंक	
2	भारतीय रिज़र्व बैंक - देयताएं और आस्तियां	106
3	भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा चलनिधि परिचालन	107
4	भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अमेरिकी डॉलर का क्रय/विक्रय	108
4ए	भारतीय रिज़र्व बैंक के बकाया वायदे का (अवशिष्ट परिपक्वता के अनुसार) परिपक्वता विश्लेषण (मिलियन अमेरिकी डॉलर)	109
5	भारतीय रिज़र्व बैंक की स्थायी सुविधाएं	109
	मुद्रा और बैंकिंग	
6	मुद्रा स्टॉक मात्रा	110
7	मुद्रा स्टॉक (एम ₃) के स्रोत	111
8	मौद्रिक सर्वेक्षण	112
9	कुल चलनिधि राशियाँ	113
10	भारतीय रिज़र्व बैंक सर्वेक्षण	114
11	आरक्षित मुद्रा- घटक और स्रोत	114
12	वाणिज्यिक बैंक सर्वेक्षण	115
13	अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के निवेश	115
14	भारत में कारोबार - सभी अनुसूचित बैंक और सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक	116
15	प्रमुख क्षेत्रों द्वारा सकल बैंक ऋण का विनियोजन	117
16	सकल बैंक ऋण का उद्योग-वार विनियोजन	118
17	भारतीय रिज़र्व बैंक में खाते रखने वाले राज्य सहकारी बैंक	119
	मूल्य और उत्पादन	
18	उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार: 2012=100)	120
19	अन्य उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	120
20	मुंबई में सोने और चांदी का मासिक औसत मूल्य	120
21	थोक मूल्य सूचकांक	121
22	औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आधार: 2011-12=100)	125
	सरकारी खाते और खज़ाना बिल	
23	केन्द्र सरकार के खाते - एक नज़र में	125
24	खज़ाना बिल - स्वामित्व का स्वरूप	126
25	खज़ाना बिलों की नीलामी	126
	वित्तीय बाजार	
26	दैनिक मांग मुद्रा दरें	127
27	जमाराशि प्रमाण-पत्र	128
28	वाणिज्यिक पत्र	128
29	चुनिंदा वित्तीय बाजारों में औसत दैनिक टर्नओवर	128
30	गैर-सरकारी पब्लिक लिमिटेड कंपनियों के नए पूंजी निर्गम	129

संख्या	शीर्षक	पृष्ठ
	बाह्य क्षेत्र	
31	विदेशी व्यापार	130
32	विदेशी मुद्रा भंडार	130
33	अनिवासी भारतीयों की जमाराशियाँ	130
34	विदेशी निवेश अंतर्वाह	131
35	निवासी भारतीयों के लिए उदारीकृत विप्रेषण योजना (एलआरएस) के अंतर्गत जावक विप्रेषण	131
36	भारतीय रुपये की वास्तविक प्रभावी विनिमय दर (आरईईआर) और सांकेतिक प्रभावी विनिमय दर (एनईईआर) सूचकांक	132
37	बाह्य वाणिज्यिक उधार (ईसीबी) - पंजीकरण	133
38	भारत का समग्र भुगतान संतुलन (मिलियन अमेरिकी डॉलर)	134
39	भारत का समग्र भुगतान संतुलन (₹ करोड़)	135
40	बीपीएम 6 के अनुसार भारत में भुगतान संतुलन का मानक प्रस्तुतीकरण (मिलियन अमेरिकी डॉलर)	136
41	बीपीएम 6 के अनुसार भारत में भुगतान संतुलन का मानक प्रस्तुतीकरण (₹ करोड़)	137
42	भारत की अंतरराष्ट्रीय निवेश स्थिति	138
	भुगन और निपटान प्रणालियाँ	
43	भुगतान प्रणाली संकेतक	139
	आवसरिक शृंखलाएं	
44	लघु बचत	141
45	केंद्र और राज्य सरकारों की प्रतिभूतियों के स्वामित्व का स्वरूप	142
46	केन्द्र और राज्य सरकारों की संयुक्त प्राप्तियां और संवितरण	143
47	विभिन्न सुविधाओं के अंतर्गत राज्य सरकारों द्वारा ली गई वित्तीय सहायता	144
48	राज्य सरकारों द्वारा किए गए निवेश	145
49	राज्य सरकारों की बाजार उधारियां	146
50(ए)	हाउसहोल्ड के वित्तीय आस्तियों और देयताओं का प्रवाह-लिखत-वार	147
50(बी)	हाउसहोल्ड के वित्तीय आस्तियों और देयताओं का स्टॉक-चुनिंदा संकेतक	150

टिप्पणियां: .. = उपलब्ध नहीं।

- = शून्य/नगण्य

प्रा/अ = प्रारंभिक/अनंतिम

आंसं = आंशिक रूप से संशोधित

सं. 1: चुनिंदा आर्थिक संकेतक

मद	2023-24	2022-23		2023-24	
		ति2	ति3	ति2	ति3
	1	2	3	4	5
1 वास्तविक क्षेत्र (% परिवर्तन)					
1.1 आधार मूल्यों पर जीवीए	6.9	5.0	4.8	7.7	6.5
1.1.1 कृषि	0.7	2.3	5.2	1.6	-0.8
1.1.2 उद्योग	8.3	-5.5	-2.8	13.6	10.9
1.1.3 सेवाएं	7.9	9.4	7.5	6.9	7.4
1.1ए अंतिम खपत व्यय	3.0	7.6	2.4	3.9	2.7
1.1बी सकल नियत पूंजी निर्माण	10.2	4.7	5.0	11.6	10.6
	2023-24	2023		2024	
	1	फर.	मार्च	फर.	मार्च
	1	2	3	4	5
1.2 औद्योगिक उत्पादन सूचकांक	5.8	6.0	1.9	5.6	4.9
2 मुद्रा और बैंकिंग (% परिवर्तन)					
2.1 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक					
2.1.1 जमा राशियाँ	12.9 (13.5)	10.1	9.6	12.5 (13.1)	12.9 (13.5)
2.1.2 ऋण#	16.3 (20.2)	15.5	15.0	16.6 (20.5)	16.3 (20.2)
2.1.2.1 गैर-खाद्यान्न ऋण#	16.3 (20.2)	15.9	15.4	16.6 (20.6)	16.3 (20.2)
2.1.3 सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश	11.1 (12.8)	14.3	14.5	11.6 (13.3)	11.1 (12.8)
2.2 मुद्रा स्टॉक मात्रा					
2.2.1 आरक्षित मुद्रा (एम0)	6.7	10.5	7.8	6.1	6.7
2.2.2 स्थूल मुद्रा (एम3)	11.1	9.5	9.0	10.9 (11.4)	11.1 (11.6)
3 अनुपात (%)					
3.1 आरक्षित नकदी निधि अनुपात	4.50	4.50	4.50	4.50	4.50
3.2 सांविधिक चलनिधि अनुपात	18.00	18.00	18.00	18.00	18.00
3.3 नकदी-जमा अनुपात	5.0 (5.0)	5.0	5.0	4.9 (4.9)	5.0 (5.0)
3.4 ऋण-जमा अनुपात	78.1 (80.3)	75.3	75.8	78.0 (80.2)	78.1 (80.3)
3.5 वृद्धिशील ऋण-जमा अनुपात#	95.8 (113.4)	111.6	113.0	97.8 (117.5)	95.8 (113.4)
3.6 निवेश-जमा अनुपात	29.5 (29.8)	29.9	30.0	29.6 (29.9)	29.5 (29.8)
3.7 वृद्धिशील निवेश-जमा अनुपात	25.8 (28.4)	43.6	43.5	26.5 (29.3)	25.8 (28.4)
4 ब्याज दरें (%)					
4.1 नीति रेपो दर	6.50	6.50	6.50	6.50	6.50
4.2 स्थायी रिवर्स रेपो दर	3.35	3.35	3.35	3.35	3.35
4.3 स्थायी जमा सुविधा (एसडीएफ) दर*	6.25	6.25	6.25	6.25	6.25
4.4 सीमांत स्थायी सुविधा दर	6.75	6.75	6.75	6.75	6.75
4.5 बैंक दर	6.75	6.75	6.75	6.75	6.75
4.6 आधार दर	9.10/10.25	8.65/9.40	8.65/10.10	9.10/10.25	9.10/10.25
4.7 एमसीएलआर (एक दिन के लिए)	8.00/8.60	7.50/8.40	7.50/8.50	8.00/8.60	8.00/8.60
4.8 मीयादी जमा दर >1 वर्ष	6.50/7.25	6.00/7.25	6.00/7.25	6.50/7.25	6.50/7.25
4.9 बचत जमा दर	2.70/3.00	2.70/3.00	2.70/3.00	2.70/3.00	2.70/3.00
4.10 मांग मुद्रा दर (भारित औसत)	6.85	6.62	6.78	6.64	6.85
4.11 91-दिवसीय खजाना बिल (प्राथमिक) प्रतिफल	-	6.82	-	-	7.01
4.12 182-दिवसीय खजाना बिल (प्राथमिक) प्रतिफल	7.28	7.18	7.28	-	7.14
4.13 364-दिवसीय खजाना बिल (प्राथमिक) प्रतिफल	7.31	7.26	7.31	-	7.08
4.14 10-वर्षीय सरकारी प्रतिभूतियों पर प्रतिफल (एफबीआईएल)	7.31	7.43	7.31	-	7.07
5 संदर्भ दर और वायदा प्रीमियम					
5.1 भा.रु.-अमेरिकी डालर हाजिर दर (₹ प्रति विदेशी मुद्रा)	83.37	82.74	82.22	82.89	83.37
5.2 भा.रु.-यूरो हाजिर दर (₹ प्रति विदेशी मुद्रा)	90.22	87.70	89.61	89.71	90.22
5.3 अमेरिकी डालर का वायदा प्रीमियम					
1-माह (%)	1.00	2.10	2.41	1.19	1.00
3-माह (%)	1.11	2.56	2.19	1.51	1.11
6-माह (%)	1.31	2.30	2.31	1.50	1.31
6 मुद्रास्फीति (%)					
6.1 अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	5.4	6.4	5.7	5.1	4.9
6.2 औद्योगिक कामगारों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	-	6.2	5.8	-	-
6.3 थोक मूल्य सूचकांक	-0.7	3.9	1.4	0.2	0.5
6.3.1 प्राथमिक वस्तुएं	3.5	3.6	2.5	4.6	4.5
6.3.2 ईंधन और बिजली	-4.5	14.0	8.7	-1.7	-0.8
6.3.3 विनिर्मित उत्पाद	-1.7	1.9	-0.7	-1.3	-0.8
7 विदेशी व्यापार (% परिवर्तन)					
7.1 आयात	-5.7	-4.1	-3.4	12.2	-6.0
7.2 निर्यात	-3.1	-0.4	-5.9	11.9	-0.6

टिप्पणी : फाइनेंसियल बेंचमार्क इंडिया प्रा. लि. (एफबीआईएल) ने भारतीय रिजर्व बैंक के 31 मार्च 2018 के परिपत्र एफएमआरडी.डीआईआरडी.7/14.03.025/ 2017-18 के अनुसार 31 मार्च 2018 से जी सेक बेंचमार्क का प्रकाशन शुरू किया है। एफबीआईएल ने 10 जुलाई 2018 से संदर्भ दरों का प्रसारण शुरू किया है।

#: 3 दिसंबर 2021 से 18 नवंबर 2022 तक सभी पखवाड़ों के लिए चुनिंदा अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) द्वारा बैंक ऋण वृद्धि और संबंधित अनुपात को पिछली रिपोर्टिंग तिथियों के लिए समायोजित किया जाता है। कोष्ठकों में दिए गए आंकड़ों में एक गैर-बैंक के साथ विलय का प्रभाव शामिल है।

*: दिनांक 8 अप्रैल 2022 की प्रेस प्रकाशनी सं. 2022-2023/41 के अनुसार।

भारतीय रिज़र्व बैंक

सं. 2: भारतीय रिज़र्व बैंक - देयताएं और आस्तियां*

(₹ करोड़)

मद	अंतिम शुक्रवार/शुक्रवार की स्थिति						
	2023-24	2023	2024				
			अप्रैल	मार्च 29	अप्रै. 05	अप्रै. 12	अप्रै. 19
	1	2	3	4	5	6	7
1 निर्गम विभाग							
1.1 देयताएं							
1.1.1 संचलन में नोट	3482333	3424801	3482333	3498239	3535114	3533137	3532891
1.1.2 बैंकिंग विभाग में रखे गए नोट	11	15	11	16	12	13	11
1.1/1.2 कुल देयताएं (जारी किए गए कुल नोट) या आस्तियां	3482344	3424816	3482344	3498254	3535126	3533149	3532901
1.2 आस्तियां							
1.2.1 स्वर्ण	162996	141580	162996	170248	174409	177265	172260
1.2.2 विदेशी प्रतिभूतियां	3318885	3282897	3318885	3327582	3360335	3355542	3360359
1.2.3 रुपया सिक्का	463	339	463	424	382	343	282
1.2.4 भारत सरकार की रुपया प्रतिभूतियां	-	-	-	-	-	-	-
2 बैंकिंग विभाग							
2.1 देयताएं							
2.1.1 जमाराशियाँ	1782333	1219180	1782333	1489091	1428922	1514518	1622446
2.1.1.1 केंद्र सरकार	101	100	101	100	101	101	101
2.1.1.2 बाजार स्थिरीकरण योजना	-	-	-	-	-	-	-
2.1.1.3 राज्य सरकारें	42	42	42	42	42	42	43
2.1.1.4 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक	1008618	890423	1008618	932312	969404	944236	1017716
2.1.1.5 अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	10092	7730	10092	9615	8654	8657	8776
2.1.1.6 गैर-अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	6412	4687	6412	5898	5864	5665	5589
2.1.1.7 अन्य बैंक	48725	48248	48725	47865	48641	48617	49381
2.1.1.8 अन्य	545400	200029	545400	364764	282726	374911	405934
2.1.1.9 भारत के बाहर के वित्तीय संस्थान	162944	67920	162944	128494	113489	132290	134905
2.1.2 अन्य देयताएं	1804747	1600038	1804747	1797575	1761423	1752864	1742033
2.1/2.2 कुल देयताएं या आस्तियां	3587080	2819218	3587080	3286667	3190345	3267382	3364479
2.2 आस्तियां							
2.2.1 नोट और सिक्के	11	15	11	16	12	13	11
2.2.2 विदेशों में धारित राशियाँ	1480408	995491	1480408	1468908	1389734	1365539	1344423
2.2.3 ऋण और अग्रिम							
2.2.3.1 केन्द्र सरकार	-	4666	-	-	-	-	-
2.2.3.2 राज्य सरकारें	2300	4538	2300	17380	12921	17496	13284
2.2.3.3 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक	266021	73004	266021	10517	9635	85339	209301
2.2.3.4 अनुसूचित राज्य सहकारी बैंक	-	-	-	-	-	-	-
2.2.3.5 भारतीय औद्योगिक विकास बैंक	-	-	-	-	-	-	-
2.2.3.6 नाबार्ड	-	0	-	-	-	-	-
2.2.3.7 एक्विजम बैंक	-	-	-	-	-	-	-
2.2.3.8 अन्य	12398	19937	12398	9361	9361	8770	9203
2.2.3.9 भारत के बाहर की वित्तीय संस्थाएं	162650	67357	162650	128114	113192	131369	133974
2.2.4 खरीदे और भुनाए गए बिल							
2.2.4.1 आंतरिक	-	-	-	-	-	-	-
2.2.4.2 सरकारी खजाना बिल	-	-	-	-	-	-	-
2.2.5 निवेश	1365425	1418112	1365425	1363508	1359553	1356982	1358263
2.2.6 अन्य आस्तियां	297868	236098	297868	288864	295937	301873	296019
2.2.6.1 स्वर्ण	272028	232068	272028	284132	291077	296916	290621

* डेटा अनंतिम हैं।

सं. 3: भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा चलनिधि परिचालन

(₹ करोड़)

दिनांक	चलनिधि समायोजन सुविधा						स्थायी चलनिधि सुविधाएं	ओएमओ (एकमुश्त)		निवल अंतर्वेशन (+)/ अवशोषण (-) (1+3+5+7+9-2-4-6 -8)
	रेपो	रिवर्स रेपो	परिवर्तन- शील रेपो दर	परिवर्तन- शील रिवर्स रेपो दर	एमएसएफ	एसडीएफ		विक्रय	क्रय	
मार्च 1, 2024	-	-	-	-	663	81831	-	-	-	-81168
मार्च 2, 2024	-	-	-	-	281	92129	-	-	-	-91848
मार्च 3, 2024	-	-	-	-	19	65639	-	-	-	-65620
मार्च 4, 2024	-	-	-	44035	419	118731	275	-	-	-162072
मार्च 5, 2024	-	-	-	84025	823	83975	-	-	-	-167177
मार्च 6, 2024	-	-	-	100027	2906	58864	-487	-	-	-156472
मार्च 7, 2024	-	-	50007	-	17927	83674	487	-	-	-15253
मार्च 8, 2024	-	-	-	-	22228	78202	-	-	-	-55974
मार्च 9, 2024	-	-	-	-	9681	51908	-	-	-	-42227
मार्च 10, 2024	-	-	-	-	10146	54540	-	-	-	-44394
मार्च 11, 2024	-	-	-	-	6041	69890	-	-	-	-63849
मार्च 12, 2024	-	-	-	-	749	76554	-	-	-	-75805
मार्च 13, 2024	-	-	-	-	3420	87592	-654	-	-	-84826
मार्च 14, 2024	-	-	-	39670	1993	62397	-538	-	-	-100612
मार्च 15, 2024	-	-	75001	-	3235	78427	1192	-	-	1001
मार्च 16, 2024	-	-	-	-	4048	63209	-	-	-	-59161
मार्च 17, 2024	-	-	-	-	1126	51071	-	-	-	-49945
मार्च 18, 2024	-	-	-	-	4699	77776	-454	-	-	-73531
मार्च 19, 2024	-	-	-	-	3542	95016	-237	-	-	-91711
मार्च 20, 2024	-	-	-	-	12251	60480	-	-	-	-48229
मार्च 21, 2024	-	-	50001	-	15829	68279	342	10	10	-2107
मार्च 22, 2024	-	-	115709	-	49906	95152	818	-	-	71281
मार्च 23, 2024	-	-	-	-	4508	52944	-	-	-	-48436
मार्च 24, 2024	-	-	-	-	4365	55170	-	-	-	-50805
मार्च 25, 2024	-	-	-	-	4875	76217	-	-	-	-71342
मार्च 26, 2024	-	-	100003	-	18316	114966	-	-	-	3353
मार्च 27, 2024	-	-	75002	-	31743	107677	-	-	-	-932
मार्च 28, 2024	-	-	-	-	142104	185423	-452	-	-	-43771
मार्च 29, 2024	-	-	-	-	58851	198001	-	-	-	-139150
मार्च 30, 2024	-	-	-	-	71826	254885	-	-	-	-183059
मार्च 31, 2024	-	-	-	-	65512	241763	-	-	-	-176251

सं. 4: भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अमेरिकी डॉलर का क्रय/विक्रय

i) तटीय/ अपतटीय ओटीसी खंड में परिचालन

मद	2022-23	2023	2024	
		मार्च	फर.	मार्च
	1	2	3	4
1 विदेशी मुद्रा का निवल क्रय/विक्रय (मिलियन अमेरिकी डॉलर) (1.1-1.2)	-25516	750	8557	13249
1.1 क्रय (+)	187054	6906	8557	14841
1.2 विक्रय (-)	212570	6156	0	1592
2 संविदा दर पर ₹ के बराबर (₹ करोड़)	-217259	5883	70981	110023
3 संचयी (मार्च के अंत से) (मिलियन अमेरिकी डॉलर)	-25516	-25516	28022	41271
(₹ करोड़)	-217259	-217259	229505	339528
4 माह के अंत में बकाया निवल वायदा विक्रय (-)/क्रय (+) (मिलियन अमेरिकी डॉलर)	23600	23600	9694	-541

ii) मुद्रा वायदा खंड में परिचालन

मद	2022-23	2023	2024	
		मार्च	फर.	मार्च
	1	2	3	4
1 विदेशी मुद्रा का निवल क्रय/विक्रय (मिलियन अमेरिकी डॉलर) (1.1-1.2)	0	0	0	0
1.1 क्रय (+)	10930	0	0	0
1.2 विक्रय (-)	10930	0	0	0
2 माह के अंत में बकाया निवल मुद्रा वायदा विक्रय (-)/क्रय (+) (मिलियन अमेरिकी डॉलर)	0	0	0	-1080

सं. 4ए: भारतीय रिज़र्व बैंक के बकाया वायदे का (अवशिष्ट परिपक्वता के अनुसार)
परिपक्वता विश्लेषण (मिलियन अमेरिकी डॉलर)

मद	31 मार्च 2024 तक		
	दीर्घ (+)	अल्प (-)	निवल (1-2)
	1	2	3
1. 1 माह तक	1006	2200	-1194
2. 1 माह से अधिक और 3 माह तक	3553	2900	653
3. 3 माह से अधिक और 1 वर्ष तक	0	0	0
4. 1 वर्ष से अधिक	0	0	0
कुल (1+2+3+4)	4559	5100	-541

सं. 5: भारतीय रिज़र्व बैंक की स्थायी सुविधाएं

(₹ करोड़)

मद	नियत अंतिम शुक्रवार की स्थिति							
	2023-24	2023			2024			
		अप्रै. 21	नव. 17	दिसं. 29	जन. 26	फर. 23	मार्च 22	अप्रै. 19
	1	2	3	4	5	6	7	8
1 सीमांत स्थायी सुविधा	49906	16945	111386	134232	32611	144270	49906	3238
2 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के लिए निर्यात ऋण पुर्नवित्त								
2.1 सीमा	-	-	-	-	-	-	-	-
2.2 बकाया	-	-	-	-	-	-	-	-
3 प्राथमिक व्यापारियों के लिए चलनिधि सुविधा								
3.1 सीमा	9900	4900	4900	4900	4900	9900	9900	9900
3.2 बकाया	9810	3719	3181	3167	3174	9066	9810	8770
4 अन्य								
4.1 सीमा	76000	76000	76000	76000	76000	76000	76000	76000
4.2 बकाया	-	15900	-	-	-	-	-	-
5 कुल बकाया (1+2.2+3.2+4.2)	59716	36564	114567	137399	35785	153336	59716	12008

मुद्रा और बैंकिंग

सं. 6: मुद्रा स्टॉक मात्रा

(₹ करोड़)

मद	मार्च 31 /माह के रिपोर्टिंग अंतिम शुक्रवार/रिपोर्टिंग शुक्रवार की बकाया स्थिति				
	2022-23	2023	2024		
			मार्च 24	फर. 23	मार्च 08
	1	2	3	4	5
1 जनता के पास मुद्रा (1.1 + 1.2 + 1.3 - 1.4)	3276436	3278334	3361432	3382592	3418663
1.1 संचलन में नोट	3348219	3350365	3423064	3459148	3486650
1.2 रुपये सिक्के का संचलन	29542	29264	32455	32455	32455
1.3 छोटे सिक्कों का संचलन	743	743	743	743	743
1.4 बैंकों के पास नकदी	102085	102085	95031	109974	101411
2 जनता की जमाराशियाँ	2398359	2385928	2594337	2602702	2671710
2.1 बैंकों के पास मांग जमाराशियाँ	2320598	2320598	2510518	2519150	2586888
2.2 रिजर्व बैंक के पास 'अन्य' जमाराशियाँ	77761	65330	83819	83552	84822
3 एम1 (1+2)	5674795	5664261	5955769	5985293	6090373
4 डाकघर बचत बैंक जमाराशियाँ	200257	200257	200257	200257	200257
5 एम2 (3+4)	5875052	5864518	6156026	6185550	6290630
6 बैंकों के पास मीयादी जमाराशियाँ	16668966	16668966	18538143	18751709	18739918
			(18650930)	(18862203)	(18848160)
7 एम3 (3+6)	22343760	22333227	24493912	24737002	24830291
			(24606699)	(24847497)	(24938533)
8 कुल डाकघर जमाराशियाँ	1113230	1113230	1113230	1113230	1113230
9 एम4 (7+8)	23456990	23446457	25607142	25850232	25943521
			(25719929)	(25960727)	(26051763)

कोष्ठक में दिए गए आंकड़ों में एक गैर-बैंक के बैंक में विलय का प्रभाव शामिल है।

सं. 7: मुद्रा भंडार (एम₃) के स्रोत

(₹ करोड़)

स्रोत	मार्च 31 / माह के रिपोर्टिंग अंतिम शुक्रवार/रिपोर्टिंग शुक्रवार की स्थिति के अनुसार बकाया				
	2022-23	2023	2024		
			मार्च 24	फर. 23	मार्च 08
	1	2	3	4	5
1 सरकार को निवल बैंक ऋण	7165533	6916058	7223794	7450055	7313197
1.1 आरबीआई का सरकार को निवल ऋण (1.1.1-1.1.2)	1451126	1201651	964996	1134272	994394
1.1.1 सरकार पर दावे	1456169	1413446	1377351	1372946	1374532
1.1.1.1 केन्द्र सरकार	1455377	1405821	1362541	1363687	1361281
1.1.1.2 राज्य सरकारें	792	7625	14809	9259	13251
1.1.2 आरबीआई के पास सरकार की जमाराशियाँ	5043	211795	412355	238674	380138
1.1.2.1 केन्द्र सरकार	5001	211752	412313	238632	380096
1.1.2.2 राज्य सरकारें	42	43	42	42	42
1.2 सरकार को अन्य बैंक ऋण	5714407	5714407	6258798	6315783	6318803
			(6350471)	(6407498)	(6410358)
2 वाणिज्यिक क्षेत्र को बैंक ऋण	14429636	14423483	16434572	16541585	16669610
2.1 आरबीआई का वाणिज्यिक क्षेत्र को ऋण	26549	20396	11121	11401	11871
2.2 वाणिज्यिक क्षेत्र को अन्य बैंकों द्वारा दिया गया ऋण	14403087	14403087	16423451	16530184	16657739
2.2.1 वाणिज्यिक बैंकों द्वारा बैंक ऋण	13675235	13675235	15677730	15781628	15901477
			(16214135)	(16313559)	(16432164)
2.2.2 सहकारी बैंकों द्वारा बैंक ऋण	710187	710187	728279	730762	738194
2.2.3 वाणिज्यिक और सहकारी बैंकों द्वारा अन्य प्रतिभूतियों में निवेश	17665	17665	17443	17794	18068
			(17443)	(17794)	(18068)
3 बैंकिंग क्षेत्र की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां (3.1 + 3.2)	4911766	4931090	5284365	5413257	5505919
3.1 आरबीआई की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां (3.1.1-3.1.2)	4587355	4606680	4984808	5113700	5206362
3.1.1 सकल विदेशी आस्तियां	4587616	4606942	4985066	5113958	5206621
3.1.2 विदेशी देयताएं	260	262	258	258	259
3.2 अन्य बैंकों की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	324410	324410	299557	299557	299557
4 जनता के प्रति सरकार की मुद्रा देयताएं	30285	30007	33198	33198	33198
5 बैंकिंग क्षेत्र की निवल गैर-मौद्रिक देयताएं	4193459	3967411	4482016	4701092	4691633
5.1 आरबीआई की निवल गैर-मौद्रिक देयताएं	1587565	1612360	1699305	1756330	1774674
5.2 अन्य बैंकों की निवल गैर-मौद्रिक देयताएं (अवशिष्ट)	2605895	2355051	2782711	2944762	2916959
			(3298002)	(3457913)	(3430959)
एम ₃ (1+2+3+4-5)	22343760	22333227	24493912	24737002	24830291
			(24606699)	(24847497)	(24938533)

कोष्ठक में दिए गए आंकड़ों में एक गैर-बैंक के बैंक में विलय का प्रभाव शामिल है।

सं. 8: मौद्रिक सर्वेक्षण

(₹ करोड़)

मद	मार्च 31/माह के रिपोर्टिंग अंतिम शुक्रवार/रिपोर्टिंग शुक्रवार की स्थिति के अनुसार बकाया				
	2022-23	2023	2024		
			मार्च 24	फर. 23	मार्च 08
	1	2	3	4	5
समग्र मौद्रिक राशियाँ					
एनएम ₁ (1.1 + 1.2.1+1.3)	5674795	5664261	5955769	5985293	6090373
एनएम ₂ (एनएम ₁ + 1.2.2.1)	13103413	13092880	14201117	14326746	14423528
			(14251871)	(14376468)	(14472237)
एनएम ₃ (एनएम ₂ + 1.2.2.2 + 1.4 = 2.1 + 2.2 + 2.3 - 2.4 - 2.5)	22628165	22617632	25057783	25284722	25383004
			(25170570)	(25395216)	(25491246)
1 घटक					
1.1 जनता के पास मुद्रा	3276436	3278334	3361432	3382592	3418663
1.2. निवासियों की कुल जमाराशियाँ	18828639	18828639	20833514	21055711	21105010
			(20946301)	(21166205)	(21213252)
1.2.1 मांग जमाराशियाँ	2320598	2320598	2510518	2519150	2586888
1.2.2 निवासियों की सावधि जमाराशियाँ	16508041	16508041	18322995	18536561	18518121
			(18435783)	(18647055)	(18626364)
1.2.2.1 अल्पावधि सावधि जमाराशियाँ	7428619	7428619	8245348	8341452	8333155
			(8296102)	(8391175)	(8381864)
1.2.2.1.1 जमा प्रमाण-पत्र	303993	303993	368278	375829	369399
1.2.2.2 दीर्घावधि सावधि जमाराशियाँ	9079423	9079423	10077647	10195109	10184967
			(10139680)	(10255880)	(10244500)
1.3 आरबीआई के पास 'अन्य' जमाराशियाँ	77761	65330	83819	83552	84822
1.4 वित्तीय संस्थाओं से मांग/सावधि निधीयन	445329	445329	779019	762867	774509
2 स्रोत					
2.1 देशी ऋण	22710730	22455103	24781264	25117770	25094632
			(25409342)	(25741416)	(25716874)
2.1.1 सरकार को निवल बैंक ऋण	7165533	6916058	7223794	7450055	7313197
			(7315467)	(7541770)	(7404752)
2.1.1.1 सरकार को निवल आरबीआई ऋण	1451126	1201651	964996	1134272	994394
2.1.1.2 बैंकिंग प्रणाली द्वारा सरकार को ऋण	5714407	5714407	6258798	6315783	6318803
			(6350471)	(6407498)	(6410358)
2.1.2 वाणिज्यिक क्षेत्र को बैंक ऋण	15545198	15539045	17557470	17667716	17781435
			(18093875)	(18199647)	(18312122)
2.1.2.1 वाणिज्यिक क्षेत्र को आरबीआई ऋण	26549	20396	11121	11401	11871
2.1.2.2 बैंकिंग प्रणाली द्वारा वाणिज्यिक क्षेत्र को ऋण	15518649	15518649	17546349	17656315	17769564
			(18082754)	(18188246)	(18300250)
2.1.2.2.1 अन्य निवेश (गैर-एसएलआर प्रतिभूतियाँ)	1096333	1096333	1101595	1107219	1089184
2.2 जनता के प्रति सरकार की मुद्रा देयताएं	30285	30007	33198	33198	33198
2.3 बैंकिंग क्षेत्र की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	4699822	4719147	4907130	5036022	5076358
2.3.1 आरबीआई की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	4587355	4606680	4984808	5113700	5206362
2.3.2 बैंकिंग प्रणाली की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	112467	112467	-77678	-77678	-130004
2.4 पूंजी खाता	3446786	3507217	3961198	3990436	4013348
2.5 अन्य मदें (निवल)	1365887	1079408	1217902	1424984	1321836

कोष्ठक में दिए गए आंकड़ों में एक गैर-बैंक के बैंक में विलय का प्रभाव शामिल है।

सं. 9: चलनिधि समग्र राशियाँ

(₹ करोड़)

समग्र राशियाँ	2022-23	2023	2024		
		मार्च	जनवरी	फरवरी	मार्च
	1	2	3	4	5
1 एनएम₃	22628165	22628165	24909712	25057783	25383004
			(25026014)	(25170570)	(25491246)
2 डाकघर जमाराशियाँ	668887	668887	702174	702174	702174
3 एल₁ (1 + 2)	23297052	23297052	25611886	25759957	26085178
			(25728188)	(25872744)	(26193420)
4 वित्तीय संस्थाओं की देयताएं	54724	54724	76805	62974	85150
4.1 सावधि मुद्रा उधार	1692	1692	1990	678	2375
4.2 जमा प्रमाण-पत्र	46407	46407	61750	50143	70245
4.3 सावधि जमाराशियाँ	6625	6625	13065	12152	12531
5 एल₂ (3 + 4)	23351776	23351776	25688692	25822931	26170328
			(25804993)	(25935718)	(26278570)
6 गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के पास जनता की जमाराशियाँ	85254	85254	91373
7 एल₃ (5 + 6)	23437030	23437030	26261701

टिप्पणी : 1. संभव है कि पूर्णांकन के कारण कॉलम के आंकड़ों का जोड़ कुल के बराबर न हो।
2. कोष्ठक में दिए गए आंकड़ों में एक गैर-बैंक के बैंक में विलय का प्रभाव शामिल है।

सं. 10: भारतीय रिज़र्व बैंक सर्वेक्षण

(₹ करोड़)

मद	मार्च 31/माह के रिपोर्टिंग अंतिम शुक्रवार/रिपोर्टिंग शुक्रवार की स्थिति के अनुसार बकाया				
	2022-23	2023	2024		
		मार्च 24	फर. 23	मार्च 08	मार्च 22
	1	2	3	4	5
1 घटक					
1.1 संचलन में मुद्रा	3378521	3380418	3456463	3492565	3520074
1.2 आरबीआई के पास बैंकों की जमाराशियाँ	930477	867793	971038	965375	993822
1.2.1 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक	868940	809907	909400	901857	931483
1.3 आरबीआई के पास 'अन्य' जमाराशियाँ	77761	65330	83819	83552	84822
आरक्षित मुद्रा (1.1+1.2+1.3=2.1+2.2+2.3-2.4-2.5)	4386759	4313542	4511319	4541491	4598718
2 स्रोत					
2.1 आरबीआई के देशी ऋण	1356683	1289215	1192619	1150924	1133832
2.1.1 सरकार को निवल आरबीआई ऋण	1451126	1201651	964996	1134272	994394
2.1.1.1 केन्द्र सरकार को निवल आरबीआई ऋण (2.1.1.1.1+2.1.1.1.2+2.1.1.1.3+2.1.1.1.4-2.1.1.1.5)	1450376	1194069	950229	1125055	981186
2.1.1.1.1 केन्द्र सरकार को ऋण और अग्रिम	48677	-	-	-	-
2.1.1.1.2 खजाना बिलों में निवेश	-	-	-	-	-
2.1.1.1.3 दिनांकित सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश	1406423	1405521	1362249	1363290	1360996
2.1.1.1.3.1 केन्द्र सरकार की प्रतिभूतियाँ	1406423	1405521	1362249	1363290	1360996
2.1.1.1.4 रुपया सिक्के	277	300	293	396	285
2.1.1.1.5 केन्द्र सरकार की जमाराशियाँ	5001	211752	412313	238632	380096
2.1.1.2 राज्य सरकारों को निवल आरबीआई ऋण	749	7582	14767	9217	13209
2.1.2 बैंकों पर आरबीआई के दावे	-120992	67168	216502	5251	127566
2.1.2.1 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों को ऋण और अग्रिम	-120992	67168	216502	5251	127566
2.1.3 वाणिज्यिक क्षेत्र को आरबीआई के ऋण	26549	20396	11121	11401	11871
2.1.3.1 प्राथमिक व्यापारियों को ऋण और अग्रिम	8476	2442	9066	9341	9810
2.1.3.2 नाबार्ड को ऋण और अग्रिम	-	-	-	-	-
2.2 जनता के प्रति सरकार की मुद्रा देयताएं	30285	30007	33198	33198	33198
2.3 आरबीआई की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	4587355	4606680	4984808	5113700	5206362
2.3.1 स्वर्ण	371500	375117	396913	419860	429410
2.3.2 विदेशी मुद्रा आस्तियां	4215873	4231580	4587912	4693857	4776970
2.4 पूंजी खाता	1505657	1566088	1646592	1671362	1689585
2.5 अन्य मदें (निवल)	81908	46272	52713	84968	85089

सं. 11: आरक्षित मुद्रा - घटक और स्रोत

(₹ करोड़)

मद	मार्च 31/माह के रिपोर्टिंग अंतिम शुक्रवार/रिपोर्टिंग शुक्रवार की स्थिति के अनुसार बकाया						
	2022-23	2023	2024				
		मार्च 31	मार्च 1	मार्च 8	मार्च 15	मार्च 22	मार्च 29
	1	2	3	4	5	6	7
आरक्षित मुद्रा (1.1 + 1.2 + 1.3 = 2.1 + 2.2 + 2.3 + 2.4 + 2.5 - 2.6)	4386759	4386759	4562261	4541491	4670859	4598718	4682348
1 घटक							
1.1 संचलन में मुद्रा	3378521	3378521	3457734	3492565	3498492	3520074	3515765
1.2 भा.रि.बैं. के पास बैंकों की जमाराशियाँ	930477	930477	1021659	965375	1088275	993822	1073846
1.3 भा.रि.बैं. के पास 'अन्य' जमाराशियाँ	77761	77761	82868	83552	84093	84822	92737
2 स्रोत							
2.1 सरकार को निवल रिज़र्व बैंक ऋण	1451126	1451126	1155260	1134272	1134150	994394	1134602
2.2 बैंकों को रिज़र्व बैंक ऋण	-120992	-120992	30984	5251	61920	127566	49882
2.3 वाणिज्यिक क्षेत्र को रिज़र्व बैंक ऋण	26549	26549	11117	11401	11401	11871	14457
2.4 भा.रि.बैं. की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	4587355	4587355	5036607	5113700	5174389	5206362	5233764
2.5 जनता के प्रति सरकार की मुद्रा देयताएं	30285	30285	33198	33198	33198	33198	33432
2.6 भा.रि.बैं. की निवल गैर मौद्रिक देयताएं	1587565	1587565	1704905	1756330	1744198	1774674	1783789

सं. 12: वाणिज्यिक बैंक सर्वेक्षण

(₹ करोड़)

मद	माह के रिपोर्टिंग अंतिम शुक्रवार / माह के रिपोर्टिंग शुक्रवार की स्थिति के अनुसार बकाया				
	2022-23	2023		2024	
			मार्च 24	फर. 23	मार्च 8
	1	2	3	4	5
1 घटक					
1.1 निवासियों की कुल जमा राशियाँ	17882989	17882989	19876895 (19989682)	20094440 (20204934)	20145188 (20253430)
1.1.1 मांग जमा राशियाँ	2180431	2180431	2368308	2374550	2443853
1.1.2 निवासियों की सावधि जमा राशियाँ	15702559	15702559	17508587 (17621374)	17719890 (17830384)	17701334 (17809577)
1.1.2.1 अल्पावधि सावधि जमा राशियाँ	7066151	7066151	7878864	7973950	7965600
1.1.2.1.1 जमा प्रमाण-पत्र	303993	303993	368278	375829	369399
1.1.2.2 दीर्घावधि सावधि जमा राशियाँ	8636407	8636407	9629723	9745939	9735734
1.2 वित्तीय संस्थाओं से मांग/सावधि निधायन	445329	445329	779019	762867	774509
2 स्रोत					
2.1 देशी ऋण	20197246	20197246	22748921 (23376999)	22912048 (23535694)	23019606 (23641847)
2.1.1 सरकार को ऋण	5414322	5414322	5956167 (6047841)	6012188 (6103903)	6014054 (6105609)
2.1.2 वाणिज्यिक क्षेत्र को ऋण	14782924	14782924	16792754 (17329159)	16899860 (17431791)	17005551 (17536238)
2.1.2.1 बैंक ऋण	13675235	13675235	15677730 (16214135)	15781628 (16313559)	15901477 (16432164)
2.1.2.1.1 गैर-खाद्यान्न ऋण	13655330	13655330	15637228 (16173633)	15749924 (16281855)	15878397 (16409083)
2.1.2.2 प्राथमिक व्यापारियों को निवल ऋण	19491	19491	21566	19175	22904
2.1.2.3 अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में निवेश	826	826	825	801	949
2.1.2.4 अन्य निवेश (गैर-एसएलआर प्रतिभूतियों में)	1087371	1087371	1092632	1098256	1080222
2.2 वाणिज्यिक बैंकों की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियाँ (2.2.1-2.2.2-2.2.3)	112467	112467	-77678	-77678	-130004
2.2.1 विदेशी मुद्रा आस्तियाँ	351387	351387	269656	269656	241661
2.2.2 अनिवासी विदेशी मुद्रा प्रत्यावर्तनीय मीयादी जमा राशियाँ	160924	160924	215148	215148	221796
2.2.3 ओवरसीज़ विदेशी मुद्रा उधार	77996	77996	132186	132186	149868
2.3 निवल बैंक रिज़र्व (2.3.1+2.3.2-2.3.3)	833002	833002	775943	994813	893350
2.3.1 भा.रि.बैं. के पास शेष	809907	809907	909400	901857	931483
2.3.2 उपलब्ध नकदी	90263	90263	83045	98206	89433
2.3.3 भा.रि.बैं. से ऋण और अग्रिम	67168	67168	216502	5251	127566
2.4 पूंजी खाता	1916959	1916959	2290436	2294904	2299592
2.5 अन्य मदें (निवल) (2.1+2.2+2.3-2.4-1.1-1.2)	897438	897438	500838	676972	563663
2.5.1 अन्य मांग और मीयादी देयताएं (2.2.3 का निवल)	711655	711655	789201	815495	787560
2.5.2 निवल अंतर-बैंक देयताएं (प्राथमिक व्यापारियों से इतर)	44733	44733	180617	198827	201214

कोष्ठक में दिए गए आंकड़ों में एक गैर-बैंक के बैंक में विलय का प्रभाव शामिल है।

सं. 13: अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के निवेश

(₹ करोड़)

मद	22 मार्च, 2024 की स्थिति	2023		2024	
		मार्च 24	फर. 23	मार्च 8	मार्च 22
	1	2	3	4	5
1 एसएलआर प्रतिभूतियाँ	6106558 (6015003)	5415148	6048666 (5956993)	6104704 (6012989)	6106558 (6015003)
2 अन्य सरकारी प्रतिभूतियाँ (गैर-एसएलआर)	177136	182265	177882	177786	177136
3 वाणिज्यिक पत्र	61175	65058	53516	52854	61175
4 निम्नलिखित द्वारा जारी शेयर					
4.1 सरकारी उद्यम	8475	9736	8636	8492	8475
4.2 निजी कारपोरेट क्षेत्र	77722	71099	79935	81489	77722
4.3 अन्य	5624	4500	5620	5579	5624
5 निम्नलिखित द्वारा जारी बांड / डिबेंचर					
5.1 सार्वजनिक उद्यम	103999	92304	96898	97041	103999
5.2 निजी कारपोरेट क्षेत्र	286666	325035	288205	290205	286666
5.3 अन्य	124586	99384	114923	121988	124586
6 निम्नलिखित द्वारा जारी लिखत					
6.1 म्यूचुअल फंड	62499	48810	89916	89089	62499
6.2 वित्तीय संस्थाएं	172340	189180	176856	173733	172340

टिप्पणी: कॉलम सं. (1), (2) व (3) में दिया गया डेटा अंतिम है और कॉलम सं. (4) व (5) में दिया गया डेटा अंतिम है।

1. 14 जुलाई 2023 के बाद के डेटा में, एक गैर-बैंक के बैंक के साथ विलय के प्रभाव शामिल हैं।

2. कोष्ठक में दिए गए आंकड़ों में विलय के प्रभाव शामिल नहीं हैं।

सं. 14: भारत में कारोबार - सभी अनुसूचित बैंक और सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक

(₹ करोड़)

मद	अंतिम रिपोर्टिंग शुक्रवार (मार्च के संबंध में) / रिपोर्टिंग शुक्रवार की स्थिति									
	सभी अनुसूचित बैंक				सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक					
	2023-24	2023		2024		2023-24	2023		2024	
		मार्च	फर.	मार्च	मार्च		मार्च	फर.	मार्च	
1	2	3	4	5	6	7	8			
रिपोर्टिंग बैंकों की संख्या	210	212	210	210	137	137	137	137		
1 बैंकिंग प्रणाली के प्रति देयताएं	557535	355252	520348	557535	552785	351843	516165	552785		
1.1 बैंकों से माँग और मीयादी जमाराशियाँ	298436	228517	269766	298436	294471	226119	266228	294471		
1.2 बैंकों से उधार राशि	185999	67566	178124	185999	185862	67199	178119	185862		
1.3 अन्य माँग और मीयादी देयताएं	73100	59170	72458	73100	72452	58524	71818	72452		
2 अन्य के प्रति देयताएं	22661129	19730504	22367660	22661129	22187163	19278894	21905235	22187163		
2.1 कुल जमाराशियाँ	20931792	18477677	20650054	20931792	20475226	18043914	20204830	20475226		
	(20823550)		(20537267)	(20823550)	(20366984)		(20092042)	(20366984)		
2.1.1 माँग	2492847	2225416	2416163	2492847	2443853	2180431	2368307	2443853		
2.1.2 मीयादी	18438945	16252261	18233891	18438945	18031373	15863483	17836522	18031373		
2.2 उधार	778827	449945	783905	778827	774509	445329	779019	774509		
2.3 अन्य माँग और मीयादी देयताएं	950510	802881	933701	950510	937428	789651	921387	937428		
3 रिज़र्व बैंक से उधार	222716	165085	256409	222716	222716	165085	256374	222716		
3.1 मीयादी बिल / वचन पत्रों की जमानत पर	-	-	-	-	-	-	-	-		
3.2 अन्य	222716	165085	256409	222716	222716	165085	256374	222716		
4 उपलब्ध नकदी और रिज़र्व बैंक के पास शेषराशि	1043274	920953	1014767	1043274	1020916	900170	992445	1020916		
4.1 उपलब्ध नकदी	91888	92788	85534	91888	89433	90263	83045	89433		
4.2 रिज़र्व बैंक के पास शेषराशि	951386	828165	929232	951386	931483	809907	909400	931483		
5 बैंकिंग प्रणाली के पास आस्तियां	454635	397974	428737	454635	374475	326601	357114	374475		
5.1 अन्य बैंकों के पास शेषराशि	246028	232378	238384	246028	198327	193422	191943	198327		
5.1.1 चालू खाते में	11659	18939	11228	11659	8971	15528	8458	8971		
5.1.2 अन्य खातों में	234369	213440	227156	234369	189357	177894	183484	189357		
5.2 माँग और अल्पसूचना पर मुद्रा	39649	49763	33371	39649	12355	24864	13834	12355		
5.3 बैंकों को अग्रिम	51325	45330	49373	51325	48368	41184	46054	48368		
5.4 अन्य आस्तियां	117634	70503	107609	117634	115424	67130	105284	115424		
6 निवेश	6257028	5560664	6196793	6257028	6106558	5415148	6048666	6106558		
	(6165473)		(6105120)	(6165473)	(6015003)		(5956993)	(6015003)		
6.1 सरकारी प्रतिभूतियां	6249663	5553702	6190053	6249663	6105609	5414322	6047841	6105609		
6.2 अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	7366	6963	6740	7366	949	826	825	949		
7 बैंक ऋण	16866328	14078261	16646357	16866328	16432164	13675235	16214135	16432164		
	(16335641)		(16109952)	(16335641)	(15901477)		(15677730)	(15901477)		
7ए खाद्यान्न ऋण	75472	65622	92894	75472	23081	19906	40502	23081		
7.1 ऋण, नकदी-ऋण और ओवरड्राफ्ट	16565340	13824693	16365960	16565340	16134303	13424906	15936696	16134303		
7.2 देशी बिल - खरीदे गए	60471	39446	52922	60471	60467	39435	52912	60467		
7.3 देशी बिल- भुनाए गए	199761	165428	188407	199761	197358	162910	186108	197358		
7.4 विदेशी बिल - खरीदे गए	16662	19758	16657	16662	16412	19545	16405	16412		
7.5 विदेशी बिल - भुनाए गए	24094	28936	22411	24094	23624	28439	22014	23624		

टिप्पणी: कॉलम सं. (4) व (8) में दिया गया डेटा अंतिम है।

1. जुलाई 2023 के बाद के डेटा में एक गैर-बैंक के बैंक के साथ विलय के प्रभाव शामिल हैं।

2. कोष्ठक में दिए गए आंकड़ों में विलय के प्रभाव शामिल नहीं हैं।

सं. 15: प्रमुख क्षेत्रों द्वारा सकल बैंक ऋण का विनियोजन

(₹ करोड़)

क्षेत्र	बकाया स्थिति			वृद्धि (%)	
	मार्च 24, 2023	2024		वित्तीय वर्ष में अब तक	वर्ष-दर-वर्ष
		फर. 23	मार्च 22		
	1	2	3	%	%
I. बैंक ऋण (II+III)	13675235	16207362	16434662	20.2	20.2
II. खाद्यान्न ऋण	19906	40502	23081	16.0	16.0
III. गैर-खाद्यान्न ऋण	13655330	16166861	16411581	20.2	20.2
1. कृषि और उससे जुड़ी गतिविधियां	1728063	2035594	2074680	20.1	20.1
2. उद्योग (सूक्ष्म और लघु, मध्यम और बड़े)	3380006	3647149	3683132	9.0	9.0
2.1 सूक्ष्म और लघु	633587	717158	727924	14.9	14.9
2.2 मध्यम	268557	299068	304001	13.2	13.2
2.3 बड़े	2477861	2630923	2651207	7.0	7.0
3. सेवाएं	3736064	4514582	4589968	22.9	22.9
3.1 परिवहन परिचालक	192059	228034	230290	19.9	19.9
3.2 कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	24921	27395	26015	4.4	4.4
3.3 पर्यटन, होटल और रेस्तरां	69331	76315	77642	12.0	12.0
3.4 शिपिंग	7068	6859	7071	0.0	0.0
3.5 विमानन	27640	43720	43246	56.5	56.5
3.6 पेशेवर सेवाएं	139198	162780	168387	21.0	21.0
3.7 व्यापार	872335	1007503	1024030	17.4	17.4
3.7.1 थोक व्यापार ¹	443168	531108	538007	21.4	21.4
3.7.2 खुदरा व्यापार	429167	476395	486024	13.2	13.2
3.8 वाणिज्यिक स्थावर संपदा	322573	442650	448145	38.9	38.9
3.9 गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ (एनबीएफसी) ² जिसमें से	1342070	1514928	1548076	15.3	15.3
3.9.1 आवास वित्त कंपनियाँ (एचएफसी)	318729	337758	325627	2.2	2.2
3.9.2 सार्वजनिक वित्त संस्थाएँ (पीएफआई)	175714	213661	226963	29.2	29.2
3.10 अन्य सेवाएँ ³	738869	1004397	1017065	37.7	37.7
4. व्यक्तिगत ऋण	4180838	5267835	5336129	27.6	27.6
4.1 उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं	20983	23972	23713	13.0	13.0
4.2 आवास	1988532	2682837	2722720	36.9	36.9
4.3 मीयादी जमाराशि की जमानत पर अग्रिम	122116	119977	125233	2.6	2.6
4.4 शेयरों और बॉण्डों की जमानत पर व्यक्तियों को अग्रिम	7634	8401	8498	11.3	11.3
4.5 क्रेडिट कार्ड बकाया	204708	258115	257016	25.6	25.6
4.6 शिक्षा	96853	118708	119409	23.3	23.3
4.7 वाहन ऋण	502377	582113	589300	17.3	17.3
4.8 स्वर्ण आभूषण पर ऋण	89382	102458	102658	14.9	14.9
4.9 अन्य व्यक्तिगत ऋण	1148253	1371253	1387582	20.8	20.8
5. प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र (मेमो)					
(i) कृषि और उससे जुड़ी गतिविधियाँ ⁴	1746051	2052550	2084905	19.4	19.4
(ii) सूक्ष्म और लघु उद्यम ⁵	1645484	1962680	1976657	20.1	20.1
(iii) मध्यम उद्यम ⁶	423888	480245	490930	15.8	15.8
(iv) आवास	622799	754645	755180	21.3	21.3
(v) शिक्षा ऋण	59513	62106	62321	4.7	4.7
(vi) नवीकरणीय ऊर्जा	4670	5868	6001	28.5	28.5
(vii) सामाजिक अवसरचना	2464	2592	2611	6.0	6.0
(viii) निर्यात ऋण	20489	12630	12900	-37.0	-37.0
(ix) अन्य	60835	62553	61338	0.8	0.8
(x) नेट पीएसएलसी- एसएफ/एमएफ सहित कमजोर वर्ग	1411633	1624823	1647406	16.7	16.7

टिप्पणियाँ:

- डेटा अनतिम है। बैंक ऋण, खाद्य ऋण और गैर-खाद्य ऋण डेटा धारा-42 रिटर्न पर आधारित हैं, जिसमें सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक (एससीबी) शामिल हैं, जबकि क्षेत्रीय गैर-खाद्य ऋण डेटा क्षेत्र वार और उद्योग वार बैंक क्रेडिट (एसआईबीसी) रिटर्न पर आधारित हैं जिसमें चुनिंदा बैंकों के लेखांकन के आधार पर महीने के आखिरी रिपोर्टिंग शुरूवार से संबंधित सभी एससीबी द्वारा दिए गए कुल गैर-खाद्य ऋण के लगभग 95 प्रतिशत को शामिल किया गया है।
- 28 जुलाई 2023 के बाद के डेटा में एक गैर-बैंक के बैंक के साथ विलय का प्रभाव शामिल है। कोष्ठक में दिए गए आंकड़ों में विलय के प्रभाव शामिल नहीं हैं।
 - थोक व्यापार में खाद्य ऋण संघ के बाहर के खाद्य खरीद ऋण शामिल हैं।
 - एनबीएफसी के अंतर्गत एचएफसी, पीएफआई, माइक्रोफाइनेंस संस्थाएँ (एमएफआई), स्वर्ण ऋण से जुड़ी एनबीएफसी और अन्य शामिल हैं।
 - "अन्य सेवाओं" के अंतर्गत म्यूचुअल फंड, एनबीएफसी और एमएफ के अलावा बैंकिंग व वित्त तथा अन्य सेवाएँ जो सेवाओं के अंतर्गत अन्यत्र नहीं दर्शाए गए हैं।
- प्राथमिकता क्षेत्र के अंतर्गत "कृषि और संबद्ध गतिविधियाँ" में प्राथमिकता क्षेत्र ऋण प्रमाणपत्र (पीएसएलसी) भी शामिल हैं।
- प्राथमिकता क्षेत्र के अंतर्गत "सूक्ष्म और लघु उद्यम" में उद्योग और सेवा क्षेत्रों में सूक्ष्म और लघु उद्यमों को ऋण शामिल है और इसमें पीएसएलसी भी शामिल हैं।
- प्राथमिकता क्षेत्र के अंतर्गत "मध्यम उद्यम" में उद्योग और सेवा क्षेत्रों में मध्यम उद्यमों को ऋण शामिल है।

सं. 16: सकल बैंक ऋण का उद्योग-वार विनियोजन

(₹ करोड़)

उद्योग	बकाया स्थिति			वृद्धि (%)	
	मार्च 24, 2023	2024		वित्तीय वर्ष में अब तक	वर्ष-दर-वर्ष
		फर. 23	मार्च 22	2024-25	2024
	1	2	3	%	%
2 उद्योग (2.1 से 2.19)	3380006	3647149 (3629825)	3683132 (3665813)	9.0 (8.5)	9.0 (8.5)
2.1 खनन और उत्खनन (कोयला सहित)	60271	54964	54465	-9.6	-9.6
2.2 खाद्य प्रसंस्करण	182806	202019	210045	14.9	14.9
2.2.1 चीनी	22530	23885	26405	17.2	17.2
2.2.2 खाद्य तेल और वनस्पति	19353	19208	19929	3.0	3.0
2.2.3 चाय	5211	5668	5705	9.5	9.5
2.2.4 अन्य	135712	153258	158006	16.4	16.4
2.3 पेय पदार्थ और तंबाकू	23859	29961	31157	30.6	30.6
2.4 वस्त्र	232022	257019	257671	11.1	11.1
2.4.1 सूती वस्त्र	90749	99444	99749	9.9	9.9
2.4.2 जूट से बने वस्त्र	4023	4298	4328	7.6	7.6
2.4.3 मानव - निर्मित वस्त्र	39656	46046	45157	13.9	13.9
2.4.4 अन्य वस्त्र	97594	107232	108437	11.1	11.1
2.5 चमड़ा और चमड़े से बने उत्पाद	11948	12342	12606	5.5	5.5
2.6 लकड़ी और लकड़ी से बने उत्पाद	21277	23705	23875	12.2	12.2
2.7 कागज़ और कागज़ से बने उत्पाद	44354	46442	46455	4.7	4.7
2.8 पेट्रोलियम, कोयला उत्पाद और आण्विक ईंधन	149352	137027	133139	-10.9	-10.9
2.9 रसायन और रासायनिक उत्पाद	224159	247093	250019	11.5	11.5
2.9.1 उर्वरक	34666	36359	37555	8.3	8.3
2.9.2 औषधि और दवाइयां	70699	80933	81173	14.8	14.8
2.9.3 पेट्रो केमिकल्स	20765	23017	23170	11.6	11.6
2.9.4 अन्य	98030	106784	108121	10.3	10.3
2.10 रबड़, प्लास्टिक और उनके उत्पाद	84131	90387	90513	7.6	7.6
2.11 कांच और कांच के सामान	9548	11615	12008	25.8	25.8
2.12 सीमेन्ट और सीमेन्ट से बने उत्पाद	58093	61183	60357	3.9	3.9
2.13 मूल धातु और धातु उत्पाद	343756	379221	384336	11.8	11.8
2.13.1 लोहा और स्टील	229360	267489	272722	18.9	18.9
2.13.2 अन्य धातु और धातु से बने उत्पाद	114396	111732	111615	-2.4	-2.4
2.14 सभी अभियांत्रिकी	180822	198888	201062	11.2	11.2
2.14.1 इलेक्ट्रानिक्स	43234	47010	46636	7.9	7.9
2.14.2 अन्य	137587	151878	154426	12.2	12.2
2.15 वाहन, वाहन के पुर्जे और परिवहन उपस्कर	101823	111008	113733	11.7	11.7
2.16 रत्न और आभूषण	80289	83190	86359	7.6	7.6
2.17 निर्माण	124767	134590	136419	9.3	9.3
2.18 इन्फ्रास्ट्रक्चर	1202605	1271494	1280258	6.5	6.5
2.18.1 बिजली	620837	647657	645351	3.9	3.9
2.18.2 दूरसंचार	108747	128330	138701	27.5	27.5
2.18.3 सड़क	285876	304115	303320	6.1	6.1
2.18.4 हवाई अड्डा	9579	7361	7206	-24.8	-24.8
2.18.5 बंदरगाह	7979	7838	6679	-16.3	-16.3
2.18.6 रेलवे	10176	12144	13025	28.0	28.0
2.18.7 अन्य इन्फ्रास्ट्रक्चर	159413	164048	165976	4.1	4.1
2.19 अन्य उद्योग	244123	295000	298656	22.3	22.3

टिप्पणी : 28 जुलाई 2023 के बाद के डेटा में एक गैर-बैंक के बैंक के साथ विलय का प्रभाव शामिल है। कोष्ठक में दिए गए आंकड़ों में विलय के प्रभाव शामिल नहीं हैं।

सं. 17: भारतीय रिज़र्व बैंक में राज्य सहकारी बैंकों के खाते

(₹ करोड़)

मद	रिपोर्टिंग अंतिम शुक्रवार (मार्च के संबंध में)/अंतिम शुक्रवार/रिपोर्टिंग शुक्रवार की स्थिति								
	2022-23	2023				2024			
		फर. 24	दिसं. 01	दिसं. 15	दिसं. 29	जन. 12	जन. 26	फर. 09	फर. 23
	1	2	3	4	5	6	7	8	9
रिपोर्टिंग बैंकों की संख्या	33	33	33	33	33	33	33	33	33
1 कुल जमाराशियाँ (2.1.1.2+2.2.1.2)	144701.9	135950.9	135247.4	135675.4	134207.5	134214.5	135053.7	136218.5	132042.0
2 मांग और मीयादी देयताएं									
2.1 मांग देयताएं	30241.2	28527.7	27117.8	27960.3	28479.2	27904.6	28067.3	28673.3	27356.3
2.1.1 जमाराशियाँ									
2.1.1.1 अंतर-बैंक	6893.3	5720.7	7183.8	7223.4	6777.1	7563.8	7628.0	7658.3	7498.1
2.1.1.2 अन्य	18195.4	17432.4	14047.4	15208.9	14679.1	14503.8	14877.1	15190.9	14122.7
2.1.2 बैंकों से उधार	0.0		339.8				99.9		
2.1.3 अन्य मांग देयताएं	5152.4	5374.5	5546.8	5528.0	7023.0	5837.0	5462.2	5824.2	5735.6
2.2 मीयादी देयताएं	194129.9	175896.3	176297.7	177675.1	178662.9	180822.3	181797.1	181359.8	178609.9
2.2.1 जमाराशियाँ									
2.2.1.1 अंतर-बैंक	65875.0	54797.7	52267.0	53811.7	55648.9	57552.2	58233.2	57471.9	57905.0
2.2.1.2 अन्य	126506.5	118518.4	121200.0	120466.5	119528.4	119710.7	120176.6	121027.6	117919.3
2.2.2 बैंकों से उधार	845.8	1604.0	1396.5	2152.7	2244.3	2226.8	2181.3	1663.3	1582.3
2.2.3 अन्य मीयादी देयताएं	902.6	976.1	1434.2	1244.2	1241.3	1332.7	1206.0	1197.0	1203.2
3 रिज़र्व बैंक से उधार	0.0						100.0	100.0	135.0
4 अधिसूचित बैंक/ सरकार से उधार	84382.5	77988.7	87085.9	89193.5	88584.8	89231.9	90881.7	86104.5	86889.8
4.1 मांग	20545.9	16530.5	21603.4	23832.5	22764.0	22757.9	23859.7	22534.7	22632.6
4.2 मीयादी	63836.7	61458.3	65482.5	65361.0	65820.8	66474.0	67022.0	63569.8	64257.3
5 उपलब्ध नकदी और रिज़र्व बैंक के पास शेषराशि	12386.8	10769.8	11429.7	11384.5	11065.3	11130.5	11043.1	11768.1	11568.9
5.1 उपलब्ध नकदी	1540.1	797.2	803.8	733.9	766.3	849.4	742.4	959.4	758.7
5.2 रिज़र्व बैंक के पास शेषराशि	10846.7	9972.6	10625.9	10650.6	10299.0	10281.1	10300.8	10808.7	10810.2
6 चालू खाते में अन्य बैंकों के पास शेषराशि	3500.7	2038.1	1698.6	1634.7	1645.3	1664.1	1446.5	2358.8	1819.0
7 सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश	80906.4	72892.1	73437.2	73867.3	74036.6	73993.2	73701.6	73713.3	74035.2
8 मांग और अल्प सूचना पर मुद्रा	34771.6	21601.9	24940.7	26023.5	23160.0	25458.4	27662.3	23670.5	24428.3
9 बैंक ऋण (10.1+11)	124978.1	123225.6	129011.7	130325.1	132527.0	133172.6	132726.7	132893.5	133623.3
10 अग्रिम									
10.1 ऋण, नकदी-ऋण और ओवरड्राफ्ट	124928.2	123202.0	128925.0	130234.3	132420.5	133056.3	132569.3	132735.7	133448.3
10.2 बैंकों से प्राप्य राशि	131095.9	128522.2	128682.9	131624.2	133287.7	136147.1	136927.3	135069.3	137852.4
11 खरीदे और भुनाए गए बिल	49.9	23.6	86.7	90.8	106.5	116.4	157.5	157.8	175.0

कीमत और उत्पादन

सं. 18: उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार: 2012=100)

समूह/उप समूह	2023-24			ग्रामीण			शहरी			मिश्रित		
	ग्रामीण	शहरी	मिश्रित	अप्रै. 23	मार्च24	अप्रै.24 (अ)	अप्रै.23	मार्च24	अप्रै.24 (अ)	अप्रै.23	मार्च24	अप्रै.24 (अ)
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
1 खाद्य और पेय पदार्थ	185.9	192.7	188.4	175.5	188.5	189.5	182.1	194.4	196.1	177.9	190.7	191.9
1.1 अनाज और उत्पाद	181.4	181.7	181.5	173.3	189.3	188.8	174.8	188.5	188.9	173.8	189.0	188.8
1.2 मांस और मछली	213.0	221.3	215.9	206.9	217.9	223.0	213.7	226.7	232.8	209.3	221.0	226.4
1.3 अंडा	185.4	189.5	187.0	167.9	192.7	180.1	172.4	194.3	184.1	169.6	193.3	181.6
1.4 दूध और उत्पाद	181.4	181.5	181.4	178.2	183.2	183.6	178.8	183.6	184.0	178.4	183.3	183.7
1.5 तेल और चर्बी	165.3	158.7	162.9	178.5	160.2	160.4	168.7	154.7	154.9	174.9	158.2	158.4
1.6 फल	172.1	179.9	175.7	173.7	172.8	182.7	179.2	176.7	188.6	176.3	174.6	185.5
1.7 सब्जी	183.9	229.9	199.5	142.8	182.5	184.9	179.9	222.6	225.3	155.4	196.1	198.6
1.8 दाल और उत्पाद	192.2	196.5	193.7	172.8	199.7	200.7	174.7	205.0	206.2	173.4	201.5	202.6
1.9 चीनी और उत्पाद	126.2	128.1	126.9	120.4	128.0	127.7	123.1	130.1	130.2	121.3	128.7	128.5
1.10 मसाले	238.0	228.4	234.8	215.5	236.3	231.8	207.8	228.2	224.7	212.9	233.6	229.4
1.11 गैर नशीले पेय पदार्थ	180.7	168.2	175.5	178.2	182.1	182.2	165.5	170.3	170.6	172.9	177.2	177.4
1.12 तैयार भोजन, नाश्ता, मिठाई	193.3	200.9	196.8	190.5	195.9	196.2	197.0	204.6	204.9	193.5	199.9	200.2
2 पान, तंबाकू और मादक पदार्थ	202.0	207.1	203.3	199.5	204.0	204.9	203.5	210.2	211.1	200.6	205.7	206.6
3 कपड़ा और जूते	192.9	181.5	188.4	190.2	195.1	195.5	178.9	183.8	184.2	185.7	190.6	191.0
3.1 कपड़ा	193.5	183.5	189.6	190.7	195.8	196.2	181.0	185.8	186.2	186.9	191.9	192.3
3.2 जूते	189.4	170.2	181.4	187.3	191.1	191.1	167.7	172.3	172.8	179.2	183.3	183.5
4 आवास	--	176.7	176.7	--	--	--	175.2	178.2	179.9	175.2	178.2	179.9
5 ईंधन और बिजली	183.0	178.9	181.4	181.5	181.0	179.2	182.1	167.4	165.5	181.7	175.8	174.0
6 विविध	181.7	173.7	177.8	178.9	184.2	185.4	170.9	176.0	176.8	175.0	180.2	181.2
6.1 घरेलू सामान और सेवा	181.5	171.8	176.9	179.1	183.3	183.7	169.6	174.0	174.4	174.6	178.9	179.3
6.2 स्वास्थ्य	190.8	185.2	188.7	187.2	194.3	194.9	181.5	189.1	189.7	185.0	192.3	192.9
6.3 परिवहन और संचार	171.1	161.4	166.0	169.4	172.0	171.8	160.1	161.9	161.4	164.5	166.7	166.3
6.4 मनोरंजन	175.8	171.1	173.2	173.2	177.8	178.1	168.8	172.8	173.0	170.7	175.0	175.2
6.5 शिक्षा	184.0	179.1	181.1	179.4	186.1	186.7	174.2	181.2	181.8	176.4	183.2	183.8
6.6 व्यक्तिगत देखभाल और संबंधित सामन	186.3	187.4	186.8	183.8	191.3	196.9	184.4	192.8	198.8	184.0	191.9	197.7
सामान्य सूचकांक (सभी समूह)	185.6	182.4	184.1	178.8	187.8	188.5	177.4	183.6	184.7	178.1	185.8	186.7

स्रोत : केन्द्रीय सांख्यिकी कार्यालय, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार।

अ: अंतिम

सं. 19: अन्य उपभोक्ता मूल्य सूचकांक

मद	आधार वर्ष	योजक कारक	2022-23	2023		2024	
				फर.	जन.	फर.	
	1	2	3	4	5	6	
1 औद्योगिक कामगार उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	2016	2.88	131.1	132.7	138.9		
2 कृषि श्रमिक उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	1986-87	5.89	1148	1171	1258	1258	
3 ग्रामीण श्रमिक उपभोक्ता मूल्य सूचकांक	1986-87	-	1160	1182	1268	1269	

स्रोत: श्रम ब्यूरो, श्रम और रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार।

सं. 20: मुंबई में स्वर्ण और चांदी का मासिक औसत मूल्य

मद	2022-23	2023		2024	
		मार्च	फर.	फर.	मार्च
	1	2	3	4	
1 मानक स्वर्ण (₹ प्रति 10 ग्राम)	52731	57514	62017	65229	
2 चांदी (₹ प्रति किलोग्राम)	61991	66520	70328	73109	

स्रोत: मुंबई में स्वर्ण और चांदी के मूल्य के लिए इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन लि. मुंबई।

सं. 21: थोक मूल्य सूचकांक

(आधार: 2011-12=100)

पण्य वस्तुएँ	भार	2023-24	2023	2024		
			अप्रै.	फर.	मार्च(पी)	अप्रै.(पी)
	1	2	3	4	5	6
1 सभी पण्य	100.000	151.5	151.1	151.2	151.8	153.0
1.1 प्राथमिक वस्तुएँ	22.618	183.0	177.8	181.5	183.1	186.7
1.1.1 खाद्य वस्तुएँ	15.256	191.3	182.1	189.4	191.1	196.2
1.1.1.1 खाद्यान्न (अनाज+दाल)	3.462	193.8	183.7	201.5	202.2	202.4
1.1.1.2 फल और सब्जियाँ	3.475	210.1	192.2	187.7	196.7	214.0
1.1.1.3 दूध	4.440	180.2	176.7	183.5	183.6	184.3
1.1.1.4 अंडा, मांस और मछली	2.402	172.1	171.1	169.0	168.7	172.6
1.1.1.5 मसाले	0.529	235.4	197.7	248.9	233.5	228.5
1.1.1.6 अन्य खाद्य वस्तुएँ	0.948	189.4	184.2	197.6	197.5	206.4
1.1.2 खाद्येतर वस्तुएँ	4.119	162.4	165.6	159.1	160.2	158.3
1.1.2.1 फाइबर	0.839	168.2	180.0	159.6	166.5	164.2
1.1.2.2 तिलहन	1.115	185.0	191.8	178.7	178.7	179.5
1.1.2.3 अन्य खाद्येतर वस्तुएँ	1.960	134.9	135.6	133.3	133.4	131.1
1.1.2.4 पुष्पोत्पादन	0.204	279.7	252.1	297.9	291.0	279.3
1.1.3 खनिज	0.833	218.0	224.6	225.0	225.1	221.6
1.1.3.1 धात्विक खनिज	0.648	203.9	214.3	209.7	209.7	212.6
1.1.3.2 अन्य खनिज	0.185	267.1	260.8	278.9	278.8	253.2
1.1.4 कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस	2.410	153.6	155.0	155.0	157.1	162.7
1.2 ईंधन और बिजली	13.152	152.3	152.7	154.9	155.2	154.8
1.2.1 कोयला	2.138	136.4	135.5	136.0	135.8	135.8
1.2.1.1 कुकिंग कोयला	0.647	143.4	143.4	143.4	143.4	143.4
1.2.1.2 नॉन-कुकिंग कोयला	1.401	124.8	119.8	125.8	125.8	125.8
1.2.1.3 लिग्नाइट	0.090	267.6	323.3	241.8	236.0	236.0
1.2.2 खनिज तेल	7.950	159.0	159.6	159.2	159.4	159.5
1.2.3 बिजली	3.064	146.1	146.8	157.0	157.9	156.0
1.3 विनिर्मित उत्पाद	64.231	140.2	141.4	139.8	140.1	140.8
1.3.1 खाद्य उत्पादों का विनिर्माण	9.122	160.5	160.5	160.1	161.9	162.5
1.3.1.1 मांस का परिरक्षण और प्रसंस्करण	0.134	145.2	146.5	147.4	149.5	151.4
1.3.1.2 मछली, क्रस्टेशियन, मोलस्क और उनके उत्पादों का प्रसंस्करण एवं परिरक्षण	0.204	142.9	138.8	143.2	150.1	145.9
1.3.1.3 फल और सब्जियों का परिरक्षण और प्रसंस्करण	0.138	130.4	128.8	130.0	130.0	132.3
1.3.1.4 सब्जियां और पशु तेल एवं चर्बी	2.643	144.9	155.4	141.1	145.2	147.6
1.3.1.5 डेयरी उत्पाद	1.165	179.2	177.7	179.1	179.2	178.8
1.3.1.6 अनाज मिल के उत्पाद	2.010	175.6	166.8	181.8	182.0	181.3
1.3.1.7 स्टार्च और स्टार्च के उत्पाद	0.110	157.1	155.7	165.7	166.1	163.9
1.3.1.8 बेकरी उत्पाद	0.215	165.4	165.1	166.0	165.7	166.1
1.3.1.9 चीनी, गुड़ और शहद	1.163	134.6	129.2	136.9	136.6	137.5
1.3.1.10 कोक, चॉकलेट और चीनी कन्फेक्शनरी	0.175	139.9	137.3	143.6	143.6	142.7
1.3.1.11 मैक्रोनी, नूडल्स, और कूसकूस और उसके जैसे मैदे से बने उत्पाद	0.026	149.9	150.6	149.3	148.8	151.7
1.3.1.12 चाय और कॉफी उत्पाद	0.371	176.2	181.1	150.1	161.9	165.5
1.3.1.13 प्रसंस्कृत मसाले और नमक	0.163	192.1	180.9	196.9	196.2	195.9
1.3.1.14 प्रसंस्कृत तैयार खाद्य पदार्थ	0.024	146.3	142.1	148.1	147.1	147.2
1.3.1.15 स्वास्थ्य पूरक	0.225	179.1	180.7	179.7	174.9	174.1
1.3.1.16 पशु के लिए तैयार खाद्य	0.356	208.3	207.7	203.7	204.1	203.8
1.3.2 पेय पदार्थों का विनिर्माण	0.909	131.5	130.9	132.3	132.3	133.0
1.3.2.1 शराब और स्पिरीट	0.408	133.3	132.0	133.9	133.5	134.6
1.3.2.2 माल्ट लिंकर और माल्ट	0.225	135.6	135.1	136.1	136.6	136.3
1.3.2.3 शीतल पेय, मिनरल वॉटर और बोतलबन्द पानी का उत्पादन	0.275	125.5	125.8	126.8	127.0	127.7
1.3.3 तंबाकू उत्पादों का विनिर्माण	0.514	173.5	169.8	175.2	175.7	177.5
1.3.3.1 तंबाकू के उत्पाद	0.514	173.5	169.8	175.2	175.7	177.5

सं. 21: थोक मूल्य सूचकांक (जारी)

(आधार: 2011-12=100)

पण्य वस्तुएँ	भार	2023-24	2023	2024		
				अप्रै.	फर.	मार्च(पी)
	1	2	3	4	5	6
1.3.4 वस्त्र विनिर्माण	4.881	134.6	137.2	134.4	134.5	135.5
1.3.4.1 धागों की कताई और वस्त्र तैयार करना	2.582	120.1	123.3	119.8	120.0	121.4
1.3.4.2 बुनाई और तैयार वस्त्र	1.509	157.5	160.3	156.5	156.5	156.6
1.3.4.3 बुने हुए और क्रोशिए से बना कपड़ा	0.193	120.0	122.6	120.3	120.7	123.1
1.3.4.4 कपड़ों को छोड़कर निर्मित वस्त्र सामग्री	0.299	156.5	154.1	157.5	158.3	160.1
1.3.4.5 डोरियाँ, रस्सी, सुतली और नेटिंग	0.098	139.2	143.0	139.9	137.6	138.3
1.3.4.6 अन्य वस्त्र	0.201	129.5	129.6	132.5	131.2	131.2
1.3.5 तैयार वस्त्र का विनिर्माण	0.814	150.8	149.5	151.7	151.3	153.0
1.3.5.1 फर से बने वस्त्रों को छोड़कर, तैयार वस्त्र (बुने हुए) का विनिर्माण	0.593	148.7	148.4	148.8	148.6	150.1
1.3.5.2 बुने हुए और क्रोशिए से बने वस्त्र	0.221	156.5	152.2	159.3	158.3	160.6
1.3.6 चमड़ा और संबंधित उत्पाद का विनिर्माण	0.535	124.1	123.4	123.7	123.7	123.0
1.3.6.1 चमड़े की टैनिंग और ड्रेसिंग; ड्रेसिंग और फर की रंगाई	0.142	107.3	107.2	103.6	104.8	102.9
1.3.6.2 सामान, हैंडबैग, काठी और हार्नेस	0.075	140.9	141.3	140.9	141.2	141.0
1.3.6.3 जूते-चप्पल	0.318	127.7	126.4	128.5	128.1	127.7
1.3.7 लकड़ी व लकड़ी और कॉर्क के उत्पादों का विनिर्माण	0.772	146.6	143.9	149.5	149.4	149.4
1.3.7.1 आरा मिलिंग और लकड़ी के उत्पाद	0.124	137.9	138.6	140.0	140.0	139.8
1.3.7.2 विनियर शीट, प्लायवुड, लैमिन बोर्ड, पार्टिकल बोर्ड और अन्य पैनल और बोर्ड का विनिर्माण	0.493	146.1	142.0	149.9	149.3	149.5
1.3.7.3 बिल्डरों की बढ़ईगीरी	0.036	206.4	204.6	210.3	214.1	214.3
1.3.7.4 लकड़ी के डिब्बे	0.119	139.8	139.4	139.7	140.0	139.9
1.3.8 कागज़ और कागज़ के उत्पादों का विनिर्माण	1.113	140.4	147.2	137.9	138.6	137.0
1.3.8.1 लुगदी, कागज़ और पेपर बोर्ड	0.493	147.7	155.1	145.4	145.4	144.2
1.3.8.2 लहरदार कागज़ और पेपर बोर्ड और कागज़ के पात्र और पेपर बोर्ड	0.314	140.9	141.5	142.1	143.0	143.1
1.3.8.3 कागज़ की अन्य सामग्री और पेपर बोर्ड	0.306	128.1	140.1	121.3	123.1	119.1
1.3.9 मुद्रण और रिकार्डेड मीडिया का पुनरुत्पादन	0.676	182.2	178.4	184.2	183.4	183.8
1.3.9.1 मुद्रण	0.676	182.2	178.4	184.2	183.4	183.8
1.3.10 रसायन और रासायनिक उत्पादों का विनिर्माण	6.465	136.9	141.1	135.4	135.6	136.0
1.3.10.1 मूल रसायन	1.433	139.9	148.2	136.7	136.7	136.7
1.3.10.2 उर्वरक और नाइट्रोजन यौगिक	1.485	142.8	145.5	142.0	142.2	143.4
1.3.10.3 प्लास्टिक और प्राथमिक रूप में सिंथेटिक रबड़	1.001	132.3	137.2	131.8	132.5	132.5
1.3.10.4 कीटनाशक और अन्य एग्रीकेमिकल उत्पाद	0.454	132.8	136.6	130.0	129.6	129.9
1.3.10.5 पेन्ट, वार्निश और समान कोटिंग, मुद्रण स्याही और मैस्टिक्स	0.491	143.8	145.3	142.9	142.3	141.5
1.3.10.6 साबुन और डिटर्जेंट, सफाई और चमकाने की सामग्री, इत्र और शौचालय सफाई की सामग्री	0.612	139.8	140.9	138.6	138.4	139.2
1.3.10.7 अन्य रासायनिक उत्पाद	0.692	134.4	137.5	133.2	134.1	134.4
1.3.10.8 मानव निर्मित फाइबर	0.296	103.6	106.7	103.4	103.2	104.9
1.3.11 फार्मास्यूटिकल्स, औषधीय रसायन और वनस्पति उत्पाद का विनिर्माण	1.993	142.9	142.8	143.9	143.3	143.9
1.3.11.1 फार्मास्यूटिकल्स, औषधीय रसायन और वनस्पति उत्पाद	1.993	142.9	142.8	143.9	143.3	143.9
1.3.12 रबड़ और प्लास्टिक उत्पादों का विनिर्माण	2.299	127.5	128.4	127.7	128.3	128.3
1.3.12.1 रबड़ टायर और ट्यूब, रबड़ टायर की रिट्रीडिंग और पुनर्निर्माण	0.609	113.8	114.5	113.9	114.0	114.0
1.3.12.2 रबड़ के अन्य उत्पाद	0.272	107.3	106.7	108.3	108.6	109.1
1.3.12.3 प्लास्टिक उत्पाद	1.418	137.3	138.6	137.4	138.2	138.1
1.3.13 अन्य अधात्विक खनिज उत्पादों का विनिर्माण	3.202	134.7	135.2	133.8	133.7	132.8
1.3.13.1 कांच और कांच उत्पाद	0.295	163.8	163.8	164.2	164.0	164.2
1.3.13.2 आग रोधक उत्पाद	0.223	119.7	119.1	119.4	119.4	119.0
1.3.13.3 मिट्टी से बनी भवन निर्माण सामग्री	0.121	124.1	133.4	115.1	122.4	120.7
1.3.13.4 चीनी मिट्टी और चीनी मिट्टी के उत्पाद	0.222	122.3	120.2	124.0	124.4	124.5
1.3.13.5 सीमेन्ट, चूना और प्लास्टर	1.645	137.4	138.2	136.2	135.4	133.6

सं. 21: थोक मूल्य सूचकांक (जारी)

(आधार: 2011-12=100)

पण्य वस्तुएँ	भार	2023-24	2023	2024		
				अप्रै.	फर.	मार्च(पी)
	1	2	3	4	5	6
1.3.13.6 कंक्रीट, सीमेन्ट और प्लास्टर से बनी वस्तुएं	0.292	137.7	137.7	137.0	137.2	139.3
1.3.13.7 पत्थरों को काटना, आकार देना और संवारना	0.234	130.2	127.3	131.2	130.8	131.3
1.3.13.8 अन्य अधात्विक खनिज उत्पाद	0.169	102.4	105.3	101.5	100.9	99.2
1.3.14 मूल धातुओं का विनिर्माण	9.646	141.0	145.3	138.5	138.4	140.0
1.3.14.1 स्टील तैयार करने में प्रयुक्त सामग्री	1.411	140.2	151.9	134.9	134.1	135.9
1.3.14.2 मेटेलिक आयरन	0.653	153.6	157.5	150.4	147.9	149.4
1.3.14.3 नरम इस्पात - अर्ध निर्मित इस्पात	1.274	119.9	122.8	116.7	116.9	117.8
1.3.14.4 नरम इस्पात - लंबे उत्पाद	1.081	141.3	145.7	138.3	138.8	141.9
1.3.14.5 नरम इस्पात - चपटे उत्पाद	1.144	143.5	150.4	140.3	138.8	137.9
1.3.14.6 स्टेनलेस स्टील के अतिरिक्त एलॉय स्टील-आकार	0.067	137.6	144.4	133.4	133.4	137.9
1.3.14.7 स्टेनलेस स्टील - अर्ध निर्मित	0.924	136.4	146.0	129.4	130.9	131.0
1.3.14.8 पाइप और ट्यूब	0.205	169.6	172.4	169.5	168.9	167.6
1.3.14.9 कीमती धातु सहित अलौह धातु	1.693	144.7	146.8	145.0	146.1	150.4
1.3.14.10 कार्स्टिंग	0.925	140.8	133.7	144.1	144.2	145.7
1.3.14.11 स्टील से गढ़ी वस्तुएं	0.271	173.4	172.9	172.4	172.1	171.2
1.3.15 मशीनरी और उपकरणों को छोड़कर गढ़े हुए धातु उत्पादों का विनिर्माण	3.155	138.6	139.5	137.6	136.6	137.0
1.3.15.1 इमारती धातु उत्पाद	1.031	132.3	132.7	130.7	130.7	130.7
1.3.15.2 धातु से बने टैंक, जलाशय और डिब्बे	0.660	157.6	161.0	156.0	155.5	153.4
1.3.15.3 वाष्प चालित जनरेटर, सेंट्रल हीटिंग हॉट वाटर बॉयलर्स को छोड़कर	0.145	106.2	105.3	105.6	105.6	106.0
1.3.15.4 धातु की फोर्जिंग, दबाना, स्टैमिंग और रोल फॉर्मिंग, पाउडर धातुकर्म	0.383	141.6	139.7	139.5	139.0	138.4
1.3.15.5 कटलरी, हस्त चालित उपकरण और सामान्य हार्डवेयर	0.208	108.4	110.7	109.4	101.5	110.0
1.3.15.6 अन्य गढ़े हुए धातु उत्पाद	0.728	143.8	144.7	144.0	142.6	144.4
1.3.16 कंप्यूटर, इलेक्ट्रॉनिक और ऑप्टिकल उत्पादों का विनिर्माण	2.009	119.2	117.5	119.5	119.6	120.6
1.3.16.1 इलेक्ट्रॉनिक पुरजे	0.402	115.0	113.8	114.6	114.5	115.9
1.3.16.2 कंप्यूटर और संबंधित उपकरण	0.336	135.3	135.1	135.1	135.3	135.3
1.3.16.3 संचार उपकरण	0.310	136.0	131.0	139.3	139.4	139.2
1.3.16.4 उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स	0.641	103.5	101.8	102.7	102.8	103.9
1.3.16.5 मापने, जांचने, नेविगेशन और नियंत्रण उपकरण	0.181	113.4	113.0	114.0	114.0	118.5
1.3.16.6 हाथ घड़ी और दीवार घड़ी	0.076	157.2	153.1	159.8	159.9	160.0
1.3.16.7 विभासन, विद्युत चिकित्सकीय एवं विद्युत उपचारात्मक उपकरण	0.055	108.4	110.5	108.3	109.0	109.2
1.3.16.8 ऑप्टिकल उपकरण और फोटोग्राफिक उपकरण	0.008	103.8	103.7	105.3	105.3	105.2
1.3.17 इलेक्ट्रिकल उपकरण का विनिर्माण	2.930	131.4	130.7	131.8	132.1	132.4
1.3.17.1 विद्युत मोटर्स, जनरेटर, ट्रांसफार्मर और बिजली वितरण और नियंत्रण संबंधी उपकरण	1.298	130.2	128.1	131.3	131.3	131.2
1.3.17.2 बैटरी और एक्युमुलेटर	0.236	137.8	136.4	139.2	140.4	139.8
1.3.17.3 डेटा संचरण या छवियों के सजीव प्रसारण के लिए फाइबर ऑप्टिक केबल	0.133	123.4	121.5	122.4	121.2	120.1
1.3.17.4 अन्य इलेक्ट्रॉनिक और बिजली के वायर और केबल	0.428	146.1	148.6	145.2	146.0	148.9
1.3.17.5 वायरिंग संबंधी चीजें और बिजली के प्रकाश और सजावट के उपकरण	0.263	116.8	116.9	117.8	117.6	117.6
1.3.17.6 घरेलू उपकरण	0.366	133.8	133.8	133.1	133.4	133.3
1.3.17.7 अन्य इलेक्ट्रिकल उपकरण	0.206	120.9	121.2	120.6	121.8	121.6
1.3.18 मशीनरी और उपकरणों का विनिर्माण	4.789	129.0	128.4	130.0	130.0	130.5
1.3.18.1 इंजन और टर्बाइन, एयरक्राफ्ट, वाहन और दुपहिया वाहनों के इंजन को छोड़कर	0.638	129.0	127.7	131.2	130.9	130.5
1.3.18.2 तरल बिजली उपकरण	0.162	131.9	132.8	132.2	132.5	133.2
1.3.18.3 अन्य पंप, कंप्रेसर, नल और वाल्व	0.552	117.4	117.8	118.0	117.7	117.5
1.3.18.4 बेयरिंग, गियर्स, गेयरिंग और ड्राइविंग उपकरण	0.340	127.7	128.1	130.5	130.2	129.0
1.3.18.5 ओवन, फर्नेस और फर्नेस बर्नर	0.008	83.7	80.7	85.2	85.3	86.2
1.3.18.6 माल उठाने एवं चढ़ाने - उतारने वाले उपकरण	0.285	128.6	127.5	129.8	130.1	130.1

सं. 21: थोक मूल्य सूचकांक (समाप्त)

(आधार: 2011-12=100)

पण्य वस्तुएँ	भार	2023-24	2023	2024		
			अप्रै.	फर.	मार्च(पी)	अप्रै.(पी)
	1	2	3	4	5	6
1.3.18.7 कार्यालय मशीनरी और उपकरण	0.006	130.2	130.2	130.2	130.2	130.2
1.3.18.8 सामान्य प्रयोजन के अन्य उपकरण	0.437	145.2	145.2	144.1	144.7	147.1
1.3.18.9 कृषि और वानिकी मशीनरी	0.833	142.5	140.9	144.1	144.1	146.3
1.3.18.10 धातु निर्माण करनेवाली मशीनरी और मशीन टूल्स	0.224	122.5	122.3	122.6	122.1	122.4
1.3.18.11 खनन, उत्खनन और निर्माण के लिए मशीनरी	0.371	88.6	87.1	88.8	89.2	89.4
1.3.18.12 खाद्य, पेय और तंबाकू प्रसंस्करण के लिए मशीनरी	0.228	124.4	124.8	124.3	124.7	124.6
1.3.18.13 कपड़ा, परिधान और चमड़े के उत्पादन से जुड़ी मशीनरी	0.192	137.1	136.7	137.8	136.9	137.5
1.3.18.14 अन्य विशेष प्रयोजनों के लिए मशीनरी	0.468	144.6	143.2	146.0	145.4	145.3
1.3.18.15 अक्षय ऊर्जा उत्पादन मशीनरी	0.046	70.8	71.1	70.0	70.1	70.1
1.3.19 मोटर वाहन, ट्रेलरों और अर्ध-ट्रेलरों का विनिर्माण	4.969	128.3	128.0	128.9	129.7	129.5
1.3.19.1 मोटर वाहन	2.600	128.5	127.4	129.5	130.6	130.2
1.3.19.2 मोटर वाहन पुरजे और सहायक उपकरण	2.368	128.2	128.6	128.3	128.7	128.6
1.3.20 अन्य परिवहन उपकरणों का विनिर्माण	1.648	143.1	141.9	143.5	143.5	144.4
1.3.20.1 जहाजों और तैरने वाली - वस्तुओं का निर्माण	0.117	163.7	163.6	163.7	163.7	177.9
1.3.20.2 रेलवे इंजन और रोलिंग स्टॉक	0.110	107.4	104.8	108.4	108.5	108.2
1.3.20.3 मोटर साइकल	1.302	144.7	143.4	145.2	145.2	145.1
1.3.20.4 साइकल और अवैध गाड़ी	0.117	137.9	137.3	137.9	137.4	136.6
1.3.20.5 अन्य परिवहन उपकरण	0.002	159.2	155.8	160.5	158.3	161.3
1.3.21 फर्नीचर का विनिर्माण	0.727	159.8	160.1	158.8	159.9	158.8
1.3.21.1 फर्नीचर	0.727	159.8	160.1	158.8	159.9	158.8
1.3.22 अन्य विनिर्माण	1.064	158.2	159.5	161.5	164.1	175.1
1.3.22.1 आभूषण और संबंधित सामग्री	0.996	157.9	159.1	161.6	164.3	176.1
1.3.22.2 संगीत उपकरण	0.001	187.0	193.9	191.9	192.0	186.6
1.3.22.3 खेल के सामान	0.012	155.2	154.7	155.2	154.0	158.3
1.3.22.4 खेल और खिलौने	0.005	159.6	159.4	159.9	160.0	161.2
1.3.22.5 चिकित्सा और दंत चिकित्सा उपकरण और	0.049	163.1	166.3	161.2	161.2	160.2
2 खाद्य सूचकांक	24.378	179.7	174.0	178.4	180.1	183.6

स्रोत: आर्थिक सलाहकार का कार्यालय, वाणिज्यिक और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार।

सं. 22: औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आधार: 2011-12=100)

उद्योग	भार	2022-23	2023-24	अप्रैल-मार्च		मार्च	
				2022-23	2023-24	2023	2024
	1	2	3	4	5	6	7
सामान्य सूचकांक	100.00	138.5	146.6	138.5	146.6	151.7	159.2
1 क्षेत्रवार वर्गीकरण							
1.1 खनन	14.37	119.9	128.9	119.9	128.9	154.2	156.1
1.2 विनिर्माण	77.63	137.1	144.6	137.1	144.6	147.5	155.1
1.3 बिजली	7.99	185.2	198.3	185.2	198.3	188.0	204.2
2 उपयोग आधारित वर्गीकरण							
2.1 मूल वस्तुएं	34.05	139.2	147.6	139.2	147.6	158.3	162.2
2.2 पूंजीगत माल	8.22	100.3	106.5	100.3	106.5	123.0	130.5
2.3 मध्यवर्ती माल	17.22	149.4	157.2	149.4	157.2	159.4	167.5
2.4 इन्फ्रास्ट्रक्चर/निर्माण वस्तुएं	12.34	160.7	176.2	160.7	176.2	181.7	194.2
2.5 उपभोक्ता टिकाऊ माल	12.84	114.5	118.6	114.5	118.6	118.6	129.9
उपभोक्ता गैर-टिकाऊ माल	15.33	147.7	153.6	147.7	153.6	147.5	154.7

स्रोत: राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार।

सरकारी लेखा और खजाना बिल

सं. 23: केन्द्र सरकार का लेखा - एक नज़र में

(₹ करोड़)

मद	वित्तीय वर्ष		अप्रैल-फरवरी		
	2023-24 (संशोधित अनुमान)	2023-24 वास्तविक आंकड़े	2022-23 वास्तविक आंकड़े	संशोधित अनुमानों का प्रतिशत	
				2023-24	2022-23
	1	2	3	4	5
1 राजस्व प्राप्तियां	2699713	2209782	1980828	81.9	84.3
1.1 कर राजस्व (निवल)	2323918	1849452	1732193	79.6	83.0
1.2 करेतर राजस्व	375795	360330	248635	95.9	95.0
2 गैर कर्ज पूंजीगत प्राप्तियां	56000	36140	58900	64.5	70.5
2.1 ऋण की वसूली	26000	23480	20229	90.3	86.1
2.2 अन्य प्राप्तियां	30000	12660	38671	42.2	64.5
3 कुल प्राप्तियां (लिए गए उधार को छोड़कर) (1+2)	2755713	2245922	2039728	81.5	83.9
4 राजस्व व्यय जिसमें से :	3540239	2941674	2903363	83.1	83.9
4.1 ब्याज भुगतान	1055427	880788	798957	83.5	84.9
5 पूंजी व्यय	950246	805613	590227	84.8	81.0
6 कुल व्यय (4+5)	4490486	3747287	3493590	83.4	83.4
7 राजस्व घाटा (4-1)	840527	731892	922535	87.1	83.1
8 राजकोषीय घाटा (6-3)	1734773	1501365	1453862	86.5	82.8
9 सकल प्राथमिक घाटा [8-4.1]	679346	620577	654905	91.3	80.4

स्रोत: महालेखानियंत्रक (सीजीए), वित्त मंत्रालय, भारत सरकार और अंतरिम केंद्रीय बजट 2024-25।

सं. 24: खजाना बिल - स्वामित्व का स्वरूप

(₹ करोड़)

मद	2022-23	2023	2024					
		मार्च 31	फर. 23	मार्च 1	मार्च 8	मार्च 15	मार्च 22	मार्च 29
	1	2	3	4	5	6	7	8
1 91-दिवसीय								
1.1 बैंक	6191	6191	8870	9315	9273	10588	10155	18054
1.2 प्राथमिक व्यापारी	20071	20071	20801	18037	17589	14929	18396	22676
1.3 राज्य सरकारें	8038	8038	16384	16384	16384	16604	14376	5701
1.4 अन्य	80638	80638	84728	90048	93538	97883	97848	88670
2 182-दिवसीय								
2.1 बैंक	53154	53154	74065	74430	72096	68312	73225	84913
2.2 प्राथमिक व्यापारी	97274	97274	73474	76367	82298	90444	90960	87779
2.3 राज्य सरकारें	2592	2592	5037	5037	5337	4437	5220	4070
2.4 अन्य	110072	110072	92465	96207	99610	102248	103819	102311
3 364-दिवसीय								
3.1 बैंक	101834	101834	89312	86887	84588	83856	86148	91819
3.2 प्राथमिक व्यापारी	146080	146080	169184	172500	172090	174631	170813	159085
3.3 राज्य सरकारें	48284	48284	44559	44491	40500	41430	41542	41487
3.4 अन्य	149086	149086	182504	176613	174322	167513	164039	165095
4 14-दिवसीय मध्यवर्ती								
4.1 बैंक								
4.2 प्राथमिक व्यापारी								
4.3 राज्य सरकारें	212758	212758	224502	317650	267634	234820	239401	318736
4.4 अन्य	926	926	638	296	613	607	1317	442
कुल खजाना बिल (14 दिवसीय मध्यवर्ती खजाना बिल को छोड़कर)#	823313	823313	861383	866316	867625	872875	876542	871662

14 दिवसीय मध्यवर्ती खजाना बिल बिक्री योग्य नहीं है, ये बिल 91 दिवसीय, 182 दिवसीय और 364 दिवसीय खजाना बिलों जैसे नहीं हैं। इन बिलों का स्वरूप मध्यवर्ती है क्योंकि राज्य सरकारों के दैनिक न्यूनतम नकदी शेष में कमी को पूरा करने के लिए इन्हें परिसमाप्त किया जाता है।
टिप्पणी: प्राथमिक व्यापारियों (पीडी) में पीडी कारोबार करनेवाले बैंक शामिल हैं।

सं. 25: खजाना बिलों की नीलामी

(राशि करोड़ ₹ में)

नीलामी की तारीख	अधिसूचित राशि	प्राप्त बोलियाँ			स्वीकृत बोलियाँ			कुल निर्गम (6+7)	कट-ऑफ मूल्य (₹)	कट-ऑफ मूल्य पर निहित प्रतिफल (प्रतिशत)
		संख्या	कुल अंकित मूल्य		संख्या	कुल अंकित मूल्य				
			प्रतियोगी	गैर-प्रतियोगी		प्रतियोगी	गैर-प्रतियोगी			
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	
91-दिवसीय खजाना बिल										
2023-24										
फर. 28	10000	136	44351	1536	27	9964	1536	11500	98.29	6.9594
मार्च 6	10000	110	31113	1052	31	9948	1052	11000	98.31	6.8988
मार्च 13	10000	125	41060	2568	40	9952	2568	12520	98.31	6.8781
मार्च 20	10000	100	26211	814	52	9958	814	10772	98.31	6.8785
मार्च 27	10000	54	14001	558	45	9967	558	10525	98.28	7.0101
182-दिवसीय खजाना बिल										
2023-24										
फर. 28	15000	218	46325	25	97	14975	25	15000	96.55	7.1673
मार्च 6	15000	220	46996	1378	70	14922	1378	16300	96.56	7.1475
मार्च 13	15000	225	45652	829	71	14971	829	15800	96.56	7.1350
मार्च 20	15000	190	45962	873	76	14910	873	15783	96.57	7.1236
मार्च 27	15000	135	34324	19	74	14981	19	15000	96.56	7.1447
364-दिवसीय खजाना बिल										
2023-24										
फर. 28	9000	164	37576	29	44	8980	29	9008	93.37	7.1199
मार्च 6	9000	140	37831	187	35	8985	187	9172	93.38	7.1049
मार्च 13	9000	156	39700	992	34	8987	992	9980	93.40	7.0900
मार्च 20	9000	134	35895	127	30	8985	127	9112	93.40	7.0828
मार्च 27	9000	126	37189	23	21	8984	23	9007	93.41	7.0787

वित्तीय बाजार

सं. 26: दैनिक मांग मुद्रा दरें

(वार्षिक प्रतिशत)

स्थिति के अनुसार	दरों का दायरा	भारित औसत दरें
	उधार लेना / उधार देना	उधार लेना / उधार देना
	1	2
मार्च 01 ,2024	5.00-7.15	6.59
मार्च 02 ,2024	5.70-6.24	6.15
मार्च 04 ,2024	5.10-6.65	6.49
मार्च 05 ,2024	5.50-6.55	6.43
मार्च 06 ,2024	5.10-6.55	6.44
मार्च 07 ,2024	5.10-6.90	6.55
मार्च 11 ,2024	5.10-6.82	6.59
मार्च 12 ,2024	5.10-6.76	6.51
मार्च 13 ,2024	5.00-7.05	6.47
मार्च 14 ,2024	5.00-7.05	6.44
मार्च 15 ,2024	5.00-6.80	6.58
मार्च 16 ,2024	5.50-6.70	6.12
मार्च 18 ,2024	5.00-7.15	6.57
मार्च 19 ,2024	5.00-7.20	6.53
मार्च 20 ,2024	5.00-6.78	6.48
मार्च 21 ,2024	5.00-6.85	6.63
मार्च 22 ,2024	5.00-6.85	6.71
मार्च 26 ,2024	5.00-7.75	6.68
मार्च 27 ,2024	5.00-8.00	6.67
मार्च 28 ,2024	5.00-9.00	7.41
मार्च 30 ,2024	5.80-6.75	6.14
अप्रैल 02 ,2024	5.00-6.60	6.44
अप्रैल 03 ,2024	5.10-6.55	6.44
अप्रैल 04 ,2024	5.10-6.55	6.44
अप्रैल 05 ,2024	5.10-6.60	6.47
अप्रैल 06 ,2024	5.50-6.24	6.12
अप्रैल 08 ,2024	5.10-6.60	6.49
अप्रैल 10 ,2024	5.00-6.75	6.55
अप्रैल 12 ,2024	5.00-6.75	6.56
अप्रैल 15 ,2024	5.00-6.70	6.51

टिप्पणी: नोटिस मुद्रा सहित।

सं. 27: जमा प्रमाण-पत्र

मद	2023	2024			
	मार्च 24	फर. 9	फर. 23	मार्च 8	मार्च 22
	1	2	3	4	5
1 बकाया राशि (₹ करोड़)	304521.02	369142.87	381444.86	379574.59	375812.94
1.1 पखवाड़े के दौरान जारी (₹ करोड़)	40358.05	44656.90	63348.26	60381.38	68973.11
2 ब्याज दर (प्रतिशत)	7.07-7.80	7.23-8.02	7.17-8.22	7.11-8.15	7.06-8.16

सं. 28: वाणिज्यिक पत्र

मद	2023	2024			
	मार्च 31	फर. 15	फर. 29	मार्च 15	मार्च 31
	1	2	3	4	5
1 बकाया राशि (₹ करोड़)	353688.25	395262.10	408048.25	406182.50	388559.20
1.1 पखवाड़े के दौरान रिपोर्ट किए गए (₹ करोड़)	61469.10	57899.85	82067.80	93685.95	57334.10
2 ब्याज दर (प्रतिशत)	6.88-12.67	7.38-12.74	7.05-11.91	7.09-13.92	7.07-14.20

सं. 29: चुनिंदा वित्तीय बाजारों में औसत दैनिक कारोबार

(₹ करोड़)

मद	2022-23	2024					
		फर 23	मार्च 1	मार्च 8	मार्च 15	मार्च 22	मार्च 29
	1	2	3	4	5	6	7
1 मांग मुद्रा	19987	19049	18315	16697	20150	19460	18683
2 नोटिस मुद्रा	2605	323	4361	261	4741	1451	5553
3 मीयादी मुद्रा	612	732	1311	839	931	1352	1042
4 त्रिपक्षीय रेपो	697245	576941	712802	541029	699427	556798	634402
5 बाजार रेपो	504418	531995	652752	563167	702183	579484	661720
6 कॉरपोरेट बॉण्ड में रेपो	2085	2511	2620	2553	4853	3460	2612
7 फोरेक्स (यूएस मिलियन डॉलर)	67793	99179	122015	111344	121529	136534	165277
8 भारत सरकार की दिनांकित प्रतिभूतियां	66200	102031	59429	67275	83840	84092	90054
9 राज्य सरकारों की प्रतिभूतियां	5450	7059	10427	8945	19040	14235	15232
10 खजाना बिल							
10.1 91-दिवसीय	4380	3757	3740	6175	4464	6989	13965
10.2 182-दिवसीय	4480	6843	5309	4448	5138	5233	9470
10.3 364-दिवसीय	2900	4784	3685	2797	3857	4223	2929
10.4 नकदी प्रबंधन बिल			0	0	0	0	0
11 कुल सरकारी प्रतिभूतियां (8+9+10)	83410	124474	82589	89640	116338	114771	131649
11.1 भारतीय रिज़र्व बैंक	660	204	760	278	458	482	342

सं. 30: गैर-सरकारी सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियों के नए पूंजी निर्गम

(राशि ₹ करोड़ में)

प्रतिभूति और निर्गम का प्रकार	2022-23		2022-23 (अप्रैल-मार्च)		2023-24 (अप्रैल-मार्च)*		मार्च 2023		मार्च 2024 *	
	निर्गमों की संख्या	राशि	निर्गमों की संख्या	राशि	निर्गमों की संख्या	राशि	निर्गमों की संख्या	राशि	निर्गमों की संख्या	राशि
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1 इक्विटी शेयर	237	45266	237	45266	339	80942	37	3065	36	4277
1ए प्रीमियम	218	42408	218	42408	328	76319	34	2825	36	3020
1.1 पब्लिक	164	38515	164	38515	272	65832	23	996	26	3856
1.1.1 प्रीमियम	161	37158	161	37158	272	62791	23	922	26	2813
1.2 राइट्स	73	6751	73	6751	67	15110	14	2069	10	420
1.2.1 प्रीमियम	57	5250	57	5250	56	13527	11	1903	10	207
2 अधिमान शेयर	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
2.1 पब्लिक	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
2.2 राइट्स	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
3 बॉण्ड और डिबेंचर	34	9221	34	9221	44	16342	3	485	3	703
3.1 परिवर्तनीय	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
3.1.1 पब्लिक	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
3.1.2 राइट्स	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
3.2 अपरिवर्तनीय	34	9221	34	9221	44	16342	3	485	3	703
3.2.1 पब्लिक	34	9221	34	9221	44	16342	3	485	3	703
3.2.2 राइट्स	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
4 कुल (1+2+3)	271	54487	271	54487	383	97284	40	3550	39	4980
4.1 पब्लिक	198	47736	198	47736	316	82174	26	1481	29	4559
4.2 राइट्स	73	6751	73	6751	67	15110	14	2069	10	420

टिप्पणी: 1. अप्रैल 2020 से इक्विटी निर्गमों का मासिक डेटा उनकी लिस्टिंग की तारीख के आधार पर संकलित किया गया है।

2. संख्याओं के पूर्णांकन के कारण कॉलम के आंकड़े कुल में न जुड़ पाने की संभावना है।

स्रोत: भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सेबी)।

* : आंकड़े अनंतिम हैं।

बाह्य क्षेत्र

सं. 31 : विदेशी व्यापार

मद	इकाई	2022-23		2023			2024		
		1	2	मार्च	नव.	दिसं.	जन.	फर	मार्च
				3	4	5	6	7	
1 निर्यात	₹ करोड़	3621550	345265	281097	319716	310242	343518	346123	
	मिलियन अमेरिकी डॉलर	451070	41958	33746	38391	37324	41406	41703	
1.1 तेल	₹ करोड़	782303	68687	61557	57369	71607	68163	44951	
	मिलियन अमेरिकी डॉलर	97468	8347	7390	6889	8615	8216	5416	
1.2 तेल से इतर	₹ करोड़	2839247	276578	219540	262347	238635	275356	301173	
	मिलियन अमेरिकी डॉलर	353602	33611	26356	31502	28709	33190	36287	
2 आयात	₹ करोड़	5749801	501309	453855	470194	443426	498718	475381	
	मिलियन अमेरिकी डॉलर	715969	60921	54486	56460	53347	60113	57277	
2.1 तेल	₹ करोड़	1682475	148300	124404	124423	129050	140134	142994	
	मिलियन अमेरिकी डॉलर	209418	18022	14935	14941	15526	16891	17229	
2.2 तेल से इतर	₹ करोड़	4067326	353009	329452	345771	314375	358584	332387	
	मिलियन अमेरिकी डॉलर	506551	42899	39551	41520	37821	43222	40048	
3 व्यापार शेष	₹ करोड़	-2128251	-156044	-172758	-150479	-133184	-155200	-129258	
	मिलियन अमेरिकी डॉलर	-264899	-18963	-20740	-18069	-16023	-18707	-15574	
3.1 तेल	₹ करोड़	-900172	-79613	-62846	-67054	-57443	-71972	-98044	
	मिलियन अमेरिकी डॉलर	-111950	-9675	-7545	-8052	-6911	-8675	-11813	
3.2 तेल से इतर	₹ करोड़	-1228079	-76430	-109912	-83425	-75740	-83229	-31214	
	मिलियन अमेरिकी डॉलर	-152949	-9288	-13195	-10018	-9112	-10032	-3761	

स्रोत : वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय तथा वाणिज्यिक और उद्योग मंत्रालय

सं. 32: विदेशी मुद्रा आरक्षित निधियां

मद	इकाई	2023		2024				
		मे 05	मार्च 22	मार्च 29	अप्रै. 07	अप्रै. 12	अप्रै. 19	अप्रै. 26
		1	2	3	4	5	6	7
1 कुल आरक्षित निधियां	₹ करोड़	4875737	5359608	5384281	5401575	5365440	5344921	5317256
	मिलियन अमेरिकी डॉलर	595976	642631	645583	648562	643162	640334	637922
1.1 विदेशी मुद्रा आस्तियां	₹ करोड़	4303465	4739393	4759071	4756930	4710510	4681529	4665274
	मिलियन अमेरिकी डॉलर	526021	568264	570618	571166	564653	560860	559701
1.2 स्वर्ण	₹ करोड़	378914	429410	435024	454381	465486	474181	462881
	मिलियन अमेरिकी डॉलर	46315	51487	52160	54558	55798	56808	55533
1.3 एसडीआर	मात्रा (मैट्रिक टन)	794.63	819.79	822.09	822.09	822.09	823.96	827.69
	एसडीआरएस मिलियन	13667	13694	13694	13694	13694	13694	13694
	₹ करोड़	150918	151946	151335	151325	150802	150529	150439
	मिलियन अमेरिकी डॉलर	18447	18219	18145	18170	18077	18034	18048
1.4 आईएमएफ में आरक्षित भाग की स्थिति	₹ करोड़	42439	38859	38851	38939	38642	38682	38661
	मिलियन अमेरिकी डॉलर	5192	4662	4660	4669	4634	4631	4639

* अंतर यदि कोई हो, तो पूर्णांकन की वजह से है।

टिप्पणी : आईआईएफसी (यूके) द्वारा जारी विदेशी मुद्रा में निर्दिष्ट बॉण्डों में निवेश, भारत सरकार द्वारा रिजर्व बैंक को अंतरित एसडीआर तथा सार्क और एसीयू करेंसी स्वैप व्यवस्था के अंतर्गत प्राप्त विदेशी मुद्रा शामिल नहीं हैं। अमेरिकी डॉलर में दिखाई गई विदेशी मुद्रा को आस्तियों में रिजर्व में रखी गैर यूएस मुद्राओं (जैसे यूरो, स्टर्लिंग, येन और ऑस्ट्रेलिया डॉलर) के मूल्यवृद्धि/मूल्यहास के लिए शामिल किया गया है। विदेशी मुद्रा धारिता को रुपया - अमेरिकी डॉलर आरबीआई धारिता दरों पर रुपए में परिवर्तित किया गया है।

सं. 33: अनिवासी भारतीयों की जमाराशियाँ

(मिलियन अमेरिकी डॉलर)

योजना	बकाया				प्रवाह	
	2022-23	2023	2024		2022-23	2023-24
		मार्च	फर.	मार्च (अ)		अप्रै.-मार्च
	1	2	3	4	5	6
1 एनआरआई जमाराशियाँ	138879	138879	149724	151879	8989	14702
1.1 एफसीएनआर (बी)	19363	19363	24902	25733	2445	6370
1.2 एनआर (ई) आरए	95817	95817	97682	98624	2505	4156
1.3 एनआरओ	23699	23699	27140	27522	4039	4176

अ: अनंतिम।

सं. 34: विदेशी निवेश अंतर्वाह

(मिलियन अमेरिकी डॉलर)

मद	2022-23	2022-23	2023-24 (अ)	2023	2024 (अ)	
	1	अप्रै.-मार्च	अप्रै.-मार्च	मार्च	फर.	मार्च
		2	3	4	5	6
1.1 निवल विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (1.1.1-1.1.2)	27986	27986	10587	1274	327	-3960
1.1.1 भारत में प्रत्यक्ष निवेश (1.1.1.1-1.1.1.2)	42006	42006	26550	2392	1544	-143
1.1.1.1 सकल अंतर्वाह / सकल निवेश	71355	71355	70954	4572	5054	5957
1.1.1.1.1 इक्विटी	47600	47600	45860	2522	2789	3883
1.1.1.1.1.1 सरकारी (एसआईए/एफआईपीबी)	692	692	585	9	47	64
1.1.1.1.1.2 भारतीय रिजर्व बैंक	37097	37097	31826	1901	2136	3107
1.1.1.1.1.3 शेयरों का अधिग्रहण	8245	8245	12013	471	466	571
1.1.1.1.1.4 अनिगमित निकायों की इक्विटी पूंजी	1566	1566	1437	140	140	140
1.1.1.1.2 पुनर्निवेशित आय	19105	19105	19533	1659	1659	1659
1.1.1.1.3 अन्य पूंजी	4650	4650	5561	391	606	416
1.1.1.2 प्रत्यावर्तन / विनिवेश	29349	29349	44404	2179	3510	6100
1.1.1.2.1 इक्विटी	27094	27094	41267	2085	3330	5992
1.1.1.2.2 अन्य पूंजी	2255	2255	3137	95	180	108
1.1.2 भारत द्वारा विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (1.1.2.1+1.1.2.2+ 1.1.2.3-1.1.2.4)	14020	14020	15962	1118	1217	3817
1.1.2.1 इक्विटी पूंजी	8771	8771	9065	720	640	2373
1.1.2.2 पुनर्निवेशित आय	4412	4412	5138	368	368	368
1.1.2.3 अन्य पूंजी	4714	4714	5383	440	300	1305
1.1.2.4 प्रत्यावर्तन / विनिवेश	3877	3877	3624	409	90	229
1.2 निवल सविभागीय निवेश (1.2.1+1.2.2+1.2.3-1.2.4)	-5152	-5152	42218	1560	3828	6662
1.2.1 जीडीआर/एडीआर	-	-	-	-	-	-
1.2.2 एफआईआई	-4828	-4828	42880	1585	3752	6746
1.2.3 अपतटीय निधियां और अन्य	-	-	-	-	-	-
1.2.4 भारत द्वारा सविभागीय निवेश	324	324	662	26	-75	84
1 विदेशी निवेश अंतर्वाह	22834	22834	52805	2834	4155	2702

अ: अनतिमा

सं. 35: वैयक्तिक निवासियों के लिए उदारीकृत विप्रेषण योजना (एलआरएस) के अंतर्गत जावक विप्रेषण

(मिलियन अमेरिकी डॉलर)

मद	2022-23	2023	2024		
	1	मार्च	जन.	फर.	मार्च
		2	3	4	5
1 एलआरएस के अंतर्गत जावक विप्रेषण	27140.65	2956.76	2619.71	2013.28	2302.36
1.1 जमाराशियाँ	1011.07	194.16	33.88	36.70	107.77
1.2 अचल संपत्ति की खरीद	188.73	33.01	17.31	15.38	26.08
1.3 इक्विटी / कर्ज में निवेश	1256.15	232.86	59.87	135.40	224.70
1.4 उपहार	3005.27	452.95	209.58	233.91	318.66
1.5 दान	12.78	1.08	0.82	0.84	1.11
1.6 यात्रा	13662.15	1149.85	1549.97	1053.64	1002.41
1.7 निकट संबंधियों से संबंधित खर्च	4174.06	630.10	267.02	266.39	394.13
1.8 चिकित्सा उपचार	55.74	5.15	9.32	7.25	8.17
1.9 विदेश में शिक्षा	3427.81	228.49	449.46	246.82	197.02
1.10 अन्य	346.89	29.11	22.47	16.96	22.31

सं. 36: भारतीय रुपये का सांकेतिक प्रभावी विनिमय दर (एनईईआर) और वास्तविक प्रभावी विनिमय दर (आरईईआर) सूचकांक

मद	2022-23	2023-24	2023	2024	
	1	2	अप्रै.	मार्च	अप्रै.
40- मुद्रा समूह (आधार: 2015-16 = 100)					
1 व्यापार आधारित भारांक					
1.1 नीर	91.27	90.76	89.11	92.15	92.20
1.2 रीर	102.86	103.74	99.05	104.63	103.46
2 निर्यात आधारित भारांक					
2.1 नीर	93.03	93.13	91.54	94.58	94.59
2.2 रीर	101.12	101.23	97.15	101.68	100.34
6- मुद्रा समूह (व्यापार-भारित)					
1 आधार : 2015-16 =100					
1.1 नीर	85.93	83.65	83.01	83.60	83.78
1.2 रीर	101.80	101.79	98.44	101.68	102.23
2 आधार : 2021-22 = 100					
2.1 नीर	98.72	96.10	95.37	96.05	96.25
2.2 रीर	99.69	99.68	96.39	99.57	100.11

सं. 37: बाह्य वाणिज्यिक उधार (ईसीबी) - पंजीकरण

(राशि मिलियन यूएस\$ में)

मद	2022-23	2023		2024	
		मार्च	फर.	मार्च	मार्च
	1	2	3	4	
1 स्वचालित मार्ग					
1.1 संख्या	1093	134	104	123	
1.2 राशि	24156	3466	2021	5762	
2 अनुमोदन मार्ग					
2.1 संख्या	9	1	3	8	
2.2 राशि	2473	374	275	1972	
3 कुल (1+2)					
3.1 संख्या	1102	135	107	131	
3.2 राशि	26629	3840	2296	7734	
4 भारत औसत परिपक्वता (वर्षों में)	5.72	5.60	5.80	6.10	
5 ब्याज दर (प्रतिशत)					
5.1 अस्थिर दर के ऋणों@ के लिए वैकल्पिक संदर्भ दर पर भारत औसत मार्जिन	1.68	1.81	1.77	1.73	
5.2 सावधि दर के ऋणों के लिए ब्याज दर की सीमा	0.00-11.80	0.50-11.00	0.00-10.00	0.00-10.63	

उधारकर्ता श्रेणियाँ

I. कॉरपोरेट विनिर्माण	6925	678	591	1730
II. कॉरपोरेट - बुनियादी संरचना	8396	1985	341	2116
ए) परिवहन	333	174	75	0
बी) ऊर्जा	2235	10	152	706
सी) पानी और सफाई व्यवस्था	32	1	0	0
डी) संचार	1538	0	0	0
ई) सामाजिक और वाणिज्यिक बुनियादी संरचना	530	0	0	20
एफ) अन्वेषण, खनन और रिफाइनरी	2085	800	10	105
जी) अन्य उप-क्षेत्र	1643	1000	104	1285
III. कॉरपोरेट सेवा क्षेत्र	1773	31	330	205
IV. अन्य संस्थाएं	1806	0	127	851
ए) एसईजेड में इकाई	6	0	0	1
बी) सिडबी	0	0	0	0
सी) एक्विजिशन बैंक	1800	0	127	850
V. बैंक	0	0	0	0
VI. वित्तीय संस्थान (एनबीएफसी के अलावा)	0	0	0	0
VII. एनबीएफसी	7540	1125	902	2704
ए) एनबीएफसी - आईएफसी / एएफसी	3031	574	398	1145
बी) एनबीएफसी - एमएफआई	313	74	11	103
सी) एनबीएफसी - अन्य	4196	477	493	1456
VIII. गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ)	0	0	0	0
IX. सूक्ष्म वित्त संस्था (एमएफआई)	0	0	0	0
X. अन्य	189	21	5	128

टिप्पणी: ईसीबी/विदेशी मुद्रा परिवर्तनीय बॉण्ड (एफसीसीबी) के लिए आवेदनों के आधार पर जिन्हें निर्धारित अवधि के दौरान ऋण पंजीकरण संख्या आबंटित की गई है।

@ 01 जुलाई, 2023 से लागू, बेंचमार्क दर को बदलकर वैकल्पिक संदर्भ दर कर दिया गया है।

सं. 38: भारत का समग्र भुगतान संतुलन

(मिलियन अमेरिकी डॉलर)

मद	अक्टू-दिसं. 2022			अक्टू-दिसं. 2023 (प्रा)		
	जमा	नामे	निवल	जमा	नामे	निवल
	1	2	3	4	5	6
समग्र भुगतान शेष (1+2+3)	403847	392778	11069	451389	445391	5998
1 चालू खाता (1.1+1.2)	227509	244341	-16832	235949	246468	-10519
1.1 पण्य	105603	176940	-71337	106656	178259	-71603
1.2 अप्रत्यक्ष मदें (1.2.1+1.2.2+1.2.3)	121906	67401	54505	129293	68209	61084
1.2.1 सेवाएं	83421	44708	38713	87787	42767	45020
1.2.1.1 यात्रा	8123	6910	1213	9850	7487	2363
1.2.1.2 परिवहन	8758	9409	-652	6951	6457	494
1.2.1.3 बीमा	783	797	-13	811	856	-46
1.2.1.4 जी.एन.आई.ई.	185	282	-97	182	280	-98
1.2.1.5 विविध	65572	27310	38262	69993	27688	42306
1.2.1.5.1 सॉफ्टवेयर सेवाएं	37599	4058	33541	41041	4774	36267
1.2.1.5.2 कारोबार सेवाएं	21198	15125	6073	22647	14067	8581
1.2.1.5.3 वित्तीय सेवाएं	1949	1292	657	2491	956	1535
1.2.1.5.4 संचार सेवाएं	842	329	514	701	397	303
1.2.2 अंतरण	30867	2400	28467	31539	2237	29302
1.2.2.1 आधिकारिक	58	232	-174	94	230	-135
1.2.2.2 निजी	30809	2168	28641	31445	2007	29438
1.2.3 आय	7618	20293	-12675	9967	23205	-13238
1.2.3.1 निवेश आय	5902	19426	-13525	7957	23229	-14372
1.2.3.2 कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति	1716	867	850	2010	876	1134
2 पूंजी खाता (2.1+2.2+2.3+2.4+2.5)	176339	147451	28887	215440	198081	17358
2.1 विदेशी निवेश (2.1.1+2.1.2)	95269	88629	6641	144372	128184	16189
2.1.1 विदेशी प्रत्यक्ष निवेश	17018	14988	2030	18896	14719	4176
2.1.1.1 भारत में	16124	8796	7327	18330	9947	8382
2.1.1.1.1 इक्विटी	10246	7932	2314	11912	8773	3139
2.1.1.1.2 पुनर्निवेशित आय	5066	0	5066	5196		5196
2.1.1.1.3 अन्य पूंजी	811	865	-53	1222	1175	47
2.1.1.2 विदेश में	895	6192	-5297	566	4772	-4206
2.1.1.2.1 इक्विटी	895	3612	-2717	566	2271	-1705
2.1.1.2.2 पुनर्निवेशित आय	0	1103	-1103	0	1345	-1345
2.1.1.2.3 अन्य पूंजी	0	1477	-1477	0	1156	-1156
2.1.2 संविभाग निवेश	78251	73641	4611	125477	113465	12012
2.1.2.1 भारत में	77433	72916	4517	124485	112814	11671
2.1.2.1.1 एफआईआई	77433	72916	4517	124485	112814	11671
2.1.2.1.1.1 इक्विटी	71477	65940	5537	108785	102117	6668
2.1.2.1.1.2 ऋण	5956	6976	-1020	15701	10697	5003
2.1.2.1.2 एडीआर / जीडीआर	0	0	0	0	0	0
2.1.2.2 विदेश में	818	724	93	991	651	341
2.2 ऋण (2.2.1+2.2.2+2.2.3)	25543	24995	547	24641	28119	-3478
2.2.1 बाह्य सहायता	3088	1584	1504	4605	1401	3204
2.2.1.1 भारत द्वारा	8	22	-14	9	48	-40
2.2.1.2 भारत को	3080	1562	1518	4596	1353	3244
2.2.2 वाणिज्यिक उधार	4710	7119	-2409	6575	10995	-4420
2.2.2.1 भारत द्वारा	439	316	123	2712	4503	-1791
2.2.2.2 भारत को	4272	6803	-2531	3863	6492	-2629
2.2.3 भारत को अल्पावधि	17744	16292	1452	13461	15723	-2262
2.2.3.1 खरीदार और आपूर्तिकर्ता का ऋण > 180 दिन	17744	15437	2307	12535	15723	-3188
2.2.3.2 आपूर्तिकर्ता का 180 दिन तक का ऋण	0	855	-855	926	0	926
2.3 बैंकिंग पूंजी (2.3.1+2.3.2)	36230	21795	14435	40849	24492	16358
2.3.1 वाणिज्यिक बैंक	36230	21649	14580	40654	24492	16162
2.3.1.1 आरिस्त्यां	18145	6135	12009	16550	5276	11274
2.3.1.2 देयताएं	18085	15514	2571	24103	19215	4888
2.3.1.2.1 अनिवासी जमाराशियाँ	16928	14359	2569	22381	18461	3921
2.3.2 अन्य	0	145	-145	196	0	196
2.4 रुपया कर्ज चुकौती	0	1	-1	0	2	-2
2.5 अन्य पूंजी	19297	12033	7265	5577	17286	-11709
3 भूल-चक	0	986	-986	0	841	-841
4 मौद्रिक गतिविधियां (4.1+4.2)	0	11069	-11069	0	5998	-5998
4.1 आई.एम.एफ.	0	0	0	0	0	0
4.2 विदेशी मुद्रा भंडार (वृद्धि - / कमी +)	0	11069	-11069	0	5998	-5998

टिप्पणी: प्रा: प्रारंभिक

सं. 39: भारत का समग्र भुगतान संतुलन

(₹ करोड़)

मद	अक्टू-दिसं 2022			अक्टू-दिसं 2023 (प्रा)		
	जमा	नामे	निवल	जमा	नामे	निवल
	1	2	3	4	5	6
समग्र भुगतान शेष (1+2+3)	3319825	3228834	90992	3758748	3708801	49947
1 चालू खाता (1.1+1.2)	1870236	2008604	-138368	1964766	2052357	-87591
1.1 पण्य	868107	1454536	-586429	888131	1484372	-596242
1.2 अदृश्य मर्दे (1.2.1+1.2.2+1.2.3)	1002128	554068	448061	1076635	567985	508651
1.2.1 सेवाएं	685765	367522	318243	731006	356123	374883
1.2.1.1 यात्रा	66776	56807	9970	82022	62341	19681
1.2.1.2 परिवहन	71992	77348	-5356	57885	53767	4117
1.2.1.3 बीमा	6438	6548	-110	6750	7130	-380
1.2.1.4 जी.एन.आई.ई.	1520	2317	-797	1512	2328	-816
1.2.1.5 विविध	539038	224502	314536	582837	230556	352281
1.2.1.5.1 सॉफ्टवेयर सेवाएं	309080	33356	275723	341751	39756	301995
1.2.1.5.2 कारोबार सेवाएं	174257	124338	49919	188585	117135	71450
1.2.1.5.3 वित्तीय सेवाएं	16021	10624	5397	20739	7958	12781
1.2.1.5.4 संचार सेवाएं	6924	2701	4223	5834	3309	2524
1.2.2 अंतरण	253741	19726	234014	262631	18628	244002
1.2.2.1 आधिकारिक	478	1907	-1429	785	1913	-1127
1.2.2.2 निजी	253262	17819	235443	261845	16716	245130
1.2.3 आय	62623	166820	-104197	82999	193233	-110235
1.2.3.1 निवेश आय	48514	159694	-111180	66258	185935	-119678
1.2.3.2 कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति	14109	7126	6984	16741	7298	9443
2 पूंजी खाता (2.1+2.2+2.3+2.4+2.5)	1449590	1212123	237467	1793982	1649438	144544
2.1 विदेशी निवेश (2.1.1+2.1.2)	783160	728570	54589	1202200	1067396	134804
2.1.1 विदेशी प्रत्यक्ष निवेश	139897	123209	16688	157346	122568	34778
2.1.1.1 भारत में	132544	72310	60233	152632	82832	69800
2.1.1.1.1 इक्विटी	84224	65203	19021	99189	73050	26139
2.1.1.1.2 पुनर्निवेशित आय	41648	0	41648	43269	0	43269
2.1.1.1.3 अन्य पूंजी	6671	7107	-436	10175	9783	392
2.1.1.2 विदेश में	7353	50898	-43545	4713	39735	-35022
2.1.1.2.1 इक्विटी	7353	29691	-22337	4713	18909	-14196
2.1.1.2.2 पुनर्निवेशित आय	0	9067	-9067	0	11199	-11199
2.1.1.2.3 अन्य पूंजी	0	12141	-12141	0	9628	-9628
2.1.2 संविभाग निवेश	643263	605362	37901	1044854	944828	100026
2.1.2.1 भारत में	636539	599406	37133	1036599	939411	97188
2.1.2.1.1 एफआईआई	636539	599406	37133	1036599	939411	97188
2.1.2.1.1.1 इक्विटी	587580	542060	45520	905860	850336	55523
2.1.2.1.1.2 ऋण	48959	57346	-8387	130739	89075	41664
2.1.2.1.2 एडीआर /जीडीआर	0	0	0	0	0	0
2.1.2.2 विदेश में	6723	5955	768	8255	5417	2838
2.2 ऋण (2.2.1+2.2.2+2.2.3)	209972	205473	4499	205189	234148	-28959
2.2.1 बाह्य सहायता	25384	13021	12363	38345	11667	26679
2.2.1.1 भारत द्वारा	63	180	-117	72	404	-331
2.2.1.2 भारत को	25321	12841	12480	38273	11263	27010
2.2.2 वाणिज्यिक उधार	38722	58523	-19800	54752	91553	-36802
2.2.2.1 भारत द्वारा	3608	2599	1010	22583	37494	-14911
2.2.2.2 भारत को	35114	55924	-20810	32168	54059	-21891
2.2.3 भारत को अल्पावधि	145866	133929	11937	112092	130928	-18836
2.2.3.1 खरीदार और आपूर्तिकर्ता का ऋण > 180 दिन	145866	126902	18964	104379	130928	-26549
2.2.3.2 आपूर्तिकर्ता का 180 दिन तक का ऋण	0	7027	-7027	7714	0	7714
2.3 बैंकिंग पूंजी (2.3.1+2.3.2)	297825	179162	118663	340156	203943	136212
2.3.1 वाणिज्यिक बैंक	297825	177967	119858	338525	203943	134582
2.3.1.1 आस्तियां	149160	50436	98724	137815	43936	93879
2.3.1.2 देयताएं	148665	127531	21135	200710	160008	40702
2.3.1.2.1 अनिवासी जमाराशियाँ	139159	118040	21119	186372	153723	32648
2.3.2 अन्य	0	1195	-1195	1630	0	1630
2.4 रुपया ऋण चुकौती	0	4	-4	0	13	-13
2.5 अन्य पूंजी	158633	98914	59719	46437	143939	-97501
3 भूल-चूक	0	8107	-8107	0	7005	-7005
4 मौद्रिक गतिविधियां (4.1+4.2)	0	90992	-90992	0	49947	-49947
4.1 आईएमएफ	0	0	0	0	0	0
4.2 विदेशी मुद्रा भंडार (वृद्धि - / कमी +)	0	90992	-90992	0	49947	-49947

टिप्पणी: प्रा: प्रारंभिक

सं. 40: बीपीएम6 के अनुसार भारत में भुगतान संतुलन का मानक प्रस्तुतीकरण

(मिलियन अमेरिकी डॉलर)

मद	अवत्-दिसं 2022			अवत्-दिसं 2023 (P)		
	जमा	नामे	Net	निवल	नामे	निवल
	1	2	3	4	5	6
1. चालू खाता (1.अ+1.आ+1.इ)	227504	244321	-16817	235942	246446	-10504
1.अ माल और सेवाएं (1.अ.क.+ 1अ.ख.)	189024	221648	-32624	194443	221026	-26583
1.अ.क. माल (1.अ.क.1 से 1अ.क.3)	105603	176940	-71337	106656	178259	-71603
1.अ.क.1 बीओपी आधार पर सामान्य वाणिज्यिक वस्तुएं	105241	168818	-63577	106124	164558	-58434
1.अ.क.2 वाणिज्यिक के अंतर्गत माल का निवल निर्यात	362	0	362	532	0	532
1.अ.क.3 गैर-मौद्रिक स्वर्ण	0	8123	-8123		13701	-13701
1.अ.ख सेवाएं (1.अ.ख.1 से 1.अ.ख.13)	83421	44708	38713	87787	42767	45020
1.अ.ख.1 अन्य के स्वामित्व वाले भौतिक इन्पुट पर विनिर्माण सेवाएं	553	108	446	330	20	310
1.अ.ख.2 अन्यत्र शामिल न की गई रखरखाव व मरम्मत सेवाएं	55	255	-200	49	297	-248
1.अ.ख.3 परिवहन	8758	9409	-652	6951	6457	494
1.अ.ख.4 यात्रा	8123	6910	1213	9850	7487	2363
1.अ.ख.5 निर्माण	1129	573	556	1097	624	473
1.अ.ख.6 बीमा और पेंशन सेवाएं	783	797	-13	811	856	-46
1.अ.ख.7 वित्तीय सेवाएं	1949	1292	657	2491	956	1535
1.अ.ख.8 अन्यत्र शामिल न किए गए बौद्धिक संपत्ति के उपयोग के लिए प्रभार	318	3435	-3116	434	4633	-4199
1.अ.ख.9 दूरसंचार, कंप्यूटर और सूचना सेवाएं	38538	4590	33947	41837	5400	36437
1.अ.ख.10 अन्य कारोबारी सेवाएं	21198	15125	6073	22647	14067	8581
1.अ.ख.11 वैयक्तिक, सांस्कृतिक और मनोरंजन संबंधी सेवाएं	997	1155	-158	1006	1464	-459
1.अ.ख.12 अन्यत्र शामिल न किए गए सरकारी माल और सेवाएं	185	282	-97	182	280	-98
1.अ.ख.13 अन्य जो अन्यत्र शामिल नहीं हैं	835	776	59	103	228	-124
1.आ प्राथमिक आय (1.आ.1 से 1.आ.3)	7618	20293	-12675	9967	23205	-13238
1.आ.1 कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति	1716	867	850	2010	876	1134
1.आ.2 निवेश आय	3769	18983	-15214	6456	22009	-15553
1.आ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश	1808	11460	-9653	2003	13776	-11773
1.आ.2.2 संविभाग निवेश	69	2853	-2784	51	1911	-1860
1.आ.2.3 अन्य निवेश	146	4570	-4423	557	6098	-5541
1.आ.2.4 रिजर्व आस्तियां	1746	101	1645	3845	224	3621
1.आ.3 अन्य प्राथमिक आय	2132	443	1689	1501	320	1181
1.इ द्वितीयक आय (1.इ.1+1.इ.2)	30862	2379	28483	31532	2215	29317
1.इ.1 वित्तीय निगम, वित्तोत्तर निगम, परिवार और एनपीआईएसएच	30809	2168	28641	31445	2007	29438
1.इ.1.1 वैयक्तिक अंतरण (निवासी और / अनिवासी परिवारों के बीच चालू अंतरण)	29973	1548	28425	30589	1430	29160
1.इ.1.2 अन्य चालू अंतरण	836	619	216	856	578	278
1.इ.2 सामान्य सरकार	53	212	-158	87	208	-120
2. पूंजी खाता (2.1+2.2)	127	188	-62	191	280	-89
2.1 अनुत्पादित वित्तोत्तर आस्तियों का सकल अधिग्रहण (नामे) / निस्तारण (जमा)	23	37	-14	36	86	-50
2.2 पूंजी अंतरण	104	151	-47	155	194	-38
3. वित्तीय खाता (3.1 से 3.5)	176217	158352	17864	215256	203822	11434
3.1 प्रत्यक्ष निवेश (3.1अ+3.1आ)	17018	14988	2030	18896	14719	4176
3.1अ भारत में प्रत्यक्ष निवेश	16124	8796	7327	18330	9947	8382
3.1.अ.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	15312	7932	7380	17108	8773	8335
3.1.अ.1.1 अर्जनों के पुनर्निवेश से द्वार इक्विटी	10246	7932	2314	11912	8773	3139
3.1.अ.1.2 अर्जनों का पुनर्निवेश	5066	0	5066	5196		5196
3.1.अ.2 ऋण लिखत	811	865	-53	1222	1175	47
3.1.अ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश उद्यमों में प्रत्यक्ष निवेशक	811	865	-53	1222	1175	47
3.1.आ. भारत द्वारा प्रत्यक्ष निवेश	895	6192	-5297	566	4772	-4206
3.1.आ.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	895	4715	-3820	566	3616	-3050
3.1.आ.1.1 अर्जनों के पुनर्निवेश को छोड़कर इक्विटी	895	3612	-2717	566	2271	-1705
3.1.आ.1.2 अर्जनों का पुनर्निवेश	0	1103	-1103		1345	-1345
3.1.आ.2 ऋण लिखत	0	1477	-1477	0	1156	-1156
3.1.आ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश उद्यमों में प्रत्यक्ष निवेशक	0	1477	-1477		1156	-1156
3.2 संविभाग निवेश	78251	73641	4611	125477	113465	12012
3.2अ भारत में संविभाग निवेश	77433	72916	4517	124485	112814	11671
3.2.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	71477	65940	5537	108785	102117	6668
3.2.2 ऋण प्रतिभूतियां	5956	6976	-1020	15701	10697	5003
3.2आ. भारत द्वारा संविभाग निवेश	818	724	93	991	651	341
3.3 वित्तीय डेबिटिव (रिजर्व निधियों को छोड़कर) और कर्मचारी स्टॉक ऑप्शन	5509	5955	-446	5776	7904	-2128
3.4 अन्य निवेश	75439	52700	22739	65108	61737	3371
3.4.1 अन्य इक्विटी (एडीआर/जीडीआर)	0	0	0	0	0	0
3.4.2 मुद्रा और जमाराशियां	16928	14505	2424	22577	18461	4117
3.4.2.1 केंद्रीय बैंक (रूपी कर्ज मूवमेंट; एनआरजी)	0	145	-145	196	0	196
3.4.2.2 केंद्रीय बैंक को छोड़कर जमाराशियां लेनेवाले निगम (अनिवासी भारतीय जमाराशियां)	16928	14359	2569	22381	18461	3921
3.4.2.3 सामान्य सरकार	0	0	0			0
3.4.2.4 अन्य क्षेत्र	0	0	0			0
3.4.3 ऋण (बाह्य सहायता, ईसीबी और बैंकिंग पूंजी)	27100	15993	11107	29452	18427	11026
3.4.3अ भारत को ऋण	26653	15655	10998	26731	13876	12856
3.4.3आ भारत द्वारा ऋण	447	338	109	2721	4551	-1830
3.4.4 बीमा, पेंशन, और मानकीकृत गारंटी योजनाएं	30	38	-8	37	158	-121
3.4.5 व्यापार ऋण और अग्रिम	17744	16292	1452	13461	15723	-2262
3.4.6 अन्य खाते प्राप्य/देय-अन्य	13636	5872	7764	-420	8968	-9388
3.4.7 विशेष आहरण अधिकार	0	0	0			0
3.5 आरक्षित आस्तियां	0	11069	-11069	0	5998	-5998
3.5.1 मौद्रिक स्वर्ण	0	0	0			0
3.5.2 विशेष आहरण अधिकार एन.ए	0	0	0			0
3.5.3 आईएमएफ में रिजर्व निधियों की स्थिति एन.ए	0	0	0			0
3.5.4 अन्य रिजर्व आस्तियां (विदेशी मुद्रा आस्तियां)	0	11069	-11069	0	5998	-5998
4. कुल आस्तियां / देयताएं	176217	158352	17864	215256	203822	11434
4.1 इक्विटी तथा निवेश निधि शेयर	94041	85304	8737	133262	123217	10045
4.2 ऋण लिखत	68539	56107	12432	82413	65638	16775
4.3 अन्य वित्तीय आस्तियां और देयताएं	13636	16941	-3305	-420	14966	-15386
5. निवल भूल-शुद्ध	0	986	-986	0	841	-841

टिप्पणी: प्रा: प्रारंभिक

सं. 41: बीपीएम 6 के अनुसार भारत में भुगतान संतुलन का मानक प्रस्तुतीकरण

(₹ करोड़)

मद	अक्तू-दिसं 2022			अक्तू-दिसं 2023 (अ)		
	जमा	नामे	निवल	जमा	नामे	निवल
	1	2	3	4	5	6
1. चालू खाता (1.अ+1.आ+1.इ)	1870195	2008436	-138241	1964708	2052173	-87465
1.अ माल और सेवाएं (1.अ.क.+ 1.अ.ख.)	1553872	1822058	-268186	1619137	1840496	-221359
1.अ.क. माल (1.अ.क.1 से 1.अ.क.3)	868107	1454536	-586429	888131	1484372	-596242
1.अ.क.1 बीओपी आधार पर सामान्य वाणिज्यिक वस्तुएं	865134	1387765	-522631	883699	1370284	-486584
1.अ.क.2 वाणिज्यिक के अंतर्गत माल का निवल निर्यात	2973	0	2973	4432	0	4432
1.अ.क.3 गैर-मौद्रिक स्वर्ण	0	66771	-66771	0	114089	-114089
1.अ.ख सेवाएं (1.अ.ख.1 से 1.अ.ख.13)	685765	367522	318243	731006	356123	374883
1.अ.ख.1 अन्य के स्वामित्व वाले भौतिक इनपुट पर विनिर्माण सेवाएं	4547	885	3663	2746	163	2583
1.अ.ख.2 अन्यत्र शामिल न की गई रखरखाव व मरम्मत सेवाएं	451	2097	-1646	407	2474	-2067
1.अ.ख.3 परिवहन	71992	77348	-5356	57885	53767	4117
1.अ.ख.4 यात्रा	66776	56807	9970	82022	62341	19681
1.अ.ख.5 निर्माण	9284	4710	4575	9139	5196	3942
1.अ.ख.6 बीमा और पेंशन सेवाएं	6438	6548	-110	6750	7130	-380
1.अ.ख.7 वित्तीय सेवाएं	16021	10624	5397	20739	7958	12781
1.अ.ख.8 अन्यत्र शामिल न किए गए बौद्धिक संपत्ति के उपयोग के लिए प्रभार	2616	28234	-25618	3611	38576	-34965
1.अ.ख.9 दूरसंचार, कंप्यूटर और सूचना सेवाएं	316797	37734	279063	348376	44964	303412
1.अ.ख.10 अन्य कारोबारी सेवाएं	174257	124338	49919	188585	117135	71450
1.अ.ख.11 वैयक्तिक, सांस्कृतिक और मनोरंजन संबंधी सेवाएं	8199	9498	-1299	8373	12194	-3820
1.अ.ख.12 अन्यत्र शामिल न किए गए सरकारी माल और सेवाएं	1520	2317	-797	1512	2328	-816
1.अ.ख.13 अन्य जो अन्यत्र शामिल नहीं हैं	6865	6382	483	861	1896	-1035
1.आ प्राथमिक आय (1.आ.1 से 1.आ.3)	62623	166820	-104197	82999	193233	-110235
1.आ.1 कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति	14109	7126	6984	16741	7298	9443
1.आ.2 निवेश आय	30987	156053	-125066	53759	183272	-129513
1.आ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश	14860	94208	-79349	16677	114713	-98036
1.आ.2.2 संविभाग निवेश	569	23452	-22883	425	15915	-15490
1.आ.2.3 अन्य निवेश	1203	37564	-36362	4636	50778	-46142
1.आ.2.4 रिजर्व आस्तियां	14355	829	13527	32021	1866	30155
1.आ.3 अन्य प्राथमिक आय	17527	3641	13886	12499	2663	9836
1.इ द्वितीयक आय (1.इ.1+1.इ.2)	253700	19559	234141	262572	18444	244128
1.इ.1 वित्तीय निगम, वित्ततर निगम, परिवार और एनपीआईएसएच	253262	17819	235443	261845	16716	245130
1.इ.1.1 वैयक्तिक अंतरण (निवासी और / अनिवासी परिवारों के बीच चालू अंतरण)	246394	12727	233667	254718	11904	242814
1.इ.1.2 अन्य चालू अंतरण	6868	5092	1776	7127	4811	2316
1.इ.2 सामान्य सरकार	438	1740	-1302	727	1728	-1001
2. पूंजी खाता (2.1+2.2)	1043	1549	-506	1590	2328	-739
2.1 अनुत्पादित वित्ततर आस्तियों का सकल अधिग्रहण (नामे) / निस्तारण (जमा)	190	307	-117	296	715	-419
2.2 पूंजी अंतरण	852	1242	-390	1293	1613	-320
3. वित्तीय खाता (3.1 से 3.5)	1448587	1301733	146854	1792450	1697241	95209
3.1 प्रत्यक्ष निवेश (3.1अ+3.1आ)	139897	123209	16688	157346	122568	34778
3.1अ भारत में प्रत्यक्ष निवेश	132544	72310	60233	152632	82832	69800
3.1आ.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	125873	65203	60669	142458	73050	69408
3.1आ.1.1 अर्जनों के पुनर्निवेश से इनर इक्विटी	84224	65203	19021	99189	73050	26139
3.1आ.1.2 अर्जनों का पुनर्निवेश	41648	0	41648	43269	0	43269
3.1आ.2 ऋण लिखत	6671	7107	-436	10175	9783	392
3.1आ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश उद्यमों में प्रत्यक्ष निवेश	6671	7107	-436	10175	9783	392
3.1आ. भारत द्वारा प्रत्यक्ष निवेश	7353	50898	-43545	4713	39735	-35022
3.1आ.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	7353	38758	-31404	4713	30108	-25395
3.1आ.1.1 अर्जनों के पुनर्निवेश को छोड़कर इक्विटी	7353	29691	-22337	4713	18909	-14196
3.1आ.1.2 अर्जनों का पुनर्निवेश	0	9067	-9067	0	11199	-11199
3.1आ.2 ऋण लिखत	0	12141	-12141	0	9628	-9628
3.1आ.2.1 प्रत्यक्ष निवेश उद्यमों में प्रत्यक्ष निवेश	0	12141	-12141	0	9628	-9628
3.2 संविभाग निवेश	643263	605362	37901	1044854	944828	100026
3.2अ भारत में संविभाग निवेश	636539	599406	37133	1036599	939411	97188
3.2.1 इक्विटी और निवेश निधि शेयर	587580	542060	45520	905860	850336	55523
3.2.2 ऋण प्रतिभूतियां	48959	57346	-8387	130739	89075	41664
3.2आ. भारत द्वारा संविभाग निवेश	6723	5955	768	8255	5417	2838
3.3 वित्तीय डेरिवेटिव (रिजर्व निधियों को छोड़कर) और कर्मचारी स्टॉक ऑप्शन	45283	48951	-3668	48093	65814	-17720
3.4 अन्य निवेश	620145	433220	186924	542157	514085	28073
3.4.1 अन्य इक्विटी (एडीआर/जीडीआर)	0	0	0	0	0	0
3.4.2 मुद्रा और जमा राशियां	139159	119235	19924	188002	153723	34279
3.4.2.1 केंद्रीय बैंक (रूपी कर्ज म्यूचुअल; एनआरजी)	0	1195	-1195	1630	0	1630
3.4.2.2 केंद्रीय बैंक को छोड़कर जमा राशियां लेनेवाले निगम (अनिवासी भारतीय जमा राशियां)	139159	118040	21119	186372	153723	32648
3.4.2.3 सामान्य सरकार	0	0	0	0	0	0
3.4.2.4 अन्य क्षेत्र	0	0	0	0	0	0
3.4.3 ऋण (बाह्य सहायता, ईसीबी और बैंकिंग पूंजी)	222772	131471	91301	245251	153440	91811
3.4.3अ भारत को ऋण	219101	128692	90409	222595	115543	107052
3.4.3आ भारत द्वारा ऋण	3671	2779	893	22656	37898	-15242
3.4.4 बीमा, पेंशन, और मानकीकृत गारंटी योजनाएं	250	315	-65	306	1315	-1009
3.4.5 व्यापार ऋण और अधिम	145866	133929	11937	112092	130928	-18836
3.4.6 अन्य खाते प्रायः/देय-अन्य	112098	48271	63827	-3493	74679	-78172
3.4.7 विशेष आहरण अधिकार	0	0	0	0	0	0
3.5 आरक्षित आस्तियां	0	90992	-90992	0	49947	-49947
3.5.1 मौद्रिक स्वर्ण	0	0	0	0	0	0
3.5.2 विशेष आहरण अधिकार एन.ए	0	0	0	0	0	0
3.5.3 आईएमएफ में रिजर्व निधियों की स्थिति एन.ए	0	0	0	0	0	0
3.5.4 अन्य रिजर्व आस्तियां (विदेशी मुद्रा आस्तियां)	0	90992	-90992	0	49947	-49947
4. कुल आस्तियां / देयताएं	1448587	1301733	146854	1792450	1697241	95209
4.1 इक्विटी तथा निवेश निधि शेयर	773062	701242	71820	1109685	1026039	83646
4.2 ऋण लिखत	563427	461228	102199	686259	546576	139683
4.3 अन्य वित्तीय आस्तियां और देयताएं	112098	139263	-27165	-3493	124626	-128119
5. निवल भूल-वृक्ष	0	8107	-8107	0	7005	-7005

टिप्पणी: प्रा. प्रारंभिक

सं. 42: अंतरराष्ट्रीय निवेश की स्थिति

(मिलियन अमेरिकी डॉलर)

मद	वित्तीय वर्ष / समाप्त तिमाही की स्थिति							
	2022-23		2022		2023			
			दिसं.		सितं.		दिसं.	
	आस्तियां	देयताएं	आस्तियां	देयताएं	आस्तियां	देयताएं	आस्तियां	देयताएं
1	2	3	4	5	6	7	8	
1. विदेश/भारत में प्रत्यक्ष निवेश	225592	523318	222628	510703	231750	528612	235956	536930
1.1 इक्विटी पूंजी*	142071	493896	140072	482123	145817	497690	148866	505691
1.2 अन्य पूंजी	83521	29422	82556	28581	85933	30921	87090	31239
2. संविभाग निवेश	10966	243561	10890	244229	11664	259422	11323	269153
2.1 इक्विटी	4958	138958	8624	140469	7939	154634	8461	161206
2.2 ऋण	6008	104602	2266	103759	3726	104788	2862	107947
3. अन्य निवेश	87717	503353	79507	494051	101948	527594	103989	537985
3.1 व्यापार ऋण	27507	124304	26063	124591	30854	124735	31715	122459
3.2 ऋण	10714	202586	8628	196764	9739	208935	16288	215019
3.3 मुद्रा और जमाराशियां	30526	141133	27093	136132	43364	146166	37997	149326
3.4 अन्य आस्तियां/देयताएं	18970	35330	17723	36564	17991	47758	17989	51181
4. आरक्षित निधियाँ	578449		562721		587714		622452	
5. कुल आस्तियां/देयताएं	902725	1270232	875745	1248983	933076	1315628	973720	1344068
6. निवल आईआईपी (आस्तियां - देयताएं)	-367507		-373238		-382553		-370348	

टिप्पणी: * इक्विटी पूंजी में निवेश निधि और पुनर्निवेशित अर्जन का शेयर शामिल है।

भुगतान और निपटान प्रणाली

सं. 43: भुगतान प्रणाली संकेतक

भाग I - भुगतान प्रणाली संकेतक – भुगतान तथा निपटान प्रणाली सांख्यिकी

प्रणाली	मात्रा (लाख)				मूल्य (₹ करोड़)			
	वि.व. 2023-24	2023	2024		वि.व. 2023-24	2023	2024	
	1	मार्च	फर.	मार्च	5	मार्च	फर.	मार्च
	-2	-1	0		2	3	4	
ए. निपटान प्रणाली								
वित्तीय बाजार अवसंरचना (एफएमआई)								
1 सीसीआईएल प्रचलित प्रणाली (1.1 से 1.3)	43.04	3.66	3.60	3.48	259206893	22458408	21907760	21627756
1.1 सरकारी प्रतिभूति समाशोधन (1.10.1 से 1.1.3)	16.80	1.25	1.46	1.14	170464587	14269424	14722762	13374679
1.1.1 आउटराइड	9.51	0.65	0.87	0.60	13463848	952079	1273135	981057
1.1.2 रेपो	4.94	0.40	0.39	0.35	76718788	6682508	6575139	6226720
1.1.3 त्रि-पक्षीय रेपो	2.35	0.20	0.20	0.19	80281951	6634836	6874488	6166902
1.2 विदेशी मुद्रा समाशोधन	24.92	2.28	2.04	2.27	80984671	7329087	6537554	7795104
1.3 रुपये के डेरिवेटिव @	1.31	0.13	0.09	0.07	7757636	859897	647444	457973
बी. भुगतान प्रणाली								
I वित्तीय बाजार अवसंरचना (एफएमआई)								
1 ऋण अंतरण - आस्टीजीएस (1.1 से 1.2)	2700.16	248.01	238.26	278.47	170886670	16122902	14614297	18128366
1.1 ग्राहक लेनदेन	2686.04	246.66	237.09	277.25	152406168	14416322	13083464	16588625
1.2 अंतर्बैंक लेनदेन	14.12	1.35	1.17	1.22	18480503	1706580	1530833	1539741
II खुचरा								
2 ऋण अंतरण - खुचरा (2.1 से 2.6)	1486106.89	100851.12	137733.21	152969.08	67542859	5906936	6039675	7152557
2.1 एईपीएस (निधि अंतरण) @	3.92	0.36	0.32	0.34	261	24	21	22
2.2 एपीबीएस \$	25888.17	1932.07	2965.77	3014.53	390743	26400	48312	44707
2.3 आईएमपीएस	60053.35	4970.56	5346.35	5806.36	6495652	546235	568092	634706
2.4 एनएसीएच जमा \$	16227.27	1962.73	1504.81	1808.71	1525104	178757	123887	173928
2.5 एनईएफटी	72639.50	5469.06	6889.23	7939.10	39136014	3750569	3471495	4320840
2.6 यूपीआई @	1311294.68	86516.34	121026.73	134400.04	19995086	1404951	1827869	1978353
2.6.1 जिसमें से यूएसएसडी@	26.19	1.50	1.66	1.78	352	18	19	20
3 डेबिट ट्रांसफर और डायरेक्ट डेबिट (3.1 से 3.3)	18249.53	1403.39	1611.25	1661.00	1687658	126113	153734	165047
3.1 भीम आधार पे @	193.59	12.92	15.43	22.68	6112	492	376	584
3.2 एनएसीएच नामे \$	16426.49	1246.53	1464.78	1492.00	1678769	125376	153173	164223
3.3 एनईटीसी (बैंक खाते से जुड़ा) @	1629.45	143.94	131.04	146.32	2777	246	184	240
4 कार्ड भुगतान (4.1 से 4.2)	58469.79	5016.79	4634.92	5034.13	2423563	191035	190658	209208
4.1 क्रेडिट कार्ड (4.1.1 से 4.1.2)	35610.15	2634.29	3112.44	3439.38	1831134	137311	149206	164459
4.1.1 पीओएस आधारित \$	18614.08	1404.60	1618.50	1800.04	651911	50920	54431	60378
4.1.2 अन्य \$	16996.08	1229.69	1493.94	1639.34	1179223	86391	94775	104081
4.2 डेबिट कार्ड (4.2.1 से 4.2.1)	22859.64	2382.50	1522.47	1594.75	592429	53724	41452	44749
4.2.1 पीओएस आधारित \$	16477.95	1652.35	1108.96	1163.77	393589	35222	27918	29309
4.2.2 अन्य \$	6381.69	730.15	413.51	430.98	198840	18502	13534	15440
5 प्रीपेड भुगतान लिखत (5.1 से 5.2)	78775.39	6402.38	6470.84	5804.84	283048	24005	22674	18200
5.1 वालेट	63256.69	5183.32	5211.85	4489.88	234353	19681	18434	13741
5.2 कार्ड (5.2.1 से 5.2.2)	15518.70	1219.06	1259.00	1314.96	48694	4324	4240	4459
5.2.1 पीओएस आधारित \$	8429.87	705.70	702.41	699.02	11247	1041	919	964
5.2.2 अन्य \$	7088.83	513.36	556.58	615.94	37447	3283	3321	3494
6 पेपर-आधारित लिखत (6.1 से 6.2)	6632.10	642.76	541.88	585.31	7212333	706181	602630	688745
6.1 सीटीएस (एनपीसीआई प्रबंधित)	6632.10	642.76	541.88	585.31	7212333	706181	602630	688745
6.2 अन्य	0.00	-	-	-	-	-	-	-
कुल - खुचरा भुगतान (2 + 3 + 4 + 5 + 6)	1648233.71	114316.43	150992.11	166054.36	79149461	6954270	7009371	8233757
कुल भुगतान (1 + 2 + 3 + 4 + 5 + 6)	1650933.87	114564.44	151230.37	166332.84	250036131	23077172	21623668	26362123
कुल डिजिटल भुगतान (1 + 2 + 3 + 4 + 5)	1644301.77	113921.68	150688.49	165747.53	242823798	22370991	21021038	25673378

भाग II - भुगतान के प्रकार तथा चैनल

प्रणाली	मात्रा (लाख)				मूल्य (₹ करोड़)			
	वि. व. 2023-24	2023	2024		वि. व. 2023-24	2023	2024	
		मार्च	फर.	मार्च		मार्च	फर.	मार्च
	1	2	3	4	5	6	7	8
ए. अन्य भुगतान चैनल								
1 मोबाइल भुगतान (मोबाइल ऐप आधारित) (1.1 से 1.2)	1252424.21	81648.69	117275.04	128450.58	30683078	2250094	2828120	3127951
1.1 अंतर्बैंक \$	83000.56	5868.83	7774.97	8771.04	5676805	436885	530845	602816
1.2 अंतर-बैंक \$	1169423.65	75779.86	109500.07	119679.54	25006272	1813209	2297275	2525135
2 इंटरनेट भुगतान (नेटबैंकिंग / इंटरनेट ब्राउज़र आधारित) @ (2.1 से 2.2)	45034.98	3879.51	3800.36	4250.54	102117756	8981727	8867591	10374065
2.1 अंतर्बैंक @	12033.40	987.21	1008.05	1143.12	53247090	4769894	4540083	5235883
2.2 अंतर-बैंक @	33001.58	2892.30	2792.31	3107.43	48870666	4211833	4327508	5138182
बी. एटीएम								
3 एटीएम से नकद निकासी \$ (3.1 से 3.3)	66440.72	5921.71	5172.34	5563.96	3259388	286761	257238	278271
3.1 क्रेडिट कार्ड का उपयोग करना \$	95.80	8.26	7.91	8.83	4648	402	395	446
3.2 डेबिट कार्ड का उपयोग करना \$	66001.01	5878.89	5139.17	5528.63	3241538	284949	255809	276714
3.3 प्री-पेड कार्ड का उपयोग करना \$	343.90	34.56	25.26	26.50	13202	1411	1034	1111
4 पीओएस पर नकद निकासी \$ (4.1 से 4.2)	15.18	2.32	0.55	0.53	148	23	5	5
4.1 डेबिट कार्ड का उपयोग करना \$	15.06	2.31	0.53	0.51	147	23	5	5
4.2 प्री-पेड कार्ड का उपयोग करना \$	0.12	0.02	0.01	0.02	1	0	0	0
5 माइक्रो एटीएम में नकद निकासी @	11754.95	1083.61	812.15	1059.56	314003	30015	21543	27303
5.1 ईपीएस @	11754.95	1083.61	812.15	1059.56	314003	30015	21543	27303

भाग III - भुगतान अवसंरचना (लाख)

प्रणाली	मार्च 2024	2023	2024	
	तक	मार्च	फर.	मार्च
	1	2	3	4
भुगतान प्रणाली अवसंरचना				
1 कार्ड की संख्या (1.1 से 1.2)	10667.22	10465.62	10612.71	10667.22
1.1 क्रेडिट कार्ड	1018.03	853.03	1006.00	1018.03
1.2 डेबिट कार्ड	9649.19	9612.59	9606.71	9649.19
2 पीपीआई की संख्या @ (2.1 से 2.2)	16743.63	16441.50	17118.53	16743.63
2.1 वालेट @	13381.80	13268.53	13795.76	13381.80
2.2 कार्ड @	3361.82	3172.97	3322.78	3361.82
3 एटीएम की संख्या (3.1 से 3.2)	2.58	2.59	2.57	2.58
3.1 बैंक के स्वामित्व वाले एटीएम \$	2.23	2.23	2.23	2.23
3.2 व्हाइट लेबल एटीएम \$	0.35	0.36	0.34	0.35
4 माइक्रो एटीएम की संख्या @	17.55	16.11	17.01	17.55
5 पीओएस टर्मिनलों की संख्या	89.03	77.90	87.73	89.03
6 भारत क्यूआर @	62.50	53.82	61.50	62.50
7 यूपीआई क्यूआर *	3462.03	2563.77	3371.80	3462.03

@: नवंबर 2019 से नया समावेश

#: सहकारी बैंकों, एलएबी और आरआरबी द्वारा रिपोर्ट किया गया डेटा शामिल किया गया जो दिसंबर 2021 से प्रभावी है।

\$: नवंबर 2019 से अलग से शुरू किया गया समावेश - अभी तक अन्य मंदों का हिस्सा रहा होगा।

* सितंबर 2020 से नया समावेश; केवल स्थिर यूपीआई क्यूआर कोड शामिल हैं।

टिप्पणियाँ: 1. डेटा अनतिम है।

2. 31 जनवरी 2020 से ईसीएस (डेबिट और क्रेडिट) एनएसीएस के साथ मिला दिया गया है।

3. कार्ड मेंट्रेस (डेबिट / क्रेडिट कार्ड) और प्रीपेड मेंट्रेस (पीपीआई) के लिए नवंबर 2019 के डेटा की पहली के महीनों / अवधि के साथ तलुना नहीं हो सकती है, क्योंकि डेटा की परिभाषाओं में संशोधन के साथ अधिक ग्रेनुलर डेटा प्रकाशित किया जा रहा है।

4. केवल घरेलू वित्तीय लेनदेन पर विचार किया गया है। नए प्रारम्भ में ई-कॉमर्स लेनदेन; फास्ट टैग लेनदेन; डिजिटल बिल भुगतान और एटीएम आदि के माध्यम से कार्ड-टू-कार्ड ट्रांसफर आदि शामिल हैं। इसके अलावा, असफल लेनदेन, धार्जबैंक, रिवर्सल, एक्सपान्डेड कार्ड / वॉलेट को शामिल नहीं किया गया है।

भाग I-ए. निम्नलिखित प्रणाली

1.1.3. प्रतिभूति खंड के सहित त्रि-पक्षीय रेपो 05 नवंबर 2018 से चालू हो गया है।

भाग I-बी. भुगतान प्रणाली

4.1.2: 'अन्य' में ई-कॉमर्स लेनदेन और एटीएम के माध्यम से डिजिटल बिल भुगतान आदि शामिल हैं।

4.2.2: 'अन्य' में ई-कॉमर्स लेनदेन, कार्ड से कार्ड ट्रांसफर और एटीएम के माध्यम से डिजिटल बिल भुगतान आदि शामिल हैं।

5. दिसंबर 2010 से उपलब्ध।

5.1: वस्तुओं और सेवाओं की खरीद और वॉलेट के माध्यम से फंड ट्रांसफर शामिल है।

5.2.2: ऑनलाइन लेनदेन और अन्य लेनदेन के लिए पीपीआई कार्ड का उपयोग शामिल है।

6.1: तीन शिडों से संबंधित - मुंबई, नई दिल्ली और चेन्नई।

6.2: 'अन्य' में गैर-एनआईसीआर लेनदेन शामिल हैं जो 21 बैंकों द्वारा प्रबंधित समाशोधन गृहों से संबंधित हैं।

भाग II-ए. अन्य भुगतान चैनल

1: मोबाइल भुगतान -

बैंकों के मोबाइल ऐप और यूपीआई ऐप्स के माध्यम से किए गए लेनदेन शामिल।

जुलाई 2017 के डेटा में केवल व्यक्तिगत भुगतान और मोबाइल डिवाइस का उपयोग करके शुरू किए गए, संसाधित और अधिकृत कॉर्पोरेट भुगतान शामिल हैं। अन्य कॉर्पोरेट भुगतान जो मोबाइल डिवाइस का उपयोग करके शुरू, संसाधित और अधिकृत

नहीं किए गए हैं, उन्हें बाहर रखा गया है।

2: इंटरनेट भुगतान - इसमें 'नेटबैंकिंग' के माध्यम से केवल ई-कॉमर्स लेनदेन और बैंक की इंटरनेट बैंकिंग वेबसाइट का उपयोग करके वित्तीय लेनदेन शामिल हैं।

भाग II-बी. एटीएम

3.3 और 4.2: केवल बैंक द्वारा जारी पीपीआई का उपयोग करके लेनदेन से संबंधित है।

भाग III. भुगतान प्रणाली अवसंरचना

3: अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) और व्हाइट लेबल एटीएम ऑपरेटर्स (डब्ल्यूएलएओ) द्वारा तैनात एटीएम शामिल हैं। डब्ल्यूएलएओ को अप्रैल 2014 से शामिल किया गया है।

आवसरिक शृंखला

सं. 44 लघु बचत

(₹ करोड़)

योजना		2022-23	2022		2023	
			नव.	सित.	अक्तू.	नव.
		1	2	3	4	5
1. लघु बचत	प्राप्तियां	173993	9057	17908	12669	14108
	बकाया	1636935	1565352	1747246	1759706	1773591
1.1 कुल जमाराशियां	प्राप्तियां	125209	6204	13376	8731	10115
	बकाया	1137451	1088482	1216325	1225055	1235170
1.1.1 डाक घर बचत बैंक जमाराशियां	प्राप्तियां	20680	-393	2879	-160	548
	बकाया	209112	196053	211296	211136	211685
1.1.2 सुकन्या समृद्धि योजना	प्राप्तियां	29003	1597	1672	1594	1667
	बकाया	87787	71773	99427	101021	102688
1.1.3 राष्ट्रीय बचत योजना, 1987	प्राप्तियां	-244	-20	0	0	0
	बकाया	0	1680	0	0	0
1.1.4 राष्ट्रीय बचत योजना, 1992	प्राप्तियां	-20	-2	0	0	0
	बकाया	0	-198	0	0	0
1.1.5 मासिक आय योजना	प्राप्तियां	6492	275	2073	1614	1676
	बकाया	242313	240946	258381	259995	261670
1.1.6 वरिष्ठ नागरिक योजना, 2004	प्राप्तियां	17971	1256	2643	2382	2266
	बकाया	137304	131908	162188	164570	166836
1.1.7 डाक घर मीयादी जमाराशियां	प्राप्तियां	29155	1547	1849	1762	1973
	बकाया	280436	273732	291826	293588	295561
1.1.7.1 1 वर्ष की मीयादी जमाराशियां	बकाया	125951	124073	131305	132337	133476
1.1.7.2 2 वर्ष की मीयादी जमाराशियां	बकाया	9497	8686	10640	10842	11049
1.1.7.3 3 वर्ष की मीयादी जमाराशियां	बकाया	7543	6913	8255	8317	8388
1.1.7.4 5 वर्ष की मीयादी जमाराशियां	बकाया	137445	134060	141626	142092	142648
1.1.8 डाक घर आवर्ती जमाराशियां	प्राप्तियां	21552	1941	2284	1561	2000
	बकाया	178422	172491	191314	192875	194875
1.1.9 डाक घर संचयी मीयादी जमाराशियां	प्राप्तियां	0	0	0	0	0
	बकाया	0	-19	0	0	0
1.1.10 अन्य जमाराशियां	प्राप्तियां	288	0	-24	-23	-23
	बकाया	1745	22	1553	1530	1507
1.1.11 पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन	प्राप्तियां	332	3	0	1	8
	बकाया	332	94	340	340	348
1.2 बचत प्रमाणपत्र	प्राप्तियां	33965	2564	4343	3756	3767
	बकाया	366317	356308	396508	400056	403601
1.2.1 राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र VIII निर्गम	प्राप्तियां	10793	627	1176	1074	1060
	बकाया	165836	162779	173807	174881	175941
1.2.2 इंदिरा विकास पत्र	प्राप्तियां	0	0	0	0	0
	बकाया	0	142	0	0	0
1.2.3 किसान विकास पत्र	प्राप्तियां	-1892	-165	0	0	0
	बकाया	0	-9466	0	0	0
1.2.4 किसान विकास पत्र-2014	प्राप्तियां	25064	2102	1853	1419	1536
	बकाया	199624	191756	211987	213406	214941
1.2.5 राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र VI निर्गम	प्राप्तियां	0	0	0	0	0
	बकाया	0	-22	0	0	0
1.2.6 राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र VII निर्गम	प्राप्तियां	0	0	0	0	0
	बकाया	0	-44	0	0	0
1.2.7 एम.एस. प्रमाणपत्र	प्राप्तियां	0	0	1314	1263	1171
	बकाया	0	0	11454	12717	13888
1.2.8 अन्य प्रमाणपत्र	बकाया	857	11163	-740	-948	-1169
1.3 लोक भविष्य निधि	प्राप्तियां	14819	289	189	182	226
	बकाया	133167	120562	134413	134595	134820

टिप्पणी : अप्रैल 2017 से प्राप्तियों का डाटा निवल प्राप्तियाँ हैं, अर्थात सकल प्राप्तियों से सकल भुगतान को घटाने पर प्राप्त।

स्रोत : महालेखाकार, पोस्ट और टेलीग्राफ

सं. 45 केंद्र और राज्य सरकारों की प्रतिभूतियों के स्वामित्व का स्वरूप

(प्रतिशत)

श्रेणी	केंद्र सरकार की दिनांकित प्रतिभूतियां				
	2022	2023			
	दिसंबर	मार्च	जून	सितंबर	दिसंबर
	1	2	3	4	5
(क) कुल (₹ करोड़ में)	9373372	9645776	9898751	10383607	10538792
1. वाणिज्यिक बैंक	36.13	36.61	36.58	37.96	37.55
2. सहकारी बैंक	1.70	1.64	1.56	1.52	1.49
3. गैर-बैंक प्राथमिक व्यापारी	0.44	0.49	0.73	0.66	0.67
4. बीमाकृत कंपनियां	26.14	25.97	26.21	26.05	26.16
5. म्यूच्युअल फंड	2.87	2.81	2.69	3.02	3.03
6. भविष्य निधियां	4.67	4.71	4.59	4.42	4.57
7. पेंशन निधि	3.91	3.98	4.18	4.32	4.44
8. वित्तीय संस्थाएं	1.07	0.98	1.20	0.54	0.55
9. कॉरपोरेट	1.57	1.62	1.22	1.21	1.33
10. विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक	1.31	1.36	1.59	1.61	1.92
11. भारतीय रिज़र्व बैंक	14.73	14.26	13.78	13.06	12.54
12. अन्य	5.45	5.57	5.67	5.64	5.74
12.1 राज्य सरकार	1.88	2.03	2.03	2.04	2.07

श्रेणी	राज्य सरकारों की प्रतिभूतियां				
	2022	2023			
	दिसंबर	मार्च	जून	सितंबर	दिसंबर
	1	2	3	4	5
(ख) कुल (₹ करोड़ में)	4712902	4929079	5050874	5161642	5338587
1. वाणिज्यिक बैंक	34.34	33.91	34.13	33.87	33.90
2. सहकारी बैंक	3.80	3.64	3.68	3.60	3.53
3. गैर-बैंक प्राथमिक व्यापारी	0.44	0.62	0.50	0.61	0.63
4. बीमाकृत कंपनियां	27.42	26.80	26.73	26.97	26.64
5. म्यूच्युअल फंड	2.02	1.94	2.08	1.86	2.00
6. भविष्य निधियां	20.31	21.29	21.19	21.70	22.00
7. पेंशन निधि	4.74	4.81	4.84	4.82	4.56
8. वित्तीय संस्थाएं	1.77	1.84	1.82	1.65	1.63
9. कॉरपोरेट	1.94	2.00	1.92	1.87	2.03
10. विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक	0.02	0.02	0.02	0.02	0.03
11. भारतीय रिज़र्व बैंक	0.75	0.72	0.70	0.69	0.66
12. अन्य	2.45	2.42	2.39	2.34	2.37
12.1 राज्य सरकार	0.24	0.27	0.27	0.27	0.27

श्रेणी	खजाना बिल				
	2022	2023			
	दिसंबर	मार्च	जून	सितंबर	दिसंबर
	1	2	3	4	5
(ग) कुल (₹ करोड़ में)	839931	823313	1012301	925317	849151
1. वाणिज्यिक बैंक	49.15	53.92	47.64	56.35	57.18
2. सहकारी बैंक	1.27	1.29	1.20	1.20	1.28
3. गैर-बैंक प्राथमिक व्यापारी	2.17	2.85	1.99	0.54	1.70
4. बीमाकृत कंपनियां	5.81	6.11	4.93	5.26	5.50
5. म्यूच्युअल फंड	14.23	15.30	17.04	12.74	11.21
6. भविष्य निधियां	1.37	0.10	1.46	1.52	0.08
7. पेंशन निधि	0.02	0.07	0.01	0.01	0.00
8. वित्तीय संस्थाएं	4.52	3.72	7.96	4.10	5.34
9. कॉरपोरेट	3.59	4.99	4.42	4.00	4.58
10. विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक	0.50	0.40	0.12	0.10	0.07
11. भारतीय रिज़र्व बैंक	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
12. अन्य	17.37	11.25	13.23	14.17	13.06
12.1 राज्य सरकार	13.38	7.16	10.33	11.36	9.26

नोट: (-) शून्य या नगण्य को दर्शाता है

बुलेटिन के जून 2023 के संस्करण से टेबल फार्मेट संशोधित किया है।

राज्य सरकार की प्रतिभूतियों में उज्ज्वल डिस्कॉम एश्योरेस योजना (सूडीएवाई) के अंतर्गत जारी विशेष बॉण्ड शामिल हैं।

वाणिज्यिक बैंकों के अंतर्गत बैंक के प्राथमिक डीलरों को शामिल किया गया है। तथापि, कुल बकाया प्रतिभूतियों में इनका हिस्सा बहुत कम है।

अन्य श्रेणी में राज्य सरकारें, डीआईसीजीसी, पीएसयू, ट्रस्ट, केंद्रीय विदेशी बैंक, हिंदू अविभक्त परिवार/व्यक्ति आदि शामिल हैं। सितंबर 2023 के बाद के आंकड़ों में एक बैंक का एक गैर-बैंक के साथ विलय का प्रभाव शामिल है।

सं. 46: केन्द्र और राज्य सरकारों की संयुक्त प्राप्तियां और संवितरण

(₹ करोड़)

मद	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23 (सं.अ.)	2023-24 (ब.अ.)
	1	2	3	4	5	6
1. कुल वितरण	5040747	5410887	6353359	7098451	8376972	9045119
1.1 विकास संबंधी	2882758	3074492	3823423	4189146	5073367	5426440
1.1.1 राजस्व	2224367	2446605	3150221	3255207	3838714	3836447
1.1.2 पूंजी	596774	588233	550358	861777	1146013	1471534
1.1.3 ऋण	61617	39654	122844	72163	88639	118460
1.2 गैर-विकास संबंधी	2078276	2253027	2442941	2810388	3188699	3490946
1.2.1 राजस्व	1965907	2109629	2271637	2602750	2988556	3277722
1.2.1.1 ब्याज भुगतान	894520	955801	1060602	1226672	1403183	1589435
1.2.2 पूंजी	111029	141457	169155	175519	196688	208268
1.2.3 ऋण	1340	1941	2148	32119	3455	4957
1.3 अन्य	79713	83368	86995	98916	114906	127733
2. कुल प्राप्तियां	5023352	5734166	6397162	7156342	8258187	9149787
2.1 राजस्व प्राप्तियां	3797731	3851563	3688030	4823821	5706246	6337126
2.1.1 कर प्राप्तियां	3278947	3231582	3193390	4160414	4837048	5477428
2.1.1.1 पण्य और सेवाओं पर कर	2030050	2012578	2076013	2626553	2967610	3372525
2.1.1.2 आय और संपत्ति पर कर	1246083	1216203	1114805	1530636	1865298	2100430
2.1.1.3 संघशासित क्षेत्र (बिना विधान मंडल के) के कर	2814	2800	2572	3225	4140	4473
2.1.2 गैर-कर प्राप्तियां	518783	619981	494640	663407	869198	859698
2.1.2.1 ब्याज प्राप्तियां	36273	31137	33448	35250	37974	45199
2.2 गैर-ऋण पूंजी प्राप्तियां	140287	110094	64994	44077	88273	119373
2.2.1 ऋण और अग्रिम की वसूली	44667	59515	16951	27665	25661	34501
2.2.2 विनिवेश से प्राप्त राशि	95621	50578	48044	16412	62611	84872
3. सकल वित्तीय घाटा [1-(2.1+2.2)]	1102729	1449230	2600335	2230553	2582453	2588620
3 क वित्तपोषण के स्रोत : संस्था-वार						
3क.1 घरेलू वित्तपोषण	1097210	1440548	2530155	2194406	2558579	2566503
3क.1.1 सरकार को निवल बैंक ऋण	387091	571872	890012	627255	687904	...
3क.1.1.1 सरकार को निवल भा.रि. बैंक का ऋण	325987	190241	107493	350911	529	...
3क.1.2 सरकार को गैर-बैंक ऋण	710119	868676	1640143	1567151	1870675	...
3क.2 बाह्य वित्तपोषण	5519	8682	70180	36147	23874	22118
3ख. वित्तपोषण के स्रोत : लिखत-वार						
3ख.1 घरेलू वित्तपोषण	1097210	1440548	2530155	2194406	2558579	2566503
3ख.1.1 बाजार उधार (निवल)	795845	971378	1696012	1213169	1776747	1902862
3ख.1.2 लघु बचत (निवल)	88961	209232	458801	526693	403838	441189
3ख.1.3 राज्य भविष्य निधियां (निवल)	51004	38280	41273	28100	36454	37114
3ख.1.4 आरक्षित निधियां	-18298	10411	4545	42153	3524	24429
3ख.1.5 जमाराशियां और अग्रिम	66289	-14227	25682	42203	82485	58404
3ख.1.6 नकद शेष	17395	-323279	-43802	-57891	118784	-104667
3ख.1.7 अन्य	96014	548753	347643	399980	136748	207172
3ख.2 बाह्य वित्तपोषण	5519	8682	70180	36147	23874	22118
4. सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में कुल वितरण	26.7	26.9	32.0	30.1	31.1	30.0
5. सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में कुल प्राप्तियां	26.6	28.5	32.2	30.3	30.6	30.3
6. सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में राजस्व प्राप्तियां	20.1	19.2	18.6	20.4	21.2	21.0
7. सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में कर प्राप्तियां	17.3	16.1	16.1	17.6	17.9	18.2
8. सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में सकल वित्तीय घाटा	5.8	7.2	13.1	9.5	9.6	8.6

... : उपलब्ध नहीं। सं.अ. संशोधित अनुमान, ब.अ. बजट अनुमान।

स्रोत : केन्द्रीय और राज्य सरकारों का बजट दस्तावेज।

टिप्पणी : जीडीपी डेटा 2011-12 के आधार पर है। 2023-24 के लिए जीडीपी केन्द्रीय बजट 2023-24 से है।

डेटा सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से संबंधित है।

1 और 2: डेटा केंद्र सरकार (एनएसएसएफ को पुनर्भुगतान सहित) और राज्य सरकारों के निवल पुनर्भुगतान का है।

1.3: राज्यों द्वारा स्थानीय निकायों और पंचायती राज संस्थाओं को प्रतिकर और समनुदेशन का प्रतिनिधित्व करता है।

2: डेटा केंद्र और राज्य सरकारों के नकदी शेष में निवल भिन्नता को दर्शाता है और इसमें केंद्र और राज्य सरकारों की उधार प्राप्तियां शामिल हैं।

3ए.1.1: आरबीआई रिकॉर्ड के अनुसार डेटा।

3बी.1.1: दिनांकित प्रतिभूतियों के माध्यम से उधार।

3बी.1.2: राष्ट्रीय अल्प बचत निधि (एनएसएसएफ) द्वारा केंद्र और राज्य सरकारों की विशेष प्रतिभूतियों में निवल निवेश को दर्शाता है।

नए डेटा की उपलब्धता के साथ घटकों में समायोजन के कारण यह डेटा पिछले प्रकाशनों से भिन्न हो सकता है।

3बी.1.6: केंद्र द्वारा राज्य सरकारों को अर्थोपाय अग्रिम शामिल हैं।

3बी.1.7: ट्रेजरी बिल, वित्तीय संस्थाओं से ऋण, बीमा और पेंशन निधि, विप्रेषण, नकद शेष निवेश खाता शामिल हैं।

सं.47: विभिन्न सुविधाओं के अंतर्गत राज्य सरकारों द्वारा ली गई वित्तीय सहायता

(₹ करोड़)

क्र. सं.	राज्य/संघ शासित प्रदेश	मार्च 2024 के दौरान					
		विशेष आहरण सुविधा (एसडीएफ)		अर्थोपाय अग्रिम (डब्ल्यूएमए)		ओवरड्राफ्ट (ओडी)	
		प्राप्त औसत राशि	सुविधा प्राप्त करने के दिनों की संख्या	प्राप्त औसत राशि	सुविधा प्राप्त करने के दिनों की संख्या	प्राप्त औसत राशि	सुविधा प्राप्त करने के दिनों की संख्या
1	2	3	4	5	6	7	
1	आंध्र प्रदेश	808.48	28	1456.67	20	1384.34	7
2	अरुणाचल प्रदेश	-	-	-	-	-	-
3	असम	-	-	-	-	-	-
4	बिहार	-	-	-	-	-	-
5	छत्तीसगढ़	-	-	-	-	-	-
6	गोवा	-	-	-	-	-	-
7	गुजरात	-	-	-	-	-	-
8	हरियाणा	485.65	6	534.34	2	-	-
9	हिमाचल प्रदेश	-	-	-	-	-	-
10	जम्मू और कश्मीर संघ शासित प्रदेश	-	-	352.07	10	-	-
11	झारखंड	-	-	-	-	-	-
12	कर्नाटक	-	-	-	-	-	-
13	केरल	263.65	14	943.01	14	1021.86	1
14	मध्य प्रदेश	-	-	-	-	-	-
15	महाराष्ट्र	-	-	-	-	-	-
16	मणिपुर	14.41	21	178.35	21	150.46	11
17	मेघालय	156.07	4	159.21	3	62.97	2
18	मिज़ोरम	43.75	8	54.07	3	-	-
19	नगालैंड	-	-	-	-	-	-
20	उड़ीसा	-	-	-	-	-	-
21	पुदुचेरी	-	-	-	-	-	-
22	पंजाब	2157.98	28	762.33	25	250.35	7
23	राजस्थान	5089.87	14	-	-	-	-
24	तमिलनाडु	-	-	-	-	-	-
25	तेलंगाना	909.90	30	1308.55	29	723.59	14
26	त्रिपुरा	-	-	-	-	-	-
27	उत्तरप्रदेश	-	-	-	-	-	-
28	उत्तराखंड	443.35	19	492.78	17	391.23	11
29	पश्चिम बंगाल	-	-	-	-	-	-

- टिप्पणीयां:** 1) राज्य सरकारों द्वारा समेकित ऋण शोधन निधि (सीएसएफ), गारंटी उन्मोचन निधि (जीआरएफ) और नीलामी खजाना बिल (एटीबी) के शेष तथा सरकारी प्रतिभूतियों में किए गए अन्य निवेशों को संपादिक के तौर पर रखते हुए विशेष आहरण सुविधा (एसडीएफ) प्राप्त की जाती है।
- 2) भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा राज्य सरकारों को उनके अल्प कालिक नकदी असंतुलन से निपटने के लिए अर्थोपाय अग्रिम (डब्ल्यूएमए) दिया जाता है।
- 3) राज्य सरकारों को उनकी अर्थोपाय अग्रिम (डब्ल्यूएमए) सीमा से अधिक की आवश्यकता को पूरा करने के लिए अग्रिम के तौर पर ओवरड्राफ्ट दिया जाता है।
- 4) प्राप्त कुल सहायता (एसडीएफ/डब्ल्यूएमए/ओडी) को उन दिनों की संख्या से भाग देने पर, जिनके लिए माह के दौरान सहायता प्राप्त हुई, औसत राशि प्राप्त होती है।
- 5) -: नगण्य

स्रोत : भारतीय रिज़र्व बैंक

सं. 48: राज्य सरकारों द्वारा किए गये निवेश

(₹ करोड़)

क्र. सं.	राज्य/संघ शासित प्रदेश	मार्च 2024 के दौरान			
		समेकित ऋण शोधन निधि (सीएसएफ)	गारंटी उन्मोचन निधि (जीआरएफ)	सरकारी प्रतिभूतियाँ	नीलामी खजाना बिल (एटीबी)
	1	2	3	4	5
1	आंध्र प्रदेश	10901	1072	0	0
2	अरुणाचल प्रदेश	2495	6	0	0
3	असम	5881	85	0	0
4	बिहार	10279	-	0	200
5	छत्तीसगढ़	7323	15	1	3861
6	गोवा	926	431	0	0
7	गुजरात	12549	628	0	0
8	हरियाणा	2206	1608	0	0
9	हिमाचल प्रदेश	-	-	0	0
10	जम्मू और कश्मीर संघ शासित प्रदेश	-	-	0	0
11	झारखंड	1691	-	0	750
12	कर्नाटक	17228	518	0	26384
13	केरल	2934	-	0	0
14	मध्य प्रदेश	-	1202	0	0
15	महाराष्ट्र	65876	1648	0	0
16	मणिपुर	65	132	0	0
17	मेघालय	1200	102	0	0
18	मिज़ोरम	432	60	0	0
19	नगालैंड	1681	44	0	0
20	उड़ीसा	17136	1927	110	4712
21	पुदुचेरी	547	-	0	1100
22	पंजाब	8637	0	0	0
23	राजस्थान	-	-	129	10350
24	तमिलनाडु	3226	-	0	3877
25	तेलंगाना	7453	1630	0	0
26	त्रिपुरा	1154	25	0	25
27	उत्तरप्रदेश	4726	199	0	0
28	उत्तराखंड	7687	-	89	0
29	पश्चिम बंगाल	12211	926	239	0
	कुल	206441	12259	568	51258

- टिप्पणियां 1. सीएसएफ और जीआरएफ कुछ राज्य सरकारों द्वारा भारतीय रिज़र्व बैंक के पास रखी गई आरक्षित निधियां हैं।
2. एटीबी में प्राथमिक बाजार में राज्य सरकारों द्वारा निवेश किए गए 91 दिनों, 182 दिनों और 364 दिनों के खजाना बिल शामिल हैं।
3. - : लागू नहीं (योजना का सदस्य नहीं)।

सं. 49: राज्य सरकारों की बाज़ार उधारियां

(₹ करोड़)

क्र.सं.	राज्य	2021-22		2022-23		2023-24						2023-24 में ली गई कुल राशि	
		ली गई सकल राशि	ली गई निवल राशि	ली गई सकल राशि	ली गई निवल राशि	जनवरी		फरवरी		मार्च		सकल	निवल
						ली गई सकल राशि	ली गई निवल राशि	ली गई सकल राशि	ली गई निवल राशि	ली गई सकल राशि	ली गई निवल राशि		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	
1	आंध्र प्रदेश	46443	36103	57478	45814	6550	4038	6900	5388	-	-1750	68400	55330
2	अरुणाचल प्रदेश	563	530	559	389	-	-	-	-80	232	182	902	672
3	असम	12753	10753	17100	16105	1750	1250	1500	1500	2500	1000	18500	16000
4	बिहार	28489	24334	36800	27467	8000	7000	8000	6000	3612	2488	47612	29910
5	छत्तीसगढ़	4000	913	2000	-2287	4000	3300	10000	9000	10000	8913	32000	26213
6	गोवा	2000	1450	1350	500	200	100	-	-100	250	160	2550	1560
7	गुजरात	31054	13554	43000	28300	9500	6440	4000	1576	-	-1500	30500	11947
8	हरियाणा	30500	20683	45158	28638	4000	2944	3000	1000	8500	3350	47500	28364
9	हिमाचल प्रदेश	4000	1875	14000	11941	1000	800	-	-589	1772	1772	8072	5856
10	जम्मू और कश्मीर	8562	5373	8473	5969	330	-70	2630	2630	1204	810	16337	13904
11	झारखंड	5000	3191	4000	-155	1000	50	-	-700	-	-1055	1000	-2505
12	कर्नाटक	59000	49000	36000	26000	23000	19000	10000	8805	21000	21000	81000	63003
13	केरल	27000	18120	30839	15620	1930	930	-	-2500	13608	12008	42438	26638
14	मध्य प्रदेश	22000	13900	40158	26849	2500	500	13000	13000	-	-5236	38500	26264
15	महाराष्ट्र	68750	40790	72000	42815	9000	4213	11000	9166	30000	30000	110000	79738
16	मणिपुर	1476	1326	1422	1147	-	-	-	-	326	176	1426	1076
17	मेघालय	1608	1298	1753	1356	-	-	-	-	-	-93	1364	912
18	मिज़ोरम	747	447	1315	1129	80	80	80	30	81	81	901	641
19	नगालैंड	1727	1222	1854	1199	-	-	400	300	400	355	2551	2016
20	उड़ीसा	0	-6473	0	-7500	-	-938	-	-720	-	-	-	-4658
21	पुदुचेरी	1374	841	1200	698	200	-30	400	400	500	500	1100	475
22	पंजाब	25814	12428	45500	33660	4500	3900	1899	1299	-	-1686	42386	29517
23	राजस्थान	51149	38243	46057	30110	6500	5500	6000	5326	14575	8625	73624	49718
24	सिक्किम	1511	1471	1414	1320	481	481	-	-	485	450	1916	1701
25	तमिलनाडु	87000	72500	87000	65722	10001	8822	4000	2600	22000	18369	113001	75970
26	तेलंगाना	45716	39256	40150	30922	3000	1205	3000	1919	7718	5575	49618	39385
27	त्रिपुरा	300	0	0	-645	-	-200	-	-150	-	-200	-	-550
28	उत्तरप्रदेश	62500	42355	55612	41797	-	-500	8450	8450	34500	31472	97650	85335
29	उत्तराखंड	3200	1800	3200	1450	-	-500	1000	-	2500	1500	6300	3800
30	पश्चिम बंगाल	67390	45199	63000	42500	6500	3500	11000	9000	17000	16000	69910	48910
	कुल	701626	492483	758392	518829	104022	71815	106259	82550	192763	153267	1007058	717140

- : शून्य.

टिप्पणी: 31 अक्टूबर 2019 से जम्मू और कश्मीर राज्य संवैधानिक रूप से मौजूद नहीं है और उस राज्य की देयताएं जम्मू और कश्मीर के नए केंद्र शासित प्रदेश की देयताओं के रूप में बनी हुई हैं।

स्रोत : भारतीय रिज़र्व बैंक

सं.50 (ए): हाउसहोल्ड की वित्तीय आस्तियों और देयताओं का प्रवाह- लिखत-वार

(राशि ₹ करोड़ में)

मद	2020-21				
	ति1	ति2	ति3	ति4	वार्षिक
निवल वित्तीय आस्तियां(I-II)	583412.7	554437.6	463583.5	679174.4	2280608.2
जीडीपी का प्रतिशत	15.0	11.7	8.5	11.8	11.5
I. वित्तीय आस्तियां	788786.3	592945.3	633317.9	1047276.1	3062325.6
जीडीपी का प्रतिशत	20.3	12.5	11.6	18.2	15.4
जिसमें:					
1. कुल जमाराशियां (ए+बी)	297412.4	278631.7	158172.2	506213.3	1240429.7
(ए) बैंक जमाराशि	281191.3	264565.3	147096.0	507719.3	1200571.8
i. वाणिज्यिक बैंक	279010.5	262033.7	143558.6	462689.8	1147292.5
ii. सहकारी बैंक	2180.8	2531.6	3537.3	45029.5	53279.3
(बी) गैर-बैंक जमाराशियां	16221.1	14066.4	11076.3	-1506.0	39857.9
जिसमें से:					
अन्य वित्तीय संस्थान (i+ii)	11040.9	8886.2	5896.0	-6686.2	19137.0
i. गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां	1441.0	3763.0	3514.8	3521.2	12240.0
ii. आवास वित्त कंपनियां	9599.9	5123.2	2381.3	-10207.3	6897.0
2. जीवन बीमा निधियाँ	124387.9	143462.2	157535.1	142216.5	567601.8
3. भविष्य और पेंशन निधि (पीपीएफ़ सहित)	114496.3	107087.9	105344.6	175769.3	502698.2
4. मुद्रा	202432.7	21286.9	91456.0	66800.5	381976.1
5. निवेश	6249.8	-12956.4	67659.3	63624.0	124576.7
जिसमें:					
(ए) म्यूचुअल फंड	-16021.0	-28837.7	57675.4	51267.0	64083.8
(बी) इक्विटी	18599.4	8291.5	5307.1	6333.3	38531.2
6. अल्प बचत (पीपीएफ़ छोड़ कर)	42751.6	54377.4	52095.1	91597.0	240821.1
II. वित्तीय देयताएँ	205373.6	38507.7	169734.4	368101.7	781717.4
जीडीपी का प्रतिशत	5.3	0.8	3.1	6.4	3.9
ऋण (उधार)					
1. वित्तीय निगम (ए+बी)	205490.3	38624.3	169851.0	368219.1	782184.7
(ए) बैंकिंग क्षेत्र	211058.8	13213.0	139622.0	276579.8	640473.6
जिसमें:					
i. वाणिज्यिक बैंक	211259.3	13213.8	140514.3	240050.4	605037.9
(बी) अन्य वित्तीय संस्थान	-5568.6	25411.3	30229.0	91639.4	141711.1
i. गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ	-15450.4	21627.1	15921.2	64881.1	86979.0
ii. आवास वित्त कंपनियाँ	10516.6	2875.1	13048.5	25336.1	51776.2
iii. बीमा कंपनियाँ	-634.8	909.2	1259.3	1422.2	2955.9
2. गैर-वित्तीय निगम (निजी कॉरपोरेट व्यापार)	33.8	33.8	33.8	33.0	134.4
3. सामान्य सरकार	-150.4	-150.4	-150.4	-150.4	-601.7

सं.50 (ए): हाउसहोल्ड की वित्तीय आस्तियों और देयताओं का प्रवाह- लिखत-वार (जारी)

(राशि ₹ करोड़ में)

मद	2021-22				
	ति1	ति2	ति3	ति4	वार्षिक
निवल वित्तीय आस्तियां(I-II)	370115.8	334234.9	489774.4	503089.0	1696155.6
जीडीपी का प्रतिशत	7.2	6.0	7.9	7.7	7.2
I. वित्तीय आस्तियां	364661.7	527896.1	818355.4	887657.3	2597511.9
जीडीपी का प्रतिशत	7.1	9.4	13.1	13.6	11.1
जिसमें:					
1. कुल जमाराशियां (ए+बी)	-82726.1	204033.6	426977.3	277625.7	824852.1
(ए) बैंक जमाराशि	-106428.9	197105.1	422392.9	264882.9	777952.1
i. वाणिज्यिक बैंक	-107940.7	195441.8	418267.0	262326.1	768094.3
ii. सहकारी बैंक	1511.8	1663.4	4125.9	2556.8	9857.8
(बी) गैर-बैंक जमाराशियां	23702.8	6928.5	4584.5	12742.8	46900.0
जिसमें से:					
अन्य वित्तीय संस्थान (i+ii)	16950.0	170.7	-2178.3	5960.0	20902.3
i. गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां	4972.6	-765.5	73.3	4211.8	8492.2
ii. आवास वित्त कंपनियां	11977.3	936.2	-2251.6	1748.2	12410.1
2. जीवन बीमा निधियाँ	114711.5	127449.8	103248.6	121541.6	466951.5
3. भविष्य और पेंशन निधि (पीपीएफ सहित)	127624.0	115463.1	98146.0	221372.4	562605.5
4. मुद्रा	128660.2	-68631.2	62793.3	146845.0	269667.4
5. निवेश	24929.6	82305.4	69760.9	50972.1	227967.9
जिसमें:					
(ए) म्यूचुअल फंड	14573.0	63151.3	37912.2	44963.7	160600.1
(बी) इक्विटी	4502.5	13218.5	27808.2	3084.1	48613.3
6. अल्प बचत (पीपीएफ छोड़ कर)	50405.2	66218.1	56372.0	68243.2	241238.4
II. वित्तीय देयताएँ	-5454.1	193661.2	328581.0	384568.3	901356.3
जीडीपी का प्रतिशत	-0.1	3.5	5.3	5.9	3.8
ऋण (उधार)					
1. वित्तीय निगम (ए+बी)	-5562.3	193553.0	328472.8	384460.1	900923.7
(ए) बैंकिंग क्षेत्र	21436.5	138722.6	267950.7	348360.4	776470.2
जिसमें:					
i. वाणिज्यिक बैंक	26978.6	140268.7	265271.5	337009.8	769528.5
(बी) अन्य वित्तीय संस्थान	-26998.8	54830.4	60522.2	36099.7	124453.5
i. गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ	-34757.9	28876.8	29476.5	-2163.2	21432.2
ii. आवास वित्त कंपनियाँ	7132.0	24403.8	29494.8	37436.2	98466.8
iii. बीमा कंपनियाँ	627.1	1549.8	1550.9	826.7	4554.5
2. गैर-वित्तीय निगम (निजी कॉरपोरेट व्यापार)	33.8	33.8	33.8	33.8	135.1
3. सामान्य सरकार	74.4	74.4	74.4	74.4	297.4

सं.50 (ए): हाउसहोल्ड की वित्तीय आस्तियों और देयताओं का प्रवाह- लिखत-वार (समाप्त)

(राशि ₹ करोड़ में)

मद	2022-23				वार्षिक
	ति1	ति2	ति3	ति4	
निवल वित्तीय आस्तियां(I-II)	297770.4	293705.1	279460.1	505937.8	1376873.5
जीडीपी का प्रतिशत	4.6	4.5	4.0	7.0	5.1
I. वित्तीय आस्तियां	586920.5	646714.8	750856.7	974558.5	2959050.5
जीडीपी का प्रतिशत	9.0	9.8	10.8	13.6	10.9
जिसमें:					
1. कुल जमाराशियां (ए+बी)	183072.0	315216.2	276593.9	324746.6	1099628.6
(ए) बैंक जमाराशि	163162.9	299545.0	256363.7	307491.6	1026563.1
i. वाणिज्यिक बैंक	158613.3	300565.0	248459.8	284968.0	992606.2
ii. सहकारी बैंक	4549.6	-1020.1	7903.8	22523.6	33956.9
(बी) गैर-बैंक जमाराशियां	19909.1	15671.3	20230.2	17255.0	73065.5
जिसमें से:					
अन्य वित्तीय संस्थान (i+ii)	6314.4	2076.7	6635.6	3660.4	18687.1
i. गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां	4040.2	3267.2	1800.9	5372.2	14480.5
ii. आवास वित्त कंपनियां	2274.2	-1190.5	4834.7	-1711.8	4206.6
2. जीवन बीमा निधियाँ	73669.9	152049.5	167894.1	141206.6	534820.1
3. भविष्य और पेंशन निधि (पीपीएफ सहित)	155604.2	132126.0	140204.4	235093.2	663027.7
4. मुद्रा	66438.9	-54579.3	76760.1	148990.2	237609.8
5. निवेश	51603.2	48630.6	49879.2	64168.5	214281.5
जिसमें:					
(ए) म्यूचुअल फंड	35443.5	44484.0	40205.9	58954.5	179087.8
(बी) इक्विटी	13560.9	1378.2	6434.1	1664.9	23038.1
6. अल्प बचत (पीपीएफ छोड़ कर)	54375.1	51114.5	37367.7	58196.2	201053.5
II. वित्तीय देयताएँ	289150.0	353009.7	471396.5	468620.7	1582177.0
जीडीपी का प्रतिशत	4.4	5.4	6.8	6.5	5.8
ऋण (उधार)					
1. वित्तीय निगम (ए+बी)	289141.6	353001.2	471388.1	468612.3	1582143.3
(ए) बैंकिंग क्षेत्र	234845.3	263782.5	368167.4	349555.0	1216350.1
जिसमें:					
i. वाणिज्यिक बैंक	230283.8	261265.3	365304.6	331292.5	1188146.3
(बी) अन्य वित्तीय संस्थान	54296.3	89218.8	103220.8	119057.3	365793.1
i. गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ	29281.6	54439.6	75878.8	80295.9	239895.9
ii. आवास वित्त कंपनियाँ	22336.7	33031.2	24903.3	36745.8	117017.0
iii. बीमा कंपनियाँ	2678.0	1747.9	2438.7	2015.6	8880.3
2. गैर-वित्तीय निगम (निजी कॉरपोरेट व्यापार)	33.7	33.7	33.7	33.7	135.0
3. सामान्य सरकार	-25.3	-25.3	-25.3	-25.3	-101.3

- टिप्पणियां:** 1. हाउसहोल्ड की निवल वित्तीय बचत से तात्पर्य निवल वित्तीय परिसंपत्तियों से है, जिन्हें वित्तीय परिसंपत्ति और देयताओं के प्रवाह के बीच अंतर के रूप में मापा जाता है।
2. 2022-23 के लिए प्रारंभिक अनुमान और 2020-21 और 2021-22 के लिए संशोधित अनुमान।
3. एनएसओ द्वारा राष्ट्रीय आय, उपभोग व्यय, बचत और पूंजी निर्माण, 2022-23 के पहले संशोधित अनुमान जारी होने के साथ 2022-23 के प्रारंभिक अनुमानों में संशोधन किया जाएगा।
4. अन्य वित्तीय संस्थानों के अलावा गैर-बैंक जमा में राज्य ऊर्जा उपयोगिताएँ, सहकारी गैर-ऋण समितियाँ आदि शामिल हैं।
5. संभव है कि पूर्णांकन के कारण कॉलम के आंकड़ों का जोड़ कुल के बराबर न हो।

50(बी): हाउसहोल्ड के वित्तीय आस्तियों और देयताओं का स्टॉक- चुनिंदा संकेतक

(राशि ₹ करोड़ में)

मद	जून-2020	सितं-2020	Dec-2020	Mar-2021
वित्तीय आस्तियां (ए+बी+सी+डी+ई+एफ+जी+एच)	20405824.2	21066027.8	21906338.5	22874301.5
जीडीपी का प्रतिशत	107.2	111.5	114.0	115.4
(ए) बैंक जमा राशियाँ (i+ii)	9977865.6	10242430.9	10389526.9	10897246.1
i. वाणिज्यिक बैंक	9192702.5	9454736.2	9598294.8	10060984.6
ii. सहकारी बैंक	785163.1	787694.7	791232.1	836261.6
(बी) गैर-बैंक जमा				
जिसमें से:				
अन्य वित्तीय संस्थान	180857.4	189743.6	195639.6	188953.5
i. गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ	51463.0	55226.1	58740.8	62262.0
ii. आवास वित्त कंपनियाँ	129394.4	134517.6	136898.8	126691.5
(सी) जीवन बीमा निधि	4102000.7	4274424.9	4551882.0	4752932.3
(डी) मुद्रा	2434693.7	2455980.6	2547436.6	2614237.0
(ई) म्यूचुअल फंड	1343752.0	1443784.4	1648999.0	1730461.0
(एफ) सार्वजनिक भविष्य निधि (पीपीएफ)	663478.0	671884.3	678997.2	742189.5
(जी) पेंशन निधि	464705.0	494930.0	548913.0	578025.0
(ज) लघु बचत (पीपीएफ को छोड़कर)	1238471.7	1292849.1	1344944.2	1370257.1
वित्तीय देयताएँ (ए+बी)	7190710.8	7229335.1	7399186.1	7767405.3
जीडीपी का प्रतिशत	37.8	38.3	38.5	39.2
ऋण/उधार				
(ए) बैंकिंग क्षेत्र	5728735.3	5741948.3	5881570.2	6158150.0
जिसमें:				
i. वाणिज्यिक बैंक	5226482.2	5239696.0	5380210.4	5620260.7
ii. सहकारी बैंक	500870.2	500865.3	499968.8	536494.1
(बी) अन्य वित्तीय संस्थाएँ	1461975.5	1487386.9	1517615.9	1609255.3
जिसमें:				
i. गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ	687643.6	709270.7	725191.9	790073.0
ii. आवास वित्त कंपनियाँ	673118.3	675993.4	689041.8	714377.9
iii. बीमा निगम	101213.7	102122.8	103382.2	104804.4

50(बी): हाउसहोल्ड के वित्तीय आस्तियों और देयताओं का स्टॉक- चुनिंदा संकेतक (जारी)

(राशि ₹ करोड़ में)

मद	जून-2021	सितं-2021	दिसं-2021	मार्च-2022
वित्तीय आस्तियां (ए+बी+सी+डी+ई+एफ+जी+एच)	23318920.4	23991428.3	24700622.2	25435684.2
जीडीपी का प्रतिशत	110.7	109.3	108.7	108.4
(ए) बैंक जमाराशियाँ (i+ii)	10790817.3	10987922.4	11410315.3	11675198.2
i. वाणिज्यिक बैंक	9953043.9	10148485.7	10566752.7	10829078.8
ii. सहकारी बैंक	837773.4	839436.7	843562.6	846119.4
(बी) गैर-बैंक जमा				
जिसमें से:				
अन्य वित्तीय संस्थान	205903.4	206074.1	203895.8	209855.7
i. गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ	67234.6	66469.1	66542.3	70754.2
ii. आवास वित्त कंपनियाँ	138668.8	139605.0	137353.4	139101.6
(सी) जीवन बीमा निधि	4929725.2	5142278.8	5213527.2	5357350.2
(डी) मुद्रा	2742897.3	2674266.1	2737059.4	2883904.4
(ई) म्यूचुअल फंड	1855000.1	2064363.5	2126112.0	2152140.5
(एफ) सार्वजनिक भविष्य निधि (पीपीएफ)	757397.8	762264.0	767287.3	834147.6
(जी) पेंशन निधि	616517.0	667379.0	699173.0	736592.0
(ज) लघु बचत (पीपीएफ को छोड़कर)	1420662.3	1486880.4	1543252.3	1586495.5
वित्तीय देयताएँ (ए+बी)	7755119.8	7868215.0	8256715.7	8668329.0
जीडीपी का प्रतिशत	36.8	35.9	36.3	36.9
ऋण/उधार				
(ए) बैंकिंग क्षेत्र	6172863.3	6231128.1	6559106.7	6934620.2
जिसमें:				
i. वाणिज्यिक बैंक	5640516.1	5700327.0	6025626.4	6389789.3
ii. सहकारी बैंक	530937.1	529376.2	532040.6	543376.3
(बी) अन्य वित्तीय संस्थाएँ	1582256.5	1637086.9	1697609.1	1733708.8
जिसमें:				
i. गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ	755315.1	784191.9	813668.4	811505.2
ii. आवास वित्त कंपनियाँ	721510.0	745913.7	775408.5	812844.7
iii. बीमा निगम	105431.4	106981.2	108532.1	109358.8

50(बी): हाउसहोल्ड के वित्तीय आस्तियों और देयताओं का स्टॉक- चुनिंदा संकेतक (समाप्त)

(राशि ₹ करोड़ में)

मद	जून-2022	सितं-2022	दिसं-2022	मार्च-2023
वित्तीय आस्तियां (ए+बी+सी+डी+ई+एफ+जी+एच)	25689017.4	26240728.5	27208717.9	28083947.0
जीडीपी का प्रतिशत	103.2	101.5	102.4	103.1
(ए) बैंक जमा राशियाँ (i+ii)	11911196.2	11956360.9	12421907.5	12701761.3
i. वाणिज्यिक बैंक	11060527.2	11106712.0	11564354.7	11821685.0
ii. सहकारी बैंक	850669.0	849648.9	857552.8	880076.4
(बी) गैर-बैंक जमा				
जिसमें से:				
अन्य वित्तीय संस्थान	216170.2	218246.9	224882.5	228542.9
i. गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ	74794.4	78061.6	79862.5	85234.7
ii. आवास वित्त कंपनियाँ	141375.8	140185.3	145020.0	143308.2
(सी) जीवन बीमा निधि	5325967.3	5559681.9	5786592.6	6038630.4
(डी) मुद्रा	2950343.2	2895763.9	2972524.0	3121514.2
(ई) म्यूचुअल फंड	2048097.3	2260209.7	2355315.8	2367792.5
(एफ) सार्वजनिक भविष्य निधि (पीपीएफ)	851913.4	858591.1	864730.6	939814.6
(जी) पेंशन निधि	744459.2	799889.0	853412.0	898342.0
(ज) लघु बचत (पीपीएफ को छोड़कर)	1640870.6	1691985.1	1729352.9	1787549.1
वित्तीय देयताएँ (ए+बी)	8957470.6	9310471.8	9781859.9	10253472.2
जीडीपी का प्रतिशत	36.0	36.0	36.8	37.6
ऋण/उधार				
(ए) बैंकिंग क्षेत्र	7169465.5	7433248.0	7801415.3	8153970.3
जिसमें:				
i. वाणिज्यिक बैंक	6620073.1	6881338.5	7246643.0	7580935.6
ii. सहकारी बैंक	547894.8	550354.8	553201.4	571339.8
(बी) अन्य वित्तीय संस्थाएँ	1788005.1	1877223.8	1980444.6	2099501.9
जिसमें:				
i. गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ	840786.9	895226.5	971105.3	1051401.1
ii. आवास वित्त कंपनियाँ	835181.3	868212.5	893115.8	929861.7
iii. बीमा निगम	112036.9	113784.8	116223.5	118239.1

- टिप्पणियाँ:**
- जीडीपी के अनुपात के रूप में डेटा की गणना एनएसओ द्वारा 31 मई 2023 को जारी राष्ट्रीय आय 2022-23 के अनंतिम अनुमान के आधार पर की गई है।
 - पेंशन निधि में राष्ट्रीय पेंशन योजना की निधि शामिल है।
 - लघु बचत के साथ बकाया जमा राशि भारत सरकार के लेखा महानियंत्रक से प्राप्त की जाती है।
 - अन्य वित्तीय संस्थानों के अलावा गैर-बैंक जमा में राज्य ऊर्जा उपयोगिताएँ सहकारी गैर-ऋण समितियाँ आदि शामिल हैं। बकाया जमा के लिए आंकड़े केवल अन्य वित्तीय संस्थानों के लिए उपलब्ध हैं।
 - संभव है कि पूर्णिकन के कारण कॉलम के आंकड़ों का जोड़ कुल के बराबर न हो।

वर्तमान सांख्यिकी की व्याख्यात्मक टिप्पणियां

सारणी सं. 1

- 1.2 और 6 : वार्षिक आंकड़े महीनों के औसत हैं।
- 3.5 और 3.7 : वित्त वर्ष में अब तक वृद्धि के अनुपात से संबंधित है।
- 4.1 से 4.4, 4.8, 4.9 और 5 : माह/वित्त वर्ष के अंतिम शुक्रवार से संबंधित है।
- 4.5, 4.6 और 4.7 : माह / वित्त वर्ष के अंतिम शुक्रवार को पांच प्रमुख बैंकों से संबंधित है।
- 4.10 से 4.12 : माह/ वित्त वर्ष के अंतिम नीलामी दिन से संबंधित है।
- 4.13 : माह/वित्त वर्ष के अंतिम दिन से संबंधित है।
- 7.1 और 7.2 : यूएस डॉलर में विदेशी व्यापार से संबंधित है।

सारणी सं. 2

- 2.1.2 : चुकता पूंजी, आरक्षित निधि और दीर्घावधि परिचालनगत निधि शामिल है।
- 2.2.2 : नकदी, सावधि जमाराशियाँ और अल्पावधि प्रतिभूतियाँ / बॉण्ड जैसे - आईआईएफसी (यूके) द्वारा जारी, शामिल है।

सारणी सं. 4

<http://nsdp.rbi.org.in> के 'रिज़र्व टैम्पलेट' के अंतर्गत परिपक्वतावार बकाया फॉर्वाड संविदा की स्थिति दर्शायी गयी है।

सारणी सं. 5

अन्य अर्थात् एक्सिम बैंक को विशेष पुनर्वित्त सुविधा 31 मार्च 2013 से बंद है।

सारणी सं. 6

- अनुसूचित बैंकों के लिए, मार्च की समाप्ति के आंकड़े रिपोर्टिंग अंतिम शुक्रवार से संबंधित हैं।
- 2.2 : आईएमएफ खाता सं. 1 की शेष राशि, आरबीआई कर्मचारी भविष्य निधि, पेंशन निधि, उपदान और अधिवर्षिता निधि शामिल नहीं हैं।

सारणी सं. 7 और 11

सारणी 7 में 3.1 और सारणी 11 में 2.4 : आईआईएफसी (यूके) द्वारा जारी विदेशी मुद्रा में निर्दिष्ट बॉण्ड शामिल हैं।

सारणी सं. 8

- एनएम₂ और एनएम₃ में एफसीएनआर (बी) जमाराशियां शामिल नहीं हैं।
- 2.4 : चुकता पूंजी और आरक्षित राशि शामिल हैं।
- 2.5 : बैंकिंग प्रणाली की अन्य मांग और मीयादी देयताएं शामिल हैं।

सारणी सं. 9

वित्तीय सस्थाओं में एक्जिम बैंक, सिडबी, नाबार्ड और एनएचबी शामिल हैं।
एल₁ और एल₂ मासिक आधार पर और एल₃ तिमाही आधार पर संकलित किए जाते हैं।
जहां आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं, वहां अंतिम उपलब्ध आंकड़े पुनः दिए गए हैं।

सारणी सं. 13

कॉलम सं. (1) (2) और (3) में दर्शाये गए आंकड़े अंतिम और कॉलम सं. (4) और (5) में दर्शाए गए आंकड़े अनंतिम हैं।

सारणी सं. 14

कॉलम सं. (4) और (8) में दर्शाए गए आंकड़े अनंतिम हैं।

सारणी सं. 17

2.1.1 : राज्य सहकारी बैंकों में सहकारी सोसाइटियों द्वारा अनुरक्षित आरक्षित निधि शामिल नहीं है।

2.1.2 : आरबीआई, एसबीआई, आईडीबीआई, नाबार्ड, अधिसूचित बैंकों और राज्य सरकारों से लिए गए ऋण शामिल नहीं है।

4: आईडीबीआई और नाबार्ड से लिए गए ऋण शामिल हैं।

सारणी सं. 24

प्राथमिक व्यापारियों में, प्राथमिक व्यापारी का कारोबार करने वाले बैंक शामिल हैं।

सारणी सं. 30

प्राइवेट प्लेसमेंट और बिक्री के प्रस्ताव शामिल नहीं हैं।

1 : बोनस शेयर शामिल नहीं हैं।

2 : संचयी परिवर्तनीय अधिमान शेयर और इक्वी - अधिमान शेयर शामिल हैं।

सारणी सं. 32

आईआईएफसी (यूके) द्वारा जारी विदेशी मुद्रा में निर्दिष्ट बॉण्डों में निवेश, भारत सरकार द्वारा रिज़र्व बैंक को अंतरित एसडीआर तथा सार्क और एसीयू करेंसी स्वैप व्यवस्था के अंतर्गत प्राप्त विदेशी मुद्रा शामिल नहीं हैं। अमेरिकी डॉलर में दिखाई गई विदेशी मुद्रा को आस्तियों में रिज़र्व में रखी गैर यूएस मुद्राओं (जैसे यूरो, स्टर्लिंग, येन और ऑस्ट्रेलिया डॉलर) के मूल्यवृद्धि/मूल्यहास के लिए शामिल किया गया है। विदेशी मुद्रा धारिता को रुपया - अमेरिकी डॉलर आरबीआई धारिता दरों पर रुपए में परिवर्तित किया गया है।

सारणी सं. 34

1.1.1.1.2 और 1.1.1.1.4 : अनुमान

1.1.1.2 : नवीनतम माह के लिए अनुमान

‘अन्य पूंजी’ एफडीआई उद्यम की मूल और अनुषंगी संस्थाओं / शाखाओं के बीच के ऋण संबंधी लेनदेन से संबंधित है। हो सकता है कि सूचना देने में हुए समय अंतराल के कारण ये आँकड़े भुगतान संतुलन के आंकड़ों से मेल न खाएं।

सारणी सं. 35

1.10 : पत्र-पत्रिकाओं के लिए अभिदान, विदेश में किए गए निवेशों का अनुरक्षण, छात्र ऋण चुकौती और क्रेडिट कार्ड भुगतान जैसी मदें शामिल हैं।

सारणी सं. 36

सूचकांकों में वृद्धि रुपये की मूल्यवृद्धि या मूल्यहास का संकेतक है। 6- मुद्राओं वाले सूचकांक के लिए, आधार वर्ष 2021-22 अस्थिर है जिसे प्रत्येक वर्ष अद्यतित किया जाता है। रीर के आंकड़े उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (संयुक्त) पर आधारित है। नीर//रीर सूचकांकों के संकलन के लिए उपयोग की जाने वाली कार्यप्रणाली का ब्यौरा आरबीआई बुलेटिन के दिसंबर 2005, अप्रैल 2014 और जनवरी 2021 के अंक में उपलब्ध है।

सारणी सं. 37

ईसीबी/विदेशी मुद्रा परिवर्तनीय बॉण्डों (एफसीसीबी) के लिए आवेदनों पर आधारित जिन्हें उस अवधि के दौरान ऋण पंजीकरण संख्या दी गई है।

सारणी सं. 38, 39, 40 और 41

इन सारणियों के संबंध में व्याख्यात्मक टिप्पणियां आरबीआई बुलेटिन 2012 के दिसंबर अंक में उपलब्ध हैं।

सारणी सं. 43

भाग I-ए. भुगतान प्रणाली

1.1.3: प्रतिभूति खंड के अंतर्गत त्रिपक्षीय रेपो का परिचालन 05 नवंबर 2018 से किया गया है।

भाग II-बी भुगतान प्रणाली

4.1.2: 'अन्य' में ई-कॉमर्स लेनदेन और एटीएम के माध्यम से डिजिटल बिल भुगतान आदि शामिल हैं।

4.2.2: 'अन्य' में ई-कॉमर्स लेनदेन, कार्ड से कार्ड अंतरण और एटीएम के माध्यम से डिजिटल बिल भुगतान आदि शामिल हैं।

5: दिसंबर 2010 से उपलब्ध है।

5.1: वॉलेट के माध्यम से माल और सेवाओं की खरीद और निधि अंतरण शामिल है।

5.2.2: ऑनलाइन लेनदेन और अन्य लेनदेन के लिए पीपीआई कार्ड का उपयोग शामिल है।

6.1: तीन ग्रिडों से संबंधित - मुंबई, नई दिल्ली और चेन्नई।

6.2: 'अन्य' में गैर-एमआईसीआर लेनदेन शामिल है जो 21 बैंकों द्वारा प्रबंधित समाशोधन केंद्र से संबंधित है।

भाग II-ए अन्य भुगतान चैनल

1 : मोबाइल भुगतान -

○ इसमें बैंकों के मोबाइल ऐप और यूपीआई ऐप के जरिए किए गए लेनदेन शामिल हैं।

○ जुलाई 2017 के बाद के डेटा में मोबाइल के माध्यम से पहल किए गए, संसाधित और अधिकृत किए गए केवल व्यक्तिगत भुगतान और कॉरपोरेट भुगतान शामिल हैं। अन्य कॉरपोरेट भुगतान जो मोबाइल के माध्यम से शुरू, संसाधित और अधिकृत नहीं हैं, को शामिल नहीं किया गया है।

2 : इंटरनेट भुगतान - 'नेटबैंकिंग' के माध्यम से केवल ई-कॉमर्स लेनदेन और बैंक की इंटरनेट बैंकिंग वेबसाइट से किया गया वित्तीय लेनदेन शामिल है।

भाग II-बी. एटीएम

3.3 और 4.2: केवल बैंक द्वारा जारी पीपीआई से किए गए लेनदेन से संबंधित है।

भाग III. भुगतान प्रणाली अवसंरचना

3: अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) और व्हाइट लेबल एटीएम ऑपरेटर्स (डब्ल्यूएलएओ) के एटीएम शामिल हैं। डब्ल्यूएलएओ को अप्रैल 2014 से शामिल किया गया है।

सारणी सं. 45

(-): शून्य/ नगण्य को दर्शाता है।

बुलेटिन के जून 2023 के संस्करण से टेबल फॉर्मेट संशोधित किया है।

राज्य सरकार की प्रतिभूतियों में उज्ज्वल डिस्कॉम एश्योरेंस योजना (यूडीएवाई) के अंतर्गत जारी विशेष बॉण्ड शामिल हैं।

वाणिज्यिक बैंकों के अंतर्गत बैंक के प्राथमिक डीलरों को शामिल किया गया है। तथापि, कुल बकाया प्रतिभूतियों में इनका हिस्सा बहुत कम है।

'अन्य' श्रेणी में राज्य सरकारें, डीआईसीजीसी, पीएसयू, ट्रस्ट, केंद्रीय विदेशी बैंक, हिंदू अविभक्त परिवार/व्यक्ति आदि शामिल हैं। सितंबर 2023 के बाद के आंकड़ों में एक बैंक का एक गैर-बैंक के साथ विलय का प्रभाव शामिल है।

सारणी सं. 46

जीडीपी डेटा वर्ष 2011-12 के आधार पर आधारित है। वर्ष 2023-24 के लिए जीडीपी केंद्रीय बजट 2023-24 से ली गई है। डेटा सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से संबंधित है।

1 और 2: आंकड़े केंद्र सरकार (एनएसएसएफ की पुनः चुकौती सहित) और राज्य सरकार की निवल चुकौती से संबंधित है।

1.3: राज्य द्वारा स्थानीय निकायों तथा पंचायती राज संस्थानों को दिये गये मुआवजे और कार्य से संबंधित है।

2: यह डेटा केंद्र और राज्य सरकारों की उधार प्राप्तियों सहित केंद्र और राज्य सरकारों के नकदी शेष में हुए घटबढ़ से संबंधित निवल को दर्शाते हैं।

3ए.1.1: आंकड़े भारतीय रिज़र्व बैंक के अभिलेख के अनुसार हैं।

3बी. 1.1: दिनांकित प्रतिभूतियों के माध्यम से उधारियां शामिल हैं।

3बी.1.2: राष्ट्रीय लघु बचत निधि (एनएसएसएफ) की ओर से केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा विशेष प्रतिभूतियों में किए गए निवल निवेश को दर्शाते हैं।

यह डेटा नए डेटा की उपलब्धता के साथ घटकों में समायोजन के कारण पिछले प्रकाशनों से भिन्न हो सकता है।

3बी. 1.6: केंद्र द्वारा राज्य सरकारों को दिये गये अर्थोपाय अग्रिमों सहित।

3बी. 1.7: खजाना बिल, वित्तीय संस्थानों से ऋण, बीमा और पेंशन निधि, प्रेषण, नकदी शेष निवेश खाता सहित।

सारणी सं. 47

राज्य सरकारों द्वारा समेकित ऋण शोधन निधि (सीएसएफ), गारंटी उन्मोचन निधि (जीआरएफ) और नीलामी खजाना बिल (एटीबी) के शेषों तथा सरकारी प्रतिभूतियों में किए गए अन्य निवेशों को संपादिक के तौर पर रखते हुए विशेष आहरण सुविधा (एसडीएफ) प्राप्त की जाती है।

भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा राज्य सरकारों को उनके अल्पकालिक नकदी असंतुलन से निपटने के लिए अर्थोपाय अग्रिम (डब्ल्यूएमए) दिया जाता है।

राज्य सरकारों को उनकी अर्थोपाय अग्रिम (डब्ल्यूएमए) सीमा से अधिक की आवश्यकता को पूरा करने के लिए अग्रिम के तौर पर ओवरड्राफ्ट दिया जाता है।

प्राप्त कुल सहायता (एसडीएफ / डब्ल्यूएमए / ओडी) को उन दिनों की संख्या से भाग देने पर, जिनके लिए माह के दौरान सहायता प्राप्त हुई, औसत राशि प्राप्त होती है।

:- नगण्य।

सारणी सं. 48

समेकित ऋणशोधन निधि (सीएसएफ) और गारंटी उन्मोचन निधि (जीआरएफ) वे आरक्षित निधियाँ हैं जो कुछ राज्य सरकारों द्वारा भारतीय रिज़र्व बैंक के पास रखी जाती हैं।

नीलामी खजाना बिलों (एटीबी) में राज्य सरकारों द्वारा प्राथमिक बाज़ारों में निवेश किए गए 91 दिवसीय, 182 दिवसीय तथा 364 दिनों के खजाना बिल शामिल हैं।

--: लागू नहीं (इस योजना का सदस्य नहीं है)।

वर्तमान सांख्यिकी संबंधी अवधारणाएं एवं कार्यप्रणालियां भारतीय रिज़र्व बैंक मासिक बुलेटिन के वर्तमान सांख्यिकी संबंधी व्यापक मार्गदर्शिका (<https://rbi.org.in/Scripts/PublicationsView.aspx?id=17618>) में उपलब्ध हैं।

‘वर्तमान सांख्यिकी’ का टाइम सीरीज डेटा <https://dbie.rbi.org.in> पर उपलब्ध है।

विस्तृत टिप्पणियां भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी संबंधित प्रेस विज्ञप्तियों और बैंक के अन्य प्रकाशनों जैसे **भारतीय अर्थव्यवस्था पर सांख्यिकी पुस्तिका** में उपलब्ध हैं।

भारतीय रिज़र्व बैंक के हाल के प्रकाशन

प्रकाशन का नाम	मूल्य	
	भारत में	विदेश में
1. भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन 2024	₹350 एक प्रति ₹250 एक प्रति (रियायती दर*) ₹4,000 (एक वर्ष का सदस्यता शुल्क) ₹3,000 (एक वर्ष रियायती दर*)	15 अमेरिकी डॉलर, एक प्रति 150 अमेरिकी डॉलर (एक वर्ष का सदस्यता शुल्क) (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
2. भारतीय राज्यों से संबंधित सांख्यिकी पुस्तिका 2022-23	₹550 (सामान्य) ₹600 (डाक प्रभार सहित)	24 अमेरिकी डॉलर (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
3. भारतीय अर्थव्यवस्था पर सांख्यिकी पुस्तिका 2022-23	₹600 (सामान्य) ₹650 (डाक प्रभार सहित) ₹450 (रियायती) ₹500 (रियायती डाक प्रभार सहित)	50 अमेरिकी डॉलर (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
4. राज्य वित्त: 2023-24 के बजटों का अध्ययन	₹600 एक प्रति (काउंटर पर) ₹650 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	24 अमेरिकी डॉलर, एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
5. मुद्रा और वित्त संबंधी रिपोर्ट 2022-23	₹575 एक प्रति (काउंटर पर) ₹625 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	22 अमेरिकी डॉलर, एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
6. भारतीय रिज़र्व बैंक सामयिक पेपर खंड 44, सं. 1, 2023	₹200 एक प्रति (काउंटर पर) ₹250 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	18 अमेरिकी डॉलर, एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
7. पंचायती राज संस्थाओं का वित्त	₹300 एक प्रति (काउंटर पर) ₹350 एक प्रति (डाक प्रभार सहित)	16 अमेरिकी डॉलर, एक प्रति (हवाई डाक कुरियर प्रभार सहित)
8. भारत में बैंकिंग की प्रवृत्ति एवं प्रगति संबंधी रिपोर्ट 2022-23	आरबीआई बुलेटिन जनवरी, 2024 के पूरक के रूप में जारी किया गया।	
9. वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट-दिसंबर 2023	आरबीआई बुलेटिन जनवरी, 2024 के पूरक के रूप में जारी किया गया।	
10. मौद्रिक नीति रिपोर्ट - अप्रैल 2024	आरबीआई बुलेटिन अप्रैल 2024 में शामिल है।	

टिप्पणीयां:

- उपर्युक्त प्रकाशनों में से कई प्रकाशन आरबीआई की वेबसाइट (www.rbi.org.in) पर उपलब्ध हैं।
- टाइम सीरीज़ डेटा भारतीय अर्थव्यवस्था के डेटाबेस में उपलब्ध हैं (<http://dbie.rbi.org.in>)।
- भारतीय रिज़र्व बैंक का इतिहास 1935-2008 (5 खंड), भारत के प्रमुख पुस्तक भंडारों में उपलब्ध हैं।
- * भारत में छात्रों, अध्यापकों / व्याख्याताओं, अकादमिक / शैक्षिक संस्थाओं, सार्वजनिक पुस्तकालयों और पुस्तक विक्रेताओं को रियायत दी जाएगी बशर्ते उन्हें पात्रता प्रमाण प्रस्तुत करना होगा।

हाल के प्रकाशन

सामान्य अनुदेश:

1. सभी संचार निम्न को संबोधित किए जाएँ:
निदेशक, रिपोर्ट और ज्ञान प्रसार प्रभाग,
आर्थिक और नीति अनुसंधान विभाग (डीआरकेडी, डीईपीआर), भारतीय रिज़र्व बैंक, अमर भवन, तल मंजिल,
सर पी. एम. रोड, फोर्ट, पोस्ट बॉक्स सं. 1036. मुंबई- 400 001
टेलीफोन: 022-2260 3000 विस्तार: 4002, ईमेल: spsdepr@rbi.org.in
 2. बिक्री के लिए प्रकाशन प्रातः 10:30 बजे से अपराह्न 3:00 बजे तक (सोमवार से शुक्रवार) उपलब्ध हैं।
 3. प्रकाशनों को केश ऑन डिलीवरी के आधार पर नहीं दिया जाएगा।
 4. एक बार बेचे गए प्रकाशनों को वापस नहीं लिया जाएगा।
 5. प्रकाशन के पिछले अंक आम तौर पर उपलब्ध नहीं होते हैं।
 6. जहां कहीं भी रियायती मूल्य का संकेत नहीं दिया गया है, भारत में छात्रों, शिक्षकों, शैक्षिक/ अकादमिक संस्थानों, सार्वजनिक पुस्तकालयों और पुस्तक विक्रेताओं के लिए 25 प्रतिशत की छूट उपलब्ध है, बशर्ते पात्रता का प्रमाण प्रस्तुत किया जाए।
 7. सदस्यता शुल्क के भुगतान के लिए एनईएफटी को प्राथमिकता दी जाए और भुगतानकर्ता के नाम, सदस्यता संख्या (यदि कोई हो), खाता संख्या, तारीख और राशि सहित लेनदेन विवरण spsdepr@rbi.org.in पर ईमेल किया जाए या डाक द्वारा भेजा जाए।
- ए. एनईएफटी ट्रांसफर के लिए अपेक्षित जानकारी इस प्रकार है:

लाभार्थी का नाम	आर्थिक और नीति अनुसंधान विभाग, आरबीआई
बैंक का नाम	भारतीय रिज़र्व बैंक
शाखा और पता	फोर्ट, मुंबई
बैंक शाखा का आईएफएससी	RBIS0MBPA04
खाता प्रकार	चालू खाता
खाता संख्या	41-8024129-19

बी. गैर- डिजिटल मोड के माध्यम से सदस्यता के मामले में, कृपया भारतीय रिज़र्व बैंक, मुंबई के नाम पर मुंबई में देय डिमांड ड्राफ्ट/ चेक भेजें।

8. प्रकाशन प्राप्त न होने संबंधी शिकायतें दो माह की अवधि के अंदर भेजी जाएं।